TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4505**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

शरीरसंबंधसमसा। [illegible] सुख

रेजीव मे रहु प्रा स [illegible] सुप [illegible]

कामसि कै करौ ।। परदरी मन [illegible] बिल [illegible]

विसनपूः मन मो हिरे एक श्री [illegible] दीस ।। ९।। [illegible]

द्धिरस्व यागीतं ।। ८।। श्रीराधनाव ६ एकाल।।

वजल निंबपार २ बुड्के ताश्री जिनराय ।। तिय ताम्र

ववत ६ बीतलौ उपाव ।। जो जीव कैरे बहु पापग्र नेत्री

।। चोरे परदारागमन करै बहु दीन ।। ११।। जीवसंत ले

गीवस्व रणी न लौ बिचार ।। ज गिरु [illegible] कोमसक भ

नर ण प्रकार ।। जसवरतिश्रनर समा कतवत घा रक

[illegible] धुसक ।। भ ।। श्री करणौ ।। बहु पापकरे गि लिय

नो ।। माबौ ।। तंदोउ अप पाप फल पर न बि कीणे ६ नदव

कि ।। [illegible] नोन नाना बाढे मे सार ।। ठेमी मे किमकर

नी पा कृ । २ । । २ ५

…धारे:॥२ जी०॥ मरूपे पाजननउमा
थइ … मनाणी मन मोही जी वदे तौ बहु मो:
बहु… पश्र्ण चारतो कुडु मरीयइ रोग:। तव श्यार ति…
जीव पर्यो कारइ मोग:॥३॥ जी०॥ सुहगुरु मिदु मनर क…
मइं मैं नल्माद्य नेक:। कि मते दिवस हिं मष्ठे: मउ पं…
बिका तव धर्म नक माईइंडी नगन विपर्ई प्रमश्यान ति…
नइ: मरिय ति दुरगति जाई॥४॥ जी०॥ तिहां षीटू … मइ:॥
न मैश्रनं तो काल:। प्रमर एण अकांमन कार कह्यो: उ संम…
ल:। ह्विपं हित श्रावक साधु महाव्रत पाले:। जिन वाणी
सी पाप पंक पर काले॥५॥ जी०॥ जीव जयणा पाले:। सा…
व न मुखि नाखे:। जिन मूल गुण अनइ उत्तरगुण नि…
मे:। गुणसणनी तुलना करइ केतलाहीम:। टाल…
…नामोहलो वनइ स्रास:॥६॥ जी०॥ गुरुमा पि…

ग्रह नि: साधइ काल:। सुरसु …
…नोमाज:। ते गिणउ आराधक:। ज्ञलो … सुप … ॥
…डोउ न विर बो बिला नसुष मागे:॥७॥ जी०॥ …
…म मर णीय गीत:॥५॥ वाणीय वाणी दीउ मुगुनि नरमल
…ढाल॥ जिणवर २ नी चित मेंनलउप। धरम मह २ दे सक…
…प्यान क्रिया गुणउ ले लघुप्र। जिमल हे २ सिवसुख सार वि…
…णि वयना चित मेंनलउप। मंनलोन विमल ध्यान ध्यानी
…क्रिया कष्ट घणुं करइ:। जव पाविय न किंमइ पडु चउ: दुष:
महतउ बहु फिरे:। जिमव चिरआग लिगीतनाटिक: श्रीध
…जिनमाहये:। जिम तुस हयंडण:। आण विणु धर्म: पापमल
…प्रूदूषे:॥१॥ इम गिणि२ समकित उलषूये:। आणा उ २
…णी नाव:। किं श्री ति वरो धर्म मस्यं स हाय। नवि जल २ तारि वा
…कि: इम गिणि समकित उलषीय उलषी परि अमार सू…

...दुषन बिहचै: सुषन मेचै:। गिण
...ली। ज्येष्ठ एककलेग्यांनी सिवपुर: तेश्रुत गि गौस
ही:॥ स... गऽपान क्रिया बिद्धते: सिधश्री जिणवर कहीः॥२॥
जिम रथ चक्री बिना... फिरेये। उभयेर पंखि बिपंथ कि...
थपंगुबेव निरवहेय। नगरइ नगरइं पईजाईः एक कि...
रथ चकी बिहु फिरेए। फिरैरथ जिम बिहूं चक्कै तिम...
नांने मिली। कर्म आठे षय करै सिधिसयंवरि जाइ ते पईक...
नी। एहवा मुनिवर जोयजग माहइं:। तासु पाय लागीये। कदि...
षसेवा साधुनी करीः। ग्यांनचारित्र मागीयेः॥३॥ इति तियं य...
॥६॥ मरुं मरूचवक नी बामी। ए ढाल॥ जिमको इनेर पेमम...
गजा। नि विसेमय। बिहसेण न निमातोरे पीपलो येः॥ प...
पडाजोईवाऽऽउ। कुलआवे केदि घडीः। रमचढी जोनाचीवैप
गोए॥२॥ उरलतेल। बिण सीयः। मे मनठेठेल्ल मीयः
मीहसीपापकरेनरइमकोईयेः॥३॥ पापरषाईमातऽ। ज...

...उबानलहीसंरीजी। मोगिकबह... ९५
...तडांजी। मोतिपूरी पाडः॥४॥ स०॥ बिद्ध...
...ली। आ मेपनवीमासि:। ह्रिवपूरी कोडिनदीरः। जीवप
...र पसिः॥५॥ स०॥ इसजी णी चारितलीयेइ:। पामेवि
...न ग्यांन जीलपेव सेवकआरः। केवलनदेसुत ग्यांन॥६॥
...॥ येउपदेससुह मणीजी॥ ढंढो नोद बिकारः। जिनआ...
...घरीजी॥ जाणआ पिरसंसार॥७॥ स०॥ जीवजतन त्रिबि
...करूरः। ढीमेसेगतिनारिः। मोतिघनमीतनतामोइजी॥
...जीजिए धूम मारः॥८॥ स०॥ दोषवरतानी सटालीइरे:
...सुचआहारः। समतासमरसुं आणीइरे: जिमलहे
...:॥९॥ स०॥ कपिलकहेब्रमएह उरेः। ओपाले
...नइ... जोरीब्रह्मो कहैरेः। तेनरदसंसारि॥१०॥ स०
...रवे:... गीतः॥४॥ सोजननेरेव धाम पलू: एकोले:।

॥ गोइ॥ सु गवाहू नररायारे। मयणरे हाथ
ही तबे ... रवे पति। निमियरतेदनापायरो॥१॥ सुरपति इ
बिंतिजामसमसा। कोधारे। ममता। ना। विडउतररे इजी
ष्टेहोनी। बारे। आनारी। क रिइक कंकणनपरि॥ दे
बरख संसारीरे। जीते समरणचारि त्रलेवा। पुकुन
बनहसेजारीरे॥२॥ सु०॥ श्रीसगनूपैर्वेइपधा अप्प
पूर्वेबाल विचारीरे॥ निपला नयरी कोईके लोहल
कपाणदीहैं धारीरे॥३॥ सु०॥ छद्दऋबेइकफूलेफ
... बाय बिनयेकोलेरे॥ स्वारथि इलाणपं पायामवि
...डाजे ...कर नावोलेरे॥४॥ सु०॥ स्वारथिउ सह कोई अबेस्
लोभ...र विचारोरे। कमैवसिरसा विण्कवा मिली। या। बी
मी ... नेहीबारोरे॥५॥ सु०॥ ...पूर्व तुवरूप देई। वासव

समगजाअउरे। त्रिभाउदा बिगोदेरे बे... मूमाहि
वितिनायउरे॥६॥ सु०॥ सोनतजीसियमना॥ ...गोप
मपदपायहरे। इमजाणी जो बिषय निवारइ ... जीजी
समुगुणगावइरे॥७॥ सु०॥ इतिनामित्रजअपागीने
॥१॥ समनेहा गीत मसमयमकरि श्रमादा॥ पढाल॥
जिमनहुपाकोपानडोजी। पडतननलागे बारजीवत
व्यंति मसोण सतणोजी। जाणकोदयमजारि॥१॥ स-
नेहणोतम ममयमकहि सिजमा दः। समनासूमन
...कउजी॥ इजिनउनविधिबादा॥२॥ सोकणी॥ ना...
जलकण जिमउजी। चंचल चतुर बिचारि॥ श्रीयत्र
रमनरतणउजी। जिमबलिश्रीजलीनारिः॥३॥ स०॥ अ

...मेजी॥ नरस बहुलंरजा॥ लो:॥ कायथितिइं
तनं ...जी॥ करमहतनैश्रमा॥ लो॥ ३॥ स०॥ थारिजदेश
निहनाजी॥ अतमकुलश्रबता॥ २॥ मंत लिहुउ जिणधमेन
जी॥ मरहणाश्रीवार॥ ४ स०॥ महजंचमोदाजीवडूजी॥ क
ममुषीश्रतिलीला॥ मयरजोग निरवलहवेजी॥ इडि
इहीला॥ ५॥ स०॥ नेहतजै श्रलउपरीजी॥ कमलतजै
मनीरा:॥ मकरतांविलवलकु स्यडजी॥ लह स्यउनवजलनी
दा॥ स०॥ कोमनोगत्येपरिहस्याजी॥ मकाम तसुश्रनि
पाबोकिमनीउवम्भजी॥ :एपँ फितजनना॥ मा॥ ७॥
जीवयकरदवाडु स्यइजी॥ मईस्यइजं नधर्म:॥ बिर
लोवलमानमइजी: लहस्यउ जिनमतमर्म:॥ ८॥ स०॥
म॥ लाहउ केवलीजी॥ मनमादरोमे देसानउ कुडमोलइ

...उजी॥ निरमलमारगपहा॥ ९॥ स०॥ नवस्मनारि
तस्याजी॥ कमेषिप्पाश्रतिनूरि:॥ समुद्दतर ...गोप
जी॥ बूके उम्मेदूरि:॥ १०॥ स०॥ रागरोससवेपरिहरीजी॥
लिय उपदेसा गोतमसुगतिपधारीश्राजी॥ बहुसउन
विसेस॥ ११॥ स०॥ इतिद्रुमपत्रगीत॥ १०॥ सामीसंय
श्रादरोयएढाल॥ मोहमदमहूपरिहरीरे॥ लोधौसंय
मानस्येनरकरैश्रतिघणा:॥ नलहैनलहैतेयाविचा:
॥ किसुगुरूगीतारपसेवायइए॥ कीजईकं जईत्यांन
स: किन्यांन वंतापूजैोलहैये:॥ श्रनुक्रमियसुक मिह
बासः कि:॥ श्रीकलो॥ पंचगामेमीपनलहै॥ मान १
रप्रमाद ३ रोस ४ श्रोलस ५ इणपरिहरै: नलहै २ जगो
वाद:॥ कि०॥ २॥ सगुरु॥ क्रोधनकरैः १ साचबोलै २ वि

वत २ सुसील ४॥ लोलपलेः ५ मर्मद हा सु ७ गल ६ः द
मत क दिदनक रिलिदे सुरव सील ॥ ३ कि॰ समुरः ॥ आवं
व मेपएल पोषे सी अमुत्र णर सा ल ॥ अबिन तग मेच
एक हियालेसु लि लेसु लिग्र बिनय ट ली किसमुरग त
रपमेवीये ॥ ४ ॥ को घक रिब लिते ७ दे रे २ करे मदन
हित्नांना ३ मित्र मूंन विज्ञ लिमेक ४ अ तिहं ७ २ करइ ५ प
यः ॥ न ५ कि सु॰ ॥ तिनै बर अबस्तु लौ पोडे ६ मित्र मूं करै
॥ मित्रनी लिदाकरै उपेन समुड २ २ घ मेंद लोप ॥ ६ किसु॰
गजो ॥ राग न करे सु निन ई २ ॥ दो गे करे अप्री ती १० तु ब
पडाओ ॥ २ नद मैई घो १३ ओ हय २ धरे १४ बकु ची ती ॥ ०
लोग ॥ दमपेच २ वा मबा ना नकेर ॥ बोले नि मम नरग ना मे
मी तहेमाया २ नकरै २ कतूहलरै गए कि सु॰ ॥ न वि नि

लैग ॥ जा लिपर ॥ न विली ७ मैयस ॥
॥ ३ स॰ ॥ जगा निवा डिगयए ७ बिहर वा नदी
आकार ॥ सु निन्हूं कहि र हर्षी नुमजा ७ ॥ तो सुर सां नि:
कारः ॥ ४ ॥ स॰ ॥ साधुमनि ई सुर संकानिवे लेः दीजे
ई पात्र ॥ मुरु सं रिषे तु मेंअ वर नलद स्पेः तपि मुरु
नि नैलगा ज ॥ ५ ॥ स॰ ॥ बिसकदेवे दृग्योनी पूरा ॥ तेस
पात्र सुचैगा ते हनेंहा ॥ चैबडुफ लहू स्ये ॥ लमुअपरि
मृहरेगा ॥ ६ स॰ ॥ पचैआभवजे निनुसेवे ॥ पूरा ॥ को घर
माया ॥ तम सेवा करै उद्ग वई रे ॥ तिसचेपा पखतर ई ॥
॥ सा ला बिघ रिषि नै दूख वो मूं के सयलय हरः
वेयावच नइ कार ॥ णीः यस्तु २ हएपं कुमर ॥ ८ स॰ ॥
लागी बिचषमा वोसा मितम्हे समस७री सामृतन ई री स॰

धरथि... ईपरिसिंनलउजगसा॥९॥स०॥सुरबेय
बचजेणिकरइरोतिणिपइएपींकुमार।पायलागीपां
तारोसीचोरसिआहार॥१०॥स०॥सुरदुंदुभिआकास
डे।चनचनकदेदाताराजलफलफलसुसोवरसे॥बि
लदेधर्मसारा११स०॥नावसन।तिनावनयगतेईपाप
तणीमदढालिशतसुपरडसोवलिरलागइ।जेसु
संयमपालो॥१२॥स०॥इतिदरिकेसीगीत॥१२॥च
विचारीपेरेइढाल॥वसदत्तभुरकेपिलराजीयवे।प्र
तनालपुरीचिन्ना:चर्मसुणीतेणिसंयमआदरइरोत
इरइविचित्र॥१॥चतुरविचारीइरे।नितिचितचोप
जमालि।कर्मतणीगतिकोइनजाणइरे।केवलमांनी
ला।आकणी।केपिलपुरीमुनिचित्रपधारियारेवंदण

पतिजाराघूरवलवमजीतिसैनरतोरेमनिरलोय।
धाराइचं०॥सदमारतिमृगकलिजरइरेरगंग
इसरालइकरमसंयोगइआपणअवतरयारेका
दसचैंडाल॥३चं०॥अेपलोकिदोइऊआदिवतारे।ठ
नाविविजोग।इमविचारकदिनरराजीयउरे।दिवे
कायक बिणुयोग॥४चं०॥कर्मनियाण३।चित्रकहेइ
रे।तिलिहूहूआअवतार।नृपतिकहिमईयसूंदकन
रे।जीतिलाधाभोगभंडार॥५चं०॥चित्रकहेमईर्दि
लीलदीरे।तजिआगमनतणीवाका।जं:सुनीवरराई
गामकोनतणोरे।एमरमीदा।जिनराजी॥६चं०॥राय
एअंतेवरीरे।मोदेसपंचलहइराजानाटकगीतना
रसजोवतांरे:।नरजनमसफलकरोआजा॥७चं०॥

रखवरी तिंह रिबिवलतूंकहइरे। वाठकगीतअसार।
येगालिमयच्यवमालाई दूमदीयइरे। ठैकरुकोमविका
राम्वं०॥सदहरेसगनैसगदेमतोरे। जिमचिंडे हरैमी
चाणा जिमपरिवारसहूकोदोमवारे। जेपसंघरेपराणा
४॥ चं०॥ कीधूंकरणीकेठेओ। विस्मरेरे। धनमासीमे
लिपरिवार। मवोध्यीनरपतिसमकिललहैरे। पण
कर विरतिआचार॥१०॥ चं०॥ वारिंच चितरसूवोपा
लियचेरापामेश्र बिचनतमातसुगुणणावेइचुसोन
दिईरो वालिरकरइप्रणमा॥११॥ चं०॥ इनीचा
ज्ञलीती॥१२॥ मेवरिमररदतराजयदिवसीयठाम्
रहखुकारेः नपइखुकरया। तसुघरिकैमला। राणीघा
रया। सारएतेह विचार नैलिना। तसुपरोदितनसुपेः।

तसुनामिनारी:जसा सार। सुतनी चितोक रातव
इंसुरवर सा धुवेसह। तिहनेघरिगानयतेघती
आदरः सो धुपासे। ऊरममारगपावस्या॥ मनने
वतारिपिआगलिकहे:। भुवनकुमरसुलितवालि
तसरदहो। सरदहे वचनइम सुनइ। बालपणसु
तेघाइस्य। कादमसरमेतोगजोणी। ते तिहंनवि
चवस्य। तसुअंतरायनतमेकरिवउराइसूंकहि:
इनीकस्या॥ केतलीअंतरउत्रजनम्यां: बिचन
नितकस्या॥२॥ बालकनेरवैः तोनणरमव
:। एमुनिदेखेबालकनेअहो। यदेंबालकनेवि
सी। मांमतिहनौबावरे। वेमासरहनोजोलको

तिलोक र गिनक्कै करै। कुमर वी देतान वोली। ए
मैलिसंग नी। जिह सौ पुंद घेन यग वैसो। वी सतो जा र
नी।४३। रकग्र व सरितो मु निदेसी भुले:। एक तरु ह
र। रिणितेहनर मिली। न विचलेर छिसी पुगन मुम
जानपाणी नीवण। कूपदी वृ कणार को ली। जो विसम
णहीवण। तेस्री वितानस मीप: अनुमति: मागए वी
नतणी: तव विप्र भौरे कुंमर रतै लिहो। परि दिपले अ
ली।।४।। वेदतणी जै: दीजेद रुणी। विप्रपातणी मुप: अ
। रिचणी:। अपणी मुतनेघर रतनी वी। पवैतापम
लो।। ए बचन मैन लिकुमर रतैहनै। रमैपर उतर
द मर गन दियर किहनै: वींजपार तजाणीयउ। वू

पात क उत्रपीनक्क। विप्रसिद्ध मलदे श्राणीयउ।
तु घनजौ मनमदी सैम अलये। मजनसने दी।२
जैजालये। डैजाल म याततो मै दिर। पदही सेज
हु। पदउजीणी यती पासूं तातक देर सूबहु।
तुम तिस्रापउ रमउ कहती। विजवरराग ईचमउ।
धर्म पापे: जीवबक्रुप रि:। नवन वैस वरउ वडी:
घ।। सुपह वूंक हितो नारि बूरुवी। ममता मायादाल
रुवी। रीरुवी चारित्रि लियर तत्तचिपणा:। रायगम
वम। तेविप्र केरउ रणरग्र वस रि:। न। चितस
वम। स्वानवै बडव मउ लैवा। तेह मरी पेतूर सु:।
मतेद धन नउ। आर पव्रुकनराय ए मकरतो जमनै।
नरपति संग लिचा रिस्त्री दरै। कै मनसोणी:। जो

अतधंर अत धर बदजणग लिपरियदा मयण
तेमिरदलै। गलना विकेवलनांनपा।।मुग तिनगर
ई मिलि। कोजयग्र बिहउसा। घमदउे। धरमश्री तिख
डी।प। कंदेबसपदव साधुर्वदी। जनमनी। फलली
प्रागण। तिंरसु कीनीया। ध्ययनगीतं।।१४।। मदवा
निवरबां दिइयदाल।। पंचमद अतजप धरैः। यले
पत्रदरारे। बिब धिपरी मदज्ेमदे। नवकलपकरे
ः वदरोरे।।११।।मदबाग्र निवरबींदियर। जिमलदी
पारीरे केसीगुरुपरदसी। जिमः। नवपउला दि
उो
हेरारे। आंकणीः। बारर नेदेतपतपेः। पालैपंचत्र
ः निरकपजकसमगीतिः। गुणजोइसणकदउलगा
१२ कोईबेरेबांमलो। वरणकोईलगावरो। बिइपर

गतोग निधरउ। गुर्लनावनबारदनावदरे।३
२।। बालीस बिक्कककग्राणला। नितुदोवल जरग्रा दे
रः से बिनागमु निनइकरउ। एमुग निजपति नि
गरररो।।४।।ग। कमबे धजेद धीड वरानकरर ति
। विवादरे नव विधमे। लरनितुगमग। पदूरनावे
धवेदरे।।६प०।। श्रीगरग्पारउ ज्येनणा। शपूरदच
विवारउरे। संयमन गुणसा धलो। नविमए पाये
तांग्गरेः।।७।।प०।। रमग्र ध्यमनरपनर मईः मार्व
णी। गुणदीमेरे। वरणकंमल निरतेदनी। अर्ड
कैंडगीमेरा।। ८।।मदवाग्र निवरबींदी यह रति
क ग्र ध्ययनगीतं।।१५।। मीनमोदाकउरे मजणां
निवीयशायलल।। मीमिदमस्वामी जंबूयतिन

ऽरहपसूनपूसकना रिरा।रा तिडवासउरेवंसति
जि गिरहइ तिहनरहइ ब्रह्मचारि १२ सीलसोहा बू
साजणसेवीयइ कीजइ घर भंग्रन्यासरे जगमघ
ला सूरेसम ४ ते आंणीइ इमलहीइ सिधवासरे
२ श्रीकणी बीजीवाडि इरेकुलबलना रिना जातिरू
नवभाणइरे त्रीजीसज्यपक आसणइ रहिवनाव
आणइरे।।२।। चेगा अंगउवंग जिना रिना वयण
रणभाणहासोरो चउपी वाडीरेन विनर पिवाजी
विमय विलसेसो।।३।। सी।। परिय चिवी तिरअंते
डी वसो पंचमिवाडि इकारोरे कोम अनइ वलि
तैगव्यानुग तेन मंना रिरे।४।। सी।। मातमिसर
आहार निवा रियो जीणइ कुइ बिरुप्रय विकारीरे।आ

गलिअ तिघणअसणनकीजीइ सीलपलेइमस
रो।।५ सी।। अंग विभूषा न वंछ परिहरने नाहण
विलेवणटालउरे। दसमय पंच विषय निवारते
लसु तिर मलपालउरे।।६।। सी।। इमदससग मे
लडि कें धरे। तसु सुरनरपागीइ जी ब्रह्मावल
रहनरवीनवइ समकितसील विमागइजी।।७।।
सी।। इतिदसब्रह्मचर्यसमाधिगीतं।।१८।। साहेब
जीवइ वाटडीप्रहाल।। चारित्रचीय रमनिघरी
वलीटालउ थाइ सीहनलीपरि आदरी जेब्रकपु
इजाइ।।११।। पापश्रमणसंग तितजउ। जिम सेवउ
हिजईयइ। मुद सुगुरु सेवा आदरी। वंछित सुफलदी

यश॥ श्रीकर्ण॥ राति दिवस निंदा करे। गुरु पूजा टाल
श्री गुरु नी निंदा करे। अवगुण दे बोलइ पाप०॥ बी
रीजाई चांपतो। बिना पूजइ बेसइ। साधु नवाडइ आपन
अस संच लिवद से॥३ पाप०॥ पहिले हे पर माद स्युं।
साह नूं बोलइ बाद दीरै अति घणो। संयम पाले
लइ॥४॥ पाप०॥ बाद कनइ गुरु सूं करै। निलुमरस श्री
हारश इतपन करि सुख सीलियउ। गुरु संगति वर
॥ पाप०॥ ओग्प। श्री घमतो लगइ। जे तेसु खेपालइ।
… पालटी छकाय नपाले॥६॥ पाप०॥ पासत्था दे
… पापश्रमण विचारो। विषम एहि निंदा लद्दो न
नवपारो॥७॥ पापाए दुदो मज्ये परिहरे। तेहन समाध
मिय ज्येहजा लहै। रानै अबी धा॥ ना॥ पाप०॥ इम जाणी श्री

साधुनी सुगण बुझ उगाड़। इक मनि संघ मागत
गीयायत प्याइ॥८॥ पाप०॥ इति पापश्रमण गीत
॥१॥ आंबा मिलो सदे लडी। ढाल॥ कपिल कुरव
… जीव उसखि संयत नाम स्यानो। मग परदल मा न मद
… लइय। बिकु परिसेनाप रिवडय उ। नरपति व निज
… हरे। प्याइ नई ह रिगत गो प्रविई झलइय॥१॥ रिई
… गइ मगव लगइय। जाइमु निवरपा सइय। सासु
… न्त रिउन पपूर्वई गयउय। ध्यान मोन तिदं सू निर
… ठे। इक तरू मूलइ बइ ठउय। दीवडर जा नयु
… लघ यउय॥०२॥ तुरंघ की रायउतरी। रिषिं
… पाये लागइ। एमागइ नया घणो। मु निवर तणो य।
… सामी हडं राय संयती। तम्हे रीस निवारउय। वार

बारूनइ मोरकरौ सेवक तणीए॥३॥ मुनिवर
३ तर नौ विदीयेया राजा मनि बीहेयु। इहैय वच
न म निसोषनूप। साधुक देन यम मकर उ संके
इ सीचउ। ४ साचउ मरणे जाणउ धरम नूप॥४
मात पिता बंधव नाई नकुकाई सघाई रो जाई नर
परत्र विशेषोणीप कलउ तिणकारण हि सातज
मलिक कणासउं नावउ। नांवउ नइ संयम मारग
णनिलउ॥५॥ एपरि राजा मैं चली। ल्यैइ चा
सातूस। वा रैय क्रम नितणी मनि चावना सांग
रथपइपकसउ। मुनि करइ विहरय। सारय
रय मन सिउं जिन धर्म सेवना सो॥६॥ द्रेयराज

कुमर मैलइ। विहकरइ विचारयौ। तौरइय।
जिनधर्म प्रवहणनी परइय। त्रणि सत्री सप
डी। सदहणा न कीजेय। लीजइय का रिवितेक
धर्म चिंकं परइए।७॥ सुरनरसगर मघवदंक
तीणिय धर्म कीधउ नरनवुलाहउ तीणि वलीए।
सांन कि वाधर्म साचउ। करतेल हइ संपय। नसु
य ब्रमोअ वंदइ मनि निरलीस॥८॥ इति संयतीय
तं॥१५॥ सिधतणो सुगण प्रहि सनि गाउ एढाल॥
सुधी वप्रुरिसाय बलिन इ सोहइ। सुगानामि रा
जन मोहइ॥१॥ धनरसो धुमगासुनदी सइ। नावध
रीवेद सजसीसइ। स्कुपद देव दुर्गंध कनीपरिनो

गरा-जत्रा मिच्छ उंअर मइं ना रि सेवी गइ ॥३॥ वन०॥
मार गीमु णिवर दीखज्जा लेउ ॥ सी धत लेणइ श्रु णिक्कु
ररा लेउ ॥३॥ स० व०॥ तत खणे जाती समरण पाव
मात तात पासइ ते आवइ ॥४॥ वन०॥ मात दियउ मज
अनुमति आज्ञा ॥ संयम भार दौरे सोधउ के जे पछे०॥ २
लिक्के अरबे लइ माता ॥ संयम मार्ग छे दूकर बात ॥ घ
न०॥ ढाल ॥ पंच महाव्रत दुधर धारिवा आरपन
ग्रह परिहारिवा ॥७॥ व० बहुमूल उजननी समझा
सम रस चारित्र भार गते लइ ॥ दुपद सनमुख
जा पूरइ तो तिवार्षे मायर बाहइ पारि अत दिवउ
वन०॥ वेलू कवल जिम सुठे म निसवादा विणसक

कर रिवव्रत परमाद ॥८॥ व०॥ लोहना गोजव के
चवाया अगणि काल कदइ कि मपीवाइ ॥१०॥ व
०॥ बाहु तरणउ कोय लनन तराइ मेरु तुला किम तो
लउ जाइ ॥११॥ व०॥ लोग विपं चब्र का रि भोगा स
तेतर रूपउ चारित्र योग ॥१२॥ व०॥ ढाल ॥ मात
जिकोइ लुने करउ आते साचउ रे जाणउ मनमां हिज
रउ मबोलइ चारित्र ते दनइ दो हिलउ जमु पर
विरे मननही उछाहि ॥१३॥ कु०॥ विविध परि दुख
अनुनमी भव सागर रे नमतो विरकोल ॥ कु०
मलिन रूपान इप च्याइ ॥ तनु मैं करे नो ध्यउ सुज
ला ॥१४॥ कु०॥ वेतरणी नदी तारी यउ ॥ वकपाचे

उरे क्रे नीनरूपा कि क्रुमर लिल जिम घाणीपीलौ
उ। आलि बिसमहरे गि ति कर्मविपाकि ॥१५॥ क्रु
रमा रु कुगति मांहि नमउ। तिह नलक्रु रक हरू
नउ दुषपार॥१६॥ क्रु०॥ चारित्रकरि ति पर्दिदौ हिल
ते। घउ अनुम तिरे मले गावउ वार॥१७॥ क्रु०॥ दोल
मातदीरुतव अनुमति मारी। क्रु मरचारित्रलय स्क
मति निवारी॥ एह वे साधु लगौं गुणगाउ। मनवं छि
ले निश्चि पाउ। आंकणी॥ अणसण नावना जिमन
उ रागदोष रकर्मि णम उपवेई॥१८॥ एण॥ अंचवु
लघीनीर जसो हर कोम मुषी लिमनेन विमोहइ।
२॥ एह०॥ पालइ संयम निरमल ध्यान। अदनूत पा
केवलज्ञान॥१९॥ एह०॥ मृगाकुम्र सुष मुग
ति पाव सुवलीर बुसोल सुगुणगाव स॥२१॥ इते
रगाकुम्री यगीत॥ २०॥ सिवत गौ गुण प्रहस मे
उ। यहु ला॥ सिधसाधुन मी मूमनतावड। कहि
यूं धर्म विचार। श्रीणी जीं मगध देसनुः राजी
श्रेणीकरायसधोरा॥श्री१॥ गुणगाउ श्री साधुना
यहुं श्रीण दुर रिः श्री चोषस चेति सिव। करउ प
पल। अदुरिः श्री आंकणी॥ राइ रबी उ इक दिन रा
वनमा हिंदी ठउ साधा। श्री रूप वंत समता गुण
पूरउ। संतो षर निरबाधा॥ श्री०॥२॥ बेहर देखं सद
ता। पूछइ बेकर जोडी॥ श्री०॥ तरुण पणि किम रि

लीआपतै मोटी माडि ॥ प्रा०॥३॥ गु०॥ चउपइ ग्रा अभि
लप आचरइ । लइ ऊनावलि की धः । प्रा०॥ मुनिवर
कहै मुउ नाथ नकोई । तेणइ मइ संयम ली धः॥ …
नाथ कुं अडे हूं ताहरइ । जोगा विनिर तातै गा प्रा
माणस डान मडु दे लहू रे । जेण तेणे संयोगा ॥ प्रा
४॥ गु०॥ नाथ न ही को रताहरइ इम नामइ मुनि स
या प्रा०॥ नृपति आचरिज सांभली मनि ससंजमपा
जा प्रा॥५॥ गु०॥ हाथी घोडा मादरइ । अंतेउर परि
… प्रा०॥ केम अनाथ कहि उतम्हे । भगवन मृपा निव
रा॥६॥ प्रा०॥ गु०॥ तूं नलहै परिमिपदनी । संभलि मा…
रीबाला प्रा०॥ अथिर रिधि न उगरव म आणिसि

धर्म सरिस घरि धसी प्रा०॥७॥ गु०॥ कोसंबी पुरप्रभु
पिता । बहुधनवंत सुआवास ॥ प्रा०॥ पीडा एक दिन
अपनी । दाघ सूलन कपासा ॥ प्रा०॥ गु०॥ बैद्य घणा
दि आवीया । करइ कैम ध उपचार । प्रा०॥ दूषन को
नी सक इहह अमाथ प्रकार ॥ प्रा०॥९॥ गु०॥ मात
पिता भाई सगा । बहिन प्रमुख परिवार ॥ प्रा०॥ दुखथी
कोन विछोडवइ । पहु अनाथ प्रकार ॥१०॥ प्रा०॥ गु०॥
तउ मइ मनमांहि चीतवुइ । थाई जो तिसमाधि: प्रह
… निश्चि उ चारित्र लिगोदाली मन आबाधा ॥ प्रा ॥११॥ …
नाथ पय उचारित्र लही । त्रस थावर जे प्राण । प्रा०॥ व…
मुनिव मैं आदरी । थाई सिथल अजाण ॥१२॥ प्रा॥ गु०॥

नदअनायविचारिवा। तिणि केरउ धर्म ग्रस्या। स
प्रा०॥ नीपपगुरेहधीलक्कां। सिवपुरि मंडव। स
॥३॥ गु०॥ ईम श्रेणीक समजो वाउ। समकि
मकरइ राय॥ प्रा०॥ पालइ संयम साधजी। ब्रह्मन
ईन सुपाय॥१४॥ प्रा०॥ गु०॥ इति मदा नियंधनी
२०॥ समरइ मबोलइ। ढाल॥ चौपाई रिपालितनामि
श्रावक समकित धारीरो॥१॥ सा धामिरे मणिबे दिसि
रायजलो सरि॥ समकित निरमल मनि होवइ। जिणि
[illegible] इ सिवपुर वासरे। श्रेणी। व्यापारइ प्रवहणि
[illegible] तेपुर रिपद्धि उदआरे। सेठि सुता परणी वलमते
वइ सायरमाहिरे॥२॥ सा०॥ समुद्रपाल सुत तेह जौ
पाम्कु मलई आवइ रे। मजनमन रूद रयइ। मिलइ। सिरि

तिलक कशीव भावइरे॥३॥ सा०॥ कुमर कलावकु
तसि एइ। नवमर णीरूपि णि नारीरे। गूंथि वंचि
लीला करऱ्या मेर योग्यंद कव्यवता री रे॥४॥ सो०॥
कुमर निहालइ गउखिधकी॥ मारवा कांढिउ चोर
रे। मन वइरागइ पूरीउ। चिंतइ अहो करमघोर
रे॥५॥ सा०॥ अनुमति तात तणी। लियइ। तव कुमार
संयम चारि रे। पंचमहाव्रत पालतौ। उपनुं केव
लसारि रे॥६॥ सा०॥ पुण्य पाप खिपि सिद्धि गयू। तिहं
पाम्यउ अविचल गज री। करजोडि ब्रह्मकेड। मन
तुमारउ सेवक काजरे॥७॥ सा०॥ इति समुद्रपाल
[illegible] संपूर्णं॥२१॥ गुणगां श्री साधुना। ढाल॥
सारीपुर वसुदेव राजा। तसु सुत नारायण बलदेव

समुद्रविजय सिवादेवी अंगजा नेमि कुंअर तसु त्रि
भुवनमेव ॥१॥ इहपरस्न विवेकिन मुषदायक त्रि
विधइ निरमल पालउ सील। गुणसंभारउ नेमि त
मनि जिम पामूं शिवसुषनी लील ॥ आंकणी ॥ जरा
सुनय यादव मुंहती भाराम तिहुं कीधउ वासा सो
वनमणि मय नगर वसाव्यउ सुरवे घरि सरम्या
वास ॥२॥ इह० ॥ बीवल वचनि गोपीसवि मिली नेमि
नो ब्यूवल ईवी वाहा राजमतीकान्हु किजई ना गी उ
मइ सनमनि धरइ उछाह ॥३॥ इह० अलेकर पहरीण
जि चढी उपूवई चालनइ यादवयान। इय दल चमर व
त्रा सिरिधारइ। मोहइ नेमि जिनइंइ समान ॥४॥ इह० ॥

तोरण आव्या रिप धरान्यां पषइ। सूअर सेवल ससा कु
रंग। मोर देस बहु बंधण वाध्या। नेमि वदन जोय
अमन रंग ॥५॥ इह० ॥ पेमि पूकार करंता सतेज।
रथ थीउत रि आपनरि दो दया न व धारि जीव छो
डाव्या त्रोड्या बंधन का व्या फंदा ॥६॥ इह० ॥ रथ पेषे
डी पाछउ घरि आव्यइ। समजावी बलदेव मुरारि।
दानदेइ लोकांतिक वचनाइ। सेय मलेई प्रहता गिर
नारि ॥७॥ इह० ॥ सेचालि राजालि नेमि तणी पारि। धि
ग रचित इय संसार। रूप चनइ लावन्य तनु सुंदर
नेम विना सहु असार ॥८॥ इह० ॥ मन वैरा गि राजल
पूछि उ चारित्र लसु करे मस्तकि लोच। चारित्र विरउरंगइ
नेमि स्यूं राती। विषय कषाय करइ संकोच ॥९॥

दूहा०॥ नेमि वंदं गिरिराज लि चौली। पाछ मिलि नास
पलं चीरा॥ मफा मा हि जाई भगवती। दू० नेमि दीठ नग
नसरीरि॥१०॥दू०॥ विषमतणो मुख सुंदर भोग वि
मान वत्तु नव सद दुलंभ। च३ घट अ॰श्र मिव रिन्रटे षं
बैठी मनतु मिष्या दंन॥११॥दू०॥ सेती क दइ सुंदर
पइ। तजे पूणतम सिते श्रमनहीकाज। गंधन कुंल
सरिषउ कोपाइं। बंध वनी कोइं लोपा इलाज॥१२॥
दू०॥ चितवालि ऊरद नेमि परमावइ। त्रिलोके वलप म
पार॥ मुगतै षङ्कनातमुं पय ब्रह्म। गेनगत इखेंदर
रं वार॥१३॥दू०॥ इतिर दूने मियगीतं॥२२॥
फागनी ढाल। केसी कुमर गुणसुंदर पासतणइ पलि

वार। ध्यान चिहुं करदी सपदूं। जीपत उभय गण विक
॥ सावत्री भ्रमवि कुपस्वि वारइ। पढुं नाजाम। जोय
श्रावइ न्नावइ नावइ। वीरतणी तीर्थ नाम॥१॥ प्रथ
मुगति मनग तिकरबाद। केविहर तिबेसा विसे
षं देषइ मुनिवर चितनइ। लोकं गणधर धर्मि
वइ। कारिज करवउ ए कोनउं ध मर्म विमर्म कहं
एक वण विवेक॥२॥ चिंता जाणी। सिष्य तणी। जोय
मगुरुके मेकउ अवइ नावइ सा चेतो। तिसउ पद
सों मिलिया दानव जीवातिहां विवादेके ग्री। पूवइ
तिउ इनि। ष्यतणइ नेवाद॥३॥ पंच महाव्रत संयत
जोय म व्यार प्रकार। महावीर ही र धीर कहं इ। श्र

पासकु मीन। इणिय रिग्रीत रिमे ताए कमुगं तिकि
महोइ। गोय मबोलिइ तोलइ। रहसे देखन कोइ॥४॥
नलकर मकहइ धर्म मुहेलउ ऊजु जडजंतु वंकड
नइ जउनलदै पाली न सकइ संतु विरलं सरलउ इपं
सिउ जाणइ पालइ सचा। तार घम ममम रघम रिषे
पालइ श्री नरबाचा॥५॥ इमकहइ केसी। विसेसमे
डेमतिगोयम बुझ॥ टाल्यउ संशयमुणवयइ कव
लिसेसय मुक॥ अनुमतिपामी सामी केसपूवग्रं
तर वेस विसेसइ। तेयक इंउ वेइजेम॥ ६॥ सोचीम
तिगुरु संगति। वेसगणउ व्यवहार। तीरथ कलावि
मालइ। वेसतेणि बिचकर। निसचैइ सावरदंसण

वा रिम्र। मुधिकेसि कहइ गोयम मुढ निरनी
रबुझ पुछि॥७॥ अरके महीत्या। अगनि छदी
ता गोयम बोलिइ मचउ पंचइ दसइ अनुक मिन
आरिती लिक्रणा अरिमनी धरी गोयम मनी घइ एक
जीव च्यार कषाय सघइ तवइ इंद्री पंच मदोचा॥ न
नवअन्या। मइपा मइ बो। भा। सं लोय। नाहर
पा मइ र बंधन किम नही कोइ। तो आपा मअन्या
मइ धर्मतलइ तेजाण कु णने पा सा विसा सनकी
जइ। जे सपराण॥८॥ सजन सनेह नैदमागइ क
रिछे पापा सा साधु साधु कहइ केसि विसेसइ बु
धिरका मै बोल जीआग लिसंच लिउ तरतासंथे

बिाजम बिचारउ साचउ आचाम्र श्रिवेरवी॥१०॥
मुनिरूपमरूपइ बिलिसमूलीणलिको धजेलिश्र
तजलिमइंामीचीहिवइनदीजालीअतिबलवंतनि
रंतनाहोउइदेसविदेस।आगमवागइ चितवरंगध
म्मे विसेस॥११॥परदरमणनीवयणबिचारया।सच
कं मागं जिनधर्मः। साचउराचवंः लिणिहिउ परनेवश
रागाधर्मरूपसुनदीपतिहांनदीपाणीवेगेतेदसुखप
महा।बइरीनहीउरैग॥१२॥मनजलनिहिनावसरी
तिण लिनजीवमसुइतरइमनिसेनरइतेणपुरचव
दीवाजिणवरइविकरउापउं।तेडालइ अंधारमु
गं तसुगतिठइ अविचलवामसदासुखकार॥१

केसीकहैकरजोडि मेडीमानसकंपाबुधिन
मालिमरीगोतमम्रबइविचारपंचमहाव्रत
संमतश्रादरिविसधमाणापउकमरमा सुधर्म
तणामर्मुनिरतउजाणि॥१४॥कालिसंदेहसनेह
उपाइ थाइ केलोकसहूमनतोष्यापोष्या बिनयार्वि
वेक।श्रुतनाणजेनरमुणाईकेसीगोतमबात
दिनरमंगलमनतो।कुरसुजससावख्यात॥१५॥
इतिकेशीगौतमीयंगीत॥२३॥ आनरसय
णजोवनुरेपालइजीवछकाय।निरवद्यवचन
मुखरकहइ।तेनुजाणीधर्मउपाय॥१॥नमूंसु
रूपायरि।जसुसीलइनिरमलसार।सुहावरकायरि॥१॥

गिरिगिम मतिगुणपति धर्मसार। कहे जिनराय रे
तीर्णिकार एह बेअपार। नमूं गुरुपायारे। आंक
णी। दोस बहुतालीस टालतारे। सूधउ ल्यइ आ
हार। न यलो तिर मीभुजनाण। ल्यइ सउपगार ज्ञका
र॥२॥ नमूं गुरुपायारे॥ जलमलादिक परिठव
इरे। सूधउं थंडिल जोइ। भुतध्यानि मनरा खतां। ज
सुचारित्र निरमल होइ॥३॥ नमूं गुरुपायारे॥ व
चनि सावद्य उच्चरइ रे। बचन गुपति संभारि।
काया करणी ते हकरइ। जीणि कुंई औपगारि।
॥४॥ नमूं गुरुपायारे। ज बचन माता आगमइ ल्येप
लइ अनुदिन सार। अब कहइ ते मुनि नमूं। जिम पाम

उं धर्म विचार॥५॥ नमूं गुरुपायारे॥ इति प्रव
चनमाता गीत संपूर्ण॥२४॥ ॥नयरीना
मबाणार सी॥ विरवसर जयघोष। बंधव बत
सु विजय अवर। चवद्र सगुण। विजयघोष। सुण
वेता गुरु वेदी इर। जंसुदी वरस्पर मोएांद। आ
कणी॥ गंगातटि ते पेखीयउ। मीकु कांकाल्यो मो
पि मंजारिइ तव आदियडयो। मीकु कनतल्प उपाधि
विजयघोष ते कार वइ। पशुबंध कारण याग ज
यघोस रसपआव रातहा चा। औपरिराग॥४॥ सु
बहाविचार कहे जी। कायगन केरा वर जाणु। ल्येरा
तिसनी पोरे मिले हइ। जाणइ धर्म गुरु णां॥५॥ सु॥

आपअनेरालारंवां।मंभरमहो।पुरजेय।अनंत
हेतसु आपस्यूं।विश्वपूरइजनमा।मिलेय॥७॥नगी
वनहूजा।णओनेहो॥जाग्रउत्पदा।निचोर।अ।ग्रेह
कमेइधणइ।आकितोवनमार॥८॥ग्रु०॥भम
मानअगनिकरी।अगानहोत्रपदाह।बयईह
नेकर्मनओलिहहअरथीजोइ॥९॥गु०॥नसेत्रनु
र्मवीजमा।धर्मसुखारिषयजिणंदा।आपअनेरतु
रस्यहाजसुमनसीलआणंदा॥१०॥ग्रु०॥भमण
ण।कहिउमनता।अणइसीलरत्राहएजा।णि।स
नईमुनितापसतपइ।पउइसाचीवा।लि॥११॥गु०॥
३८ अगनिसंगिमविनजस्पो।वेउइमलनीवाल।पीप

वजेतपआदरी।व्रतपालइरंगिरात॥१२॥
गु०॥कोमनोमणीपइनेंही।पुंडरीकपरिसा
वाप्पपरिसमुविकसवी।नेकरिकुइनिरखो
य॥१३॥गु०॥हरषइआमणाइमधुणी।बंधे
पइआहार।अनेअरपमुकरुनिनही।रिमिकर
इलौउवनतार॥१४॥गु०॥इमसील्लिचारित्र
लीओ।वेवइसिवपुरजोइ।ललना।मिसेवकमद
वलिरगुणगाइ॥१५॥गु०॥इतियाईयगीत॥
२५॥ ॥सामाचारीसाधुनी।बोलिसूअन
त्याणि।मुनिवरवडुसुगतिगया।जेआचारच
माणि॥१॥आवसदीजातानैजरानिसहीरलावो

लीजइ आपणइ आपणा कामइ । पेहि पुण्यपक्ष
इं नामइ जिहसा धुनि मंत्र ला...अइ । तिहवेहर
नाम कहीजइ छठ कारण उपरस्वामी । समवे
लीवीजइ साहीसी ॥१॥ मिच्छादुकड पापनअन
हतिस गुरुआदेस । गुरुपूजा को जेइ करइ ।
अनुमोदन विसेस ॥२॥ ज्ञानादिक काजइ रहि
अइ । उपसंपहते कीकीजइ । पद सर्वविधसा
माचारी । हिकारवरकह हूं मनि धारि । सूरिजडु
इ उदय जिवारइ । निस विवख पडिलेहइ तिवारइ
पडइ वियावच्च सझाय करइ । धर्म तणी जिणपाय
३ ॥ दिवस थिंडु नौगी करइ । उत्तर गुण श्री वार

करइ सझाय उघाम पहरि । बीजइ ध्यान विधि
[illegible] ॥ त्रीजइ गोचरचरि जोइ वालि । चउथइ ले
[illegible] सझाय । श्री साढ पोरसि [illegible] होइ । पोरसि
बारइ होइ । आसो जचैत्र त्रिणि पाय । एपोरिसा
म नकहाय । पंच कवीव अंगुल आर । मासय
तिहसु विचार । सात दिवसइ एक अंगुल उपाय इवे
अंगुल जाणि । मास च्यार अंगुल परिहुवइ । तासु विग
वितिआणि ॥ तिथि अवरि सवर सिहइ जोइ । [illegible]
तिथि वधती होइ । तसु पर्वगता रयपा मइ । समम
३ [illegible] मासइ । स्विपत्रणी पुरसिके हीये
[illegible] जे आसाढ [illegible] मइ ।

बअंगुलअंधिक।बिमासइ॥५॥नाइवरअसुंका
तिगइ।अधिकाअंगुलआठ।मगसिर पोस हूंमा
हिद्दस।इहोंनदीसेठेमाह॥६॥फागुण नेचैत्र वइसा
हइ।बइअंगुल मेलउमाहइ।इमपोलपोरा।अहि
वरयमेली।चिहुंमासनिगुणाकरणी।उतरगुण
आराहयामइ।सज्झायमजयनन भणइ।बीजा
इम्हइ छिइ सुतरथोना।तिइ सूत्रमखिसइ।विनांनइ
॥७॥दूहा॥बीजइ निंद मोह करइ।खितइ भूमी बु
चा सा निद्रा जाणइ पडुइ।प्रपासक्त नपरिहारा
॥८॥वलीचउथिइ पुहुरि सज्झाय मालीहर नयीर
पाईजिणकोलिनस्वत्रिकोरी

पुरी मुसिनीगइ दोई।तिचउथइ नागिंदी सउंभ
वपोरि सिगिणनेजगीसइ।थाकतइचउथइन्ना
गाई।सज्झायकरइ वइरागइ॥९॥कालग्रहण
स्यइपाले।सीनिनुरमोजावासापइहरिए बलिइ वेर
ती।पाकाईपगडइसार॥१०॥पडिलेहइपात्रबंध
ठियइ।गुरुपत्नीगोबउकहीमइ।वस्त्रपोठमहू
[illegible]पात्रा।नयणेनिरषइसुनगात्र।पंचवीसपडि
हणाजाणउ।सठिअपाधितणीमनिआणउ॥छकाय
जयणामनिधरतउ।विकथादिकविपरिहरतउ।
॥११॥दूहा॥छदकारणिआहारल्यइ।इर्यासंयमसार २
वेयावच्च४दया५चिंताधर्मविचार॥६॥

१।।उपसर्ग देयातेपउरोगइं४ वालिस लेघरेवाये
जई।पश्रणासताद एणिबदकालेइंनानन
[illegible] नराजइ।चउवीपोरसिजनचूपर स
पतलीपरि मधइ।जयणाइंपूजीवसालेपडिले
हउणछिमाहडालेग।।दूहा।।पिसमतावीसर्थ
उला।करिवारि मंपचखाण।श्रुघइ वइरणीविकप
ह।।करिबेदस्चेत्रमुजाण।।२।।तदनंतरकरइ
पडिक्कमणू।।सविपापकरम निरदलणू।।तसुवि
छिन्नवी स्पकमांहइ।।छइ विस्तरजोइ।।बाहइ।।इ
मसामाचारीजाणी।।तमेतहतिकरउजिनवाणी।
एकमनापइंग्रारधउ।।व्रतक्क हूदू।सिवसुरसम

धउ।।१०।।इतिसामाचारीगीतं।।६ दूहा।। वर्द्धमान
बुधिलउनिधिगरगमहारिषिगंछ।श्रेयांस
मविजाणइ।तसुपरिवारइछउअतिनिरमलं।
गुणतपरिक्वविचयोणइ।।१।।सगुणानन्दार्ध
नयनीपरिटालउ।।विधिविनयतणासुधपाल
उ।।श्रीकणी।।जिमगलीयारिःबलदघुरिजूतां।।इ
कपडइं।इकनांमडा।कूदइएकदोमंगासूडीदनउ
[illegible]डइ श्रामइ।।२।।स०।।एकपडउरमेमनके
[illegible] [illegible]कमेमिलतेदलूंजडारीसित्रीडिको
धइके जीइं।जीत्रुविडोडीगूंजइ।।३स०।।तेथमोरथी
इंमाणुतेदन्नइ ची।घइमारइ।मनिपछतावइपछ्छ

बिमासहकोइरदिउखसारसी॥४॥स०॥तिमतसु
सीसथकसुषसीत्या।एकअठस्यदेकारी।मेकसी
घमासादसबोलरासीमनमानरवारी॥५॥स०॥
एकविहरताआलसआणरा।अतरनाथाबालइवा
रसगुरुवचनअथापरा।मनमगोविवेबोलइ।ह
सु०॥कोजिमेकल्पउकहइमजाणूं।आवीपूरिनवि
तास्यराअवरसाधुनइअधवाभेलउ।मुदविणमाड
इरेसर॥७॥स०॥कालककरइजिमवेधिजास्यामली
गुणीगुरुमूकइ।पवीनीपारिपेपलहीनइसांकउवि
नयथीचूकइ॥८॥स०॥एहवादेषीगरगमहारिणि
अविनीतचेलोछंडइ।ब्रह्मउकहइचउलइसंवेगइ

क्रियानलीअपमेडरा॥२॥इतिरवलूकायेगीत॥
॥२॥आसोमिगणधरइमकहइ।सुणिजंबूजाणि
सिवसुखकारणधर्मेबइ।उत्तमगुणकणि॥१॥
मोक्षमारगतुम्हेउलषउ।तिहपहिलूंग्यानादंस
णचारित्रतपसही॥२॥बिधिच्यारइसमान॥आ
कणी॥तिमतस्यतिम्रविधिइंकरइ।चउथउमन
पराय।केवलपंचसजाणिवूं।एन्यानउपाय॥२॥मो
द्रव्यगुणपर्यविकरी।जाणइसर्वविचार।धर्मअ
धर्मनक्षकालए।जीवपुद्गलसार॥३॥मो०॥जीव
अजीवपुणपापए।बंधवआश्रवजी।संवरनि
र्जरमोक्षनूं।नवतत्वरेहोइ॥४॥मो०॥एजाणइस्या

नाकरिदेवदरिसणजोगा सह जिध मंडिक। नरल
इजातं समरणजोगा॥५॥ मो०॥ बीजीकर्त्रिअंदस
णा र्वि जिमुगुरुसतीति। च३ पी। अतत्रणतोदबर।
समर्कितवीरीति॥६॥ मो०॥ थीडी पीपामर पाउं:। पंच
परूचीबीजा। सूत्रअर्थ पर्थ्रवगादतो। छठ्ठर, चीरिजा॥
॥ मो०॥ दव्यादिकसघलीपरिइं। नय७ हेतिप्रमा:
णे:॥४॥ त्रिणिलावो विस्तररूचस। तेसत्तमजोणि
८॥ मो०॥ ग्रुपतिसमितिचारित्र गुणरे। क्रियारू
चीओ वापरतीरख पीअनग: उपण न्यांनइं मावा
मो०॥ बीतरागनगतिकरी। नव मीउचि सेबवाडव
०इ पारिजावतो। धर्मरूचिनउनेव॥१०॥ मो०॥ मणि

परिदसणजाणि। वउरुचिइटसइप्रकारा। दिवन
मुसहहणाकहउ तेहनी परिथारा॥११॥ मो०॥ जिन
मतनउपरिचयकरइ। कइइ मुगुरुनी सेवा। सग
तिनिकुवनी तजइ। परतीरथनकुसेव॥१२॥ मो०॥
मिस्तंकीयआदिकवलीपालइ आचार। चारित्रप्रथ
ममामाइकिहां छेदोगवणनार॥१३॥ मो०॥ त्रीजउ वि
सुधद्धिपरिहारनूं। चउथउ सूछिम संपराय। यथार
तपंचमगणउ। तपंदुविधकहाइ॥१४॥ मो०॥ इ
णीपरिकरम मयल अपीनाम। सिवपुरगंमा ब्रह्म
कहइ करजोडिनइ। नितुनितुकरइप्रणाम॥१५॥
इतिमोक्षमार्गीयगीत संपूर्ण॥२०॥

अथ पचन इं जिणवर:उ गणत्री समेः बोलइं मु
नवचन निकुंतरिः। जीवलहीन विडोलइ सव
गधर्मतणो कम आविहडनो विशेको धादिअनंत
रकषाया बपावेइं त्रिकं तव मोहइ। सिवपुर॥१॥
निर्वेद इसी निपावइ। कामइ कामतणो सुख जो णि
असारा। आरंभनी मतिगमइ॥२॥ धर्मनी विसा तासु
ब हेडइ॥ मोहनी गुरुणी बोलइं नइ तिकमी। सवे क
जिम मधइ। तेहनइ कीई तोलइ॥३॥ मीलो यणिसरल
पणइ। नरनारी वेदा नकु बंधइ नेवल्या बोध्या करइ
विभेद॥४॥ मोहनीय बपावइ। निंदा करतउ जोइ छ
जनसो छिगरइ णइं कर्म अनेन बयइ होइ॥५॥ साम

रकक रिसावइ घालइ॥ [illegible] बी सञ्ज इ जो
णो समकित रयणे सुदा अनुअनुलइ। ए जिन
वचन प्रमाण॥६॥ वेदनी [illegible] गोत्र बपावी
[illegible] ॐ चउगोत्र बपावे [illegible]
पडिकमणइ अतिचार निवारी [illegible] कोउ सकी
पापबपावइ॥ [illegible] पचखाणइ [illegible] आश्रव
केरा बार:॥ [illegible] पव पुर मंगलिं रतन त्रय नाम
विचारी सुरसुख लहे अथवा अंत्र क्रियानउ ना वइ
हो॥१३॥ कान [illegible] दरसण नावरण बपावइ॥१४
प एक रमेत्राउ रहे प्राया छितइ॥१५॥ खमावतो ण
त्रनावं:१६॥ ज्ञानावरण सज्झाइं बपावइ॥१७॥ वी

कीयाणि निर्जरा सीवा॥ लोपु ब्रइ सब टलइ सूत्र ना
संस्य॥१९॥ गुणावइ अरख लिलमान॥२०॥ चितव
तोक भ्रावषपावइ पावइ निर्मल ग्यान॥२१॥ जिन
मानन धर्मकथा करतउ दीपावइ २२॥ अतनर अर
धानि मानाकरण मुपावइ २३ एक मनउ चिकुंदा सी चि
त्तनं मेत उवारइ २४ संयम करि श्रीश्रावकमेतण
३ बंधवारइ २५ जीव करइ निर्मल तप संगइ॥२६॥
वोदाण इलहइ सिधि २७॥ विषय निवारइ ते मतीम
रागा रहित असुख धि २८॥ अप्रतिबंद सुज्ञानाविम
कइ २९ वा स निरंजाणि सीला ३०। विणयइ दोणइ पाप
निवारि पामइ सिव बहेलीला ३१ ४ संजोगनणइ पच

माणि बनणपालइ॥ निजलाभ संतोष इसुख सप्राः
दुरकाल इ ३२ पचषाणि उपधिनपवलेकरइ सजाष:
इ ३३ श्री आहारतजइ ते संतोषइ मन भावइ ३४
राग समता गुणजु लहा पालइ नेय कषाया ३५
इ योग त्रिविधते पाप्रइ॥ सर्पिवा कर्म प्रपाया ३६ सर्व
रतजी पामइ सिधनायुग ३७॥ एकाकी जे होय कलह
कषाय तजु मंत्रु पाली संवर पूर उहोइ ३८ ५। नानदृ
णइ नव कुलयल भण केवल इ ३९। सर्व संवर धक
लइ ध्यान सुगा तप भोरइ॥४०॥ प्रतिरूप पणइ मु
नित इ समता वंत॥४१॥ वेयावच्च करतो तीर्थंकर प
णवंत॥४२ ततु मान सदु मनलहइ जे कइ सकल गुण

करिस्तउ॥४३ वीतराग पणइ नेह निवारी सुविवरंच
तर्विमृ उ॥४४ विषमा वंततेम दइ परी मद्द पमुहि
मानइ निरलोभ॥४६॥ जेनवइ साचउ तेत जिन धरम मा
र धइ॥४८॥ जिमबदइ करइ तिमसाचउ णमा धवी॥५०॥
जे साचउ तेअनुआलइ योग॥५१॥ मनगुपति
पालइ निरतउ मयम योग॥५२॥ वचनगुपति
मसा वइ॥५३॥ कायगुपति परिहरइ। पापतणउ आश्रव
सविबीहा। संयम निरमल दोइ॥५४॥ ध्यान विसोदइ
एकमति करी॥५५॥ वचनसंवर उपालइ सुलं तंबाध
पणते जेपराजइ॥५६॥ मपारिवित्त निदालइ॥५७॥ संव
रउपे कायातेचारित्र अनुआलइ॥५८॥ जेन्यान इए उते जग
मयल निहालइ जिमदर। मो पिह मुहपंड। मविजान: त

मस्मांनंतरउ उत्तमा दइ तु मातिजीवा धप दारिमा
पुरउं हीणि इमि चाल मनिपरे सुगति सुखचारित्र दर
रागदोषटालइ अतिसंवरिमं तलिवचनाविचीकर
द॥१ नयणविषयार पाले दिखइ सनारइ जे करइ मल
रूपालइ तेनर रागदोषबेनकरइ॥६५ विषयादि घिजे
टालइ समतासौ वहजायि द्रव्य मामि स्पजइ सुकेमा
करइ मायानजिमर लउ दंत्ने लोभ संतोष संचालइ
द्रेरागदोष मिथ्यात जायइ समाइ नोणाचारित्र॥७
करि निर्मे पइ कर्म सपराणा॥ मालेमीनु घरचरित्र को
पगइ आश्रव लक्ष घला छंडइ रज्य कर्मपणं आवइ कर्म जी
व सुगति इवाम इति संक इउ॥ लेमपडके बालचिहु नले
कमांजि को आराधइ ब्रह्मके इले पुर कर्म न वर्जे आविचल

द्वेसो बहे १ मद तिमम्पच्छ परास्क मा ध्यय तजीते ॥ ३
१ ॥ ॥ नपकीजइरे: रागदोसमहे इपस्सी ॥ व्रत
पंचइरे: । सुमतिगुपति सूमनधरी । अत्यंतरने भावः
हिं आजतप विक्रपरि कहू । अमकेक उरे: छदजकरि
संयहो: । अणसए १ ऊणोदरि २ विलीचारी ३ मरसवि
गइतजइ सही ४ कायाकलेसय ५ सलीनता ६ परिवह
इअवक मिपलहो । वलि विनय: वेयावच्चर पाठिनउ
ध्यान ४ कउसग्ग ५ ज्ञोलियइ । सज्झाय ६ ज्ञोलि परिठ
इसकारि: ए । तपअत्यंतर आलियइ ॥ १ ॥ ए विक्रपरि
रि: निरतंउ तपजेआचरइ । नरनारीरे: विधिरमालि:
तिश्वरवरइ । जिम गोटउरे: सरवरनी परि निरमलउ
हवइ घडनी लोरे: मूघइनीरनआाघवइ । संनवेर

आदोल्यो गिजलनी: मो योंगोजानम्मसहो । एदइउपं
मतप विघड: सेवाकूपो जिनमतलही सेय मइ: सु
यइकरम आअत्म: व: आवतउ इमजो लियइ । मप
चकीतेहनउ: अंतपालइ: । तोलि नपवन लियइ ॥
२ ॥ जिनसी वनरे: अगतिमोगिमलज्यं वलजइ । निर
मलपइरे: तेजतणीव लिअतिनजइ । तिमगोलिइरु:
तिमहो लिइरे: तपअगनिइ मलकर्मनउ । तिणकार
लिइ: दघकारउइधर्मनु: । धमनउ आदरकेरउ अ
हानि इ: जेमपामउ सुखघणउ । को धादिअंतर वयर
वारो । वोलि जिणवरनी सुणउ । मलजो व आगोः सु
गुरु वाणी: तपतणी सपकोजइए । मनरंग अतिघणु
वूलजेपइ । सफलजन्मकरीजए ॥ ३ ॥ इति घोघीयगीत ॥ ३९

इक विध संयम दु विध धर्म धरि ग्यान दर्शन ति
पालइ धर्म चिद्रूप री पंच सुमति धरि । काय छइ
वय पालइ ॥१॥ ज्ञान विय गुपति तिनइ हो मनि नो ॥ धरि
करि चरण कमल सिर लउं । कुमति तणी दूरि
वारी ॥ [illegible] फल पाउं ॥ आंकणी ॥ नय सात इब मा
ला सूधा पालइ प्रवचन माता नव ब्रह्म सील मद
निरोचइ । दस विध धर्म विख्यात ॥२॥ हो० ॥ अंगइ
ग्यार विचारइ नित्त प्रतिमा पालइ बार । तेर क्रियां
स्थानक तिनु वरजइ चउद उपगरण चउदह धारइ ॥३॥ हो०
पनर भेद सिध सूधा जाणइ । साधु दोष सो टालइ
सतर भेद संयम नितु संचइ ठारे घसी लेग सेवालइ ।
४ ॥ हो० ॥ उगणीसइ न्याय विचारइ वीसइ असमा:

धि ठाण दोष समय लइ इकवीस सबल रहित रि: परिसह
मनि नहु खेडइ ॥५॥ हो० ॥ तेवीस दो चूवीस अरहंत
पचवीस भावना भावना भावइ ॥ गुण सतावीस साधु न
णा धरी ॥ अविचल पद वी पावइ ॥६॥ हो० ॥ साधु रयण
गुण बहु विध अर्थ किणपरि पार लहइ ॥ भाव धर
निजगुण धि मरघो जलस दायु णगा इ ॥७॥ हो० ॥ इति
चरण विधी गीत ॥२१॥ ॥ काल अनादि ल
गी यः दुमदायक राग दोष दोय ठेडउ । तेह तणी परि
संतति साची बास अनुगति भ्रमि भेडउ ॥१॥ संतन
विषम रिस विष सुमति दूरकी रदइ दूर स मोह नींद
मूकी नइ जागउ ज्ञान उदय लहइ सूस ॥२॥ आंकणी:

कर्मबीजं रागादिक कहियइ। मोह एक कर्म हे
इ। कर्म मूल गणि जनम मरण अनंत दुख मूल नेत्र इ
२॥ सं०॥ दवनी अगिनि विकई धण लहि। वायुसं
योगइं दीपइ। इंद्रिय आगलि सबल आहारइं। कि
म हीपदि नहुं ठीपइ॥३॥ सं०॥ संग विलाडी। कुसुम
कारणि। मूसा मरन विहोइ। ब्रह्मचारी नइं स्त्री
संगति। ब्रह्म सुखदेति मजोइ॥४॥ सं०॥ जिम विषफ
ल रूपइं रूडा। असुन उपरि णा मरा ते विष
यइं दिना ते। जाणै। परम विदुष मनो मइ॥५॥ सं०॥ र
मइ रागि दीस रूप रूडउ। मन मोहिन ती रजइ। दे
खि सेमइं पतंगलि पडि। आगलि मांहि म[illegible]

इ॥ [illegible] सं०॥ मीन ज्ये मर रसना तं प्रणी पेखिम मर
मुसवाद इ। कांठ इ [illegible] अलि लहि फर [illegible] प्रय
बइ रसा हइ॥७॥ सं०॥ नवनव मंध [illegible]
केतकी कंटइ बुधवइ। सहिय पर लविज लीपइ विमान
बा गंधा विषय ते विगूचइ॥८॥ सं०॥ सोल सिंगार
गीत धुनि रूडी। सुणि हरिण प्रमाण। इम दुख सह घ
क लहइ मानव विषय दुख सपर्सण॥९॥ सं०॥ कदे
बरबंधा चलनो वासी। करिणी फरसइं मातंग। लहइ
इं परवश बंधन पणि मानवा फरस विषय मद मात
॥१०॥ सं०॥ चपल चित्त [illegible] द [illegible] फल [illegible] न
हइ दुख असंतोषी॥ वीतराग भावइं जीव सुख [illegible]

मुगति गयो ॥११॥ सं० ॥ विषय तणां सुख कादम समा
वडा। अंडेडइ ते सुरंगा। अल्पकदइ ते सुं सिवरनो ॥ नि
तुबयलेन मन मनम ॥१२॥ सं० ॥ इति प्रमादस्वांनी यगी
त ॥३२॥ ॥ श्री वकरम जिणवर कह्या। स्पो ना
वरणा विचारसे: दरिसणचरणा वालिमे दनी। वेद
नी आयु संचारे ॥१॥ विषम करम गति जाणज्यो व
रम करो मननारसे। पन्नवस सुइ नरु। जिसइ पामी
इ प्रपंच ननो गुरे ॥ श्री कणी ॥ नाम करंनइ गोत्र अंतराय
रा। श्री वकरम ... नामरे। सकणी परस्न। तिस हु एक
सउ आउ वनवाणरे ॥२॥ विष० ॥ मोह थिति सागरलोग
वी। सत्तरि कोडाकोडिरे। सागर तेवीस: आउ नी त्रीसअ

व
कू... कोडिरे ॥३॥ वि० ॥ वेदनी करम अंतरायनी
त्रीस कोडाकोडि जाणिरे। अंतर मु.ऊरत समवित लोक
आयु जघन्य मन आणरे ॥४॥ वीस कोडाकोडि नाम
इ। नो मन इ गोत्र संभारिरे। आठ मुहूर्त जघन्यपा:
जाणीए बंध विचारिरे ॥५॥ वि० ॥ तेणे कारणे: नवि
यणा सुणो। पापप्रमाद सविटालरे। अल्पकदइ जि
न आणम्। चारित्र भार गपालिरे ॥६॥ वि० ॥ इति व
र्णप्रकृति अधन गीतं ॥३३॥ ॥ लेस्या छ द जि
णवर कह्या:। जीव तणो परिणाम ... नलकोपी
तपरे। ते जपद मशुक्ल नाम ॥१॥ जगत्रगुरु लेस्याक
हइ विचार। अप्रसस्त सविपरिहरउ। धरउ प्रसस्त

प्रकारसा॥२॥ ऋचल.॥ तेउलेसकजलसमारी वांस
पांखसमनील।। अलसिकुसुमकापोतउहरै। पित्ताली वि
रुईनील॥३॥ ज०॥ तेजलेस जिमकिरमजीरो। पदमजी
सो हरीआल। सुकिलस मजिमउजलीरो। एहजमस्त
सकल॥४॥ ज०॥ कटुयरसपहिलीकहीरो। बीजीतीर्ह
सा त्रीजीतोरीजाणवीरे: चौथीयातजोरसा॥५॥ ज०॥ आस
वरसिपेच मकहीरे। छठीसुल जिमखीवालेस्यप्रफुल
रसरस्पउरे। केवलज्ञानीदेठा॥६॥ ज०॥ सम्पाकडवर
सारिखउरे। पहिलीत्रिकनउफासगंध। वामकसमक
पुरतउरे। बीजीत्रिकसंबंध॥७॥ ज०॥ सागपात्रकरवत
जस्पउरे। पहिलीत्रिकनुफासा। अर्कतूलं बूरसमउरे:।

बीजीत्रिकनउविमास॥७॥ ज०॥ पहिलीअनिर्मिद
यकरूरे। बीजीवक्रसाल। त्रीजीकुडकेपडनम्र
उरे। मत्रिलीपापरसाल॥८॥ ज०॥ चउपीव्हीस्नस्य
पर्यासेः पंचतिघरइधर्मध्यान। छठ्ठ। विषयमका
इनहीसोपसुनलेस्यानाम॥१०॥ ज०॥ अंतरमुहूर्त
लकुहीणउरे। सघलीलेस्याआयुउत्कृष्टी हिवज
णवीसोअनुक्रमिसउपायु॥११॥ ज०॥ तेस्यासाग
रउपमङरेनमुहूर्तस्यउंतेत्रीसा। पलियअसंख्य
गमहूर्त्तरे। दससागरजस्पीसा॥१२॥ दसमभागसेकत्रिक
सागरइरे। त्रिकसागरसकहोइ। मुहूर्ततस्यूसागर
दसइरे। इमनेत्रीसइजोइ॥१३॥ ज०॥ अप्रशस्तलेस्याते
जउरे। चितिधरउसुनध्यान। करजोडीवलउकहइरे जि

मपानृश्रव ध्यान॥१४॥इतिनेमगीतं॥अथनेमा३४
पेचवत मन मुछिश्रादरर। ठहिर्सविस्रहवास।वसत
जाई मूरत तिह निव मइरे मनंना विछेदम॥१॥कीव
रउरे गुरुश्राजेलिदि ठइरोउंइ परम श्रानंदः कितनु
मनाविकं मइनाभइ जिमजल निर्मिरः देषी अनचंदक
श्राकणी॥ना रिन्ह लगालो दषदकै चगः गाणइसमला
गावा। लोलपणरंगन वेतंजेंरोमनस्त्राद्धिरैरेः पालइ
ठकाय॥२॥किं०॥दासिइदासिमसु धरेरा श्रगनिजे
तुहणाई। तासरि सोवा। निजहा घइरे। जोजन्नप
चाड़॥३॥किं०॥नंमणबंदणेर यणपुजा। रुषिनइमन
कारः एहन विवंठ इमनइ। तेपा मइरे केवलइंणस

३।६॥अ०॥मुगतिनी सुखवति यत्न इस इानजइ
वेमन वेरीसा। बुधक हिं पयार्मेलुन मइ। मन मो।हेन
वलिश्रो लोजगीस॥५॥किं०॥इतिश्र....
जीवश्रनरश्रजीवप्रकारंरे उलषीइतत्व विचारः
धर्मेग्रधर्मसमयश्राकाशरो पुद्गलजे वधकासः
१॥जिनवाणि वित निरतरंजोगाकरे। समाकित तन थाले
मनिश्रागो। करडेमानंधक सांभल्या मरे।जिनपामइः
सिवपुरि वासरे॥श्रां॥कणी॥धर्मेग्र धर्मे विलोकरु
मांणरो नरमे जिम नयमानजोए। न चलोक अलोक
इव्यापवरो लोकइ पुद्गल थिर ...रा पजरे॥२॥जि०॥
मविक्र जलनानेद जगीमरे॥३॥जि०॥जीवा सपेश्रन

३५

संसारीरे तेहनो परिहरे इसे संवरीरे ते पनरभेदकी
इसी लइरे। व्यवहार भेद एक कीधारे॥४॥ जिं०॥ लिंग
इस विमुग तिइं सरि माली। स्त्रीवेद कहीं लिंगतीनि संख्या
रे। इक समउ अउ उत्कृष्ट समनारे रे। दस पंडक वीस नर
रो॥५॥ जिं०॥ गृहिलिंगइं सीझइ च्यार रे। परलिंगइं
दस य विचारइरे। अगलतर सउ जिनवेस इंरे। इक सम
यइ मुगति सविसेसइरे॥६॥ जिं०॥ अवगाहनज
हन विचारे से उत्कृष्टी दोइ अवधारइरे। अवो त्रस
उ मध्यम जाणउरे। इम समय इमि विव आणउरे॥
७॥ जिं०॥ उरध लोकि गति च्यार रे दोइ समुद्र जाणि सं
सः वारइ। वीस अधो लोकि जाणउरे। इक समउ उड:

तिहिं विध आणउरे॥८॥ जिं०॥ सर्वार्थ सिद्धि विचारइरे।
तसु उपरि जोयण बारइरे। पणयालीस जोयण मान
नारे। सिद्ध स्थानक अनंता णारे॥९॥ जिं०॥ अउजो यण
राजा सविचालइरे। रूपातीत मनउ जपालइरे। सिद्ध जे
यण चउवीसमो भागइं रहइ अक्षय अनंत विराग इं
रे॥१०॥ जिं०॥ सुरनर अंगर मो हिं झीलइरे। दुष समगम
दीज सुडीलइरे। सिद्ध सरूप विचारउरे। मे मेरे
उगुरु मुनि विचारउरे॥११॥ जिं०॥ हिवइ जीव तणा
प्रकार रे:। धर १ नीरर जलण ३ सेनारइरे। वायु ४
वनसपती॥५ त्रसं कायरे ६ ए जाणोवो छह कायरे
॥१२॥ जिं०॥ एह मो हि घणो नव जाणियउरे:। वक्र

कालअनु धपगइंग मिथत्री एपरिठेलवी इमारे
काईमाज इधर मओ वांर रो ॥१३॥ जिं० ॥ तपइ संवर
मले मणा कीजइ रे । क्रोधादिक सयलतजीजइ रे ।
आरूम आर पचषीजइ रे । चउ सरणा चीतधराज
इरे ॥१४॥ जिं० ॥ अंतकालज्ये कोई विराधइ रे । ते
परभवि दुरगति साधइ रे । अभियोग परमाह मी
रा के दृष्पी थाइ अहम्मी रे ॥१५॥ जिं० ॥ ज्ये मिथ्याद
रसणि राताः तपकरी नियाणइ माता रे । ते भवनं
वमरइजे कोइ रे । समकित नविपामै सोइ रे ॥१६॥
जिं० ॥ घोरउ केकरि न्यानदेषालइ रे । धर्मदायक गु
रूमइ देलइ रे । मायाकरी अवरणबोलइ रे । ते
पइकिलबषी तोलइ रे ॥१७॥ जिं० ॥ भवरणे तिज्य
रो मनबंडि रे । परिबाल मरणनी मेहइ रे । आनु
रीय गतिने पिजाइ रे । आराधक किम इन थाइ रे ।
॥१८॥ जिं० ॥ इमबाल मरणपरिजो लीरे । पंडि
तपणुं हियड इआंणी रे । परभवि इनि कोईजाइ
रे । आराधक सुषियो थाइ रे ॥१९॥ जिं० ॥ छत्रीस
मउत्तर ऋयणइ रे । जिणवर कहइ अमृत वय
णइ रे । समताजग स्यूं मनिधरीयइ रे । ज्ये पाम भव
सायर तरीयइ रे ॥२०॥ एनो यसंछेपइ सारी रे ।
छत्रीसम अध्ययन विचारी रे । ब्रह्म कहइ जेभरणा
सइ रे । ते मंगलकमलाल हस्य इरे ॥२१॥ जिं० ॥
३९

इतिश्रीजीवाजीवविनतीगीत॥३६॥उत्तराध्ययन
छत्रीसनासमामायं॥ग्रंथ ७००॥संवत १७७ ज्येष्ठ
वदमासेमूलकपक्षेत्रयोदस्यांतिथौरविवासरे॥
साहश्री जसराजजी तिणरी उत्तराध्येनकी प्रति
उपरि लिषीछइ बालेसुरमध्ये। लिषतं रषं केस
श्रीरस्तु कल्याणमस्तु॥ श्री॥ भगवंतस्य॥

॥श्रीसुरुभ्योनमः॥ इतिश्रीमनोरथमालालि
ष्यते॥ सिद्गुरुपाय प्रणमीने सिदीसाकर
जोडी नरनोभूंसीमाजासु पसार निर्मल न्याण [illegible]
लही सभुगलितलुंरहिनाण॥१॥ ज्येष्टसकल वि
तत्रवचनसुषः। जाणीमनूं साकरदुषः। अव
गाविरिपीतासूषहोयः। एहज मलनेहीबी [illegible]
ई२॥ आलिणकुत्रीबेसजसूइः। भ्यारवर्णएनइ
अनइः। करिसदावविवकुआस्त्रः। नगरोमइ
नवनषीसलेसः॥३॥ जगदवणआस्तनलघायः।
आस्नेठकायदणाय॥ जीवदणनोवैरजआविधः।

छलियपरिकांमनोगनीसिधि॥४॥तेदके सुमनी
आसः।बूटीम हीदयु मीपासः।कालेमालीपामी
मर्लाः।कांमनोगनाथीयनीसरणः॥५॥स्वजनः
मलीबादिरलजा।माअमितनठारदेडे।घाइः।जो
गविजीवकरद्रयकलौ।६ का।धूपापनहोईवलं
॥६॥जोगका लिजेजेमेलीआध्यः।तेदनेहोवाली
कोईमाध्यः।बिदचीसजननासघनमायः।दुषः
बिनागीकोन अपाय॥७॥मातपितावे धव बकु
नारिः।पुत्रसजनजेअ तिनसंसारिः।दुर्गतिपड
तांदुहिताणः।कोईनकरितिहोचाण बिनाणः।

॥५॥एणीपरियसेसपत्रअसारः।दुष सागरडे
सीउपमठारः।यमजाणीममतापरखीन
मानवचवसायरनरो॥९॥ज्येसांभलीमनः
धरोबिरागः।छोडीसजनसरूध्यांनरागः।प
चमाहाव्रतएकआदरीसूधपालकेवलश्रु
वरि॥१०॥केईकतसाचूंसरदारिः।वकुसेवे
गजदईअहिवहिः।करिमनोरथसमरसः
गणी॥हीरागीउतिमगूंणमणीः॥११॥ढाल
दूसरी॥करीयसंज्यमलेसकें।सदिगुरुसंगमि
संगसजनधनपरहरीय।बिधिव्यवहारकरे
सू।नमेलनावेय।गामागरेनगरेकरीय।:

पचमङ्क विनार: गुरु ज्यमदु धर: । करीस्तीर
सुधार सुय ॥१२॥ बङ्कगतासणो निवास: दूसवे
णासणा: । संमसरवर जलसीलसुय । करिगुरुं:
बा सो श्रीदिलमु निवर: । मेरु रूपण सेवसूय ।
सारणबारण सार: दी धीचोयणा । पाडिचो यणा:
सिरि सूधणीय ॥१३॥ रयणा उरि गुरु जाणी । गुरु
श्रीगंचीराव मेलगणि रयणेन स्याय । धनगुरु जा
नी बाणि: उालि ३ सिनवर: । मेघ क्रमरजेणे ३ धर
य । चलणा प्रणि करायं: । साङ्कणी मुणि गुणी । पे पीन
याणजे कस्साय । डलीते गुरु राय: । करी वां दसं छ
स्सो । सिरि गुरु नवजलत स्साय ॥१४॥ अचपल श्रे

सीचारि । परिगेश निरमल उ । जगज धान धारि
साधत उया । चालसूई रिश्रा विदारी करी स उ
त मं सानव: ईम प्रबोधत उ: पास दूवी णी नि
विधि: समूरीश्रा क कं सासाण यातजेद धीनदी
य । सी लिउ पाविससिधि: । त्रिभुवनजीवानि: हद:
ति कारंणि जिनवरे करीय । १५॥ निश्कः श्री
सादर: । सूहस्त संमकिर्ति: । श्रीगमजा मल ने
लसूय । सत्य तिवीवदव: । सूम तिसूं निरती
मो: करीनां साबालसूय । क्रसू मज्यमम धूका
र: च मता परिघेरि: । करसू सूधी गोचरीय । लसू

सुठ श्रीदारस्यंकहीपदूषणः वीत्रा बिगूणगवि
परहरण ॥१६॥ मंडिलपांचिहोमः ढालिसोहमी
या मयोबिनगकर तूजसूण। ठोडीरागवलीदे
वमः। कदिसामिमिनी। मोट माहचउजीपमूण।
जीवजननवरिसूंनः दृष्टिनिरमेतूः। पूजीअ
बाढ्पडगायसूण। सामितेसकलगणेसिः जः
हए समभानः। मायरनजवलजीलसूंप॥१७॥
कासविलिअचारः। पेलिसघायएाः। जलपवि
तन्नतेहविअया। चउपिआदारः। आदारः। वलीअ
अनेरूणंपरेंठवेणूवितजेहपिअपादसिगुणः
५२

ठेंडलिजोईः। सूपिडिलेहीयः। ... पमजीवेलिव
लीया। तिमजिमजियणहोयः। प्र... चननापीतिः
कहीयपरठवसूंसदाए॥१८॥ ढाल बीजी राग
धन्यासी॥२॥ आरतिरूद्रनिवारीयांसमती
रसजलगरियः। सारीयः ग्रूपतिसहितमन
रायसूंण। कहीयन्नाममंवरी। मन... लेब आद
रीसूंदरीबचनग्रुपूतिविर्तिआंणसूंप॥१ ॥म
हिनुदूसरअवभ्रुगंः। कांरतूंनिरंतूकाउमगंः।
उतस्थूर्गः मारगीगारू। जेमघरहिसूंपफलगाजि
मउलिनहीः। कायहलिनभंजसदीः। निरवद्य

करीयतेदनिआवासिय।छ०डीविधिविधिदू
षण:।बांहिंसिनद्याविनूषण:लहीषणव
स्वमलीयकदीपवदिरसूंए।फासलेवलिजीर
ण:।कोपनकरैउदीरण:।हीरणनीरलिपई
ग्रमेविहिरसूंप॥२१॥प्रथमसामायकीउचर्ई:
छकापररच्याकरी।आकरीकुणाकहीइपालसू
पा।छ3मासियतिनिदतणी।उकोसिपवचनसुणी।
मूंयिनणीठरंजीवणीसेनालसूंप॥२२॥आवश्यक
दसविपालि।आठपंनरदिनतपंलीः।मंडलीम
न।वविआरा।धसूंप।पांमीसहिगुरुसंयोगः।तेदनत
नरुज्ञामुबिश्नणिउयासंतागसासमीसूत्रनेसाधसू

प॥२३॥गूरुसाखिआवावस्यातपकरिलेई
आगवण:।पावणाक्षलिनणीकदीइपारसूंप
॥२४॥पडिमसझायविधिकरीईबीजीभाति
संभाचरीई।जागरीजीजेजांनजागसूंए।चोथ:
नणाणगुणणावलीई।दिविसिक्षीयाकरमति
रलीई।केवलीभारगेकहैइचालसूंप॥२५॥
छाअरसदीस्ससीलयलेगई।रिषइरूपिंक्षि
वेगए।रेगपकहीइधोरीधारसूंप।दसविधि
साधुसामाचारी।ईनिजपरपरउपगारी:।ई
मणिहारीई।निरतीकहीइपालसूंप॥२६॥साध
रूपरिसहीबावीसः।नविकलीइमतिसूजगीआ:

वध्वदिसेउअ छिराव सैविदर सूंपरा पंरिर वायवि
रत्नुउ। सूलमि लिसमन च्यनउ। ननउ अ सेगकदीय:
डो फि सूंप॥२७॥ आरा निउजा णीप। सूराग सुसो णि
प:। वो लिय कदी इंवसस्: अहूरनसेप। रमस्: व:
मेरा मीय। सम कि नुतरुं अ लिरा मिप:। ना लियदू मसू
विफलसेव रिरसेय॥२८॥ पढिववप किमावार ई:
कुदी। ण वससूम। विबार ई। आचारी ई: आदर करी ति
आदरीय:। गजसू कमासत णीपरि ई। जाण जिकोस्नि
रिह रि ई। तेद ठरि ई: मनिपवर्वच्य तिम दिरीय॥२९॥
दूहा॥ विकथासरूइ वो रिक रि। एक वितसमाय:
। कदीइ करस्: वे गरहने। फिर श्री निर्मल वो दे॥३०॥

घविरुअमिपालय बिरे रनुः। जिनका स्पिजी मजो
ली। कस्यूं वेन मगचा रिको। नप किक मेमति:।
श्री लि:॥३१॥ तेदिन कदी इं आव सिप एकाकी र
गय पे:। गूरूप्रसा दिज दीइ पई। सा विसूनय
प्रमय॥३२॥ कव्वपनीपारिगा पवी। अेइ पंच
प्रपंच। अप्रतिबू ध्यउ चा उय मा। ढोफी ठलव
लवंच॥३३॥ निरालंब आकास जिम:। जल
हीन्ये मगनीर:। सोमलेसू ममो दरत णीपरि:
मेर दिरि गिरि जिम धीर॥३४॥ दिनकर रिति पिय
मदीपतो:। विद्दगमयसनारंड:। अप्रमत्तक दीय:

हरसू।पामीकर्म्रखंड॥३७॥इतिचारित्रलव
लीरीयनुउर्घार।निर निरितउश्चरसूःकल
सनिर त्रिम्यार॥३६॥म्यतसेवक्रमनिदवरः।
म्यनघनउञ्रणगमः।घनञ्रहिमेतउवालरमी।
ञ्ररजनमलागाम॥३७॥एदमरीमउमेयेदेसिः
जहीइमंयमनार॥घनदीहतेलेमवसू।मनबो
दलमकुकारु॥३८॥विविधिनाविगूंधीकमेमय
हिमगोरहिमालः।कंविवीउत्मजणाइ।सेहिमी
विगूणविसाल॥३९॥प्रमार्थप्रमलवकुः।उल।
पसरिइदअदमजोयः।नमरनोविकयगिरसिःर
सिः।पीनिबोठतेसायः॥४०॥पासचंदरमबीनविः।

सोमंमभ्योसकुकोय।आणमहिलकोश्रीमल
हे।सविमूबदायकदोय॥४१॥इतिचारित्र
नारथमोलासंपूर्लःसमाप्तः॥श्री॥श्री॥श्री॥

॥श्रीगुरुभ्यो नमः॥रास ढंढणकुमार को॥
रागमारुग॥ढाल॥ ॥प्रथम जिणेसर वंदी
नै।गासूं कहस्युं ल्हारो जी।ढंढणरो लो जननी
यो ढंढणनामि कुमारो जी॥१॥श्री नेमिनाथ समो
सर्या।द्वारिकानगरी उद्यानो जी।नंदन वन नंदन
समो।नंदनवनपरवानो जी॥२॥श्री॥वनपाल
दी भीव धामणी।हरख्यादलगो विहो जी।चतुर
गणि सेना सजी।वंदवा आवे न रिंदो जी॥३॥श्री
पंचअभिगम साचवी।बैठा कृस्न नरेसो जी।वाणी
ओ जनगामिनी।दिय जिणवर उपदेसो जी॥४॥श्री

३

४मुनिगण
पंगी

त ढिंबो णी वैरा ३।ढंढण सुत सुषकारो जी।ने
मिस मीपि संय मलीय ३।धरि महाव्रत धारो जी।
॥५॥श्री॥ढंढंढ मणने पारलो॥ द्वारिकानय
री मझारो जी।कीभ्रन गय आकरो।पूरदवन
विचारो जी॥६॥श्री॥संदसद्रुघ्पज पांच सै नरा
अंतराय फल पदो जी।जीपरपत्रि सद ढंढण मु
नि।करम न लो करइ छेहो जी॥७॥श्री॥राके
दारो॥ढालणनी देसी॥ढाल॥ किहां किणनार सि
रिघड्डे रे सो।किहां किण हाथे नीस।मुनिवर ढं
ढंणौ।चर्म चुरि घर धीर।कमइक मत्रूटणौ।कि
हां किणनारीपदमिणीरे सो।घोले नइ पाई पीर।प

मुनिवर ढंढणौ ॥ किहां किण ध्यान चूकी चई
रेहां ॥ किहां किण जोगी जन ॥ मुनिवर ढंढणौ ॥
किहां किण आहार असूझतो । रेहां । किहां किण
रूपण मन ॥ ९ ॥ मुनिवर ढंढणौ ॥ किहां किण
होय फूलऊ रेहां । किहां किण होयपीन ॥ मुनिव
र ढंढणौ । किहां किण सु वियओग लि ः रेहां । गा
म ः गातन मगान ॥ १० ॥ मुनिवर ढंढणौ ॥ कि
हां किण सुंणद सुणद मेती ः रेहां ॥ किहां किण
हिवनां सुख ः मुनिवर ढंढणौ ः दूरि दे बीपा ढोवल
रेहां ॥ प्राणं मन माहि सुख ॥ ११ ॥ मुनिवर ढंढणौ ॥
८६ किहां किण बलीसू पावती । रेहां । किहां किण आल

सूनारि ॥ मुनिवर ढंढणौ । नेमि अरवसरि प्रछ
करी ः रेहां । नेमि कहइ विचा ॥ १२ ॥ मुनिवर
ढंढणौ ॥ मोत लि सुतनहु सुनादर । रेहां । ढंढणौ
अणगार ॥ मुनिवर ढंढणौ । आज केवलज्ञान पा
म सइ रेहां ॥ कृष्ण नरेसर अपार ॥ मुनिवर ढ
ढणौ ॥ १३ ॥ मारग माहि मोह मउमिल्या । रेहां । मु
ण वेत दुर्बलगात्र ॥ मुनिवर ढंढणौ । त्रिण प्रदे
क्षिणा देइ करी ः रेहां । जो विवंदइ सुपात्र ॥ १४ ॥ मु
निवर ढंढणौ ॥ जो सिव वेवी अवेद दरिसोः रेहां ः दे
खि चित मुझारि ः मुनिवर ढंढणौ ः कृष्ण मानइ तोरइ
नेइ ः रेहां । जो पमदा गुण धार ॥ १५ ॥ मुनिवर ढंढणौ ॥ ४८

मीणमोदिक सारःमु० नेमन

च्चरिमअंग्रे मिलीओ उरेः। जोप्प सत्पुरपे धार।
ति मु मिचर ढंढणे मीणमोदिक सार। मु० नेमनजी
कीआथी उरिद्रो। अदिस लिइ अणगारः॥१६॥ मु०॥
सगधन्यासी ढाल॥ नेमिकहइ मीन लिमुनिः। एमो
करेः मोदकसुसनेदो। तुम्ह लेवाजुग तानहीं। च्चू
रणा करीरे जयणा करीएहः॥१७॥ धन्य२ ढंढमुनिः
धन्य करणीरिएहनी अत्यंत। दुकरकार क नेमिक
हइ। एमोटेरे मोको सधमहंतः॥१८॥ धन्य०॥ इमः
लव खिवे पाणियो। तो निकमरि जोणी सुजाण। वीरप
णे धीरय घ अओः। परववतोरेः पामू केवलनाणः॥१९॥
धन्य०॥ करि अणसण ढंढण मुनिः। सुरव पामइरेःपामे
परमाणंदः। श्रीपूज्यश्रीजसवंतजी। तसु सिरव्यरे गणेस

जी कुलचंद किः॥२०॥ धन्य०॥ येम मुनिवर जेहवा
इ। ना विनय करीएः नरनारी। ढंढण मुनि
सरूः। गुणगातांरेः पातांजयजयकारः॥२१॥ धन्य२ ढंढ
ण मुनि॥ इति श्री ढंढण मुनि सज्झाय संपूर्णं॥

श्री

श्रीवीतरागाय नमः ॥ पहिलीय नावनमोकल्पोय प्रत्यक्ष
न्यतप्रतासक्ल जीनाडेपार । गढ मठ मंदिर सवन जेह थइ
जीनलोनर हिक । लनेद ॥१॥ सूरसविद्यापठक राई इयदा
सिरछत्रायपो । हो तिन विरहितेद । नरय तिर्यंच मानः
विरमा हि । क एउप जो निते लीय वीलयजाये ॥१
सूरसुनर यरायर । ए ॥ गया केवलीयेजगमा हिं जीन
बलदेव वासुदेव चक्रवर्ति । गयातेद पणजेह प्रथवी
यपलि ॥३॥ र मनर थेस्तरि नो विउप । रूल दलतं केव
लेश्री विउप ॥४॥ प्रथम नावना समाप्ता ॥१॥ बीजी ना
वना अमर एनावयाए । सरणनहिं कोपण । केहनू
प । ज्य कोक हिकृपहा निराघूअ । कादु कोणतेद निराघ
सिय ॥१॥ श्रीई श्रीईक हिंसुनातनर । सियाबं ववबालि

नकृगीतय । दूयंवर ग्रयंवर सूरसनाहीउ । साहीउ हं
सको एरह हिए ॥२॥ मरण सर । कङ्क कोणर । बि
नाथी असुअ अनाथी उर ॥३॥ बीजी नावना समाप्त ॥
२॥ फल विवाहलानी त्रीजीय नावना । विरयास
कलरूपसेसा । रित्रिकुंग त्यमा । छिन मतां । सवतणान
लक्कुपार ॥१॥ सगपण मीसंप्पा नेही । पान किर बास
चौदराजरउ वडीउ । पड अमोद निपासा ॥२॥ जीवानेजी
वनूयो । यमा । विरि विरि तेवा थिः । जीवप्रमावनो जीव
निइं । इमेपर मारथमा । ॥ करिण वेरी हिपूब ववः
हिणनारी हिणमातः । पिलवेटो बेटातणौः । बिणप
णेतिरू जनातेः ॥४॥ इनीक संसारनूः । गुरुअलाची
यपे थिः । साधूदे बी मिरतेसनी । केवलन्यानतेद थिः ॥३
त्रीजी नावना समाप्ता ॥३

चाचीयसावनायकंतत्वकही।हायकंलाश्री।आयकना
जईग्रानरगतगीदषयकनासदी।इ।जेफंलदीवलिफ
ललदीसीमैलीमलीउमहूकोदेषि।का।गायानुंदघन
दीकालेरह:।विदेवीउ।विनकोपगलेरो।बापडोश
लीउपकलो।सिंदेसीं।२।।योनियोनिरकलडोजो।सिः।
त्योहापूतसाधीकोनविपासा।।चंदनेघसतोःघडघडेथा
डे।निमराजानिममनसाह।६।।३।।मकलूकोंकणनव
हिरग।तोराजामनिवसोविराग।ततदुगसीधामलाका
जा।कारेविहारश्रीरसिकथोज।।४।।चउघीनावनामम
घ।।रागगोड।।सावनालाउरहाजेरश्रतीस्पष्टस्यातेय
गजालोपंचमीरामाहरूमास्यहः नेदपीश्राकूर।घड
इंधडूघलयसा।१।।अंदीमितद्वीलिः।से ब्यातेपणःघारस्र।
रूयाजोकायानंदीहायःमायेनश्री।नरश्री।श्रीधिंकरूकेद

नीयो।।२।।रदत्तणिश्राचारिपरिंसपंचायदागमेलीनी
वासीसंहायाज्येतलेअप्योसूरःघालोचिंदेहरिसिं।सम
गयानेगयाजूनूश्राय।।३।।बीजतगोठमकंकारः।घडल
श्रीनातणो।सोहेगीसंदेसउेप।यकतत्वनिकषुंकनि।कु
मोरायश्रीबलोचदेघीनादोहानानय।।४।।पतपीनानलल
समाघ।।५ रामकरासानी।।ठवीश्रतावनाकावीरय।श्र
मोचढेजेद।सोत्रपणूसोरेगेनदाय।सोनलयातेद।१।।ह
श्रीनडठेरयेहुंकरे।तेदपणतनेजाणो।साधापाघवे।र
वी।मेदेश्रागलिश्राणो।।२।।निश्रीजलमुषिनउपजेयः
कहूतेकिमथासी।नलाकुरनोजकगय।किकुमूलिजामी।
३।।मन्नधातसरारवी।श्राठमीननकोई।बारहनवनि
हिवदोरह।थोडस्पूंदश।।४।।जाकुलकुउावर्तायानि
रसामिवोलअजेतगजीसरेनदा।कूंकूलदिलोकः।।५।।

ल्यो नंतलीन समृ भइया। बीजी करि दीणा। मिरिमंड
मामं चूंच दूघणूं या। जेनारी लीणा।।८।। चरिनरामि ८
मणायि स्नाउ। करि बो खि। चमर तणी। चरचानलोय:
मदि भाव कंबाचि।।७।। हरिश्रा भि धण्ड जीवत णूं:म
बस नमूत्र। मलक सूरी जाणीया। सत्रुक हो पवीं च:
दा।। लोके पर वुं औहि मिलीया। नेस्र धूपा दी। श्रमनइठेरह
तिसिया। नारा यी के दो जोई।।९।। मोची भिलहे विश्रारडोर
हूंकालनेइ थी। ने घर माहे मूंकाइया। पर वात न बोई।।१०।।
तिम पाणी धावी न णूंया। का धान कुंड:। कि हितो कदीठ
केरलूया। न विंदि मेरूडे।।११।। श्रसी चंपणे दे वी संयम ध
रया। हणा। आधाठ नूं नेई:। पारी दीसी वीकिलघसा। या।
न विंदा नी सषा।।१२।। मेलासेरा मो पार करी या। एकव
मो वेसा:। केवलनाणि कंलहलो। धमनरपनर मा
उमीभा वनाभगार।

।।सीहिश्री।। इतिश्री मगावतसम्याव लियसे।।
सुग्रीव नयर सुहामणूं जी। राजाश्री बलिभद्र:। नसय
र: घर णी मगावती जी। निसनंदन गुणवंत रे माडी। मिय
णलां बीणु रे जाइ:।।१।। संवर चिंतामणि कीजी इजी आ
थि कैसिर इम नेधा इरे: माडी। मिणला बीणु रे जाइ:।२।
इके दिनि बिठूं मोली इजी। नारी नइ परिवार। मी सिमूं सि
दौरू इते लेइजी। दीठउ श्री अणगार रे: माडी। मिणलाबीण
रे जाइ:।।३।। नसद रिसण तव मांन रउजी। आ णभ मनि
बस्यागे। आमण दूमण उत्न रिउजी। लागुमा ता पाइरे: मा
डी। मिणलाबीण उजाइ।।४।। पाय लागी नइ वीनवइजी:।
सांभली मोरी माय:। नीटकेनी वी उसनो जी। अब हूं नथे ल
वां तरे: माडी। मिणला बीणउ रे जाइ।।५।। सालेनर के अव

न विजन्मा अनंत अनंती बार। छेदन भेदन तिहां सह्या जी॥
क हिं नू न लई पार रे माडी भिणली मील उजाड॥६॥ माय
व जल पार धन जी। आरोग्यो माय थान। त्रय तिन पाम ग्र
णो जी। वालि रे माड माने रे माडी भिणलाय। लाउजाड॥७॥
बयण सुणी बेठात णो जी। जिन तें घर एंडलती। बेन व
मित बआप रह जी। नयरे नीर कंते रे माउ। बिण नामी
लूके नाइ॥८॥ बलतु माडी रमन णा रहजी। मोन लिनी न छत्र
मन मोहन मन बांध नूंनी। कांनोजड पर मूररे पूतो। तुरु
बिण चडीयन जाइ॥९॥ मीयमंदर मोलि आजी। रान मंन
बेडिया सरे पूतातुरु बिण चडीयन जाइ॥१०॥ दस मसवा
उर वसिउ जी। जन्मत णा दुष दाठः। कवर कंत्र लिड फो सं
अबहु कुई अनीम्रे पूतातुरु। बिण चडीयन जाइ॥११॥ येव

न बयरमणी नणांजी। लीज रबहु कुन्या तोग भयो वमंबय
वीता पकडीजी। आदर अपोत पयो गर पूतो। त्रै माडी ण चेडी
यन जाइ॥१२॥ घार चिंतार निम्नि माणवीजी। अर सांविं नी
आहार॥ चारित्र बड बडहर नूंजी। जसी माउ वारसरे
तातुरु बिण घडीयन जाइ॥१३॥ पंच महाव्रत पालवा नां
पालवा पंचाचार। दोष वरजी ली समाल वाजी। ले बूं सू
आहार रे पूतातुरु। बिण चडीयन जाइ॥१४॥ मीठा तलो
रमय चुणाजी। तुं तिम चावी मसयाउ। बेतू कं च लपण
णउज जी। सुयं मव दराजि नराजं रे पूतातु अबिण चडीयन
जाइ॥१५॥ पलंग पछेडी मेद णो जी। मेहला नुइ संघारः। के
नक कचोला ठेलि कीनी। बबका चलीइगर हार। रपूतो:
तुरु बिण चडीयन जाइ॥१६॥ मीया लर बहु मंयप डउन।

उ रूलनलुरू।नाबरमालइ आतिदो रिल्लेजा। धर बरम
मो। भवइ रेपुला लुंज। बिणघलीयमंजाग ॥१७॥ दुकु [illegible] नाग
रमु [illegible] माउलाजी। मंयभमुमलंडार:। चअद राजनगरा [illegible]
जी:। फेरागल णदार रेमाडी। [illegible] बीणउ जाइ ॥ [illegible]
तुं भारराबालू श्रीजी। कंवलणल रेमं सार:। तु [illegible] समा [illegible]
[illegible] जी:। अम वनइउप बारदेश ना [illegible] णचडीयनजीप
मुणमाता मग [illegible] तणीजी। कलाग कर सिमार:। बन मगनी
पं रिबालि सिउंजी:। [illegible] मतिदि मुग आजरे माउ। [illegible]
बीणेनाजी ॥२०॥ [illegible] चौनीउजी। [illegible] समी [illegible]
[illegible] मर्व [illegible] श्रीदरीजी। जिणल [illegible]
[illegible] ॥१९॥२१॥ से [illegible] गीवडनुरू नणाइजी। [illegible]
नइ अवयनकांइ:। चौरिरूपासे नरमलुं जी:। नामइय [illegible]
जाम्हेजायातुरू बिणघडीयनजी ॥२६॥ [illegible]
[illegible] प्रभग मन [illegible] मुमतिंरूपतिरसिपाननुंजी:

॥६०॥ रंसद जिणयमुह: चुवीसजिणवंदिइहे। लिसंसारना:
दुमसवडिंड डिइ। पुंडरीक। दिगम धा रि:। न्नणिमोकुणी। मार
परिपरिवार जणि। जासुम हिमोचणी ॥१॥ नरद मर रायआयमंध
रिपन्नउ। सार सिगार: नरना रिसमूहउ। मानवलिकमं [illegible]
करीयघउ केवली। नेद नउ नाम लित [illegible] यउ लिवली। [illegible]
य णिय निअइ श्री इच्छ जसमादजसो:। नरवइ आंतिबलो मरु बलो
वरजसो। तेज वीरीयानिवीदं श्री रियवली। नमउ कुलवी रियकि
त्ववीरियरली ॥३॥ जंबूपन्नत्ति वाणी गिरनारिय। नरत लिमके
वलीकेवली [illegible] यि। प्रहसमइ तेहतन्नाम [illegible] रेयइ:। श्रीदत्त
पापसंताप मविवारियइ ॥४॥ रायलिहितविवियम सिमं [illegible] णी:।
के सिकुमारवर सम णगणसोदणो:। रायपास णियअगम इता
णीयइ। नेट गुरु आतणा मूम्रणम नि [illegible] यइ ॥५॥ चन्दते रवंद
गीनाम यरिवाय गो। वीर जिनवचन नि [illegible] पर मग्नणसाहगो।

णिया नयरि नयसयभफलकरो ॥ उत्तमसावक ऽंः उत्तमसव
ऽलहलिक विसहंदोउ ॥८॥ पासमंतानयाय विरिमुणसयन ॥ व
रिसमसंमिया ऽरुनमे मुहकर ॥ निगमऋउ महसपरिवारसंजुत
विमलसंजमधरो सववराकिरू ॥ ढाल ॥ उत्तम हिवो ॥ २ ॥ बरसधरी
सी भरुमतीयजयंती ॥ ऋषभदत्त देवाः नंदनमउ ॥ जिणजण
पूरवसवदाउ वीयवीर ॥ जिणजासुमह ॥ वनः ॥ जो णिमुदंसण म
विपमउ ॥ संयमगुणिसबल ॥ ५ ॥ रायउदाय णराजर्वदे ॥ देस रिधु
सोवीरः ॥ व ॥ रित्रिपाल्मउ ऋतिपवित्रः ॥ मंदरगेर जिमधीरः ॥ पंचम
ऋ ॥ गीइं मानस्याय ॥ तेहना पायसरण ॥ दुखहरण सुखकरण ॥ स
णलहउ जो मण मरणः ॥ ८ ॥ मल्लिजिणेसरपुच मित्र ॥ पडिबुद्धा नमि
ऽ मागरायन पसंयजाणी ॥ कासीपुर वासिः ऽ रुप्पिकुणाल ॥ धेपतिसु
गः राजी वंदऽ ॥ य ॥ अदीणसत्तुकुरुराय तिहाः ॥ पंचालदू राय ॥ १० ॥ जि
नसनुपब्बम लेपालिः ऽ ऋसंयमधारी ॥ विचरया उग्रविहारी ॥ मयले

जीवऽयगारी ॥ मंत्रिसुबुधिप्रबोधिये ॥ राजा जिनशत्रु ॥ लेरसं
यमऋतरंग ॥ जीता जिनसत्रु ॥ ११ ॥ तेतलिपुत्रसुमहि सुकरः ॥
पोट्टिलपडिबोहियः ॥ नवलितकालमहु केवलिगुणसंस्थि
पुडरीकमतिरारू ॥ सरवारस ॥ सिद्धि सुरवरमहिस्यरकर्म
मय ॥ तपसंयम ॥ सिधि ॥ १२ ॥ धन्नधन धर्मघोषसीसा ॥ धर्मरु
चिऋणगार ॥ नीवऽ गारी जिण रकऽय ॥ कडतुबआहार पेडवर्प
वयंनःय ॥ सिद्धिसंत लिसंपन्न ॥ सेतु जिअणसण करियासिधः
घा निर्मलचित्त ॥ १३ ॥ थावञ्चासुसेलगाय ॥ धनमेघमुणिदः
उवऽ अंगिऽपदमुणी ॥ ऋऽ परमआणंद ॥ यादवबंसप्रसिध
कहउ उत्तमनरनारिः ॥ आदरिसंयम आदरीय ॥ एपऊतानव
पारः ॥ १४ ॥ नूपर्तिअ चकवृत्ति ॥ ऽयः जसु धारणीमाय ॥ गे
यमप्रमुदरसकु मारः ॥ रुआमुनिराय ॥ नीखूपडिमाबारस्व

ह।।बल बार वरीस। पालि मेत्रुंजी सिधि पया। नसनामूं सीस।।१५
ठान।। गोतम समुद्र कुमार। सागर गंभीर। स्तिमित अचल पायव
हिमवंत। कंपिल नइ अक्षोभ। कुमर प्रसेन जितो। विष्णु नाम दुह वं
दियइ। विष्णु पुत्र बलि आव। धारणि अंगज। गज जिम गुरु गुणि
गाजतो। अक्षोभ सागर समुद्र। हिमवंत गुण वेत। अचल धरण
जि मदीपतो।।१६।। पूरण नइ अभिचंद। मुनिवर आव्या आव
कर। मभा प्रवानणीय। आणीय मनि आणंद। तप गुण रयण द
संवच्छरि महि माघ णीय। संयम सोल वरीस। पालइ विमल गिरि
संथारइ सीद्धि गया। ते समरुं निस दीस। धन धन यादव वं
शि। वसुदेव पणइ कुमार।।१७।। आणीय मन अणंत। सेन अज
त सेन। अणिहत रिपु गुण मनि धरउ। देवसेन शत्रुसेन। ए व
सुदेव की। नंदन गुण कीरति करउ। काजल सामल देव।।

रूप अनोपम। सरूप दीसइ सम तुलइ ए। वासुदेव नन्ना वि
जाणि सोलागीइ। नाग घरणि सुलसा घरइ ए।।१८।। देसण सुणि
बत्रीस। नारि बत्रीस मइ ए। कोडि सोवन जिहिं परिहरी ए। चंद्र है
पूरब धार। अंगण सण सेत्रुंजी। गिरि केहरि सेवर भणी वर ए।
वसुदेव धारणी पुत्र। सारण मुनिवर। आतम तारं ए गुणनि
लो ए। डंडीर भणी पंचास। कोडि पंचास य ए। सोवन यादव कुल
तिलउ ए।।१९।। मुनिवर गयसुकुमाल। सोमल उपसर्ग्ग। सि
माषड ग जीणि करि [illegible]उ ए।।२०।। वसुदेव राय मल्हार। देव
की नंदन।। सिद्धि रमणि संवर चउ ए। नाणि ग सरीर छइ समो
बु। जाणीय सुरवरी। संग तिकि समवसरण कयउ ए। नाटक
तनीना दात्रब वच अनिचिणि। जयरर वसु छि छवयउ ए।।२१।।
सुमुख दुमुख कुमार। कुबेर दारुक। अणवृष्टि मुनि तिनणा ए। बल

देवचरित्रअवतार।मोतिभार।णि।जनगावइजसुगुणघणेरा।
सावनकोडिपंचासा।रमणिपंचासया।परिहरिपरमारथधरम्
उया।सेत्रुंजिसहरिविचरिया।जाणिअवसरइकाल।संघारउजि
णिकअउम।।२२।।ढाल।।वसुदेवरायधरिआरणि।घरणिम
ननिर्मलधारणी।नेदनंदनजालिकुमारा।जयउरयादववं
शसिंगार।।२२।।रूपपुत्ररुकिमिणि।अंगजातनिरूपमताम
दनसीविसोला।वारिसेणउवयाणिमियासया।लाभरिसमेणप
वयेप्रसंगालो।।२३।।संबुकुमरनयरूपमन्हार।जेबुवतिउवरि
अवतार।विम्नासुरसीच।पिनापजुनिकुमरअनिरुध
२४।।सत्यनेमिदढनेमिबदीत।अंतररिपुनीला जिणजीत।
समुद्रविजयसिवादेवीमल्हार।यादववंसचन्द्रवतार।
२५।।जालिमुरवसरदसयकुमार।केडियराजरिधरहार।
सीहजेमसंयमआदरी।मुगतिरमणिहेला।सिवरी।।२६।।प
उमावइगोरीगंधारी।लखणसुसीमानामिनारि।जंबुवतीसत्य
नामासदीरुकमणिरूभघरणीरकही।।२७।।आवअयमहिम
रजाणि।धरिसंयमप्रदतीरिवाणीसंबकुमरघरिअंतेउ
मूलदत्ताबालीमूलसरी।।२८।।वेदरनेमिजिणेसरपासि।मुणि
वर्भमनउल्हासि।दुकरतपसंयमप्रतिपाल।परमारथसाधु
उततकालो।।२९।।यादववंसकिमणघया।नरनारीसमुगतिं
इंगया।अष्टमअंगिकिअगुणघणा।मरुनिसारणचरणतेहत
णा।।३०।।मकर्डकिंकमथ्ररुमत्रधान।नीणइमणमास्वामीव
र्धमान।संयमपालोसोलवरीसा।सिधपयातसुनामुंसीसा।।३१।।
अर्जनमालीपालीदया।परीसहसहवइतिअपया।केतनपरस
यमकमासा।आदरिकीधउसिवपुरिवासः।।३२।।कासवखेम

पूर्त धरकेलासादरिवंदणिमनपूरीयस्रोसा॥वारनसुदंसण
पूरणजइ॥सुमणजइपाम्पास विलइ॥३३॥सुप्रतिष्ठसुण
गुरुजेमह,उणसमगणीसरु धनदेह।चरणकरणसजरि
जंडार।वलियाल्पउ जोणिजवस्रवतार॥३४॥वालकमहिरम
तउबाला।अइमुत्तउमुणिमुणइ विशाल।श्रीगौतमविहरतगोच
रि।देषीहरषीसाथिइकरी॥३५॥घरितेडीमातानइपासिमि
तिलास्पामननहउलोसि।वीरपासिसिरिसिज्ञावाउ।नप्रिसिमम
लीवइरिपावित॥३६॥मोटउराजानामिम्रलकदुकरतपकर
तउनविकुथक।विपुलगिरिसंथारउकरी।वीरवचातेसिवर
णीवरी॥३७॥श्रेणीकनरवरअंतेउरी।नेरहतेरक्रियापरिहरी
अष्टमश्रेणीनाषिम्रपर्तिरूः।मुगतिजिकतीनमिइसिरूः॥३८॥
वरानदवतोसयनदुनरअन्नमसुणवतो।चउपारोणीनएन्नर

णी॥सिवासाधनजआणंदिणी॥३९॥ मरुनासधममवजि
मुमनुतो।मरुमरुदेवाउषसमभुतो।नइमुनेइ सुजस्रो
जाणी॥सुमणसूइ दिन्नवोरवाणी॥४०॥अमांतिसिरा...
तेरहएहादुकरतपत्रोषी निजदेह।सिद्धिपरकोधनव
अंत।दंसणनाणिइंसुमइअनंत॥४१॥दमयअनेरीणि.वना
रीगदुकनतपकेरिपक्तीपारिः।नेहतणहियआणंदथि
उ।जिमआणंदलहउनवनवउ॥४२॥कानरियपणावजीत
पक्रिरूः।उत्तमसंयमरिधिसमिरः कणगावलीमुकालीदे
विःकमविप्पातपएहकरेवि॥४३॥नकउआंमतिकीउति
तपतपकरिउभिहकालीअ तमउधरिउ।कादाराणसंय
मलीधः।महोसिंदनीकीडीतकीधः॥४४॥देविसुकरहाश्रे

णिकनली। जागिजागीज संमहिमाघणी। मन्नमसन्न मियइंक
डाणि। अठमअठमिमासुववारणि॥४५॥ चीजीचठइनवमन
वमिया। चउथपंप तिमादसमदसमीमा। एच्यारिनिरतिमाट
दी। साधुमारगि जिनवरनी कही॥४६॥ मसकरहालेघ्रसवं
तोनइ। तपकरिपाम उपरमसुलइ। सर्वतनइवकत नपक
हिउ। वीरकम्पहातिनिरंतरवहिउ॥४७॥ नझेमरजेमतिमा
कही। रामकपह मोक्कालिविही। पिउसेण कम्पहासमणज
घा। तेणिकीधउ बिलवर्धमान॥४८॥ अंतगजअंगिक
ह्या गुणघणा। मरूनरूचरणइारण नेहतणा॥४९॥ दाला४॥
हिवइमेणिकसुतजा लिमय लिउवया लिः अनोपमचरण
पालि। चम्पासम्भरूमसेणिवारिमेणा जाला जेणअदृरसत्रुंस
ण॥५०॥ दीर्दहतमुनीसरनइ दंता। अदितेक्कुमरसमनसम
दंना। विहासचउविदकुणवाराजयवंतजाणीयअनय
कुमारः॥५१॥ व्रतपालीचलीचणकमायापामियअनारत्र
णुत्तरुववाय। नेमासुरि रोमणिघरणीदंदेमासिरम
चरउजणनणइवंद॥५२॥ वलिवीनाम्रणिकनाकुमारः
मीहसेणमाहासेणचरणघारा। लठदंत निइणमुणगूढ
दंतः सुधदंतः क्कुलदुमसमसमवंतः॥५३॥ दुमसेणमहा
दुमसेणसीहासीहसेणमदसेणनयअवीहा। पुणसेणमणी
एककुमरतेरात पिाल्यउ जीणनवनमताप॥५४॥ काकं
दीउरिनइकुमारे। धनधनउ धर्मइ निरतीचार छत्रीस
रमणीबत्रीसकोडि। धनसयलीधउ जेणिछोडी॥५५॥ श्री
बिलचंपिपारहतसोश्रीहारइजेनल्येरकोडाचउमदसम
मणमडलिमलारिः। श्रीवीरपसंसियतपविचारि॥५६॥

पिअनरपरिणा मीघनप ।वंदोषकरिमुनियजमघन्यः।
मुनरकजमह मुनिरा रयदास। तिसलेहलिपायतोसनिग्रण
विकास ॥५७॥ वंदिमामुनीस्वररामभत्रभरिमाईमुनिपोदिल
मेत्रः। पोहिद्य विदहन्नपायनमेसा त्रिककोलि बेठेयफलदेस
५८॥ ए बोल्यो जिणवरिनवमश्रेणि। अणुरउववा इनमस्वं [illegible]
इणपरमइ। [illegible] मइश्रेणि [illegible] वायरवेधि। दसबोल्पाभ्र [illegible] सा
धुसं [illegible] ॥५९॥ ढाल ५ कुमरसुबाकुवमालोइजी। मोहगमुंदरः
सारः। [illegible] गदुगंदकदेवताजी। रूपसंमयणअवतार ॥६०॥
मुनीसर जयउजयउगुणनेंडार। तेसनामजयउअनिवारमु [illegible]
सर [illegible] जयउजय उगुण नेंडारः ॥६१॥ अचलाभ इनंदजगवंदी
यइजी। श्रीसुतनजइतधारा। वासर [illegible] भुवासच [illegible] ॥ जिणः
भक्रमारा ॥६२॥ मुनीसरजयउजयउगुणनेंडारः॥ चणप [illegible]

मदबलजा। लीयइजी। नइ नंद मइचंदा। वरसहतपइसता
सियाजी। सेवइसुरनरवृंद ॥६३॥ मुनीः। पंचपंचसयपरि
दरीजी। सिद्धि महित जीहिना सि दस विधेय लिंघमोआदरो
जी। भूतो नंदी संसार। मुनी ॥६४॥ ७ नूरा थयरा [illegible] सकचा
जी। तरंतारुं सोय। सफलत २३ जिणि अपणा [illegible] जीघन मान
वनवलाघ ॥६५॥ मुनि ॥ कपिलमहारमंकेतलि [illegible] प्रति
बोध्यो। झिलिनाल। धुवकि धुवकि म विपंचसइजी। चरण
करणिनदीयल ॥६६॥ मुनी ॥ हरिकेस अलबेट अरजी।
चित्रमुनीसरजाण। इसदनपडि बेर वाजा। बंसीमधुर बी
णि ॥६७॥ मुनी ॥ कनलावतीइबो हिनी। र [illegible] पी [illegible] सुकी
रोन्हउ बंतणंघर णीजसानी। तेहनोबिक्कुमारः ॥६८॥ मु
नीः॥ रबंहअनुकूमिनीकल्याजी। वरसागीसमकालि ॥

उग्र विहार कु विहरतां जी। सिंच पया सुरवसाना॥ छ्टें॥
मुनी०॥ नृप संत भगया नमु जी। गर्दभालि मुरुपासी बच
न सुणी बइरागी उ जी। संयत थउ उल्हासी॥७०॥ मुनि०॥
राज रिद्धि छो लि परहरी जी। क्षत्रियराज कुमार। संजयस
मर कता थया जी। कीधउ धर्म विचार॥७१॥ मुनी०॥४ नर
त सगर मघवा सणउ जी। नरवर सनतकुमार। शांति कुं
थु अरचक वइ जी। पउम महा जत धार॥७२॥ मुनी०॥ च
तुरचतुरग ति चूरणा जी। चक्री सहित रिषेण। दसम च
क्रि जयजीतला जी। अंतरंग रिपु सेण॥७३॥ मुनी। दाल
दिशा दसार रणा जाणीइ जी। दसारण भद्र नरिंदुर। बीराजि
णेसर वंदतां। जेणइ मूकी सोहम इंदुर॥७४॥ गा० इ सुगुरु

गुरु अनाणी। आणी मनि आणंद पाज सम तणा। निकुंज गि
जग भगइ। सेवइ सुर नर वृंद पुर॥७५॥ गा० इ सु०॥ अबल
॥ देसिक लिंग बयाणीइ। राजा श्री करकंडूरा। द्वि मुख च
चालइरा जी यउ। तारण तरण नरिंद पुर॥७६॥ गा० इ सु०॥
मिथला नगरी नु अधिपती। नमि नामि मदं भाणूर। नृप तिन
गा ति गंधार अह। पाम्यं केवल नाणूर॥७७॥ गा० इ सु गुणा०
सय म इ बल वंदीय इ। श्रमण भगत जाणीर। क्रमर
अनाथी नाथ थया। सयल जगइ जे जाणीर॥७८॥ गा०
नमसंय मि गदंगदइ। समुद्र पाल रहने मिर। के स
गौतम बे मिल्या। मुगति दुइ नाये सिर॥७९॥ गा० इ सु गुण०॥
मादण कुल घरि दीपता। जयघोष विजयघोष नामिर। जो

ल्याकु सिवरयतला।तन्नरा अमनसुवासिया॥८०॥गा२
सु०॥मोह मिबिचनईआदस्य३।१ संयमजबुक्रमारय॰
कोहि बाणूपरहरी।नवपरणी श्रीअठमना रिया॥८१
गा२सु०॥भूनवासिकंनववंदियइ।जसनइश्रीनइबा
कुया।बिजमसंतूतिबमाली२।पूलिनइबरसाकुया।
॥८२॥गा२सु०॥श्रीमीमहागिरिजगिजयउ।अथसुह
स्थियसूरिया।सुडिमसुपडिवधमुलीवरु।नमुना।मे
दुरितसविदूरिया॥८३॥गा२सु॥इंद्रदिनगुणगाढ्य
इ।अकदिन्नसविचारुया।सीहगिरीसीहनेणीपरय।पा
ल्यउसंयमभारूया॥८४॥गा२सु०॥बालपणइजाइसरो
वयरकुमारबदीतुया।दसपूरवधरगुणतिलउ।वि

प्रयबिकारितनीत्या॥८५॥गा२सुगुणपन्नदगाजे
लिउधरी॥धन्यतिश्रारिजसापूरा।देवाहिगा...
यनुगिरा।अहनिसि कुणमूया॥८६॥बेलियअनं
रावंदियइ।बाकुबलिअचक्रमारया।प्रबचनवचने
उपेमिल्यइ।तेनमनाजवपाकुया॥८७॥गा२सुगु...
इमजैनबोलीजोइजाणी।हैरअणीमहजाएया।जवंत
रणतारणदुमनिवारण।साधुगुरुमुमिजेसुगुण्या।इम
अठइमुनिवरज्येयहोस्यसा।कालेअनंलेजकुया।तेमन
ठदेपावबेदिइ।मनआनंदरसंप्रया॥८८॥इतिमाधअष्ट
गासमाप्तीः॥

॥ रागदेसी ॥ सुण कोणिक नरेसर राजकरइ चंपा जिहां स
मोसरयारे वीर जिणेसर वन तिहां । नीरपंकरने । साधुस
नी पर्षदा मिली । केहइ श्री प्रभु खिररे त्रीसथानक मोहनीय
णा ॥ त्रुटक ॥ मोहनीय त्रीसथानिक ॥ सहीने समाचरइ
महामोहकरम माया मोहकरतो । नव सायर माहे फरइ जिवे
इ भूत्र सत्रस प्राणीपाणी माहि भ्रकी मही । उदक सूं अक्रम
पारइ महामोहनी तिहां कही ॥१॥ चालि ॥ तेजदायेरे ॥
नी सिका बूरइ पर तणी । माहि घर घरिरे । जीव दणइ रीस
इ घणे । अगनि धूमे रीइ धरइ ऐ पर जीवनी । महामोहनी
रि । बंध सबल होइ तेहनी ॥ त्रुटक ॥ बंध सबलो मोहनीनी
सीस ऊपरि हार न्योद इम स केवेलां वीटनी महामोहनीति
हां लिइ फल दंड वारो वार हणतो । बलि बोलइ सइ घण

मूढचारी असत्यवादी । अनाचारने लवइ आपणूं ॥ सा
चालि । दोषमोरइरे । भेदणइ परप्राणीनी ओणीवोलइ
रे । सत्यामभावाणीनी । चक्रवर्तीनोरे । चंडरालोइ नेह न
णो । जोगटालइरे । विरुध वचन बोल्या घणो ॥ त्रुटक ॥
वचन बोलइ विरुध कामी । अक्रमार क्रमर कहइ । अ
बंभचारी । अतिहि कामी । बंभचारी बमाणीर । गोयूथमा
हीं गरदनो जिमी पामइ बक्र अपमाणए ॥२॥ चालि ॥
जसपसायरै लखमी लाभ लहीबक्र । निरधणनइरे ।
तस लखमी लूटइ सकु । नपगा मीरे: ऐनी सरइ सरकी
३ । इरिख्यादिक मेरे । कलंक देइ बक्र घनली ३ ॥ त्रुटक ॥
बक्र घनली ३ नासमारइ । सेनापति नरतारए । नायकदे
सनी वली विहणइ । तिगमसे ति तेनारमरा गुणगौनी रमा

यरसयली त्रिचरम धीचूंकवइ अनंतज्ञानी केवलीनो:
अवलीवादवलीबोलवइ॥४॥चालि॥ मो मिथ्यारगरे।पामीवि
राधइ मिथ्यामनी॥आचार्यरे।पासइ मोपइ सूत्र सुनमनी:।न
णपापकरीरा सू त्रबिन मय निंदइ वली। महा मोहनीरो बंध
होइ कहइ केवली॥त्रुटक॥केवली कहइ आचार्य तीन वि
आराधइ मनमुद्धि:।बकश्रुतनपसी बकुबोलइ।ज्ञानतपबिन
निरबुधि:।गिलाण अरधिका जनकरे।शूरतकलूमाकले
चिन्तर।अबेचिराचइरं गिरालमा लदइ मोहनी बिन्तर॥५
चालि॥कपा धकरणरे।कहइ कलह कारणी।मुधमार
गरे।संभव तविदार णी।अधर मिकरे।औदइयोग व्यापार
ह।सरवास मीरे।हितकार णिकहइ सारस॥त्रुटक।सारकहइ
इनरनवलह भोजी।देवनी गिनतप तिशदेवना रिछिवरण

योती वलवीर्य मंडइपरकंतिस।अणदे मतूरिंदेभूंकइशारे
वदाणवगूरुगा।अनाणी जिनपूजा अरथी॥महामोहनी बंध
णा॥६॥चालि॥मोहनीयंगणारे।बीर जिणंदइ कह्या।असंध्या
निकरे।सूत्रइ साधु कीलह्या।मोहनीरब तिरे।सतरि कोड:
कोडि जालीइ।तनकी छिरे।प्रवचन मुमिब मालीइ॥त्रुटक॥
बमालीइ जबचनपालक।मनि तिगुप दिमोहइस।दया धर
मसाधइ जिनआराधइ।तेगनइ मिथ्यामोहइस।जिनवर
वाणीमु घडो णी।मोह थानकनीदरइ।पंच महाव्रत नेमपा
लइ।मदाजयलिम भीबरइ॥७॥इति श्रीमोहनीत्रीसथान
कमज्झायसमाप्त:॥१॥ ॥जिनशासनरे।श्रीसरदह
णाधर॥सुणिधरुमुखिरे।नवेतइ निरताकरउ।मिथ्या
मतिरि।कपटकदायदेपरहरउ।महिपालीरे।तिनरसम

कितअनिरवरूआ॥त्रुटक॥म निरवरूसम किनसुधपालो॥
ठलोदोषदयापरू॥ धरिपंचअणुव्रत॥ त्रिणगुणव्रत॥ च्या
रसिख्याव्रतधरू॥ देसविरतिकिरीआ निरतो॥ पालइव्रत
यणमनिरलो॥ दामवर निजअणपरहकैसा॥ दोषमम भको
ठोवलो॥१॥ ममकाटेरे॥ लोनइनरकूडोकरो॥ केइसावध
रे॥ अस्यभक्षबावीसपरिहरो॥ पडपोपलरे॥ पीपरिनइकवी
बरो॥ ऊबरफलनरीर छिजीनमणकरो॥ त्रुटक॥ ममक
सिनभिणरं अइमामणा॥ मिघमधुश्रीलमितणो॥ वेसदेमक
रहा॥ ओडिपरदा॥ मोठेदोसमाटीतणो॥ परहरोसेजनरय
णनोजमो॥ अथमदुरंग तिबारणो॥ ममकरोबोलूअतिअस
रोर विजेदय वीरपारणं॥२॥ अ घणरे॥ अनंतकायसवि
ना॥ मीइ॥ काचागोरसनो॥ मोहिकमेलनजिमोइावलिवीगण

रे॥ तुबसरूफलबोडिइ॥ आपणपरयौबकालीधुंनविमंडीइ॥
त्रुटक॥ नविमंडीइसविनीमलेश॥ वेईफलब्रनआपणो॥ अ
नंतरसबकुबीजनीजन॥ चलितरसहोइजेहनो॥ संवरआणी
नावजाणी॥ तजोएहबावीसए॥ गुरुवयणविगतिवलीप्र
ठो॥ अनंतकायबत्रीसए॥३॥ अनंतनीरे॥ कंदजातिजोफेसुक
जसन मिणरेपा॥ तिकबोल्याअतिबक्र॥ कचूरोतेरे॥ हलदनी
लीआदूबली॥ वज्रसूरणरे॥ कंदबहूकंयलीफली॥ त्रुटक॥
फली कुयनीबीजपामइ॥ चामूरचबुरनस्त्री॥ विली॥ आलूपिंडी
लू॥ थेरपोहरिः॥ मताव लिलसणकलो॥ ऽगाजरमूलागर्ला
गिरणी॥ बीहालीठकोवबलो॥ पलंकसूरसयरवालचलो॥ भे
थीनीलीमाखलो॥४॥ चालि॥ वंसकरलीरे॥ कूंपलकूंलीनरुत
णो॥ अंकूरारे॥ लोढातेजलपोयणा॥ कंयारारे॥ नमरवस्तनीबि

लडी॥ जेमहारसेवकेअमतवेलडी॥ त्रुटका॥ बेलडी अमतन
सुतांजो॥ ब्रीनोगंनर मरसूयां॥ संफोडाछत्रीकारिनाणो॥ नालप
लितेसविमूयां॥ छत्रीसलोक प्रासिघनाणो॥ सदगोरवाणी सम
कह्यापरिहरर अंदोमजाणी॥ प्राणीनेसविसूमलहर॥ छा
६ लिस ध्यानसम॥ ५३॥ राग गोडी॥ ढाल॥ १॥ श्री जिनवरपासजि
णंदनमुं॥ निज ध्यानधरी चित्तमांहि समरू॥ निजरसनाए जिनश्री
जकरूं॥ तुम भक्तिरति जिनमनमांहि धरू॥ १॥ त्रभुनाम सिंपलिस
कल मिली॥ तुमनी मिंदुरगतिदूरिटली॥ तुमनाम जिननवकसू
मलही॥ तुमममहिमा कोणक विराजकही॥ २॥ तुमनी मिसाप
थिदेवकरा॥ महासंकट्टु मत्तेयदूरिहरी॥ त्रिभुवन जिनेननाम
ज्ञेनणं॥ ग्रणओल्गी ज्ञागममाहि घणा॥ ३॥ मिन श्रुरप्रीतमत
जगतधणी॥ सुरदानवमानवपाएनमी॥ त्रभुनाम प्रिप ज्ववसर्क

लसमी॥ ४॥ मगराज मतंगज रोग अहि॥ तुमनाम लिये सविदुक्ख
टिनही॥ चूनराज संग्रंतर बैरसामि॥ तुमनाम लिदु सिनेपरन
मी॥ ५॥ तुम वामानंदन मनुअपती॥ तुं अश्वसेनसुत विमलमती॥
तुं दीनदयाकर देवसही॥ तुम कीरति जिननाविजाई कही॥
६॥ जिनमारगसु भ प्रकासकरी॥ प्रभु खंव जिन्नाजोदराप
री॥ सेवमानवते मनमांहि धरी॥ तुम पद तेपामीसुगतिसरी॥
७॥ समतासुखसागर ज्ञानपरे॥ संघनायक तु जगतेस्रम
तिधरे॥ तुं केवलकमलाको दिवनु॥ जगनमुम ए नयतिनाथम
नु॥ ८॥ निकलंक निराय मयविबुद्धदरी॥ मुनिलो चनपंक
ज मुनगसी॥ अंजरामर त्रिवेनाधपती॥ शामदरा मुगता
गर विमनमती॥ ९॥ तुमधम अनेमतीर्थदिपा॥ तुमनाम वतीम
स वितपक पा॥ तुम विण सममनको परतरी॥ तुमविण दुगति

कुडी जफरी॥१०॥मदमछर ममतादूरिकरी॥जिनानायकल
रकुन मुगतिबरी॥गुंणपूरण निर्मलग्यान बरो॥जगदीसमुनि
सरदूरितहरो॥११॥जयपास जिणेसर त्रुवनधणी॥जयवी
तराग जिनचक्रकलमणी॥जयतारक जिनपतिमदनहरी॥जय
दूरितबक्रुदे मअरी॥१२॥तुमगुंण अनंत केणपारलही॥तु
मवर्णन जिनवरकुणकही॥निजमतिसारू तुमस्तुतिकरी॥
मुनिराम कहे शुभगतिसरी॥१३॥इतिपार्श्वनाथस्तवनं संपूर्णं॥

श्रीवीतरागायनमः॥नलदववंदंतीनीरो मलमहरा प्रथ
मदूहा॥सीमंधरसामीप्रमुख। विहरमाण जिणवीस। अढी
दीपमइआजछइ। जयवंताजगदीस॥१॥कोडिदोयवलि
केवली॥सहसकोडिदोसाधु॥मंथतिसंयमपालता॥गुणमु
णिसमुद्रअगाध॥२॥आदिनाथ जिणआदिदेचउवीसेजि
णवंदा चउदसइ बावनचतुर। सकुगण धरसुखकंदा॥३॥
जिणचउवीसतणाजती। लिख्या अठावीसलाष। अडतालीसस
हिसअ ब्रिक। सूत्रसिधांतेभाष॥४॥गुंणधरपहिलागूंथीया।
पूरवचउद प्रधान। तेहनइभारनइकारते। [illegible]सकुकोध्या
न॥५॥ए सकुनइ प्रणमी करी॥प्रणमूंसदगुरुपाय। समरूंसर
सतिसामिणी॥पामूं ज्येम पसाय॥६॥नलदववंतीनारिनासर
मघेणूसंबंध। बेरवकेक हिसुंछना। निरमलसीलसुगंध॥७॥

दवदंता मोढी सती ।। नामघ क्रोलि मारा वीर्न । वयसंवदा॰
डो ।। काशासर नीकर तारा ।।८।। श्रीउलिफू लेकूटरे । भगेनप्र
रिश । चंपा कू लक्ष मलयण ।। सिरचाडइ सहल क्रीडा ।२ ।। नीलप
मित्र क विकार णी ।। काहि सूं मतीव लिखा ।। वंक नंम पली
मनलना ।। करन कानपवेजा ।।१०।। ढालप हिलो बोलश ।।११।।
जंबूद्वीपर मोमणजा ।। भा ।। जगतेसहित सिंधाते सा म ।। नरतखेत्र
तिहां सोह इनल उ देसज ॰ जीस सहससामनग ।।१।। मागीप
चवी मश्री रजेदेस ।। तेहना बातक हुं लव लेस ।। मग॰ध देसरा
जग्रहरी ।। अंगदेस चंपा ग्रणनरी ।।२ वंगदेस नगरी नाम लोउ
दिस कलिंग कंचणपुर ढली ।।४।। कासीदेस वाणारस गाम ।। ५
साकेत देस अयोध्या गाम ।।६।। कुरुजनपद गजपुर अभिराम ।।७
सावत्ते सौरीपुर नाम ।।८।। कंपलानगर पंचाला ९ ।। अहिछत्रा

जंगल स्त्रावे साला ।।१०।। द्वारिका सोरठ देस मझार ।।११।। विदेह
देसनइ मिथिला सार ।।१२।। वछदेस कोसंबी ॰ दी ।।१३ ।। नंदीपु
री संडिल्ल इस सही ।।१४।। ५ ।। मलयदेसनइ हिलपुर चलउ ।।१५।।
वयराट देस मछपुर दिलउ ।।१६।। अछदेस वरणा सोत्तनती ।।१७
देस दसारण मृगकावती ।।१८ ।। मु क्रेवतीपुर चेदि सुनीरु ।
१९ ।। वीतनउ पट्टण सिंधु सौवीर ।।२०।। मथुरानगरी नइ सूरसे
ण ।।२१।। पावा भंगी देसह जेण ।।२२।। वर्त्त देसनइ नगरी मास
२३ ।। देस कुणाल सावथी तास ।।२४।। कोडीवरस लाटपर सं
च ।।२५ । सेतंबिका नगरी केय द्व ।।२५ ।।८।। एआरिज साढा पचे
वीस ।। जिन भद्र तीर्थंकर चक्रवीस ।। चक वासुदेव हरिराम ।।
तेसा वि सिलो का पुरुष नउ गाम ।।९ ।। रइ नगर अजोध्या
री इंद्रपुरी जाणे अवतरी ।। गढ मढ मंदिर पोल बाजार ।। सोह

इ नगरी सकल सुविचार ॥१०॥ चउरासी चउहटा अति चंग । सातभू
मिआवास उतंग । हींचइ स्त्री हींडोला माहिं । पहिरण चीर पट
वर पाट ॥११॥ कोटी धज ऊलसइ लोका वसइ । तिहां घरि मंगल
थोक । महाजन लोक घणुं तिहां सुखी । चोर जार चुगल ते दुखी ।
१२॥ पुण्य काज पोटी पोसाल । श्रावक जीवदया प्रतिपाल ॥ साहम
ी वच्छल बहु कार ॥ दीन हीन नइ करइ उपगार ॥१३॥ साधु साधवी
सू धाजती । जैन नइ पापनु नागरनी । आगइ धरम तणउ उपदेश
ना जइ सवि नय को कि के लेस ॥१४॥ ब्राह्मण १ क्षत्रिय २ वैश्य ३ शूद्र
वरणाचार वसइ अछेह । आप आप धरम करणी करइ । पर नइ पीडा
करता डरइ ॥१५॥ कंदोइ १ कागीर २ कंसार ३ माली ४ मरदनी
या ५ सूतार ६ नइ सोयत ७ तंबोली ८ सार ९ नव मूल नारू कह्यउ विचा
र ॥१६॥ गांछी १ छीपा ११ नइ सोनार १२ घांची मोची १४ वसइ अ
पार । वरणाचार नव नारू सार । कारू पांच गणउ अठार ॥१७॥

इ एहवी अनूपम नगरी जाणि । वार जोयण तिहां नउ परमाण राजा
निम चक्र करइ तिहां राज । सारइ सकल नाविक काज ॥१८॥ आण
दोण आगन्या पर्वत । अदभुत तेज प्रताप अभंग । कवच कीया
बइरी राजान । बकरी जिम टाली नर कान ॥१९॥ तेज प्रताप सब
ल आकरउ । न दीके बांक किसी बातन उ । न पास करइ आपु सु
खी प्रजा लोक सकू के सुखी ॥२०॥ लावण्य लच्छण लीलानरी
इ राणी जाणे अवतरी । पटराणी लावण्य सुंदरी । सीता सरखी सील
इ करी ॥२१॥ सासरीयां नइ मानइ घणुं । पलदेणउ तस बहु तणउं ।
देवल तिहांण महा दानार । जगति सेतो मइ तिज नरनार ॥२२
तिण जाया बे पुत्र रतन । कीजइ ते दुना को जतन । इक नउ नाम बी
जउ कुबेर नाम । रूपवंत गुणमणि धाम अति अभिराम ॥२३॥ राजकुमर
अति रलीयामणा । सुंदर सुंदर सोहामणा । नल नइ कुबेर तणउ सुस
नेहा कूबर नू रूप न उगेह ॥२४॥ नगर वदंती नी चउपइ पहेला

ढालरपूरीथइ। समयसुंदरै कहिमुणीज्योसरु। बीजी बालभइ श्रीगइ
बहु॥२५॥ सर्वगाथा३५॥ ढालबीजी॥ जोगनानी॥ इणअवसरिएकआ
वीउरे। परदेसहूंतीपूत। रायजीपरदेसहूंतीदूत। बेकरजोडीवीनवैरे।
बालकदइअदभूत॥१॥ पंचीकउ बोलैअमृतवाणापंचीपंखिनचतु
रसूजाण॥ एआंकणी॥ विदरनदेसवधालीयइरे। कुंभिनऊरखुणमाएं
रायजी०॥ इपवीरुपिणपदामिनीरे। कामनउकंकलजाणी॥ रायजीकां०॥पं०
२॥ रोअजकेंरइतिहांराजी थउरे। नामइनीमनरेसारायजी०॥ वइरवनव
सीपयारेनइकीयानगवावेसारायजी०३पं०॥ रायकुंयरिअतिरूयडी
१० रेसकलीअतिरामारायजी०। सेतगजदीवासुंदरणइरे। दवदंतीतिणना मरायजी०॥४॥ पं०॥ रहदअनदीकाइअपढरोरे। नदीविद्याचरीकोइ राय
जी०॥ वयचइवरसअढारनीरे। जोबनलहिरेजाइ। पेरायजी०पं०। एक
रूपउत्तमयचउरे। बालिबुडजन चगयारायज०॥ बग़न्यानमहरनउवी
परउरे। विदिचिंतावरपोपायणगणिवानणीसरस्सतीरे। हापियहीउरा
वालारायजी०। पं०॥ परअजीपामइ नेहारो कंतउ हीगयतकालारायज०५प
॥ महससोचनसफलाकरइरे। दरसणकरननेईछारायज०। चन्द्रमुखवे

दविचइचणइरे। दवदंतीगुणवृंदरायज०॥५पं०॥ निरमलीनय
णाउरइरे। चालइगजगतिगेल। रायज०। वेदवदनीमृगलोचणीरे। साची
मोहनवेल। रायज०॥७पं०॥ देवनउ अरिहंतदेवतारे। अरुगुरु एहरूयसाध
धर्मतउकेवलनाभीयउरे। लक्षवयसमकितनीथा॥१० रायज०॥ पं०॥ना
वीनीपंकरनलउरे। सीलिनायसुखकार। जिनगुणगाइवेमसूरे। अंग
उलदअपार॥र०॥११॥पं०॥ नरजोवनआवीयनीरे। सुंदरजसरोना। रा०॥
जेयदुनइपरणीजमइरे। तेहनउसबलउजाण॥१२॥र०॥पं०। सवरामेल
पमांडियउरे। मूकमसगलेदूत॥र०॥ वडवडाराणाराजीयारे। तेडावा
रजपूत॥१३॥र०॥पं०। सुंनरसूंकरउनुनणीरो। कुंयरीतेडणकाज
र०॥ नलकूबरसुंपचारियइरे। अवसरमोडउआज॥र०॥पं०॥ तिय
जरायहरामितकुयउरे। जोगनाकेरीढाल। समयसुंदरकहइसांभलो
रे। बीजीढालरसाला॥र०॥पं०॥१५॥ सर्वगाथा५०। दूहा॥ तिणवनरेसर
चालीयउ। मानइदूतवचन। चतुरंगसेनापरिवरयउ। सापइकुमरतन।
१॥ चालतउराजाचंपसूं। उतकवअपणाइरा। इतिः। मजलोकनइपाठवइ
तेडमोरणजाएतिः॥२॥ आयउरायनलावलउ। कुंकनहरनइपासीपइसा

रतनपरगट कीजानी मनु बीजरि ला सि॥३॥ रायचंतारलञ्जामांयउ। क्रीडा
कानन माहि। अंबक देव कके लिहरा सुंदर सीतल बाहि॥४॥ बीजापरि
तिहां गमर नां कूर दलन रस सिथि निरपायल। बीजा ठाम सरूप॥५॥ सेवंगा
चा प प॥ आगंदर सुरौजा अंवे इ। सवरा मरूप मेलावइ। मरवी वरती समरावइ
निरमल नीर सुबंटावइ॥१॥ जाजमजर बाप विछावइ। सकलातिक चापरसु
लीवइ। पाट अरपालि मधरावइ। फूलपगर छिंटि निवणावइ॥२॥ वीणवी चित्र
दिसिवा छिदर माके चौ लिहि आ। मी चीतरया फूटरा चित्रामा। नारी कुंजर आमिर
मा॥३॥ तिहां ता पंज बालं बू। कसवीजर बाफ कदंबा। नीलक मुरख मलनवरं
गा॥ चिक दिसि चहुरा चंमा॥४॥ मनोहर मोतियां री जाली। झोई विचिं भइपरव
ली॥ ऊबक अरु ऊरू बक इ झा बा। बालक मांग इ देवा बा। लटके ग सोनारा ल
टकइ। गु णपा म्यांतेर सीयाइ क इ। मोतीयां री मामर झोल। झुबकउ बकरमा
झोला॥६॥ लाबी जड़ कइ फूल ८ मालापरिमिल महक इ सुबसों॥ परझेचंथ
तसो हइ। सुर कि नरना मन मोहइ। ईकुम कागर चंगर कपूरा। सेलारस चौक नचंच
रा चंप वी णाग वसु बासा। अवलइ परिमल आगा सा॥८॥ पूतली अंन सिणगारे
यह लेगा वेकारि सारी। बाणे अपछरा लोबा आई। जापरनदी रहील पदाई॥९॥

सिंहासन मेरु पमा दो। सांतिच्चा मा झा ढा सैं परवनी कनक मय पाया। वि
चिलो लद्दुलीचा। वि ब्रिया॥१०॥ माणि मा णिक मोती नाहियो। घणुं घ निस धाति
घडिया। तिहांव इ वारा नकु मारः। साजि सुंदर सोलमेंगार॥११॥ स्नानमऊन
कीधांप वित्र। वागा पहीरया सु विचित्र। चोवा चंपे नलगाया। मनगमता जेम
व्रणाया॥१२॥ सिरि मे घाडंबर छत्र। चामर बीजइ वि चित्र। वर तिलक विरा
जितनाला। कानेकु ह रु सुवि साला॥१३॥ मनोहर उर मोती हारा। बाहे बहिरख
सार। बीरवयल विनू थि बाह। नाजए रा सुमब इ नेह॥१४॥ मोनारा मोक
ला हाथे। पदि अपे समदं ती माचे। कदोरा कहि मीनारा। मोक ला पगरा खरे सार।
१५॥ रामा नवी सइकल्पवृक्ष। चपवा झाले इंदु भत कुः। आजरइ कालनवा
रीजमा णि मपामी जड़ मुणघ रमा एं॥१६॥ वरु वरबर ति हो तिम वनरिद्ध। जा
णीकरि पूनिमचंद। वइ ओयुत्र वेपासे रविज्यात। अमा मे॥१७॥ कितना
ही कीजइ वषाण। नलसम कै नही को मुजाण। समय सुंदर उपाय दिनाथइ
तीजइ ढाल रसाल रसाय इ॥१८॥ सर्व गाथा ७४। दूहा॥ देव कुंवर दंती कुंयर सजि
करि सील श्रृंगार। आवी सवइ मंडप इ। पूरवइ अरु परिवार॥१॥ जे जाणइ वंस
वली तेरवीली वी साच। माणि माणिक मोती जडी। कनक कडी करहाथ॥२॥

११

नयणे राजा निरमती। कुमरी अति सुकमाल। गजगति चाली मलपती। हाथे
लेवरमाल॥ ३॥ नयणे राजा निरमती। कुमरी अति सुकमाल। गजगति चा
ली मलपती। हाथे लेवरमाल॥ ३॥ चित मनु नाथ चीलीया। तोह चंपक पाण
पऽ। देवदती चित्र गेह। माचइ ते परमी एण॥ ४॥ चित जाणे नऽ आवंतो। कुमरी दे
षण काज। मारगे की ठेउ सा कक नो विस्तरते पिऊ आज॥ ५॥ कामकंदयतर ति
क उण हाल यमी कालज सुरारी। ईसर पार वर्ने निमित्त। की ढउइ एक करतं
दा पिएं दरदती मारियन। क हुव कुणकी यनक्रमोर। सिंह समन बइ गाथ कं
राजा करइ विचार॥ ७॥ ज्येलयमी माकानठइ। जिणनइ वर रिसइ आज। ति
मुणवतइ जाणि उरोली। बत्रिन्नुवनराज॥ ८॥ सर्वगाथा॥ २॥ राग धन्यासी
३ एतसरी। मेरी वदिनी कदि काई अचिरजवातए दाल॥ वेचली आगरय
कुरु। वंसावली रिधिरूपा राजकुयरचूपढउ भर मानलइ ते घइसरूप
९॥ राजकुमरि विरदि बंईनलउ चरतारा। मनका मन सुखकार॥ रा०॥ वष
विंतलर बाडे करतार॥ रा०॥ रश्याकली। एअगदेसतण उवली। चिंकुंखर किकी
रतिचगा अनुसुरूपजीत रलाजत उ। घयन कंदर्प अनंग॥ २॥ रा०॥ एमगधदेस
न उर तीन। जसुप्रबलतेज रताप। रिपुनासीगयर नमइ। वाकनदीकदेचापः
॥ रा०॥ एअंगदेसनउ छत्रपती। अरिनारिकाजलचोरा। जसुरूप रंजी कामनी

नित दिनकरे ठइ निद्रोर॥ ४॥ रा०॥ एक लिंगदेसनुं उ कल्याराजनरेण
गणसूर। जगमाहि अमेदनउ घणा रूपतुं दे वीजूर॥ ५॥ रा०॥ एदेवीदरण
देसनउ। राजअनोपम रूप। गजवाजीन एमोलि कन अनेठ करइ जम रूप
॥ रा०॥ एकुमरदेसकवीजानग ... जिणदेस्य खरतनद। ला
घेयणे लाजइ नहो। वेगइ पवनने मन॥ ७॥ रा०॥ एकुलदेसीकुकमकरइ मा
यनीतपालइ राज। मरणो गतपालइसदा। करइ श्वतमपरकाज॥ ८॥ रा०॥ ए
वबदेसनउ धणी। जिहां सपरसुंदरसाला। जोजन मजरअति नीरूपतूर
यणा निहाला॥ ९॥ एवयेलवरबीलउ राजवी। कासमीरदेसनउ जाणि। जिणदेस
के सरनी पज रार तनकंमलनी खाणि॥ १०॥ रा०॥ एदेसकासीनउ धणी। जिहांव
हइ गंगा नीर। स्नान करंता प्रहसमइ। निरमल थाय सरीर॥ ११॥ रा०॥ एमल
यचलनउ माहिपती। जिणि पिसुणलगाया पाय। वावनाचदण तिहां बहुलतय
तद मासीजाय॥ १२॥ रा०॥ एपैरस देसलणउ धणी। जिहां वहइ यमुनापूर।
राजरिधिपारनपामीयइ। तेजइं नापपमूर॥ १३॥ रा०॥ एगुजर जंतन्नमनरिइ
पंचालदेसनउ राय। हां नसोल मे काव इदेस मइ। गूजरदेसनउ राय॥ १४॥ रा०॥
इमलाबनइ करनाटनो। वइदानारिदअनेक। ज्ये मनमानइ नाहरा वरिवे
इनरइ सुविवेक॥ १५॥ रा०॥ इमजे जेदियकाराजवी। तेमन मान्यउ कोया चालवण

लोच नतगा नेद अंगो सोया ॥६॥ रा० ॥ अनुक्रम सबी आलनी । दीवी तली
परिचाय पुविक्री धार ने श्रीगल इ अनु याल ने पातउ आमा ॥२७॥ रा० ॥ नुमि
कुयरि विलिकल दावेत्रि तोमिरनिय धनानन निद विक्रुपामे वड८ प्रकवः ॥ न
ल० कृ वरर विचेद ॥२८॥ रा० ॥ कंदर्प्य रिव इ आए णा जाणि रूपकी पुरय
ई मव इन इ मी पिवा तुंकू परिजोम: ॥१९॥ रा० ॥ सोनाई पाईमे नेत्र । दीमला
देवव पारा नल कुबर मरि पउ लिरवता नह कायाति मसा रि: ॥२०॥ दव
दंत नलंद यना हरा पित कु इततकाला विजन इनेनल नागीनदी । भगलाप
कुनगजाला ॥२१॥ रा० ॥ मा लि ली वा रिजपूर्ण यनी । राजव पहुत ठा हि रिवद
तिह दुजाई पनी । नलनद् प न्याय हि ॥२२॥ रा० ॥ मातसी को विजूरतो सोयवती ।
दवदंती इम चिंतवइ ४ दर्प्प देवतुसह । विरद लीह स्योपातक नमु किम्प्रं
दइ दहा ॥२३॥ रा० ॥ दवदंती मनमा निमउ । न नराय मुहर मे बरमालक ठइ
दइ दहा ॥२३॥ रा० ॥ दवदंती मनमा ... नल्व कपउ बीजे दे थिनस रगामो लियउ
ध ने ... रानी । अ ... ॥२४॥ ... नल्व ... प्रहत कयरा जनाप ॥२५॥ रा० ॥ दिवनम
अनिमत न न चलप्र जेज आप्रण प्रहतक यरा जना ... निमु
... कियउ विवा रुमवल विश्री । जान नइ माने लिख्या राजन नग निमुन्त
बरकम इ इमाई ... अ लिच तु न्वन इ माहि । अप नकरा मसक्रु कि मा विद्र
नव विक उ वादि ॥२६॥ रा० ॥ गीतगान मंगलगाइया । बाइया मगलतूर: ॥ मन मां

जामइ मलाप्र गमउ अणाद दूरा । रमा दीप मैलवड़ रस यसो प्रगव मउप
बद्रु परसेदा प्रि मरसम्र मात न जीत रङ्गा बारि नीसअनेनरा ॥३८॥ रा० ॥ जेमण
उ हाथव कद र । सर्व धवक रङ्गद्या चेद सदिजन इसा विस कादि नल क इनहि
केम ॥ ३० ॥ रा० ॥ हाथ प्रभु कावा हाथि ग पीना । ॥ अम्रसवा नाद इजनद ज नर लिये
गउ । नान गनेमारा ॥ ३१ ॥ रा० ॥ विकृत गति हउ जो लियो आलेने थक थम्पदाहि
तारइ तं मान रहा जीवप कजुगुवी दिह ॥ ३२ ॥ रा० ॥ वउपउ मंगल बरते मदा कन्या
... बरकलि । बर पुठि पर धीक मती वसती नावइ बोलि ॥ ३३ ॥ रा० ॥ वन पहाल
पूरा परनी मकुल णा पूरणको । मा मन रमुर रकदह महू कहइ । अविच नीपदनी जो
मा ॥ ३४ ॥ रा० ॥ सर्व गा पा ॥ १ ॥ दूहा ॥ नीमनरिद नलीपुत्र इ मनोपा सहला का दबर
तीनइ चान्त । दीघा मूघल थका ॥ १ ॥ मे पेउ णमाय इ चित्त नी नीमनरिद ... ना
वीठउता भावी नपी रोइ ग्रबला बाल । ... तोनी मकुरे वरावीया सजनकुटुंब
परवार: । कुणजाणइ मि लि युइ कद दैवत ... ॥ ३ ॥ सर्व ...
ठालपाचमी ॥ ४ ॥ अपणो मनदार केक्रु चतारा देसपुर दनीत ... कि करो
... मवद गे नी मिलि सर्व युग दे । नी मनिदय इ वाई न तृष्णा ... ॥ ५ ॥ अप
णो मास रियां मा हि सोन वरी इया ॥ वि ॥ आकार ॥ विमुपति ... अपप ...
दवयुरु नानयद एल घाने ॥ ... ॥ ६ ॥ सोनि नाय मन ... नेवा । मदयुक नीबाई

करउ जे सेवा ॥३॥ विं० ॥ मासूं जे गाली नंदलपाय नु पाहि इये मा[illegible]
उ किंग सती मनति जे ॥६॥ विं० ॥ मगनी मुदपा [illegible] यारी श्रीसी सलेज [illegible]
पाल मनड़ क मवलं मतदड़ [illegible] ॥ विं० ॥ जीवन नदीय घर मद पाव दि साक
रड़ तेल नड़ घए रम रावी ॥ ६ ॥ विं० ॥ प्रियुपहिली नेजन मत करउ जे [illegible]
लश्री वार श्रादर स्या ॥ ७ ॥ विं० ॥ मीविबीतल ई श्रम तव [illegible] घा मतीय आप
णी जव [illegible] ॥ विं० ॥ वर मण सश्री या [illegible] जी पाडे ॥ जानो आयर [illegible]
रुणनां जा ॥ ९ ॥ विं० ॥ दनल नि [illegible] करे वड़ दित सगतिक र [illegible] ई श्रम मसत
१० ॥ विं० ॥ कर पम्प नरता र मूकेम ॥ कन आवागच क मतचूक्या ॥ ११ ॥ विं० ॥ स
घरई तीलिमर कवलि ओनंलद दवदंत आधाच लिया ॥ १२ ॥ विं० ॥ पाव भीठल
कलवकु नी ॥ ममयमूर कंद डंसीय सहू नी ॥ १३ ॥ विं० ॥ सर्वगा पा धुरा दूह
सलीपारि नरतार सूं वहिं वहि नि मजर पगि रहेम वचन करइ संता भीनलत
हि ॥ १ ॥ धलीचूमि मंत्र हिन इ ॥ [illegible] श्राय [illegible] मी [illegible] वाल [illegible] कउ ताव लत
श्री श्रटवी सीम ॥ २ ॥ मार गमांह श्रीवती रश्री दीरानि मजर ॥ नलद दवदंत सांभ
[illegible] तम संगउ कार ॥ ३ ॥ श्रीच रितन लड़ उपनइ लमकर च [illegible] ॥ देस
उदि सड़न रही नमरा ग्रलड़ जे थि ॥ ४ ॥ दवदंती प्रियपूठी य [illegible] क ह उरक्र

ण विचारा [illegible] सुगघ कि सन [illegible] ॥ न मन गुंजे सारं [illegible] ल कह [illegible] निवलप
कड़ नदी ॥ पार चपठ श्र धार ॥ कुमजा [illegible] कीसूं ॥ केजार [illegible]
[illegible] ॥ दवदंती [illegible] प्रियनाम [illegible] रि श्रवलंब ॥ तेज भुजवल [illegible] जाम
इसूं रिजविव ॥ ७ ॥ पंत्रूय [illegible] मगल [illegible] दी वउ सा व लिये र रकात इ
का [illegible] सगर [illegible] ॥ मा वड़ सु गति नि [illegible] ॥ गा पा से वे [illegible] ॥ ८ ॥ [illegible]
लसूर गध्रि नई ॥ ९ ॥ [illegible] ॥ नव लर दवदंत ॥ आविया ॥ सो क स मी पिंग्र काह
रे ॥ देड़ त्रिय रघ दह ता ॥ वाद [illegible] करजो करे ॥ १ ॥ वलिहारी [illegible] नामनड़
तूं मोट सा क मह तरो सुगति पंथ नड़ सा वत ग ॥ करड़ को [illegible] कंतेन ॥ २
वं० ॥ [illegible] श्रोक णी ॥ कठ क [illegible] देस इ सा वन दहन्यो वन नते
सह कोक रहु ॥ नवी भत मकर [illegible] हर ॥ ३ ॥ वं० ॥ श्रसान [illegible] जाणी करी
ली [illegible] मय मन [illegible] ॥ तल कहीं कि रीया कर [illegible] ॥ ४ ॥ वं०
कर मचं दन व [illegible] नपनप [illegible] त्रिदा [illegible] मन नजीनि
रमल [illegible] निरह कार रे ॥ ५ ॥ वं० ॥ मह ऊरन [illegible] जश्रावी [illegible] ॥ माजि मए [illegible]
रे ॥ वार [illegible] पसू ॥ पाणी प्रूनि [illegible] रुमरो ॥ [illegible] ॥ मंत्र [illegible]
निव र रखो [illegible] लगा रंग मदल पठो [illegible] लसू ॥ पाणी मा वजीन करइ

सार॥७॥व०॥ मदसुगेघ श्री तिवासेन॥ सकु बनरस उ महकाइरे गोगी
नमरा गावीया॥ मुनि तनु सुरसलपठ इरे॥८॥व०॥ परिरतातक चंननल
डा श्रीप [illegible] विविचारेरे॥ परमे मा सकु को कर डाग मोठी श्री लगाररा॥व०
करजोडी राजा कंदडा वानता अब धारे॥ धरम सुह वीमा वज॥ श्री
इदुत्रसतारे॥१०॥व०॥ मुनिवरका [illegible] पारिनमा ठउकनू मित्र
त्रेनतदि॥ याफ ३ श्री नप उ॥ दी धो भ्रमठ पदेसरे॥११॥व०॥ नलराजा पठ
इः॥ तिलकहू यतनके मनापूर बकुन की याकि मा नपजपकि रियाने मनः
मुनि पदेसइ मुणिराजान विरतंतरे॥ दवदंतय
१३॥व०॥ श्रवि विन्यो नी मुनि पदेसइ [illegible] तीर्थंकरनन तपकी यश जिजमगउ
इती मिपनी श्री धमवंतरे॥१३॥व०॥ ती थंकरन तपकी यश जिजमगउ
का उ इ द इ. जिनवर वंशन च कयारतन तिलक मुसनेहरे॥१४॥व०॥
मन लतिलक कुयउ इरानवइ श्री गलइनव पाणि मुखरे॥ इमनाणी तप्रु
मकर ३॥ जिमदे मनन हिंदु रवरे॥१५॥व०॥ ब्रतपचयाए की याचएणा॥ लामघय
उ४ नरवरे॥ नलदव दंत निमधतणउ॥ प्र[illegible] श्रेउ पनचे कुमरने॥१६॥व०
कर जोडी मंक [illegible] करइ॥ वनचमनुरु श्रवतारे॥ धनमाना॥ जिम अरि घरमउ
लू मृगति तणउ दातारने॥१७॥व०॥ श्री तजन ममफलउ चयउ॥ श्राज घ इया

नियापरे॥ इरमण दीठउ तह इसने॥ धर्म सुजाणयउ श्री पुर॥१८॥व०॥ जेण
मतीर घने दियउ॥ पृथ्वव प्रुएपत्र माण॥ १॥ [illegible] म कवा ह मकुमे च [illegible]
म भ्रवाज इनी माणरे॥१९॥व०॥ [illegible] नहुर ५ ईजि सामो फनाह [illegible]
मवेः॥ म मयसुंदर कहइ माहरः मा॥ भुनः नित प्रणमामवे॥२०॥ मर्वगा
५६०॥ दूहा॥ चारित्रउ नलव लिचूप्रसा॥ मकु [illegible] पासि दवदंतीनइ दे
प्रातउ॥ वनवस श्रावास॥१॥ श्रागइव धा [illegible] विचउ दरपीसकु नरना
रि॥ मवन पइ माग समन करइ॥ मवीसमिकसार॥२॥ मर्वगा॥ ६२॥
ढालसातमी॥७॥ ला॥ माफूलाली राग. [illegible]॥ करकउ नि हाके हवास कव
रउ मुहरा वीगलि श्री ठाकरी॥ निरमलनीरह [illegible] पलइ मकुगलिरव
कु परी॥१॥ बाधानी रणवार॥ पति सुर [illegible] उ लइ॥ मिल. गाम [illegible]
रू ह पोलि श्रारी मासु [illegible] लइ॥२॥ मोवनजउ तपल [illegible] जलम निचाल
इ श्री गाइह मना॥ मद इरता मातंगा॥ मीसा सिंह रापरवत ह सतः ३॥ बालइ जी
जितनूरः॥ [illegible] नफेरी [illegible] लनरदइ पुरघइ. मित्र राना नवरंगे नलान आप
रहरइ॥४॥ मिर घरि पृर [illegible] इमनी मावइनाम [illegible] पत॥ गायइ माट
लउगात॥ मेसाविधाव इसुरु कमलक ती॥५॥ नलदवदंतीना दि॥ जोड वि धाता

मारीमी तिरमई। आपसु समकुआमीसा अविचलजोडी कुअणीनिरमई। आय
उनलअ। वीसा। मातपिता नी पुगीमनरली। मीलतां इमप्र सायरा आणंदलीमआ
मपकली॥ ६॥ वेसंक लवंदतमुख सामनयसुंदर कनइ चिरजयता। सातमीठ
लरमालापर्दि... स्वकु पुरवी पयता॥ ८॥ मवैनापारे ७०॥ ॥ ९०॥ दूहा॥
अंगइ प्यारकदा इइदा वारुपाग्ड दगर वउदयं चउीमानही। मूलसूत्रव
लिखा॥ १॥ दमयइनोदपता। नदं अनुजो गदाग पइतालीसआगमनमी। क
कुवीज्ञ ... मा॥ २॥ नलदवदंती नारि सुगुणसुगवइ अनगा। नानाविधक
उकरइं। ओलीमनउकरंगा॥ ३॥ कवइ जलकीडा करइ। कवहीरमइ वन
नाकवद ... वलवइ वागमइ। कवइ कुनइ गीतगान॥ ४॥ कवइ नाटप्रमसुं
... पासा सि। कवइ पउइ अतिक विना। मात्रतणा सुविचार॥ ५॥ कवइ
... करइ करा मकेला। कवइ वजाउइ वीणनइ। कवइ ...
... नमेला॥ ६॥ कवइ वउजीलाकदइ दहाग्रु दाठेद। हीयालकुमइकदइ।
अदिनिसव रइआणद॥ ७॥ कुणदेव कुणगुरु जलना कुणनलनकदइ
धर्म। नरनारि वेनि निगम पूछइमा दिलइ ... ॥ इमविनोदकरतापका
नदवदंती ना रि। कालग मावइम ... मफलकर इसवतार॥ ८॥ वरम
... इमासमरि मडा मासते दिवसमसान। दिवस घडी सरिसउ गीणरा ध

...गिणइकलागानाा॥ १०॥ निषधरायअवसरि तिसुणनलनइदं। कमार
कूबरअवराजकीयउ। आपकरइ धर्मकाज॥ ११॥ दाहीनइ कूबरपइ दिरालय
वाचा। नपनपक रिअ निआकरा पकुनामाइसमनार॥ १२॥ नलराजा राय
उनक गपालइ राजश्रुयंत। उग्रदमा निगवंत नवं ननय तिगरइ। उअ
नलीलव अमि मवइ। ... ग्रानरआजा। पछीकूबर मनरवदनलेवावाउइ
राज॥ १४॥ ढालपहिली। राग मल्हार। ढालवडुंजलानी॥ कूबरकुरकपदवय
उ। वाद इआपनइ साउ। नलराजा जाणतिइ मनगइं। राम तिम नवइ आज। राम
तिरमीकाई आवरे नाई। मानपा मातीलअ मजाई। ववइमिशाकउजा जीम
वेठाई। लोकआपादसिजानवाई॥ १॥ जीरजेमरजी गुआपेरमनोप। मासमि।
वंधवविआणारा। अपिपात मापर माणदाय मलसद मणारि॥ आकणी। वेनानी
ई शानतिरमइरा। नामइ ... जीसा। मायसारइ आपणीरा। दावनामतां करइमा
गरदा नामत। करइमारे। नरउ नलनइ कनइ कूबर माढउ। उरतयरा मत
श्री विसइ पाटवा राजलइ नइरमइ नेमइ। २॥ जी॥ मननपश्योवल जगार
... नइ देवमरमतिजनी जिलीगईजी। नयणेनीर मनि। नयणेनीर
मति। हिक अउकवइ इउदनइ हापी पौषाजवडर। जतिउकुहलनाआका पाद

नोवहर मानसकनुकमं गहा॥ नलकोहा पति सूकरइं। हारइवां रावांत
पा सजन पकइपा धर्म ७ से। दुम मण जे मण जम विचा रे। दुम मण जे मण जंम विजा
रीरे पास। प्राणियांन प्रकड तमा मगा एकहा एनर जीजन ह मना। दास
उकरतां घयक नेम मगा॥१॥ जीरा जप०॥ नलराजा मनइ घक इरो। अनुक
मि ह गा रिवां। अवायप विचेह नारा। जि मण वातरसि वो॥ जी॥ नेजूटसी
तर लाभ मी। सग लीपूटइ। अतितां। जइतेतां बुदइ। बेदनीपात लीनद नीपूट
इ॥५॥ जीरा॥ कूबर आगा दअतिघण प्रजालां व करइ दुखे। बांधा गाति
सइ कोइ नी घूपड पामइ सुखे। घूपड पामइ सुखे॥ नेद हलीक कहइक
हुउ की जइ काहा नलकै वाकर जा लीवाद। राजगमा प्ग कोन दलाभ॥८॥ जी
ंवदतीज्ञात मोनलीं। सीत्री। त्रियनइ पामे वेकर जो क बीन वइं तक
सुत न्याय दासा। नक सुत अरदमे। अरदा सत्रू म्हारीड होउ नीपा जइ। वय
मननिवर्त। घरनी दिध पक्षेत्री हारी। बालि नामतिघ पा मा मारी॥७॥ जीरा०॥
३ पूत भाम वेद्या सुनारी। पापर्दे धिपरदा गे। बोरी वमनमाने बुरा रे। दुर्गतिना
दानारो। दुर्गतिना दातार। नेमाने घन जाय नरना वसनन नीवातोनाम मगीज
दिव सजाने। पिठनरा अइ पापने मांते॥७॥ जीरा०॥ प्रहता पामि वासविषदइ। को

तूहमइराजो। राजविनासइ ख्यारथ॥ जो कोजा मस्वास्त्रु। बोको जा मइः
आजीर केना:पवातनी मिकमदल विता। वमनन मन ने गयात्र दंने। वको।
वके रायमकरना॥८॥ जीरा॥ कहइन मानि कर नइ। मंदहक नर देव
कम्मा। अंकुसव मियात्र रनदः। मदकरत उमलीनमा। मर त उगजनीम
मरा इवपथी जिनइ मकुरनद लोकाइ। उपजइनह मह कोकातिकाइ। दवदंती
पाठीवली आई॥१०॥ जीरा०॥ नलअंतेघरदा रेखाआंदा शीदवदंती नमीग्रद
समइचइ माको मदी। तिमनार परवारि। जिमतो राप दिशनि रि दा सभनल
राजपाः नरहठ वांरा। ननदपन अविकार ओगि। कूबर आपणा कोम
समर॥११॥ जीरा०॥ ठलपदित बीज घननी। वसनन मसवस्या कोया:।
समयसंदर कहइ जिनह ही। सुग्वा प.स्त नमस्कोयो। सुरवी घाव्इ स
ह कायफ। रं धर मनवात जानीवइ मगनीकर नइ मन तन अनकका
सुपरमडा सनयसुंदर कहइ साहिनामर नह॥१०॥ सर्वगा या २॥ दूहा॥
दिव इक वरराजा घयफ प्रगर व श्राणंद तरस। निसनेकून लनइ कहइ
देमव कि जदूरिः॥१॥ पिनराजतुं आपीउ। देवइन घन सोइ मुन नइ
राजपा सइदीयउ। होमनदा मुन जाहा। हुरतआ विवइ वउनपतः

चामरक्रमबंसतु। बलकलोक आगरमका। भजमलपुवकरंति।।३।।म
वगाया। आ पुठले वीजे। [illegible] रायतरवरनकउरे। मादिवा। पहनीढाल।।२
गमारु।। [illegible] गई [illegible] उरराय। ढेमीरिभिआवा। मादवदंतीस
पीचली रेरोया। नगुडोयोज मता। सा।।६।।वाल्हे मररायतु [illegible] विणचडीरेछम
साकुणापररमरकुम्हे आमा। रंगीलोसायम।। आकणी। प्रजालोक आकेरक
रइ रे राये। बोलइ आकरा बोला। दजदंतीजावा। नदूंरेराया। मालङु मरमच
मोला।२।। वा०।। कूबर आफउ आवीउरे लोला। कउजाई मास मीरेराया। कि मप
कुकरम धाय। कुबर नइ मह कोक दररेराया। मक रिमाउ अनाया।।३।।
वा०।। जलविणमछली कूंरहइरे [illegible] राया। चतुर। चित्त विचार। दवदंतीन
रइ इकि मइरेराया। प्रिय विणरकलगार।।४।। वा०।। केम रिकिसमालिसाप
नीरेराया। प्रणतणउ वनजे मा। जीवलं हाथ पडइ नहीरेराय। मतीपयाहरते
मा।।५।।वा०।। इमलोके मनम बीवीनरेराया। कुबरकु दरतीसाया। रमकुमसार
वदंतीरेराया। प्राण मइ नउ आईपाया।।६।।वा०।। नलतेरपपावउ दीमउरेराय
जिमसउ तेमपवासा। तिणखेम्हनी रेचिंतउतजीरेराया। रघनीकेदीआसा।।७।।
वा०।। रायइयाटइरमवबइरेराय। पालीना रिभिआगइकरीरेराया। नीमयउ

नलवतवास। संपेकलास। पिवल्य।। बलकलोमो इवास।।८।। वा०।।
रायइयाटइरमवके। रायपरजनकरउ [illegible] हादादे अबको। रसुवी
यउरे। राय। रसुंकीयउ तरकरतार।।९।। वा०।। बहुसनयालगकोनदी
रेराय।०।राजनउ प्रतिपाल। न्यायवंत निरलोलियउरेराय।०।हिव
छल किरयाल।।१०।। दामीरायरमवउरेराया। अम्हे किमनीय
लगार। तुम्ह नागउ मालउ पम्ह उरेराय।०।अम्ह नइ कुणआधार।।११।।
वा०।। कोडा मगसुकर रिकानरेराय।०। सदपीरपतमोरा संपेकलाः
आया तिहारेराया।०।दुखियाकरइअतिमोर।।१२।।वा०।।कुबरजतू
कहकि मइरेराया।०।तउ अम्हआउं सा धि। अम्ह पसुपं षीपरवसरे
राया।०।तुम्ह जीवनतुम्हे आय।।१३।।वा०।।धिगरदेवइ तुझनइरेराय।०।
नलतजउ वस्यादी वा। अपवासहजयतादरउरेराय।०।चेइ कलेकी का
वा।।१४।।वा०।।अजउ चेवकउ कुंतीतादरइरेराय।०।राजउ दलीले।मा। नरत
विखं कतणउ वणीरेराय।०।कं वउ कांयनरसी।।१५।।वा०।।प्रियरूवइजा
सोपकीरेराय। दवदंतीकहइयम। अनुमति द्यउ पसुपंषीयांनरेराय।०।
क

नापगरह[illegible]जिमे॥ धूहा॥ ढा० नगरलोकपसुपेखियेरे रायनसडू
सूंद [illegible] र्नी पारेनि [illegible] कु बावरावी यांगार ग० दुरुदरद आवमरी रि
१३॥ [illegible] ग्रतीयसपूरी आकूत नेरि राया० फेरसतअन टीकसरा
सूरहआपी पोतनर्जनरीरि याण्होलवाली श्रुतिकुटि १४॥ वो वर्तेला
वीपाडावलपरे राया नरनीर मसंतह पारे धिर तीनामन रुकइ सडवा
नयणे वरमइ मेरु ॥१६॥ ढा० आपआपणी घरे मकु मरगयरात निम
रपेट चिंतनजाता वीमारीपरे नावे मर डर रायः नल दवदंतीनेवा
ता॥२०॥ ढा० ढालवा जीरे बीजा खंड नीरा [illegible] मान गीरागवंधा
ताम पयसुं दरपाउ कवकुइ रायान करमकर इते प्रमाण ॥२१॥
मर्दगा पाप१॥ दूहा॥ वीनवउ नलवालतइ इ नवुतुनउ वोलावाल
पणइ [illegible] कुतउ सुत वचन ममेला॥२॥ थी नलपाच मइ कपनआ
आगअपाउ इन रानगर [illegible] तनवली तिथिइ कु सइले दा॥३॥ नल
अनुलीव लनना वियउ तेपानउ पहुनल तिथिइ कीय उइमउ दू
पिरवाजी ते [illegible] ३ नलरे मउटइ नी मरण दवदंतीनिसा पाय वनलो
डीदे धिर्दूं [illegible] निजरूप ॥४॥ सती वरणफर मइ करे जीपवी २

कुइनिपापारजकृपंअ चागई पए मीलं तसाय पानपेइ तावक
आकरउ दवदंती नयमाय छेदउ म्सुकइ [illegible] भारगम नलव
पणा ॥६॥ दवदंती पाका पकी॥ वरसर्व नपगम [illegible] नलउ [illegible] हाथ
सुविलगाउइ निजवाद ॥७॥ वरतीवलि [illegible] दउ [illegible] सुप मा
ला नलआप [illegible] धरइ पगइ नीचइ तत काल ॥ दवदंती तरम
पुइ पगपग मारगनी रानलपाय जलझालि नइ ॥८॥ इमलमसीव
[illegible] किदां नरगवइ मइसुवग किरवा माम लेइ मामी चालइ मल
इपवे कमिकदे॥ १०॥ आगइ जाताचवयन मोटउ रक तलावआपी
प [illegible] विपताभयाजा तिरल समनाव ॥११॥ मर्दगा पा ६२॥ ढालत्रीजी
घडी [illegible] माण ढाल॥ नलदवदंती वपइ मनइ वाल्पार नारगमादे
मइदुरंगसा लारि॥१॥ त्रिगर वेदवन [illegible] जिणपअवध्यारी [illegible]
करि [illegible] दालीनइलि वैरी धिग० कादिन अरव आ आ अति माटी रि दिन आ
यमन वलापति भद रिने ३॥ धिग०॥ सुकुमाल पग उकुनदीस हूरि नल दुख य
दिमइ कु नेहा समइ [illegible] यपग वीयने दंतालइपाणी जलए [illegible]
दवदंती राण ॥५॥ धिग० [illegible] कलतां गढ मेरूप माहेरी विश्रामल वाआयी

अवादेरे॥ ग्रिमणे॥ सिलातलउ परिसुक मालकायरो॥ केके लिप
लव ह रि दिजाय रे॥७॥ विं॰ मतबाटे दवदंती दुदवाय इरोकुर दुं॰ नरण
उदे रि धिवाय इरो॥ ८॥ विं॰ ननकम समभरा वेजउ जण मृतार॥ दे श्रा लि
गनम्रि म अस नारि॥ १०॥ विं॰॥ दवदंत नइ नर निश्चि वीरे॥ नलर हुउः
डागतउ भीर इन दी नावीरे॥ ११॥ विं॰॥ नलइ म चितवइ कदउ किदोज
भ्रे॥ मा मरइ जा अेतउ लोकाकनपा अरे॥ १२॥ विं॰॥ परदे सिजा मु जिरपद
गइनकं॰॥ मुस्वदुष मडुनइ मरउ याहिइरि॥ १३॥ विं॰॥ परदे स नमत
दवदंती न रीरे॥ पग व धण मूळ प्रति वे धनानरे॥ १४॥ विं॰ नारी नइकु
हो भि सूरण व नमादी उरे॥ म॰ तक दिजा गस्पइ॥ २॥ हिस्सइ डेद रुउमादारे
१४॥ विं॰ इण ध्रुव सूरतल त्रीजा पइ पूरे॥ ममम सुंदर कदु ज्ञातभ्रुष
3 वीरे॥ १५॥ विं॰॥ सर्वगा॥ पा॰ २२॥ रागकानउ॥ दवदंती नावादे सुरे॥ १
न लतवी य ३ रूप॥ ठं॰ मउ डाकइ तती पर्णि न लपडु निरदयनाप॥ १
का मनी तुं भूकि नइ रे॥ मरउ हाय॥ नु रूमक कि दउ मायाकुं वेद लप
पी पयडेरे॥ बापडी मूंक रे बाय॥ २ को॰ रखाक गी॥ क्र॰ ल्प दुहजाणि
रूप्र रउरे॥ नइ मुरुन इनर तार॥ परं डीयउ घइ नी मम्पउरे॥ नूं नइम

कि सिरं कहुकाज्ञा ३॥ को॰॥ रतननभ्रमूल स भागिनाह गे॥ कां दि बाप्हउ
ना गि॥ पापर पनी मरुउरे॥ नौ वइ जाण मजाण॥ ६॥ को॰॥ अं नी पदी
ले पर मतारे॥ नी मरुउ जइ को॰ ची जिरयु एम लडू नी मरुउरे॥ मुसरे
जा ली साचा॥ ५॥ को॰॥ मो नउ जाग नइ संयम [illegible] रे॥ नी मच पर लपइ
दवदंती नुं जा णिजेरे॥ नलप यउमु ति निमते हे॥ ६॥ को॰॥ स्व रजाय
उमर नलउरे॥ मुरु नइ देउ मसइ चिरकाल॥ पहिन बाच च वृक रुहरे
पारइ नी मरी यउ मेवाला॥ ७॥ को॰॥ फिटरे ति वीतो नु पात मनरे॥ काक
दवी मग को धाम्र घवा अमुगतउ॥ कांइ तात इ केन का नइ अपुविन्
दीव॥ ८॥ को॰॥ मवरा मरुप नालि चउरे॥ वइ गाराजवी को ठ॥ मरू॰॥
मउमइ॰ नइ नलतइ अमउ पालि नलनइ लागी घि ठि॥ ९॥ को॰॥ हिलु
यइ सइ क धका दियउ नि श माठि नलराया॥ अगिगन अमन कांउरे
मुरुकरम इपापपाय॥ १०॥ को॰॥ वलिनलर उ चितवइ रे॥ बम्हु
हाउद रउ देवा कुण दवदंती कुण हुरे॥ ठेिन सिनइकु नउने वा॥ ११॥
कण का ठि नलनल कि रपालि करे॥ मा किर धुं का साम इ मू का कौ मू मूं
हिरनारी नु करर कडइ मा सा॥ १२॥ को॰ निधी हा थिरु पा णि कारि॥ उदे

२

आमाऊ वीरा जिमल ऊकावान कहइ रा आवीतु वासंदचीरा ऊरीमा
क्रिमइ कीरा जीणधर लीबकुंश्मा जमगइकहइ मुझ चीरनइ रः भेदताथा
वइक म । ४ ॥ नावउ जिमलागनइ कहइ रा संग लिभारि बीता दर्शन वइरम
तइ लीयउ रा मुझ कथु नेहइ थि । १ ॥ को० ॥ जनजी नइ तुसलारे । पाधु
वीजाई मुझ । तुं नामइ तीरन । पतारा । हुआ गली कझमृझ । १ ॥ तुं वीवइ मि
रपाधउरि । कुं वमारि । कहृमूला । संघ प्रतालतरा । तेवातगई तुझ नूला
८ ॥ को० ॥ मुणिउ । वान सवीन वइरा । जिमुण अधिक कहया । करमम
णमुण गदा नदाइ गुणपइ पाल्लेलया । २० ॥ को० ॥ नावउ नम निवेम
तइ । वीनर्ड नीकरइ मुणिन्य वीजु कहइ तेहि करो । पातिवे करलकर
मनवाया । २१ ॥ को० ॥ नलकहइ कामक रनत्र महि राजा कंरउ मास्त्रीथी
सापापमइ । मिरनाहरइ रे जिमसउ तिमपंचामा । २२ ॥ को० ॥ इ मममज
लहायनइ दे ह उग्री धउ चीर नलहेउ आलिने हलवरे । पतिनयण
वरमइनीर ॥ २२ ॥ को० ॥ तुझनइ नतरकं नहि रामीलन गइ परस्नावि
वेम संशरूतउ मइ कीयहर । तुंनइ छोडी इणर स्नावा । २३ ॥ को० ॥ कर
पंच लादकथन्द कांरे । काविक सानइ इडेरा ममरभुदर कहइ समझ
गोरा वउ पीडालइ इमइ । २४ ॥ को० ॥ सर्वगाधा । १०० ॥ दूहा नलनी मम

लतउ मकहइ । निद्राकरिउपगारः । दवदंती श्री भीमीवंश । ललनउ श्री
वहलार । १ । नइ नलउ दूषणपाउ । मइ छोड्या मिरदोस । वेसाउ मंड्ये
होइ करउ । मकरे मादरउ मोस । २ । दवदंती तुं जा । लिज्योये ते हउ मुझ
परलोभ । पतरोवइ जागीयकी नल मुके दउक न । ३ । इमेवे देनधा
नुधिरमु । वस्त्र उपरि नलराय । अक्षर तेहाएदव लिख्या नयलेन रा
नराय । भाडावउ नारगपीहरनी । जिमणउ मामरतजो इ । केसर वेला
रायजिदो नावइ तिहां जा ई मेतुझनइ कं मउ आरेमा ॥ मुझ के महिया
लिख्या फर तउ देमविरे मा ॥ छा एदवी अहरल यी । चोलवउ दुखनरपू
रः । पाठउ किमजोलउ धक ॥ दवदंती मुवइ दूर । ७ । व जता पगपा वाप
रुग । वालपावड विलसउ प्रेमा । दवदंती मुवइ मनइ देव प्रत इकहर
मा ॥ दिगईवन इजनमुभीदवदंती नइ कीघ । तउदलीपदवी
दुमतली । कदि कोई अवसादीध । ८ ॥ वारहउ है निइ हेवइ नदी
नरकोय । कल्पवेलि फूल फली । कापर भूर सपाय । १० ॥ अघट वि
नय । जस मानिज मत्र अहिए । इवउ वज निपाइनइ । नाइ नगर द
म ॥ ११ ॥ वलि कहइ रेवन देवलाप सरलत्या मुझ वोला लिरदयम तन

तंमा विचलुपरंमनिलाा१२॥ तिमकर ज्योतिमपइसादेसइनदीश्र
तिदुरगुमदऊ वीनइपाधरउ भारगपानइसुरव।१३॥ इमक व दमन्श्र
घणघर्यं। मूरिइमकुव्यउतनकाल।। पइवकै। मतकरी। जीवजनु विक
रााा१४॥ पौब्ह उजइपासमइन्दु लतमादि लाय [illegible] गारा[illegible] मंगमू
र सिमी भनिरव याा१५॥ [illegible] चातिचालिसु। पयतिच ललनप्रका [illegible] वि
लु माहियकलि भयगमा म [illegible] मेघा॥१६॥ इमचित विपउउवलउ
मृतनविल [illegible] ला। डियादेमिसन [illegible] नला। वित उ [illegible] जाला॥१७॥ मु
द्रि अपलिन विंदयत॥ म वीसेनंतलेइ। लेइवदतं माधरइ इनीमुपि
वि लाया॥[illegible]॥ नलदूइतमा। कोतुनसमनतोइ। तिमपर वतिजक
मनी। यव लातइइनकें ५॥१९॥ इम विनवत चित्रमइ। वि [illegible] दालाय
तिः। नलश्रोव जउ [illegible] अवितलनपरना तिं॥२०॥ सर्वगाय १२१
ढलपाव मीजवकडी नी। पर्थ नवकरमान [illegible] सु [illegible] नन्दइः
करीनलचालिइउ। गयउश्रलगउश्रतिदूरे जी। [illegible] नलव [illegible] पकरा
[illegible] वलरूरे जी। श्र [illegible] दीवउ तेअवतलकर [illegible] वलइवनय
[illegible] कंदमेद करइ कोलाहल। वनइपंषी वापडा। मगरोजमृ यरमम

ग्रासग्रासीहमृवनवा। लियमोदेमेलाकायमचित्रकापत्राभमेदद
करिनो लियउ॥१॥ मवदनल इणकसंसलयउ। मनुमार तुणीलेताये
जी॥ इव कुवसविमृमणा। नलमृ [illegible] नइरा मिरामेजी॥ कुमारा पि
[illegible] नइश्र ग तिघललता। मुणी [illegible] निदागयउ। वेलका। माकु माप
वीग्रउदे बितलश्रुचार जपयय [illegible] सनइ नाम महरउ। मा
पतइ। किम [illegible] कल्पउ। अदिकर [illegible] मुव विठइज्ञान मुऊनइ सबद
नलइपउ मेनलउ॥२॥ पूरवनवश्रुयामतइ। तीमा मनुष्यनी जाग
जी। क [illegible] लुमुऊनइ। अ [illegible] पन। परमाणा जी। [illegible] परमाग
आरपनकी नलना धिरचरि मनंगेइ। वेलिघी नुरतां वि [illegible] हरउ
लीयउतेरु तुजंगनइ। वनगहनमांहे नकतो॥ नलकर [illegible] किल
वासतइ। नलकद [illegible] नापमां। रवनवश्रुयामनइ॥३॥ श्री
[illegible] चारतेमादनी। तेदजनइ। मीहमाराजी। दृ वपातामृवश्युदं [illegible]
प्रातसदकदयेजी। रह [illegible] तसद कहीयइ [illegible] कि। नलकदइइमभ
फेनइ। वृ [illegible] पकृ [illegible] पदेसइ। तिणसमयनलम्प्रापतइ। वयराग श्राप
ले वदिचकरूका वातं तिरीदनी। इमनलनरेसर कंदईवम। सा॥

श्री मउ भाक स्जे मीद नी॥४॥ सापफी ठी देवता प्रय॥ नयसे देयस्व
द्रि दो भी बलतकुंफल श्रा बाणनला॥ तेज दुला णि हिंगदा जी चू
तेजन तैआ णि दिगदग गध्रुअ केदुमक [illegible] दुस्वाहा ताकरउ नात
कुनिए धनामदा करि सितुक नस्सू वपा॥ उतपा [illegible] धकर्ग
अगलमणा पचमद समग इग्य उ वचौ मवचफं रनोटक मपफ
द्रि नवता यय॥ ॥ हान अविधउदमा [illegible] देयउकपटुनेतेज
व्रुस्मा निध करि वानली क्रुदहो प्रायउतुरनाजा चू॰ कुदक्षा
रउतुरत माया कूपर्फ ग्रउं मदसहीक्र बमद कुपपकद किरत
उलप कीतु जनदनही द नातनीनहे वातदेवला नेमाकरनठदता
हरद॥ श्रीलमर जणावी लिव्रनतणउक [illegible] नन्नवधिउद मद्रदरद
ण॥ नालेर लयद देवनी मयउ॥ श्री चलकरर सुरजा जी॥ नालेर वस्त
तुपरिर ज्ये जबरूपफेरदचजे जी॥ चू॰ जस्रकपफरदवंगग्र [illegible]
पलगनदपनव करदा श्री नर गपहिरिक रडकेरा॥ द मप्रदेसेमतः
फिरदा तुंकददतेषउ पा फिमृक॥ पुत्रनदश्रि मदलीयउ॥ दमक दद्न
जनदा नैषधमूर वस नालेर लयद देवनी मयउ॥७॥ नलकरदमूकि र

सुसमा प्रवरद देवम कपन तेतप्या जी॥ नलदेय दा विए श्रा समदा सूमम
पुरपो लिजप्पो जी॥ चुडक॥ सुसम पुरपा मिते पपकुत उ॥ मामद लेष
य्रउतिल सनदादृ विरदृ रिपाई सलकं॥ मक्त लि [illegible] दुक गप द नमेवा
नचिदं दि कि कवदण दवधानल सुग दश्रव रिजवनर दे पाउपरुवर
पकर [illegible] वलउ सुम मतिनदा॥ श्री लातमेल पुकं यनो हापी
हूदप्पचकोजी॥ मेली देउल लानत॥ मदरूर लउंवनगी कंउ चु॰॥ मद
फट दबनोगं चिद्द दि सि॥ नमरासुं जातबुकरदा गनकतगउद मद
पर्दि॥ नगतमादि बुदउंकरद॥ पर चौटपाक द मात मननदा नगर
लोकदु प्रकरन॥ कादधुरपतहनदउ॥ लिनस कुदा॥ श्रा लानपनकपेउ
यन॥ उ॥ राजपुरपत्र दददवल र चोक लदउदो जी॥ दधिप निजा
नेदनद श्री पदरि पिश्रुवंदउ॥ चु॰ कण॥ चापदते दि विश्रुउंदनेदनदः
नलसवदद मसीनलन मीवीरउ हापि पासमाहुउ संचल तगाशृटक
लहउ॥ मा मउरे मारमक क्रवकतुः दे परउय मजेदउ॥ दमक दहन
गर्वलोक सगलार अपुरमक [illegible] दवउ॥१०॥ नलराजा निर्मी पक घे
ना बद मानगोजी॥ लघला कलाकेलवद गज सुमांक दजेमा जी॥ चु॰

अ

अण सुंत माफ जगक बसी मुंकि मुसाम [illegible] कव इ दैवि जायरा ग
तग यझा क बर [illegible] त इ [illegible] । व स्वं [illegible] ना थि पुसन ल ति कनङग
अदे [illegible] नलकूदि [illegible] व [illegible] र ि । नलराजा ति नीपक ॥११॥
मधुस्युक मा [illegible] व तिक [illegible] राजो जी [illegible] नर लोक सहू कद
[illegible] के इ नरा सिरता अजी ॥ व ०॥ मेर ताजय कों इ क [illegible] नर देवद
[illegible] सायिमी । दधिप [illegible] राजो [illegible] परि । [illegible] दे [illegible] लर
[illegible] उ आवड । पोनर्वि [illegible] रिवा [illegible] । राय रत्न मलववी कं वइ
[illegible] आकम मा रि [illegible] ॥१२॥ तु [illegible] दा पी हा यी जो विमन [illegible] लानध
[illegible] जीरा जाया सइ [illegible] । नलराजा महाजा [illegible] जी । च ०॥ जालरा
जे [illegible] । [illegible] दू [illegible]
प [illegible] प लश्र [illegible] राजा [illegible] आ दर मान चल [illegible] दी [illegible] ।
[illegible] कद [illegible] पावनी । [illegible] ॥ [illegible]
पय [illegible] लरसा लोजी । [illegible] मुसमान [illegible]
नी । [illegible] विकाल गिरु [illegible] । जीए चदू
ग पर [illegible] जि [illegible] मकलेवर [illegible]

व मुद गुरुमो । गोत्र [illegible] विजय [illegible] पन [illegible] समय [illegible]
वा [illegible] स्वक पर [illegible] ॥२३॥ इति श्री नलदवदंती चरित्रे [illegible]
ग दवदंती [illegible] नो [illegible] स्वक मे [illegible] लंब: सर्ग ४ ॥
सर्वगाथ १३ [illegible] ॥ श्री ॥ श्री ॥ दू [illegible] ॥ [illegible] चरित्र [illegible] मुग [illegible]
[illegible] क मत [illegible] वना [illegible] ॥१॥ [illegible]
मीकरी [illegible] नल [illegible] सु स्वेका ।
२॥ [illegible] नव [illegible] तवी [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] सरे । [illegible] दधिप [illegible]
[illegible] ॥३॥ क [illegible] अउ ॥ [illegible] कि [illegible]
के [illegible] गज [illegible] ॥४॥ क [illegible] ॥
मु [illegible] नल [illegible]
नि [illegible] कि [illegible] ॥ क ० [illegible]
[illegible] ना ।
[illegible]
[illegible] परसादरे ॥५॥ क ० [illegible] ।

देसमहलमहारि [illegible] बालिहा। मगली [illegible] ॥६॥ कं०॥ [illegible]
[illegible] दनी लेन। [illegible] बनलाल। [illegible] सरे। ते [illegible] मन
[illegible] न गयउ [illegible] पारि ॥७॥ कं० सकल [illegible] ली [illegible] सुन्दर [illegible]
[illegible] गुणि [illegible] नहि। [illegible] गुण [illegible] ॥८॥ कं०
[illegible] बाग [illegible] विपर्णरी मनका [illegible] बासह
[illegible] ॥९॥ कं० इक दिन [illegible] वती [illegible] हि पाव [illegible]
[illegible] विद्या [illegible] ॥१०
कं० [illegible] कों
[illegible] कर [illegible] ॥११॥ कं० ॥ [illegible]
[illegible] कै [illegible] दि [illegible] की
[illegible] ॥१२॥ कं० [illegible] तें [illegible] कर
[illegible] ॥१३॥ [illegible]
[illegible] देह [illegible] के [illegible]
[illegible] ॥१४॥ कं० ॥ [illegible] रहे [illegible]
रे। पहिली [illegible] आनी। [illegible] सुंदर [illegible] ॥१५॥ कं० सर्व

गाथा॥१५॥ दूहा॥ इक दिन [illegible] सखी [illegible]
[illegible] पालहि। पलमन मैं [illegible] ॥१॥ [illegible]
[illegible] की पास। [illegible] नाथ
[illegible] ॥२॥ [illegible] दूरात [illegible]
[illegible] नही। [illegible] ॥३॥ [illegible]
[illegible] सामा [illegible] दी [illegible] नारि
[illegible] ॥४॥ विरही [illegible] मालीकथा। [illegible] कालानल [illegible]
[illegible] ॥५॥ सर्व गाथा २० [illegible]
[illegible] ॥१॥ [illegible] ॥२॥ [illegible] लाल। [illegible]
[illegible] लाल। दे [illegible]
[illegible] ॥१॥ [illegible] लाल। [illegible]
[illegible] लाल। [illegible]
[illegible] ॥२॥ कं० कहि [illegible] लाल। [illegible]
[illegible] लाल। [illegible] ॥३

क०॥ (त्रे) बजकंदः सूणीकु नीरे लाला। परिलीयणवीतसरहरेसंघछ
रु॥ नामिबजीनलतीसमउरेलाला। कदरपठर लिद घ पुजेहरेपंघ रु॥
क०॥ क... नमूणिक बकरिलीला। नुलठको पठर नास्रेपंघरु॥ ददरः
ती मुदलउ लपंरेलाला। ग्रससमररमागर्धकारेरु। पंघरु॥ ५॥ क०॥ प लपद
फक... वीरचढरिलाला। फलआवरु सास्रे। पंघाउ। यावजगजतनमूलि
यर्नर नाले। रूरपनाकु निरे धास्रे। पंघरु॥ ६॥ क०॥ ऊबकिजग नहरु
लफलीरेल लाश्री घ्रदेसहनदीपासरपंघाठ। वलीवितजायर ...रिमूड
रे लाला। नलवए घरई निरासंरपंघीउ॥ ७॥ दवादत ः वितवहरे लाला। क
हापायकीयामर कोरूरे पंघीरु॥ ८॥ कावग्र...वीपकरेलाला। मिठुयनिगृ
पूरु कीरुरपंघरु॥ ९॥ क०॥ प्रियुपाणीलिवा यनंरे लाला। मरावरस्थाननि
तर पंघरु। अ्रुपवाकादिविपाघरारेलाला। लेईजईचिवचितरे। पंघरु॥ १०॥
क ॥ अ्रुयजांध्रुहामउ कापरुरे लाला। ठपिठानेरहउअ घरे। पंघरु॥ स्व
एा हेदुरि कादिस्परे लाला। पुरुस्रीग लेजं यरकपंरः पंघरु॥ ११॥ क०॥ ददर
ते रुर्व कररं लाला। वनर जंयसकेतलेप पंघरु॥ ...अयउवे लरनेल लः
पनि नरहर सोके तरे। पंघरु॥ १२॥ क०॥ रो बालगी कुबकंईरे लाला। करसब
नगी। बिलापरेपंघरु॥ आवग्रावकंनत्रतावलनरं लाला। दोदलउ बिरहनं।

परेपंघरु॥ १३॥ क०॥ अ्रतिहासरु कि मकुजीयररेलाले मुकुं घाले
कुवजायरेपंपारु॥ मरु नुरु नरठो पोनहरेलाला। म्रिव ठोरु रनुकरु रे
पंघरु॥ १३॥ क०॥ स्याहिकठचनरकररेलाला। नयन मर्दुंवसंहरे।
पंघरु॥ मु पन विचाअउ मुंदरे लाला। नासी पई निरुठस्हरे पंघरु॥
१४॥ क०॥ वीजी ठलपुरं, पईरेलाला। नारिमुलउनवतारेपंघरु॥
मध्य सुंदर कररु कुकक्रुरेलाला। करइसिगलकरलनरेपंघरु॥
क०॥ सर्वगाथा॥ ३॥ दूहा॥ आठ शीतममारसैं कुलफलादिकय
ाः फलसवादसोठर नमरसम समाजः॥ राजुम रघ्रउ कुवरकुय
ाराजव मनमूला। प्रियु वागकुवरसीपडः दिवर्ष येप्रतक ॥ २॥ ब
लनरु दुगलन पयउ। सुपनत रुथनुसारा। हारदव ईई संकरुः
कोइ मरजीकरतार॥ ३॥ सर्वगाथा १०॥ दो नवीजी॥ प्रियु को लपरंदेमः
मबइ यग लेचलेः दयरह कुलपक मार। जंजीरीदिगाघदनीठल॥ दोके
रुर्यदतमूरु रहस्युं कीयुः ते मुरु दपुंदुः। जकटयकर इहायुं॥ ५॥ रे॥ म
घुरहितनु दुरखंमादिः। धसकि वरल यरु वायस्वेतनक रः ६ वइ
सनमहस्वरु॥ ११॥ दै०॥ बिरह बिलपयुनेक करइने कामनी। दिनदुरव

नहिजातं।जास्यइ किमंसारनी॥३॥दै०॥हानाथकेहउनारातुनंइकेतकती
मजभर्तिवतनीकनेहदिघाकनी॥४॥दै०॥आजतईग्रसंर।अघनेनको
धूयनामेंकवकमइनाहि।घोकोनारी।कीयउमि॥५॥दै०॥बलीवरणीकू
अकरसगलकरइपूपणिलिरवावणा।बेलघणेरावुखधरइ॥६॥दै०॥म
लनेनहीकेदेमा।विलापकरइकिसा।कीधाकर्मकंमरा।देपवलपापमानमा
॥७॥दै०॥केमइकेहनोतरः।लिपटनेजेरीया।कामनीविरहवियोगारीयामन
॥८॥दै०॥केमकहनपुत्रः।बिछिहामात।पा।केमइमारीनारा।अ
फेरिया॥९॥दै०॥केमइपीपाणिमालपनाघारा।बीया।कमइदीवा
पाजणीलालपी॥१०॥दै०॥केमइमारीसउकिमाहाकामणका
कल्लकाव कूडानाबीया॥११॥दै०॥केमइनागीरंजागल्या
॥१२॥केड कुडीसाखदेवालीचरीनरी॥१३॥दै०॥केकाघीपरनात।बरसी
पापणी।केइस्पानरनि।किणसापसी॥१४॥दै०॥केकाघीपरनात
क हिवनरइ किमइकविनजहाहरः।दाया जिणपीमरइ॥१५॥दै०॥किणी
लागमाडद्यापादीदीगुरउलका।केमइ विणजव्यापारभूगवजननोल
वणा॥१६॥दै०॥केमइपापणीसा धुमहंतसंतापाया।केकोहरमाहिघा
नवरलमइकापिया॥१७॥दै०॥केमारगविविना।हिंजतीमइदेखिया।

केमइकूपतलावनदीदहमोखिया॥१८॥दै०॥केइमइतालअपकरय
चिरतलमइकीया।केमइकुलधानखोघणमइनेरीया॥१९॥दै०॥
केइवीमाकरलंषमइनाष्यातावकसाएलागाकुक्कपापु।पंडुमस्राव
कह॥२०॥दवदवीवनमाहिःकरइदुसरकलीरितविरहकिलागपाता
पावीसिरगली॥२१॥दै०॥जीजीबालकहिपणिदवदलीदुबीममसः
भूइरकेहइमीलकसादिकूमइसूवी॥२२॥सर्वेगाघाद॥दुहा॥दिनमो
धनमारुजपर्तपकी।घरदीनेकोकारः॥समलासुयरराजमगाःआगा
इउलावलीपडुलीकसलेषिना।परवसपरिहोजाइउचीचलः।भरहर
मुफामाहिजाइः वरसालासमइहो।निश्चलमनकरी॥अनउआणदहरः।सु
णायदेमीतिनापनी॥५॥मनगुफामाहरः।रहेतेएकनेहीधर्मध्यानकर
इ।एकातरउपवासःफलफूलखायहेलपनइपारणइपचपरमेष्ठी
लपजपकरनीहिवदवदंतीरंहइ॥६॥नारीनरारतिसलामीलसुंगीहिव
दतीसती।वउपाघ्रंरनीकालापदिनीदिरलीहामनयप्रदरवाः॥इ।७॥म
वैगापाइ॥टालबीतीर वउपईनी॥हिवदेपरनहीसारथवाह।दवदनी
इहेरामाहि।मनउपडवपयरजीपगलेईनइचालउद्दि॥१॥इफायालि

33

५७

श्री [illegible] कैलास देवदेतीदीवउन्नमइ।न वंकारजे [illegible] कोमर
चिंता। जो कगतश्रतिरागरता।२॥ करीघणामनबइ ठइ उपासासं
बीय बोलु [illegible] मनउलो सासापर्वादत्तवपूठइ आपजुम्ह एकस्योकरो
उप्पाय॥३॥ सती कहइ पंचपद नवकार।स मरण ध्यानधरतसव
सुख कार। विकष्ट संकष्ट सरवउ पडूदूर लइ। मन चिंतवीमनोरथफ
लइ॥४॥ जगमाहिं जिनसासनसारः। जेहमांहिं वसपद ठाजार। तस्स
पूरव चवदपखाना। तेमापंचपद नवकार निधान॥५॥ इवइ सती सो पर्व
[illegible] श्रीमा कहइ बात जिनसासण तणी। एकमनासु लेवातसदा। सुण
बातश्रधकसनेहु॥६॥ श्रीधिरितचेवनहुँ उसा घा केवलिना षित धर्मः
श्रवा चउ [illegible] समकितस्तू चउ सरदहो। इनेनर सुरपदवी सुपलइ॥७॥
साधश्रेनइ श्रावकनउ धर्मः। जिन धर्मकरइ ते हीज मर्मः। जीवदया पालजे
इ घरी। नवस पुत ता रणवर लवी॥८॥ सोर्पवाह मुणीनि पदेसा। प्रतिबोध
संकतनही लेस्सा। दृवदती श्रमतुर की घ।गाप्राव क लोसूत्र धाव्रत ली ध॥९॥
पदि सउ कुं तउह्नै नाम जसंता। इव इ एय जार्थ की धउ अणवुता। धर्म तिलक कड
मास न कीयो। सोर्पवाह करइ हराप रि॥१०॥ एह [illegible] कूवउ भेहा तेअ णली ३८

गीलापस देहाप रवलआयाजलपूरा। कहइलोपस किमसी [illegible] ॥११॥
सहवाहउ रनापमनु हे। उपद्रव पे [illegible] किम्है। सती कहइ [illegible]
निरजीका श्राश्रमचंडु दिसीदीव [illegible] ॥१२॥ कहिश्रावला तीर्थंकर [illegible]
रिहंतदेवलण इ परमाद। सीच इसनि [illegible] सती तउ हिवै [illegible]
जरली॥१३॥ मेद। इ हिं पंचीतलकी [illegible] तापस [illegible] तिस [illegible]
चित्रआक तिएह वी। देव [illegible] मनदीस इ केद्वी॥१४॥ दयाय हिंते निरमजन्ध
[illegible] सीच उजीए रजिए धुमपमर्थः। तापस पर लिवतधु चौसेवा जयवंता जिनधर्म
चवरेव॥१५॥ सार्थवाहतापस श्राश्रम सोतापस सुरवीस इ [illegible] जिनवर
धर्मसाचनमनवरइ। श्री [illegible] मकरइ॥१६॥ [illegible] तीबीज
टालानु एा मकरस्यो बोल विवाला। श्री [illegible] वर्मकिपाइश्रासतासप्रस्तुदरक
हइ मुजमासता॥१७॥ सर्वगारा रघा दह। द्रवदंती तिह श्रपदी। श्रीवीरा तेः
अपार। उत्तु [illegible] जिरउपरि [illegible] जिमईनकार॥१८॥ तिहा पालिजातीश्रा
वमाःपंथीजेमरकामा। सुर किमरी [illegible] धरतोश्रधिकउ [illegible]
रकीलाहल संतस्यो।। जोम्पोलोकेस [illegible] स्वर्गीज [illegible] का [illegible]
वातेश्र मसः॥१९॥ सार्थवाहर तापस रजती। इन [illegible] ४पूरवत रूप रिते

घोरे परहरीवे धूमती प्रिया। सुंदररूपसमि बोरा॥२५॥ सि०॥ गुरुरूपासे
लीवी हिद्वो। धरतउ तिरमलध्यानरे गुरु आदेसः आयउ २ हो। पामउ केवल
सानेहो॥ २६॥ सि०॥ इमकहतइपकरके वली। कीवी योग निरोधोरे गुरगति
थउ ब्रह्म कोर्म हो। ग्रथ विसरि सो घातिबो घोरे॥ २७॥ सि०॥ अचरिजलीव नरूप
गत सकीरत तर जस करीरे। नरतिनाति देवेकीयउ। मेंचपर्के संसारपारे॥ २८॥
सि०॥ सूमी जडपाम लीयउ। कलपति मे पमाररे। देवदत्तीक० इ उदी सो। लिखइ
गुरु करउ तिरसा दीसे॥ २९॥ सि०॥ यमाज कम्रू रिड मकहइ हिव ज्ञानसी गुरुवी
सेरे। भीगकरमछइ तो करइ। मानमोरी नमिरे॥ ३०॥ सि०॥ जउ पामे मलनी
श्रीजिन पूरी की वाजलीहे। पूरवनवाई वपूर्वमइ। समय सुंदर कहइ सिवलहे॥
३१॥ सि०॥ सवेगा घाट १॥ टालवउ पा। करइ वीतरागी जिनदआगरज पहेलें ठला।
हुवइ ती मगमतीकरी जी। प्रसन कहइ सिव पमा। पूरवन वपापडल की याजी॥
विहरद पम्प नव रहि कंसा॥ १॥ पूरव नव ज्ञाने सोनल उइ। कहइ यदा लहमूंए
दंसा की धाकर नन इंइ इइजी। गुन ३ अखुनती छनइ मेदः॥ २॥ पू०॥ मनमतामन
रजाइ कहइ जी। पाछि लैनवनल राया वीर मलीलमुनिराजा गीवउ तीजीवनभाय:
३॥ ३॥ तुम्हे वकाई कदोनासराजी। उनमारे कालो निमिलः। साघरमे घातिश्रावनउजी
सो धमिं ल्पउ सुधविले॥ ४॥ पू०॥ सो कैदे मालुम्हे कापीयाजी। एह अमंगलमंः

। हमाय लिको हउ पडिय उजी। बमघई मनोमः सा धन सदीखम: [illegible] सोधरयं मुमातो

अदसमइ किहा सामन मिसुकउजी। एहं नउ धर्मे पामइ॥ ५॥ पू०॥ पाबिओ दव
व्रीडि यउजी। आप तासे वक पासी। अपलुम्हे पीडा बलीजी। आदिया आमलाइस्रे
वासः॥ ६॥ पू०॥ बलि किमकाप वांमइ उजी। साधन इपूठ यउने को। किहा पीआ
यउ जाइ सिकि हाजी॥ कल्प धर मलूरूपे लि॥ ७॥ पू०॥ सो धूकइ देसु जे मलइ
जी। सानलउ नीवी वातः। वीहार कक कर्मेपयवान लीजी। सपलसंयमञ्जमुक्ता
लः॥ ८॥ पू०॥ साधपकी वीठमावीयउजी॥ धर्मनैकी यउ श्रेतनायः। पापडलापकल
पालुयजी। जो लिलुमा हिरायः॥ १०॥ पू०॥ अनित वासङ्ग म्हारउजी। जेनकमुत्र
हूंपपीः। वीतराग देवमोचा त्रीउजी। जो लड़ापर इनवन मैं॥ ११॥ पू०॥ धर्मकाइ
पालि आ दियाजी। रायरालमितिह वेडा अपराधपः मा इआपलजी। विहि पद
हिदेई॥ १२॥ पू०॥ आदरमानसुतेहिउजी। आपएल्लवनमजारः। नवनगातिप
ले। सालियउजी। मुरुतानपन आदर॥ १३॥ पू०॥ साधकतिहाथी संचरइजी। गुरुध
कर इहिदारः। रायरा लीबलाकरइनी। श्रावक नउ ध्रम सारः॥ १४॥ जिनधर्म मोगी
अतिहे वाजी। चतुरविधसंघनी करइ नौ। सतिवः। धर्म निपाल करइ धन वरमती
जी। सप लकरउ नवनघः॥ १५॥ पू०॥ रायरानीराजा लोगवीजी। श्रावक नाम्रतपाली
अवसमइ अलसणकरजी। सुरसुप लाहतलकाल॥ १६॥ चउघी ओलपूरइ छ
जी। पयह चउपात लीहा। समयसुंदरकहइ सांभलोजी। आगला नवबलीतेः

सर्वगाथा॥७॥ तापोवमालिस मरली ॥ जीबूदीप मांहे नलउतउ नमरली ॥
जैत्र नरस्तुसुधर्म मासर गधुरोगे विकउ लिही॥ तउन मरली पीत नगुरआर्ध नाम॥
११॥ व्रम नेकजीव वणकुयउतउ नमरली ॥ आहारकु लउपना वार मती पई तिंहनः
लग॥ वमरमोली मरी मांहि सतन्व॥१२॥ इकर्दिन मांहि वी वारवातउ नमरली ॥ धण
गाथउ वेकिं मर्ज॥ ऊक करला गमदन्सि वातउ नमरली ॥ मेघकुरर्कलित वार॥
१३॥ माकुंएक काउ सगरह्येतउ नमरली ॥ धण मांहि इद्रव॥ नगलिना वमलिआ
नसउ नमरली॥ नयणे अमीयपई वा॥१४॥ ब्रजी लईकर आपणउतउ नमरली॥
माकुं अपरि मम चडउ तेहा॥ आपणा लि अनउर तउ नमरली ॥ जो लग बूढउ
मेरा॥१५॥ मिकोउ सगपण आपडीतउ न मरली ॥ धण आपणउ निज देहा दूधदही
भिंदउ वीवा तउ न मरली ॥ नारि साहित धर नेह॥१६॥ धण आदीन आपद कीतउ
न मरली ॥ राम्यउ माव चउ मामः॥ थावक नउ धूम आदस्उतउ नमरली ॥ आप
ङीकतपर्वमाल॥ समकितमूलउलास॥१७॥ जीव दयापालइतली तउ न मरली॥
मानलइ मुगुरु वखाण॥ सीमावइ कपीमाकर इतउ न मरली ॥ श्री मंडीछतपचषा
ण॥१८॥ कालपगा पालीकरी तउ न मरली ॥ श्री वकनाष्टनवार॥ सेधममारगश्री
दस्यउ तउ न मरली ॥ सतन दसमी समार॥१९॥ आणमलाक दिनइउपवा तउ न
मरली॥ है नवतपच मुवामन॥ आहारने आहार लीत उन मरली ॥ मुगलप लाइप
रिराणा॥२०॥ मुगलपलाइ मपनीगवा तउन मरली ॥ सुप पया दिव सर्वस मनवोवि
तमुयनोगवइ तउ न मरली॥ नामइ मीसमेनि रा॥२१॥ पहिलेइ नवम जाराण
तउ न मरली॥ वील इनादि सुरउदः॥ श्री हीरनइ आहारणी तउ न मरली॥ प्रीजम्म
वषयोतिह॥२२॥ नेउ घइ नाबि पया मुगलिया तउ न मरली ॥ पोच मननर्वसुर मास॥
नलराजानइ दवदेती॥ तउ न मरली॥ इन्तउ अवतार॥२३॥ सार भलीं साधु वाधि
यनतउ न मरली॥ माय विकोइतउ काध॥ बारबरस लिं दम्पो घुतउ न मरली॥
करम चककउइदीव॥२४॥ बारवरस वउलापर्उ तउ न मरली॥ कुल मल्लि इद्रिय
रंग॥ सुयपानिसिनुंअ लिनलातउ न मरली ॥ दरबबुलेपह मेग॥२५॥ पाव पीठ तपू
रपईजग न मरली॥ वउधाम कन लोणे॥ नलदवदंती जवकछनतउ न मरली ॥
समय सुंदर गुरवाणि॥२६॥ सर्वगाथा॥२६॥ दूहा॥ विलवेला लिहू उइ ॥ अमय
श्री वरमर॥ नामसद्दूपकु तावरतः॥ श्री य सीम नसर॥१॥ कृपा करीयु केवराले
हा दईन पदंस वहार॥ लीकरमसन गरलणो काध समकित वार॥२॥ गुणकामा
हिरहताध की॥ सतवरसग यजेहा दवदंती नराईन मती॥ कनंदमंकरनं नेह॥३॥
सर्वगाथा॥९३॥ राग मल्हार॥ वरसाराहो लीआवी माझणी॥ दम उलः॥ ४४॥ ढा
क. अन्यदिवस कोई आवीय आरे सुकु मधप फलस वारिदो॥ कहइ दवदंती नलिएइ
भरे॥ मइदी वउनु उपरनाम होरे॥ कवद वदंती नादेमारस लनोरे॥ थवए सुणोताचंच
लिअ धायरा॥ थपहारी देयावमेपह दरीसलनणइ मुपसायहो॥१॥ ढं॥ कृतनजा
अकुंभलावल॥ मुरुपमधइ नहीसाचरी॥ पलिट्टि जइअतिहूंकरूप री॥ इमकहिरा

यत्र अवरहाथि ॥ दे०॥३॥ अमृत समारिषउ सवद सुणी करी दवदंती आविद्याफा
बारि॥ किहां त्रिय त्रीवउ रण बोलती चालीत सुरूप नरहला रि ॥४॥ दे०॥ चलिगय
उ भूप चल्लि अमल्लउ रिरोद रिद्र नारी जस नेम लेवान हो दवदंती नारि पाइ वेलाथे
दुमधुरनरली [illegible] मौन ॥५॥ दे०॥ तुफ भारजा जाग सन हीबो नृलीप रु वनम हि होइ द
वदंती नुहुये बोबलतो चितवड चिते तेनु गहहो ॥६॥ दे०॥ अहो अजीप पके तहथ
तोरे पहि पथसरुदुखदो ॥ पुरुष पेचीने पटे किहां गयउ रे ॥ किहां गयाती रा
फो रूपः ॥७॥ दे०॥ कद किहां जाप दिव हरू किम करूं रो रू म्ही अरद वीक भाकारहे
भरणाद अंवइ दिव सुरुन रन्ना नलरो ॥ दुम माहि ऊ भा नहूय सकार ॥८॥ दे०॥ इ
मदवदंती वीकुल आकुलतीरो ॥ आहडदीरद करती विलखे हो आपथा पाठी वंनि
नमती यकरी ॥ करम तट दोसद इनि वहे ॥९॥ दे०॥ दवदंती किणरमे सेरो कि
हरथा इसीनु कनड अोनरो ॥ भइन दे लीखडं वधी माहरउ रो ॥ आज सञ्ज्याभाराका
जन ॥ गीदे वयणी लपई नहदं भीजवीरो ॥ दवदंती बोलइ पदवी बाणि हो नलपी
[illegible] अबजरु माराकाज ॥ जउ मुरुअरिहंत रवप्रभा
देंग ॥११॥ जउ मुरु मावाग्रुकरी वजीर ॥ जउ मुरु हृद जिन धर्म हो ॥ नउ मुरु
[illegible] ॥ [illegible] पाजा [illegible] सलीनउ न भी हो ॥१२॥ दे०॥ यह वचन
सुणी रादे सिरो निसेउ पईपामरश्री रिहो ॥ वरल कमलप्रण मगईरि ॥ मता [illegible]

नसंभनावे ॥१३॥ दे०॥ तिहां पी देवदंती वाली आगलि रे नरसी धई बुद्धरमा
लो हो ॥ रागी नदी पालि तिहां पाणी नइ रे ॥ करम मकरइ ते वांत प भाग ॥१४॥ दे०॥
बोली दवदंती चंचरमा दसुने भूपगुरुसमकिन बड अस्त्रिमु धहो ॥ प्रगड कूश्रोत
अपाली लिमपीन रे पीना जाणि भावउ दलदो ॥१५॥ दे०॥ चरत प वके पग नी पानी
यरे ॥ पानिभ उनी सउम हहे भूर पाणी ना करुणे चम्पुरो नई वंदि हि गमाहि
हो ॥१६॥ दे०॥ दवदंती पवउपाणी निरमल उरे साम की [illegible]
आगहवालती पाकी का ममारिवडवी वरु [illegible] नी आहहो ॥१७॥ पेबेवा सांपे पिवाक
परे ॥ वृंकि मसूदर वरु हे रु ॥ त्रुक पाकाई वन देखतरे रूपवती अमृत नरावि हो ॥
॥१८॥ देवदंती कदइ [illegible] नडरो रु नहीं की तुन रिंद वेलि कड [illegible]
रस्यहो नीमरी पीहर पद चारि हो ॥१९॥ दे०॥ [illegible] नइ एक लवनमा हिं श्री
लि ॥ नाप सद्धर मूरूप रु नी करउ रे ॥ तुम्हे मुरु [illegible] ॥२०॥ दे०॥ नेको
ल्मो मूरि जाहि लिहां आप भइरे ॥ तिहां आसरती सधुरनें [illegible] हो अदेनल [illegible]
बु ऊती वलाये ॥ अन्हार [illegible] लागदो ॥२१॥ दे०॥ [illegible] पलकी इदा
वीस्यार ॥ पाणी लखाणी सम्प थहो ॥ [illegible] मन ॥ रै ॥ किदा क
वस नीकू वरइ अपहो ॥२२॥ दे०॥ तिण सूं गई ते सती साथ भइरो ॥ धन देव दाति सम
प बाहहो तिमहि जकही बात श्री पली रे ॥ दून देव दी [illegible] दहो ॥२३॥ दे०॥
दम रूपन्नी चिंतामत करइ रे स्नान मजन आइ नदी पद हो [illegible]

दूरे। प्रहती अचलपुर की पूरी॥२४॥ दे०॥ ढ गी ढाल पूरी पचवीसमी पूरुष
घयउ चउघउ रवंमडो। सम समुंदर कहइ रत्नसनी रे। दवदंती पालइ
सील अखंड हो॥२५॥ दे०॥ सर्वगाथा १२४८ इति श्री नलदवदंती समाध अधु
गमम॥१॥ मीरघ वाद ताप सवर्ति बोध २ सिद्ध के सिसा अकेवल संकुइ २
नलेर अंगती पूर्वभव वर्णनाय रोहणी प्रतिबोधय धनदेव सार्थवाह सी
हीटयश्री अचलपुर समागमः नाम अधीरखंड संपूर्णः॥ दूहा॥ लोकालोकप्र
कासक जो केवल ग्यान अपार। पणिकेवल मेरी संवधी। सेवउ श्रुत विध
हार॥१॥ देव बोलु खंड पांचमउ। जिहां नहीं दुख लेगार। नगर अचलपुर
वार एउ। पेरवी बोव संसार॥२॥ रीनक री पालीयी पउ। संतल कीयउ सर
रः। वीयल दोलि रस्त्रीयि हः चतुर उ गावड वीरा॥३॥ निरमइ नगरी चिकुद
श्री: सूंकरू चिंतवइ चित्त। अपवरा जो लेअन्तर। गगन थकी रूप वित्तः॥४॥
५०। अवेसे रंन गर्वतणा। अमआश्री कानु पलैः। चवजमारा ली चतुरः। कायक
वण वर्ण। रोगी नारासीति हो। श्रावीनीर तेमचे।। दवदंती रूपदे खिनइ। विमभव
पडा वुरस्त्र॥६॥ वान क हीरा लीनसी। रतामू कीते हाने मंत्रा वडे नहनइ।
संतोषी मुखने रा॥७॥ दासी श्रावी दमकहइ। देभूंदर लुंश्रा दिः। तेरु इराणी २८

दुखनइ। मनबंछित सुख पावि॥८॥ दिन पवचन इसारानबी पंभी श्री
यादपूरा दासी मां पिग ईसनी॥रा लीन गई हुई रा॥९॥ मासी मन पणी मनन
हीः। नउ पर्ली जण म्प प यारा णीपली साई पमिली। मीठे वचन बोलाय
१०॥ बोलपणइ दीठी कुंतापर्णी तेनावइ चीता। तनपणी चंद्रजसा कहे सुना
पर्सी ती॥११॥ हे वछे तुमाद रइ। चंद्रजसा नीकामा मामी पीनी हिंतमेली सुख
जो गय इ अनिरा मा॥१२॥ पूर्णहि वंकहै के कंइ रा णीपूछीए मा। दवदंतीम
हीजकहइ। मारथवाहइ जमा॥१३॥ ढाल पहिली नाबइ यानी। चंद्रजसा राणी
राजान णी। मं वीदानसालोजी। दीनदान दु खिआनइ। घर इजाणई कालगोपा
लेजी॥१॥ दवदंती दान सालादान घइ। कराइ पुन्नइ मपगाने जी। पालइ सील स
दाइ निरमलउ। नाम लीयां निस्तारीजी॥२॥ दवदंतीराणी वीनवइ। चइ कुर
कारीजी। वइवादान देके। के रूप वुमि कवाई सकचर तणी जी॥३॥ दवदंतीश्री
देसले इ। पुरबइ ठ निह हानाजी। ईद्रक लोके श्रावई ते हो। अतिघणो वरसइ
मेहजभानेजी॥४॥ दवदंती देसइ लेलाय कदा। श्रीगाल जोतां चोरै जी। पाठवास
कादर वा। घयउ। सबल को लाहल मोरई॥५॥ कोटवाल तंजाई मारिजा। बोलइ पाद
वाके लोजी। जेबने देवउ कहई ते तेदवउ लहइ। अइठुबाजाइ लटोलेरे॥ ध्रां दे०
दवदंती देखी चोरबोली। भारा पिरा विभुरु मानाजी। दवदंती पूछइ इकाइ वो सन:
93

क्रोधअसमायकरूं हरखतीजी ॥७॥ दो० ॥ कहरकेउ वाल अनायमोरउ कीयउ ।
राजा कोप्यउ अबकेहोजी । चहवंत राजाउ वातलागी चौअमर तन करहोजी ॥८॥
दो० ॥ दववंदं कुसलाउ आपनी । मूक अरु वेरीजी । हुं नरदेह लग जीवलगी मानउसु
जमिहिसेरी नी ॥९॥ दो० ॥ कोटवाल कि मरी ठकरन दी । मील अवाव वडके जी ।
मतीघलूं दीरिया गीठो दियउ । बांधणउ बूढीचट कोजी ॥१०॥ स्वयम कोलाद लेनगराय
उकुयउ । चौधरि जलो करउपनो जी । वातसुणी राजा हि हायावियउ । कहरस को धनव
नोजी ॥११॥ दो० ॥ कहरराजा सुणि पुत्री अमृतणउ परि धरमनवइअवकोजी ॥ प्रजा
लोक पालउ करि पहि दुःख नही चंद कोजी ॥१२॥ दो० ॥ मस्पग लिंगलपायम अन
धा ॥ रालड बोलजायोजी ॥ उअपूं को विसिपुत्री पदनडा तअहिसमइनदी मायोजी ॥
॥१३॥ दो० ॥ दवदती कहइ तात सुणउ तुम्हे । जउ मुंकदकचोर जी । मरिसहइ तउ सुरु
नइकेरी हमा हियइं तउ करो राजा ॥१४॥ दो० ॥ तसु अवदते चोर मूंको दीयउ राजा
चतुरसुजाण लीजी । मोहतेप णि मानइ राजवी । सतीयवचनसुं प्रमाणोजी ॥१५॥ दो० ॥
दवदंती नायक मलनमें । चोर कहइ हम जाती वी नवजनमराजपतन सम्रु
दायनानूं हिव मेरी मानोजी ॥१६॥ दो० ॥ इम कहि नइ चोरगयउ घरे । हियइ हरखप
मानोजी । महासती आवी चरणनइ । समरं तो उपगारो जी ॥१७॥ दो० ॥ अम दिवसदव
दती रहीयउ । कहइ श्री पणउतनसरूपा जी । सारथवाह वसंत लिको । हूं तउ ताप मदुर ४

नउचूपो जी ॥१८॥ दे० ॥ पिंगलनाम इहाँ सइं तेड नइ नाम रही अउ चूरि घली
जी । रतनपात लेई नासीयउ । कहीं बांधी नइ पमोजी ॥१९॥ दे० ॥ वाटइ ते चोर लूटी
लीना । चोरा विखेपम्या मार जी । इहाँ आवि राजा चाकरइ । अउ ईं हुउ चोर हमा
री राजी ॥२०॥ दे० ॥ सुनन घर देखीन इहलीरतन कंठ कसहीत । कामम
हि मारी नरनी सउ । दीवउ राजादे सोजी ॥२१॥ दे० ॥ राजा चोर करी नमा हिव
देखि अगति आगसोजी । सुणनइ राजा मारणो मो कि यउ । तइ को धुतरपगनोजी
॥२२॥ दे० ॥ तइ माती मोअपरमुख सुकमारतउ । दी धुन जीवत दनोजी । किंमइ
उ सराबुण घानदी । नूहदेवसमानोजी ॥२३॥ दे० ॥ पांचमाम कनतपुरी प
ई । पाहलीकलपधा नोजी । समय सुंदर कहई परउपगार थी । लाधउ वसुधा
वानोजी ॥२४॥ दे० ॥ सर्वगाथा २७ ॥ दूहा ॥ वलि सुणतनाय मणगरय्यकं नज
दिना मर्हि बीजी । तिणि दिन पासार्थ पती पासइ कुसनीकोहि ॥१॥ मीजनपान
तजिदिय । श्री उल्लूआवइ चित्त । यशोन इसारु कूरुअमउ । देअपइस मय
विवि ॥२॥ मानदिवसय ची जिमियउ । मारपवाह उल्लासा मनणिमाणिक
लेई नइ तनू । पुहतउ कुंवर पास ॥३॥ कूवरदे सीने ठणउ । संतोषउ एउ

तत्रो तापे मथुर राजा कयउ दीधा चामर छत्र ॥४॥ श्री वसंतस
र तर [illegible] आदी थउ तामत्र थाना। ममहू [illegible] डि गउ। वा थउ सव
लउ वानीयू [illegible] मा पूलराजा तिहां पालइ राज पडूरा। तेम दिना
सकृता [illegible] त्रगञ्जउ [illegible] श्रूकूरा। [illegible] दवदंती कहइ वचनं
ल्पइ दीसे सूमक [illegible] पापकरम दो बूटउ। श्रीपणपडीत [illegible]
॥७॥ दवदंती दि त्रपन दा। पाफिला नइ मुनि दीय। श्री सायपा णि
ऋती नदा सूअ णि तिहां कीय ॥८॥ दवदंती [illegible] अस्पती जउ पि
लनइ हाइ। तन्दी [illegible] नयदनइ। जेतारइ अकजेमारे। [illegible] मुनि
धरजो [illegible] धातेदनइ दीसे। मुनिवर विडृ [illegible] तिम्पउतन
तास दीपालइ मे मा ॥१०॥ सर्वगाथा ४७ ढाल बीजी [illegible] पायारइ
लकइ श्रीव [illegible] पाद ण रउरे। नाजलराजा नागीत नी ढाल ॥ हरि मित्रवे
नला श्रीयण कहारे। कुंडिनपुर थीएका नृप दवीनइ चंद्र जसकरइ
नला श्री पणक दीरे। [illegible] ॥१॥ न ल दवदंती दिलायूं घणिरे। नेम
[illegible] मन धरी यबवे का ॥१॥ न लदवदंती [illegible] घणरे। निपट घयानीसार
[illegible] वन बीस। भवरनदी को अम्ह नरस्ते दनीरे। [illegible]

[illegible] न० बालणवर कूंबर रजो डिन [illegible] राणीय माली
भराजा न सकु सलक [illegible] त्रप मत नंदयम ५॥ न०॥
बानणबालरवेकर जो किन [illegible] सकु न सकु सल सि [illegible] पति
लराजा दवदंत नमीर। चिताबर मुणि जमा ॥ न० कहइरा
णी सचू सतीबि समसर। कहूउत कणजक रा [illegible] चलीय [illegible]
अडं नंद [illegible] नल विलंत विचार ॥५॥ न०॥ नल [illegible]
बरसत [illegible] सगल देसा दवदत बीहीवनम
हि किंद गयउरे [illegible] नहीलवलेस ॥६॥ न०॥ एवीत मानली
सा मी श्रमल लीरे। [illegible] पददुले। बहु दत घणा दवतीद
ली पघीरे। वार [illegible] ॥७॥ न०॥ उट नरजमाम बेडु नउ
दुरव घणरे। सूंकी भूक लागी। भुरत [illegible] तेजो बातली
व नतर नगर भरार ॥८॥ अबुक निजीत [illegible] रात्री किंग पा
लिनर मुणी कि हुं आली फी कटपे [illegible] पयउ मा [illegible] रउरे। नन [illegible]
दु मन माता ॥९॥ चं [illegible] पाणि पर वचन सुणारे। [illegible]

आकरान रनमनिदर।। फिरफिरसूं किसुरोदवदनीमणदंद।।१०
न०।। बालकई नर जो नगण।। वीयरोरा ठ्र अतनरसउती।। गयक
दानमसुनोतनबांभनरे द दवदनी तिरा दीठ।।११।।न०।। चंदजसा
नरदी चीचे धामरीरै। प्रगअतसगय एत्र मारीली तिराआबीसाइ
समनेरि। क हि आलागीम मा।।१२।।न०।। हुव तिसमीजाऊ नाह रारो
भूरुनरयकठ्ठ वि कमा। रनसी दिनसमइ लुनइ मेलमीरी। सुरु अप
रा पतपार।।१३।।न०।। नर पिल सुनइ वनजणावीयरी। मामाप
समदेड। कदिदवनुनइनलबो मीगयउरे। केतइठेमउसोडा।।१
४।।न०।। किदानान आकिदासूं रजसारिसउरे। दवदत सु सिमाल।
मालनपरिदायके रियनरे। प्रगअउते जनघाल।।१५।।न०।। राली
हासउरोल। आली परे आपणेरे। दिवता मि म द वरइ नालीजीसंतो
अप्राप्यप्रवनमए रा सपवन रवे सपदरा सपा।।१६।।न०।। दवदंतान
दराणीलेगइरे। रंगसुं राजापा मि राजा पूठे। बालपाठलीरो कम
पायत्रराजनउनामा।।१७।।न०।। करइ दवदंनी बानउ जोसु मविः।

सूं मटइ हासमउदे सां मसनेदराजोतउ आसमारि। मकरे दुख
कलेमा।।१८।।न०।। इण अवसर रिसू ईजउ। सुमउरे। सन्यमादि
उधोतारजपूबइ अनवालउक सजेरा अग अनण्ण नकेत।।१९।।न०।।
प्रणी दवदंतीन णीरा तिन क करइ अका सार। जाठ सू अतिसक ते
हामसुरेन्दे सूपदनमार।।२०।।न०।। घोरघप टत्र वरउपसन्न।
दूरि कियउ व तिपाएं। अमनयर सउराजो औतिपएं। रमङ
मीलइ माणि।।२१।।न०।। प्रगल बीजे जे न मावे मनार। दवदंती
जयादुरव।। समयसु दरक इ इमीलक पा। मीजरमेङ सुध
।।२२।।न०।। जर्वेज घाघटा। दूर्वा।। इण अवसरि एकदेवता। अर
समजार। दवदंत नापापनमी वीनती करइ विवरा।। इंदे
वीतइ धारजे। पिगलनामसमी धः। मारी तङसूंका पीयउ। अनय
संनतइ दीषः।।२३।। प्रतिबोधी देवरा वियउ गम पछ सजमर नाग।
तेवि चरंतउ आर्वियउ। तापसनगर मझार।।२४।। समसालिके

काउसग[illegible]रो[illegible]। [illegible]ना अगादि[illegible]ती पकरे।
[illegible] [illegible]। सा[illegible] कउती म[illegible]। अगनत[illegible]पसर्गा
अरगम[illegible]क रिआरा। धना। पकु[illegible]। ते[illegible]
उदेवता[illegible]कृत[illegible]। ज[illegible]धर[illegible]नदी। तन[illegible]नरग
[illegible] सकुच[illegible] धन धना[illेgible]
[illegible]। जिन[illegible]नीत[illegible]नारे[illegible]
[illegible]राया। जैनधर्म[illegible] करइ[illegible]दासी[illegible] सर्वगाथा। ७।।
[illegible]जी।। [illegible]।। [illegible] दिन[illegible]वसर[illegible] श्री
[illegible]दारे। श्री[illegible]। श्री आणंदारे। दवदंती[illegible] श्री
[illegible]। श्री आणंदारे।। [illegible]पिता।
श्री[illegible]दा[illegible]। श्री आणंदारे। दवदंती[illegible]। श्री
[illegible]राय।। २ श्री आणंदारे। [illegible]
[illegible]। श्री आणंदारे। [illegible]। श्री आणंदारे दवदंती[illegible]
[illegible]। श्री आणंदारे। राजा[illegible]। श्री आणंदारे।। ३।। श्री[illegible]

[illegible]मुव्व[illegible]
श्री आणंदारे। [illegible]। श्री आणंदा[illegible]
श्री आणंदारे। [illegible]।। [illegible]
श्री आणंदारे। [illegible]। श्री आणंदारे। [illegible]
[illegible]। श्री आणंदारे। [illegible]
[illegible]। श्री आणंदारे। [illegible]
श्री०। [illegible]। [illegible]। श्री०[illegible]
[illegible]। श्री०। [illegible]। श्री
[illegible]करी। श्री०। [illegible]। श्री०[illegible]
[illegible]। श्री०। [illegible]।। ८ श्री०[illegible]
[illegible]। श्री०। [illegible]। श्री०[illegible]
[illegible]। श्री०[illegible]
[illegible]। श्री०[illegible]
[illegible]। श्री०। [illegible]
[illegible]। श्री आणंदारे। [illegible]।। [illegible]

काल सैभा ११ श्री० न दी भया नृपा मूर्षु कर रारा ४ बत ॥ श्रो व ८६ नजू

प्रभुपा॥ विश्राय उ सुद्ध ॥ श्री० ॥ नतुर जी नउ अनु प्रापो श्री० ॥ नतां व गको
जायन र्द ॥ श्री० ॥ तेन लंगाप व हरू पो श्री ॥ नी अवाला प्र अउर कियउ ॥ श्री०
नलनी मव दि मि बन ॥ अ० जि० ॥ गह ज न प्र गरे षिन ३ ॥ श्री० चाला भरनी विश्व १६
श्री अ० द अनु ज नी आपनी ॥ श्री० ॥ [illegible] कोच र भर कन नोलि ॥ श्री अ० ॥ किहं
नर के सोय बड ॥ श्री० ॥ कि हा वल रूप ल ह कोटि ॥ श्री अ० ॥ कि हा भरथ
कि हा ड सु मनि र ॥ श्री० ॥ कि हा मनु रे कि हा सूर ॥ श्री अ० ॥ न भपुलि हू परी हा करू
श्री० ॥ भरत भाजं क जू रा या ॥ अ० ॥ [illegible] ह नाचि न दि क हो [illegible] कथा ॥ श्री० ॥ भरत
ल नि हा की व ग ॥ श्री अ० ॥ तर दल नी ना कथा ॥ श्री० ॥ पृठी भर कहा दीघ ॥ १९
भाज० ॥ कल्याण द [illegible] करू बर ॥ श्री० ॥ कु जाइ खिनि जगा मा ॥ श्री अ० ॥ भमद
बुतिम कहि मिठि ॥ श्री० ॥ पुवि रती नह आपा ॥ २० ॥ श्री अ० ॥ द व द ती वात मोरन
श्री ॥ र रे ॥ मेन ज्योदु य न ह जमा ॥ श्री अ० ॥ श्रीवैभासु लूर न ह ॥ श्री० ॥ पूबड कु
ह ल य मारा ॥ श्री अ० ॥ कु व ज व र ह व लवि प्रनं ॥ श्री० ॥ पृ जपु रु पत्र एवं
सा ॥ श्री अ० ॥ र द व द नी क पात र कही ॥ श्री० ॥ मु ए ता ला न अन ता ॥ श्री अ० ॥
श्री तेव भ घा दि भा हि र डा ॥ श्री० ॥ न गति भुग ति कर रू कुरा ॥ श्री अ० ॥ र म करी हे

४

श्री० ॥ प उ घरी ॥ श्री० ॥ रा [illegible] लागि दिन मुक ॥ २३ ॥ श्री अ० ॥ मय र कूवे
पाकर सवर्त ॥ श्री० ॥ ज म ग उ नर पू ॥ श्री अ० ॥ [illegible] कारं वार करा
श्री० ॥ श्री व ए अधिक स नूर ॥ २४ ॥ श्री० ॥ सतोष से क मे ॥ श्री० ॥ विस
न ह वी धी सी पा ॥ श्री अ० ॥ अोय न बि [illegible] वलन ॥ श्री० ॥ व र त भो द बोध
२५ ॥ श्री अ० ॥ द व द ती न भरा य न ह भाली द रा कु व जनन क ह भमर
श्री अ० ॥ जा भए का श्री [illegible] गन ला ॥ श्री० ॥ [illegible] ज ह दृ पा नी अनू पा ॥ २६ ॥
सुसमा प्रुर माहि भइ सुली ॥ श्री० ॥ गज ग्यान ए व ग र स ॥ श्री अ० ॥ कु व ज क
ला मग में कही ॥ श्री० ॥ विन सर्व घा बी सैं ॥ श्री अ० ॥ कल वी जा पुर घई ॥ श्री०
पंच मा प रू नी पा म ॥ श्री अ० ॥ मम य सुंदर व हु मील पी ॥ श्री० ॥ नल दिय
इ लील बिल र ॥ श्री अ० ॥ श्री ए रे ॥ २८ ॥ सर्व गा था ॥ १०५ ॥ दूत दे कहइ [illegible]
इ मुरु ज मा इ ते हा पू पर कियम र कु व का ॥ का मए की ई आ द ॥ १ ॥ मयु
पाकर सवर्त कला नह कि हन वन भजारा रे रुपु घीनी रर विनता नल
प र्ननर धारा ॥ २ ॥ जिमात [illegible] लप र हा ॥ कु व ज कल गुण जाण ॥ श्री गत
श्रा कर ने लहा ॥ पूरू कौ सर्द ना ए ॥ ३ ॥ सुणि र चारा जा क ह शए कह का कन

मुगा वलके र. मेळ वस्तू। समरामेरु कतुगा॥४॥ दविपलरायवोले
वसू तेपणी आव मस माप। पर घर्ई जाती काणग दर श्रेपणी परणी
श्री[illegible]। कहा मामुखूतर दूकउभीराजकर [illegible] कवजमुरग
[illegible] नाव सेड। लदे तळन सुमन वदा [illegible] मश्रुतेजी नी [illegible] परका
[illegible] नुदल। [illegible] दविपलीरा आजणी [illegible] काजले मतं॥ [illegible] तेरेपी
मुसमनुरस। पकु नळदा। व वलणसा। पासदरस [illegible] वळ पहकमस
[illegible] दोमा।८॥ नीननरे सरस मनगा [illegible] जिप धारउमत। [illegible] मेळप
[illegible] ववह दे तीनसहत॥९॥ [illegible] देमवट सनीसउ [illegible] वनतीका
नदीवाता मुथ [illegible] गयरुश्र [illegible] नहा कमरी के मरहाया॥१०॥ वेन मुर्दरू
लेमहिनस प्रि वउ अगमतसमूर। सवना मेळ [illegible] व [illegible] पाळिके किन
[illegible] दर॥११॥ स वीं॥ पा॥ १२॥ [illegible] मकरामदाफलपा साजि
तोदा लकुउास वननी ढळा। स मकदिमसहतपा [illegible] वजसु
[illegible] तीतर पयरु। एप मोढश्र चारि अपदाद वदतो किमद [illegible]
[illegible]॥१॥ दवदवी बाजअसरताारा। किंमकरस पाळीरू वउकेरतारः एर
[illegible] मार्के मूनले करसाउाहामाजसरलेपानरस॥२॥ पाळिकुणदव ४८

दतीनसवरसा मुरु। जीवतसकारिजा। के समरस। श्रुषवाले तव
नती। करदाया। पहवउकार्दि [illegible] के मर्दान घ [illegible]॥३॥ [illegible] पण नकव
जीवंतलके मा श्रीपण उघण आपस व दिशिा के सर्वके सद्गुणा
मलिमभः। [illegible] लिवा कयस समझ [illegible] वजकेहस रांजप
रकंमा। वनानुरदी सउ तुम्हे एमा मुसमर म पामसजेहनसा। के माति
पामणउस तेहनस॥५॥ वपद्धर लगन श्राडाठस श्रुजी॥ [illegible]
हालितुंदे मुरुमजा॥ [illegible] ठसदवदृतीनी बारा [illegible] पद्ध [illegible] पढ़ु
रमादि॥६॥ दविपलं [illegible] हरा बितडु मउादी धीवद लितुंगण
दुयउ। कुवजु घोडारघजा [illegible]। जातीलालहू गमुगन [illegible]॥७॥
वहिलउपणि वसवनरसाजाना। ठन धारपूर्णिपरधाना। [illegible] मर
धारपुर मवालिदेपा। पर यायतपा सस्पालिरसा॥८॥ पेकनवद
वउक उणाकहसराजा। कुलवडरघ सउउ। ढंजलाक वारपन पाईं
अनावेलिकोंध। लकुपरिः॥९॥ बीलक रेडककडिजो। विद्या। [illegible]

जइ चपल तुरंग साथि लिया। वायवेग जिम ऊजाया राजा नइ मन
भइ मंत्र सिउं कीयउ राय॥१०॥ एह अदभुत एह नी कला। बइठा रहिया बोलीइ
इस्यो ला प्रपंच पड्या नहिं वनय विडाना। अच्छ तरजाकि सउकरी जइ दान
॥११॥ वायन बाट मारग कि दोय घणा। जे हि पडउ धरती नेहणउ॥
राय कहइ ई कूबजर परी। खिलेउ वखत पछउ किहा जाणि॥१२॥ ह
सिनइ बोल्यउ तब कूबडउ। वखत ता णे अंतर पय सउ व रूपा पंच
वी संजोयणा ने घीया। तेहि वदस्यु नजा यइ लीया॥१३॥ ऊपर भउ सच
एनी बेला पंच सइजो थएे। नंघइ देला॥ एम धम मधीउ नादरा मान
वचन ते राजा मादरा॥१४॥ ऊछ रहूं फल लीउ फूलीयउ। कूबज पति
राजा बोलीय नउ॥ गए पि विनो कितरा फल कहूं। पाणि अस्सूर धाय
सुकि मरइ॥१५॥ असूर किसउ जउ हूं मार घी। कहि दिफल कितरा
वितान घी। कहइ राजा फल सह मंत्र दाता कूबजइ दरु नइ दीयउ
छोदार॥१६॥ दउ दउ सकू फल धरती पड्या। जाणे वाय इ जल करा ४८

ऊ म्या। कूबज रागिएपां पया ने तूनला। राउ नल कहां हू ता जेतला।
॥१७॥ चपल कार पाम्यउ कूवरु। मांगूं ए जाणे राजा अवधारउ॥
तुरंग कूदय विद्यान सुदी धे। कूबज इण तणी विद्या नी धरी॥
॥१८॥ अरु इस सार धीर पत्री लीयउ। जे दधाकलनउ पारि जाणीय
उ। कूबजइ कूं जिन भ्रमन रूपा सार पछ्या एप तनु परदेसा वासा।
॥१९॥ पांच मास रू नी चउ थीढाना पूरी थई च करउ जे जालि। समय
सुंदर कहइ ए दिवसा न लगा ने न दवदंती मलण मामलउ॥२०॥
सर्वगाथा ३ दूहा। दवदंती सूती सुपनइ दीठउ तिण दिन रातिं
नी मराय पामइ गई। जाणे नइ परमा तिं॥१॥ सुपन लइ वल्लभ
नजी। निरखतना मंदे वि मुक्त नइ मूक्यो को मल। वन मांहे एह रे। वि॥
॥२॥ आंबा परि केतेउ तेण मागी फल फूल। दीधउ नि वनदेवता
मुकउ करि कमल अमूल॥३॥ तेज पारि पे बेंडूं [illegible] तेना वउप
[illegible] सांख समा [illegible] जाण धरइ मुहि॥४॥ राय कहइ
इस मुनि [illegible] सुण परमार घरह। जाणे माने [illegible] निर्व लिर

दीपदा॥५॥ कोसला वनसे कोसला। वननउदर्शनजो य॥ श्रीपव
ड़ बठी त्रमणलाभ त्रियुनउसेण मजो प्रा॥६॥ कमलदीयउ तेदेव
लो॥ तेकुराज। प्रमाणी राजचूष्ट कूवरकुस्पराय बीप प्रवतैतउ
गी॥७॥ भगलनाम इदूत लिए। श्रीविवधाईदी ध॥ दधिपर्णरा
जा श्री विंयउ। कुबजसा मइली धा॥ ५॥ नीमनूपसामदउगयउ॥
इय मिलियउ आया। कुमलयेमपूठ। करी। प्रसन्नकरइ इमरा
या॥ ७॥ सूर्यपाक करइ रसवती॥ किहातकु बजसूयारग मुकुंत
इ कर लिगअ तिघ गउदे मणत सुदीदार॥ १०॥ कुबजक। धीरस
व नै लेराजा श्रीदेस। नीमनूपजमालियउ हरखितकुबउनरेसा
११॥ दववदंती मइले किनरा। पालन रानइ दीध॥ रसवतीस्वादपरी
खतां॥ विप्रुनइ परखीली ध॥ १२॥ दववदंती कहइ बापूनसुवात
सुणउ मुझ एहा। नावइ स्वंजइउ कूबउ। पाणिपनल निसंदेहा॥ १३॥
इ पचमयकु संपूर्ण॥ सर्वगाथा १४९ ढालपाचमी॥ ५॥ रागः

४२

केदारउ॥ अतिरंगनीने रंगनी मेदो॥ एदनी ढाल॥ मुकुंन
रबात कहीउडना णी॥ निमइ बास विमासकरिजाणी॥ १॥ होरंग
रलियांसे रंगरलीयां॥ नलदवदंती वेउ मिलीया॥ दार मघरली
या हो॥ रंगरलियां॥ आंकणी॥ नलविण रसवती कोइन जाणे॥
मुकुंमन तेनलपद पिछाण इ॥ २॥ हो रंगरलियां॥ एकवर्लि
इ बीजापरपच॥ नमु कर फरसइ मुकुंरोमंच॥ ३॥ हो॥ दधिप
र्णराजा नइ घरि तेडइ॥ कूबउ ने पर्णि आवइ केडइ॥ ४॥ हो॥ नी
मराय नगरि लेनु गर्लिमंन॥ मइ सकुनइ पंचाम्रत सूंपोषे॥ ५॥ हो॥
नीमराय कहइ कुबजउ इन नवु॥ कूबउ कहइ राजा तुमवन
नवु॥ ६॥ हो॥ अहो रकुणनर मत इस्यारिदपनेतउ का चनइ दी
रउ जाणउ॥ ७॥ हो॥ किहां ते नलकंदर्पसरूपी॥ किहां हुं कालउ अ
जनरूपी॥ ८॥ हो॥ कहइ दववदंती नातएकरसग॥ कुबउ मुकुंत
हु आगलि फरसउ॥ ९॥ हो॥ कूबउ कुकमलतेईफलहर मइ॥

ऊ मरा हीयउ दाघ सुफर सइ॥१०॥दो॥ ततखिण री मराय ल सुबि
हसि दसंदंती बाती अलखी॥११॥दो॥ कहइ दवदंती भिड़ जे जाणउ
कवड़ उदा मन लिमरता ल्पउ॥१२॥दो॥ प्रीतम ञ्च बहु नरमदा
ओमूं। बुज स्पू जाणक र श्री तिजोमूं॥१३॥दो॥ हिव नू वोलि कवजप
बेको। आपणउ रूप प्रकासिय वेको॥१४॥दो॥ छि पुउ मइ वृजन
रउलखियउ। मइ तु नइ लाजउ बयतन मइ ल खियउ॥१५॥दो॥
छि दूणप रिरे मबचन मन माँ नउ। आपनी दे खिजीया मन लीन
उ॥१६॥दो॥ ततकाल बीलकरइ नथेला॥ आपणी सीज कवजस
वेला॥१७॥दो॥ पहरा विवस्त्र दुकूल सुरंगा॥ श्री कुलभ खिबड
मूल सुचंगा॥१८॥दो॥ आपणउ मूल भग टरूपकी धरता दिव रू
प नलराजा थयउ सौधर॥१९॥दो॥ नसन इंदे जि मिलीं दवदंती॥ जी
लमत्ते मन जाइ निरखंती॥२०॥दो॥ हिव ब्रह्म आणंद लीलविला
सी। रो मइ [illegible] ॥२१॥दो॥ वारे वरस रजे दुष्प स

४८

हिया। ते सहु वीसरिया सुख सहीया॥२२॥दो॥ सहुको लोको
अचरिज पामइ। आणंद मंगल सगलीय ठामइ॥२३॥दो॥ पो
चमा मेरु नीठाल पोचानी। पोढक सम पसुंदर मानि मानी॥२४
दो॥ पूरउ थयउ पांचमउ खंड। सो नलतासु थउ रसुकंड॥२५॥
रतिपंच म खंड सपूर्ण:॥५॥ दूहा॥ इ दिवदव रस्वे डिजलम
सू: बडुतनपालणहार: ठजे वा नैरिद कर इणदवाश्वे गुणग
रा॥१॥ जिम पड़र मन मेल्या पकौ। जी मनां कुवर मिंधा सीलम
बल मेली सुणी। आणंद अधिक उल्हास:॥२॥ जी मेरा यन्तेसखि ल
कुयउ। नल दे पीनर राय:। अद्भुत रूप रआपणउ॥ वंदि व्य
रूप दे माय:॥३॥ वहसारी सिहासनइ। भीम राय करओ डे:
वोल इसपरि धिता हिरी कनकतणी एको कि॥४॥ परघोडाहरू
प्रिया:। त्रुट आगइ पराकूं॥ मिल्यउ जमाइ तुं नलआ इ:

102

सफल दिवस थयउ आज॥९॥ एहवइ मन राणा प्रणी की धी कु
आयतः ... राजा आमइ वांद्या देश आदेस तुं नित॥६॥ श्री दधिपरणि
णि आयः सबल थयउ मंत्री ता करजोडी नल नइ कहइ सुणि म
हि बिरतंत॥७॥ अम्हे तुम्ह नइ नविछल थयउ। अंतरा दिवसा स
मी कुबर नइ एक रिजा लीयउ। आविनय की घणउ मा॥ तुम्हा हि
बः सेवक ग्रमे। षमजे अपराधः॥८॥ नल नीकरि तुम्ह नर मिल्य
सकल परदार घलो घा॥९॥ तिणि अवसर धनदेवतो आयउ भीरथ
का वाद। नी मद्रूप नेट णी नली। आप इनै दत्त वाह॥१०॥ दवदंती
उपगार ... समरंती सुख वासा आदर बहु दिवरावियउ भी
मनरेसर पासः॥११॥ तेहवयउ कुन्न परिणि ... चंद्रजसा तिणि वारः।
चंद्रवती कुमरी वली। श्री वसंत परिवार॥१२॥ दवदंती के
वीयाः मूकाउ तसु लेखः। नगर तेडुग तिकरइ अत्ति नली॥ संतोष
ऽ सर्विद्रोम॥१३॥ तेम णि तिहां रहतो घंको। मानइ मासने दादः

४८

दाति दिवस जपतार हमा दवदंती गुणगेह॥१४॥ रागके
दारउ गु की॥ एक दिवस कोई मागध आयउ। भूरंद्र रूप सि
एहनी ढाल॥ अन्य दिवस एक आयउ देवता। पर्षदा मांहि
दिव्यरूप तेज को तिमयः। धरतउ अंगि उछाह॥१॥ दवदंती
६ नापाय नमी। बोलइ बेकर जोडि। देवि चिंतामणि सुं आपणी
की धाउ पगार कोडि॥२॥ तापस प्रतिबोधियउ जेतइ रे
उपदेस मकर्करतन उल्लमदी यउ। नो जिनधर्म
२॥ अनुकम इत दिवस वियउ। तप जप सेवन सार। ...
नवनव आपणउ। सफल एक कउ संसार॥४॥ अणसण ...
रि नइ पामीयउ। सौधर्म उद्देवलोग। के सरना मइ विमानइ क
सर सुर सुख भोग॥५॥ पिंगल नामि जिन धरम मनी। अनइ वली
६ तुज प्रसादः। तइ उपगार मोटउ कीयउ। एहवउ कहनइ नाद
घाः मं कर्दिन इते देवता। प्रत्युपगार निमित्त मांसको रिसे

नानलो। ह लिंकपड ई निहाल मि॥७॥ दवदंती वाणीनणी चरण
नमी बम वीर भ देव मन गामि आपणा इ। जिमबीजलरुव कार
॥ लिवसत द भ पंल वी हु पल सीमन रिद। सेव सानापति
मेनवी। वकगा ली आणंद॥ ॥ नलराजन इ राजनवकरै। मह
सिल अलि वि भमल कि बत्र चामर धरइ। जयजयारव सुविवे
का॥१०॥ नलकु धमइ करठ कीयन। कटक ग पर नादे
देसकुनइ पदे मनउ। नर पतितिणि सावी॥११॥ मद झरता गज
स कीया। वाजती घंटानाद। सूंदर सीस सिंदूरीया। वी नलीच
नमेवाद॥१२॥ फरहर नेजा फरहरइ। घरहर घूघरमाले
उ चासूं उलालता। चालता ढलक तिढाल॥१३॥ चपल तुरंग
मयप॥ सोवन जडित पलाण। नीलका पीलका सिलाः। केवी
जकि के काण॥१४॥ मनोहर मारूक र। देदा मुलकाल। घडे
यां जोयण चलना। रमझ मलताइ झझान॥१५॥ हथियारां सूरथ

५०

नउ॥ सबल सजाना सार्थी सूरवार रायव सला। केवि
यारहा थि॥१६॥ जाणजव जो मीदू उ। मकन नव सिखा को
रा। वा जिरवा मइ चकत। ने कीरः॥ ॥ नलरा सक
लियउ। चिक्कि दिपयउ ठक चाल। माघइ मन तिघणी। ल्ठय
का मकु रूपाल॥१७॥ नलराजा। रिच आदियउ। की मेल नगर नद
ना। की मला नगरी नउ घली। हामड व घत इ बीन॥१९॥ ठठाव
कत लीनणी। पहिली ढाल सत्तूर। समय सुंदर क ह
जग दियसुप पनृर॥२०॥ सर्वगाथा ३६। दूहा॥ नलरा
मो कस्यउ। कूबरपा मइक। तिणसुपम कहि वियउ सुणी कूब
र ववंक॥१॥ सुणि राजा तु वीनति॥ रिनपालि तु जाण। हाथि
ह ब कु किमनहि। मूझ कमालक ल्याण॥२॥ बोलि मसूर मिजवय
। सघवा मो उतुम कु। मइ जीलराज मह रउ। तूं जी परतम इ॥
मरण पकीवाहतइ पकमामा मी हूव बात। कांजक री। विदून

पकाा नाव सकाममालः॥धाकु बरपीति धरीकरी। समसुरउचा
ममम्हः। नलमुमेलम्रुयः।लब घमवादरह इनर जयदिगा
श्रीवस्क्रुय॥५॥नलपीसिकामापमधा। कुवरकामारोजः।चग
धरोगपकूरसुंसी घाबं ठनकाज॥६॥कूबरसमुउसबक
हडजीबोममरजानः।तउपिा नेबरनरकीयउ।प्रवराज बकु
मान॥७॥ग्रदोनलाई नलतणी।ग्रदोसहेदरंत्र प्रा।गिदुमेदजइ
प्रुमकाउडइ मनधरइ बकुकेमा॥नलराजाग्रावइहिवइः।
नगरनुपाथामाहि।सबलमरोगवमोकियउ।सकलनोकेनउ
छपुरे॥मर्वगिपाघरा॥ढालबीजी॥२॥ पाजीनइबउलावेः
रावंगजानकारे।एहमीढाल॥ देवी।मीतनइ संदेसनउंमजोगे
कंत्यउरे॥एहनीढाल॥वीजानइ ग्रजोध्यानगरी बाजियारेः।काई
ग्रायउग्रजोधानलरायरे।ग्राजग्रम्हारा मनवांछितफल्यारे।को
ईग्राणउग्राणदसंगनमायरे।वं०॥नगरीसाहीउछाउ नीरसुरे।को ५१

ईगलिमफूलांबिछायामारे।सगवामेपातिकेवांगाछियेरे
काईतिलकांतोरणबधावारेः।रे॥२॥वं०॥ भवापंतिमा
मध्याविधियारे।कोईकुबरमंत्रीमरकोटवालरे।मादनौवेवरे
विवदारियारे।कोईमाम्होग्राया।सकलचूपालरे॥३॥ पिर
रादलका।धोडापाघग्रारे।काईमाम्होग्राय.बरणीश्रठारेरः।
गउखिचढीगायइगोरडीरे।कोईमोतीडेवधावइसूहवनारिः
४॥वाणानेरीचूगलमंघवाजियारे।काइवाज्यावेणुवीणकंसा
लरे।तालकंसालमादलबाजियारे।काईवाज्या वाज्या यूलनी
माणरे॥५॥पूरणकुंभनलपदमीपारे।वधावइसामाग्रामइरः
सूहवगावइगीतसोहलउरे।काईचिरंजीवउनलराय॥६॥नैल
रायनतप्त्वइसीकरीरे।काईबरतावइग्रापणीग्राणदाणरेः।
मलकलोगाईग्रानंदमईरे।काईसागरजुप्रउसबलदीवाण॥७॥
दिसकवजमगलउकीयउरे।काईसाधसाधनरतत्रिसूहु॥

नृपति मुक मगलेनेउणारे। काई निलनउतपतेज प्रताप प्रचं
के॥८॥ नलराजन्य ईश्वरपउघणूरे। काई प्रजानइप लस्कनातु
नरे। कौब्रपति वारपा मि प्रतिघणूरे। काई प्रशुअपरि वड़ प्रीत
रे॥९॥ वा०॥ सनूकार मेह। वीधारं। काई मगलेद सपतीवीसुमार
रेदीनदु बीजनल धरई। काई करइ परन उप गारं॥१०॥
मुमन मुवइ संसार नारे। काई दिवदती सुंनलराय भरे। धर मकर
इथीतसागनरे। काई साधक संगति सुपमायरे॥११॥ दाल बीजी
उब [illegible] नारे। काई नलदवदती ल[illegible]जरे। काई समय सुंदर
करइ हिवडु कडूर। काई सा हि मरस्रात म काजरे॥१२॥ सर्वगा
घा पि५॥ दुहा॥ ६॥ हिवनलराजा विमयसु प॰। भगनु पयु अनंत
४ न करइ नहीं नेहवगा जिमपा मइ चक्रत॥१॥ निषधदेवनाम
इपिता। अग्रज ह समनेह:। पतिदी घड नलकुंवर। दीठोअवसरस
हो॥२॥ मरहादोपानाडूं नी! वेष तुमहना सरव:। कुंपरिणबत आरम
५२

दिवस्रा जि मजाय स्नबदुरवे॥ ३॥ भकादि मइ० देवद
लिल सुरसरिउषाना। आचार्यजनित [illegible]यि। जिनमेनतमु
अगिधान॥४॥ श्रीव अज्ञान श्रु विनय कर आज्ञा स्वादिके सद्द
परउपगोसि मनुक। गुण मनि मा० व गेह॥५॥ म वे त ग
आगम मशुली निलदवदंती दास विधि सुपदे आ। विपा होयम
हर लितदिइ॥६॥ सर्वगाथा ६॥ राग आ मल्हरी। सी धूउन लव
जी॥३॥ अ सुकं मइ भारु मरलकु ने। ए हनी दाल॥ जी वड़ डिनि
धैर्म की नी मइ। एउइ परन मजा पानी जी। श्रुवर मइ के चा[illegible]
सकल कुट बपरवारो जी॥१॥ जी०॥ रस एह धौ नेहा दिल ना बलि
मानु अउ चव मानो जी। निपुण अ ९ काम ७ ॥ औ वजन मस्ता लि नह
रे जी॥२॥ जी०॥ अति अर्थ परखेन लेखा अउ आर मली के आ इन कूप
जी। चक्र वर्त्ति मनत कुमार न भजी वर्जा इदेह स्वरूप जी॥३॥ जी०॥
चक्र वर्त्तिनीय करा नि ए॥ गुण नर कि हा श्रु० पामी जी। तप लि वि
धाता ग्रापह आ। तञ्य वैनके सीमा जी॥४॥ जी०॥ जीवको तिदिव

संजेजाइवइ॥ वलीनदीआवइ तेहालपजपसंयम आदरी॥ कहिस
कलेग्रात मदेही जी॥ पा॥ जी०॥ अतितुछ सुअसंसारना॥ मधुलीप्रुखम
गनीधन॥ किंपाकनाफलसारिखा॥ चंइदुमअनेकप्रकारेजी॥ घा
जी॥ मनभेकनीपरिदिढकरी॥ व्रतपाली निरतीचारजी॥ नवप्रभ
लपीलि सर्वदेयस॥ मामतासु प्रत्यपालोजी॥ ७॥ जी०॥ बेसासभक
रथपसीनलगार मुगच्छजनमगपासोजी॥ अतिरूडकपटनलीक्र
डी॥ वंलिरइयइदुरगतिवासोजी॥ ८॥ जी०॥ जेजीवजगसुरवीआ
केसा॥ मूलिकुयइकुसइ जेहा तेवीनरागनाधर्म थी॥ इहांनहीकोय
संदेहो जी॥ ९॥ जी०॥ एढालछट्ठीमनी॥ त्रीजाकहीजितसेनोजी॥
अवंक्षायसमयसुंदरकहइ॥ वइरागअपजइतेणोजी॥ १०॥ जी०॥
सर्वगाथा॥ १॥ दूहा॥ साकतणीवाणीसुणी॥ प्रतिबोध्यउनलराय॥ वि
करजोडीवीनवइ॥ नगवनकरउपसाय॥ १॥ पापदिहुचप्रापीकरी॥
लेस्युसंयमजाव॥ पुनन्मुहेरहइयोइहा॥ दुघासुअरगार॥ २॥ सो
मलिदेवणछियां॥ मापलिबंधकरेहा॥ बेलाजाईबातमुइ॥ पाठव ५३

वरसेहा॥ ३॥ नलराजाचरित्रावीनशधापरपुरुष॥ परमोसात
पत्रवितयावरइ॥ जनमकरइसुपवित्र॥ ४॥ श्री॥ केपमोरइक
सा॥ इवदंतीसंघात॥ नलराजासंयमलीयउ॥ व्रतपालइदिनरात
५॥ संयमसुधउपालतां॥ गयउकेतलइकाल॥ दवदंतीदेखीकरी॥
जीवपंचउजंजाल॥ ६॥ कामभोगवलिनोगउ॥ दवदंतीसंघाति॥
इणसेनीकरवातडी॥ पीवाजालिनिवालि॥ ७॥ सर्वगाथा ७ ढालसत
मी॥ राग गुडी॥ सीमंधर सामी सांभलउ एहनीढाल॥ श्रीनलदेव दव
दंतीदेसी॥ जागउमदनविकार॥ कामनोगलूवलि॥ सुंद
चीनवमाचितमझार॥ १॥ मुनिसरचूकिमाविषयविषकीमनआलि
गुरुकहइसंयमपाली॥ माकेमनमसूमेहालि॥ मु०॥ ऐ आंक
णी॥ विषयातणासुखविषयसरीखा॥ दुरगतिनादातार॥ विषयभ
उमारइकबेला॥ विषयअनंतीवार॥ २॥ मु०॥ कामभोगनोगवता
मीठापरिणामि अतिकडुकविपाक॥ समरसवादमनोहरदीसइ॥ जेहवा
फलकिंपाक॥ ३॥ मुनि०॥ मधुसुलिमउगतीधारा॥ मीठीछइरजा
म

हा विषयसुख भीवापलित्रागलो दाक्ष्कु रवजरानि सदाहावाम्रु
ध सर सु कुम मेरु सरी मनप क बिंदुम दृष्टांत भकरिर नालचतुंमु
तिवर दोषे सेदु भनर कोति॥५॥मु०॥सुरवनोग व्याकु सर सुरवे
रा:पर्णित्रिपुतउनही जीवः।पामघ सर हानीर्दमा एसः।पार्णिपाकर
घ विरावः॥६॥मु०॥नस्वभ्र हारनल्य इके मालसः।नोयतु वित
विल्लासी।यहवी बात मुणीन इकरस्यइ।लोक सह को हासी॥७॥मु०॥
चिलाणक मुषनिमत्त रिषी सरः।पापकर इनही कोइ।समर चिमम
वेदी लाणसः।नघलवदसाहोईी॥८॥मु०॥श्रस्त्री सेती सेगतिक
६ रतो।चूतना जइपंचेई।बलवसे मसा धवोधितनागइ।समकितमूः
लगभेई॥९॥मु०॥मधरिश्ववदंली सेती।कामराग ग्रह गारःते
दुलमबतलीपरिजाइ से।मात मानरकमझारः॥१०॥मु०॥नोगसंयो
गघणा नोगवियास्त्र स्वयलइइणसेनी।मलिनवस्त्र मलिनतनु
एह बोलहि सविपतिः हिवकेनी॥११॥मु०॥इमघणाउपदेसदीया पाणि
मानइ नहीइक श्रोग।चितवइ दिवकहउ किम कोजइ।चोपइ घइ

जिनबांट।मरा॥मु०॥एकनु ऊपइ दवउजभ रायं।नेवणसहम
विटोली।विमबायान तणीसंगति विषसइ।पान कोली॥१२॥
१३॥मु०॥इमजाणी नरबाहिर कादउ।नेलदासीमुन नेरामइ।
सीखनघ रतउ स्यउ गउनायक।ाननगवेननउ वाछ्यउ॥१४॥मु०॥
निमधदेवता बलिश्रावीनइ।प्रतिबोध उ ग्रणगारः।पाणिपत
पालिनसक इनलमुनिः।करइ श्रणसण तिणवार॥१५॥मु०॥
पहिलइ देवलोक ऊपनो।कालिकरी ततकाल।धरम प्रमाइः
धनदसुरनाम इहांरइ सघाउ लोकपाल॥१६॥नलऊप
सुरेली।दवदंती पणि तेथी।क रिश्रणसण तिहां दिनऊपनी।धन
दनी या नूत जेथि॥१७॥मु०॥देवलोकि नलनइ दवदंती।सुख भोग
वइ मुसनेहा।चउघी ढालरवेंड छगनी।समयसुंदर कहइ एह॥
१८॥मु०॥सर्वगाथा॥२६॥दूहा॥दवदंती दीधो वीप दीजनरतम
झारः।नगरनाम पेढालपुरः।राजा हरिचंद सार॥१॥ानमु राणी
११

लषमावती नेहनी कहिउ पर्व्वः॥ रूपदेवी मुकुकोकसंरासुरछंद

रतनक॥१०॥ जनमममम[illegible] तलह। कनकदष्ट तिणगमाधन

रकरई प्रेमइकरी। कनकवती तिणनाम॥३॥ पंचवाण्यालीज

ती। वंदक ला[illegible] मतेह। पुत्रीदा धुइ प्रेमसुं। अरति प्रेरहरतसुदेह॥

४॥ मातपिता मनमेहती। कनकवती सुकमाल। तिलसौंपीच्छ

प्रवित[illegible] वीलरबरतनरमाल॥५॥ व्याकरणादिक शास्त्रनीः

[illegible] प्रमुगति॥ सर्जावनम्रा पीचली अधिक करू धिठगति

[illegible] व सररांजातिहं। मक्रु सामग्री साजई मेवर। मंकप मांहि

यना कनकवतीनइ काजः॥७॥ ढाल पांचमी। जउनु चाल्यव्वाकर

पुरंवर कैगमणनिवारः। नेलग माहि चालिआनंदः। पहंती ढाल।

कनवदालि। राय कै यरी तमुआग इरे आयत कहि सुकिः हंसल

ननलका। हेमलनइ देगलि घुघरमाल। किं दणा। वंदू पणलोचनल

मुरातरा। अति उठली देतमुपो पर सं मः किं ह॥१॥ वनरराणीरा

भिया। जं भ्रंग लि दे रवकराजदं मकि: ह॥२॥ भलिकस्इण

हं समसूा भुउनइप ईका ललणरी कुमकिः रहः॥ ०॥ गत्र विश्वइदह

सगा मनी। हंस जाल्प उदे कुमरी ननकालाह॥ पा मन पाटें हाथ

किरतीहं। मबीनइ कदइ हेइ मनवचे मलिनउ। [illegible]

मरवीयक पा जरुउ कू ना विनि हर मनइ नेम। [illegible]

गई मरवी पांजरउ। कु मरी दृहे राजइ समनइ [illegible]

मनुष्यना प्रहस कोली यत्र पाजरामांहि दइ भुजनइ नृमपो [illegible]

ह॥ बात कहिसिय कडूय ही। मनगमत देवग सी मनुष्याली [illegible]

५॥ हीा च चलिजब विकदइ कयरी काहे नइ [illegible]

तिहनरूप तिहि देवकै मेर समान किं ह॥ [illegible] कासंजोग

री। विद्याधर दे को मन [illegible] किं ह॥ कैमरी ताम संक

मला। तेहनरूपतिहि देवकै मेर समान: किं ह॥ [illegible]

लउ। रूपदेवीदेगलइ जगतनु मानः किं ह॥७॥ तेरुपवंतस्य

रीमली। तिमतं पलिहि करूप निधानः। किं ह॥ कनकवती [illegible]

हिः। जालि हाकउ दे नुम्हे मगत्र धानै॥८॥ किं ह॥ बालक हिंसकर

दुरी निपुरु षनइदेनार्इततकाला किदं० संवरा मेरुपतरस्यात
श्रीवस्पइदलीचन मुर्विस्याल॥१॥ किदं० तूउ लघ तिदां तेस्वह
[illegible] मा हिदेते चंड मोजे मो किदं०॥ के नुनइरं जुकु मरी इंजो
[illegible] महेतुंउनइ [illegible] मा॥ किदं०॥१०॥ कनकवती इमवीतवइः।
[illegible] हरि रुप्र उषञ्चपार ॥ किदं० ॥ मुरुवठितवरपतमइ
[illegible] वरे यरी मुरिवार कि गा॥११॥ हे०॥ वओरवंरुतलिलो
[illegible] रहेश्रयरिजनीपह। किदं०॥ समय सुंदरकंदउपुणप
[illegible] हामन डेठितजेह॥१२॥ किदं०॥ सवैगाथा॥०१५॥ दूहा
हा॥ इस [illegible] मइ कि नइ कु मरी नइ [illegible] गा [illegible] पाटना लिउरक
लिनसंः। वलिकदउगं म मुरंग॥१॥ कु मरी ते कुरुप नकोहरलि
पर नयते हा। उन्नहा रइ एकुपनइ। नुंडे लमवं तेहा॥२॥ कुमरीक
रजोरी कदरमा दूकु लाव [illegible] दि सावा। चलत कुरु आचूल पकउा
रिअरू पकदइ नाच॥३॥ रु विद्याधरदूसदी। नाम वंचातपनु
न॥ दूल पलाइ डपे आवप्य ञतेवारतानीलुका॥४॥ कनकवतीश्री सा

महेः। हेमनइ दीधीसीष॥ चित्ररूपपर्लदे षितइ [illegible] ५ दी
मु सरीष॥५॥ करदे ते चित्र पइइ [illegible] घरइ। अरंतकेठिधलर
कु मरी॥ इ विरहा कलकु मी तिरषइ नज कि नरेइा॥ ६॥ [illegible]
था॥ २१॥ ढालढई॥ एकलद हिल्मइ गीरला सयुदनी ढाल॥ राग
सिधऊ॥ कौतक विद्याधर करइ स्था॥ [illegible] कं [illegible] क
नकवती वसुदेव नारे। पतिजोव नापरका मा॥१॥ कौ॰ [illegible]
रव गारी गम ऊये। वसुदेव जिनश्रासिरे। पइ ढउवाय [illegible]
वइ ढउसे न्हापाविरे॥२॥ कौ॰॥ सूत ऊ वसुदेवरे म [illegible]
द्याधरी संगरे। पगवो पता जा गीयजेरा हीवउउकुरुप सूरंगरे॥३॥
कौ॰॥ वसुदेव मनमा [illegible] तवरे। अदनरकु [illegible] इ श्रा
धीरा तिपइ [illegible] दा रे। मामन्न कुरुप मनरंतइरा॥४॥ कौ॰ [illegible]
पमल तरेसीनदी। मरणा धकि काम को इरो बलावंतीजोगइ [illegible]
यारे। इणा घकानी नहा इरे। [illegible] ते कुरुप पा मी गयजे [illegible]
रइ परवा भरे॥ कनकवती बात कही। कुंती। नेरु चंडा तपनामहि॥५

कौ०॥ वसुदेव कहइ किं मन्न। वि[illegible]रो कहइ वि[illegible] पठ नी बातारे। कनक
वतीने सूरजे रा नेदी सातेजा[illegible]॥२॥ कौ०॥ दसमि श्रंघारी श्रानवइ रे।
मुणि सो मीश्र रदास ःरेः। अनू याली पाव मि दिन इरे। मववरा मेरुपलामुरे
८॥ तेमणीते धिय पा रिमइरे। कनक वतीनी पूरु आ मरे। कहइ वसु
देव श्रावस्यूरी कुं देवश्रिया सुवि मासरे॥९॥ विद्याधर इमक हिगय
उरे। कनकवती तउ सरूपरे। समय सुंदर इणपरि निणइरे। ढबीढाल
अनूपरे॥१०॥ कौ०॥ सर्वगाथा १३१ दूहा ३॥ केवश्रिया पूढी करी वसु
देव बहुर तेम मानः। नगर गयउ पेढाल पुरः। ल्यइ सीर मणि दानः।
१॥ वन बाडी तिहां श्रति भली। देषत घणउ उल्लास। लषमीरमणि मनेहरे
गुण। लह्यो जेहनउ वास॥२॥ तिहां मुनि वरस मग तिसु वसुदेव जननम
बहु सफल कीधउ इइ। मन सुघसार इसवे॥३॥ बस॥ सर्वगाथा १३४॥
ढाल सातमी॥७॥ कुमर चु रिंदर छंच्छ्यउ। श्रागइ श्रतिश्रा णंद। हीय इ घर
तय। पुरिंदर नी चउप ईनी ढाल॥ श्रघडायोग नानी ढाल॥ तिणश्रवसरि
श्राकास थी उतर्यउ देव विमान महा। दीपतउ महा देवलणी तिहां दूरति

बाजइ। निजइ कं नी सूरि जदी पंतउहोसू॥१॥ कहइ वसुदेव सुविमान
ए। किहनउ देव कहइ इम धनदतणइ एः वेश्रमण निज लघु भा[illegible]ई।
सिः सबरा मेरु परिच्छ दे भ इहा रु०॥२॥ वसुदेव मनि चिंतवइ श्रहो ध
नए कनकवती नामइ कुश्ररी। नं०। जेहनइ सघरा मह पि आवइ देवताः
पलीब कुचेम धरी बहु चेमा॥३॥ एहवइ धनद विमान थी ऊतरि
सा कंवरइ विधिसेती। सो विण वचीस बध नाटक करि मांगइः। नार
श्रनो वाम नी हु पहती यो ध०॥४॥ तद बोदि जाइ तां दी वउ। श्री वसुदेव कु
मार तिहां। वि०॥ कु० श्रहो रूप इहनउ रूप श्रनोप मः। देव थी श्रधिकउ
श्रसजे इहांते जः॥५॥ जादव जोणि बोलाव्यउ। धनद इ। बइस विनय
हरि श्रापणउ इहां। श्रा०॥ हु मनुष्य एह वती मोइ ३ कद्दः किं मतेइ
हेतघणउ इहां॥६॥ श्री वसुदेव श्राव्यउ तेपा सइ। धनद इश्रादर मानहि
यउ तेहां। सु०॥ सरस मीठे वचने संतोष्यउ। बोलइ सउ एक मागलीया
उहां। मा०॥७॥ वार धनो पहइइ नहीं उत्तम नर। इहां उपगार सो तिसमल
ता इम इहां। सु०॥ कनकवती कुश्ररी पासइ। जइ वचने इ सुनेकर्दि
मा सिरउ श्रह नो मु०॥८॥ इइलो कन उपाल धनद सुरः। उत्तर दिस पति

रमकदंसोहंसभा॥णा॥ मुनमरूपथकी मुरुसेती। नेगवनेगत्समु
रवलदइकेमु०॥ देवजनाविजाइ सितु तिहोकणकनकवती जिहांसेज
लदइहमु०। श्रीचणपहरिमनोहर आपण। आउअरमोनासगलइ॥
होःसो०॥१०॥ कहइ वसुदेव धनंद आंठेवर। वचनेमाचउदूतपणंशहे॥
इ॥ [illegible] लइउइमकरिचत्मउ। हर्षिचंदराय गयउ आंगणइ॥
हो०॥ देवगनावनदेषइ कोई सातभीनू मिन्सी आवा सिगयउ। हो॥
आ०॥१२॥ सिंहासनबइठीथकी। देवरूप जिकौ चित्राम कियउ। हो चि
त्रामसरिखउ तेमरथोकुभरी। दरषउहे जिहथउ॥ [illegible] होहो। ओहि सिर
मनउ [illegible] भरी। इ आयउ दूतपणइ। हो॥ दु०॥ तुमे रूसामनी इतुके
सेवका [illegible] वरतेलउ घ [illegible] धणइ। हो॥ घ०॥ मनबोलइ मुरुधीतमनु
हिजा [illegible] लक्षउ चित्रामकरी। हो चि०॥ [illegible] बोलतुसा हिवमेध
नइ। ली [illegible] चितवइ रीः॥ हो चि०॥१३॥ कहइ वसुदेव धनदनउ [illegible]
किकरः। दूतपणि इ मूक [illegible] नइ॥ हो॥ मु०॥ तेहनी हिव पाप
टराणी। आणदली [illegible] हो क्रु॥१४॥ कनकवती कहइ

तेदेवता किहां की ठिका मान्न [illegible] थान किसइ हो॥ [illegible] मलतइ
मूवनती मुरु काया। धनदतउदे वसारूप [illegible] स्त स्यइ हो [illegible]॥
वसुदेव कहइ सुणि सुंदरी। मंत सुरु वचन करइ ज्ञान [illegible] क०॥
दववंतीनीपरइ दुमदे [illegible] सिः। देवबचन जउ नहीं मानस्यइ हो [illegible]॥१८
कवेरी कहइ पति नकइ [illegible] सुणती मनमा [illegible]॥ म०॥
पूर्वनवसबंधथकी कईकड [illegible] मकरी तनमननीजइ [illegible]॥ म०२०
नूकुबेर नइ कहि हिव [illegible] तिमारूपम [illegible] ठइ [illegible]॥ म
करिकोपम [illegible] लाजपरि। प्रीति धरि [illegible] आजपठे। हो॥२१॥ श्री
वसुदेवसूनी वातउ [illegible]। दनरसमी मेगयउ [illegible] बहि लजहो०॥ ग०
समाधार कहि वातिला [illegible] नदेकहइ [illegible] मलहइ आपरिल [illegible]२२॥ हाल
श्रीवसुदेवतणी परमोसा ध०। नंदकनइ देवता। देवआगइ हो दं०॥ प
रउपगारीपुर परतन [illegible]। किकोई एहवा जगइ हो। एहं जे सर्व गाथा
१५५॥ दहा॥४॥ बचनेर देवदरा [illegible] थकउ [illegible] वसुदेवन [illegible] देव
दुष्प [illegible] वरयुगल [illegible] विजनाजेहा [illegible]॥ दोकुडमदगगर्नेपा [illegible]

मासमद् भम लहरा ललित धनश्रेणि गहफूला कदकस्रद्जनि
सम।।६।। अर्धहारएकमालिका। कटिसूत्र कस्पसदार।।देववि ला
पनविभोदयन् त्रि र ई मद्दकरः।।७।। वसुदेवस्य स्वरूपंहरिनेउ
धनद पय मानतो लोक महद रोमित्रक श्रोद स अवरिज वाकः।
८।। मर्दे मर्यो घरा।।दालश्रावन।।६।। चतुर सन दः मंगल लायह
नीढाल।। [illegible] दि वदराय धनदपान्रपासशश्रावद कौतुक सुलिउना
सग [illegible] ध्यनदेनदनासद। नरतपेत्र नदनुन्नर्जायः।। सव
रावरूप [illegible] पधारस्य मानवीन तीचवनश्र गर।ऽ।वीजाणो राजस
सुकोई। तिहा किणवड ठामु सेद हाऽ ३।। वसुदेवनइ धूसंदरउ श्रो
पता। धनद इ पदिकवी रुडी नली। तसु रसो दिकरिवसुदेवरी सद
जाण बीजउ धनद अगीसइ।।४।। तेह वइ कनक वतीवरमाला। लेई
श्रावीनयणानिसाला। दिव्ज लिमत श्राजहूतः। तेदेखइ नदीवर अद
चूतः।।५।। वि क्रवरिष इनोलइ कोई। वले जाणइ मतच्यम मुञ्ज हो
ई।मकरि विलंब करइ सहइ सखिश्रो। अरग मतउ वरिदे घोश्री

सिश्रो।।८।। कनकवतीकु सरीकहइ रोम कनकवतीकु मरीक
हइ इम।। वसुकुनंदमु जिहां सुकनम दुष्पदीनक रू कि सह पाय
तेवार विण मुगन तिनहीकाया: [illegible] दुरिपु [illegible] यातु किनः सं
धनदेवकु सहियाऽसदु संवरित धनदनइ दीक [illegible] कुमरिपामद
धनकहइ सीठउ।।७।। देवकुवरवः दासी ली करि होसी कुंयरी
विलसाली मनमा [illegible] मुजनकालाकूपकरि कियो [illegible] घरज
कारः।।८।। धनददेवह सीनइ बोल्यो वाचप [illegible] मनप्राव्य
७।। देवसुदेवसुंदनढ तेहा वइ सुजनइ सदइ ध जेहा।।८।। सुदर्सं
वसुदेवउतारी।। झूलगई रूप [illegible] उश्रवतारे। कनकवती देषी नइ है
रषी। चित्रलिषत सही मनरूपनिरषी।।११।। कनक [illegible] सुरेन
सोनागी।देवरमणी दुंदनी तिहां वागी।। कनकवत मनव ढित फल [illegible]
मनमा [illegible] हवावरसि लिया।।१२।। धनदकु करि अपछर सिलिआव
ई।। सुदरि सह लालागी नगावै। कनकवतीकु मरा पधन [illegible] वरप

पउ वसुदेव रतन ॥१३॥ बिहिंकर बसु धारा केरी धार निरजली
सेवक बहु तेरी वसुदेव धनदेन इक विपरणा मा पूछइ इ दो आया कि
णका ॥१४॥ बात घणी बइ वसुदेव अणघीपा लिपर मारप कहू इक्केक
पूरव जन्म सगली कह्या सैद्दा हु आयर्ते जाण्य अने ह ॥१५॥ महा विदेस
नभइ जगवीरः ॥ विमलनाम तं. धीकर सुप्रकरः ॥ तिणप्रकन कवदी
वान न भी सुरुनकइ इकु तउ तिहास मी ॥१६॥ धनद गयउ र को तकक
रिनरा वसुदेव गयउ पालि क्रमेर वरिनरा आप रवाम इसह कोईः
पुहुता होय उ इ र र खित होई ॥१७॥ कालंतर वसुदेव कुमारः ॥ आयउ
बारिका नयर मझारः ॥ बहु तरि सहस अंतेउरी तासा कनकवती सू
पर्णि सुख वासः ॥१८॥ आव मीठा लभूतइ ख्वक ढव उ सोन लत लंग
इच्छति मीवउ ॥ मद्भु संबंध कायउ प्रकउ ॥ मन्मथ सुंदर कहइ सील
जिवउ ॥२१॥ सर्व गाथा १८१ ॥ दूहा ॥ प णाम्बद सरै श्री नेम जिण ॥ जग
वतणा आधारः ॥ साधक संघातइ परवर्यो ॥ सर्व जीव हितकार ॥१॥
द्वारिका नगरी समुसर्या ॥ हरख्या निवियण लोकः ॥ चवदच कोरत

णी परि ॥ अष्ट वार्दि नकर कोक ॥२॥ वसुदेव वादण गण आय
आयउ आणद पूरः ॥ अंतेउर सहु साथि लीस गइ उ तु कर ॥३॥
पतिबोध उ प्रभु देसण ॥ गय सु के मालकुमार ॥ लघु वय संयम
आदर्यउ ॥ जाणि अथिर संसार ॥४॥ सभा मरराग कउ सगीर हुउ
उप सर्ग सह्यउ कराला ॥ सोलि मासमंजाली यउ ॥ मुगति गयउ तत
काल ॥५॥ ढाल सर्व गाथा १८६ ढाल नवमी ॥९॥ नोपायो भोत नइ ति
लनी ॥ अष्टवा सात लि समनत कुमार होता ज्ये सर जी ॥ पगा तनी ढाल
कहइ जादव करजो डि हो ने मी सरजी ॥ उपसर्गदं मी गज सुकुमा
लनउ ॥ नव बंधन थी छोरू हो नेमी सरजी ॥ संसार असार विहि मगीत
॥१॥ वसुदेव विणन वरा घ हो नेमी सरजी ॥ समुद्र विजय दिकसंय
म आदर्यउ ॥ सिवा दिवी प्रमुनी माय हो नेमी सर जी ॥ सातेम हो दरय
उलास प्रव ॥ बीजा रुषभ कुमार हो नेम ॥ तिण परिदं होला धी तिण सम
द्धाराज मती सु विचार हो नेम ॥ नंद सुनाए कसुरनासा सुंदरी ॥ ३ बीजी
पली बहुनारिः ॥ संयम ली कुयादवमी स्वामी ॥ पहुती निवनरय पोरि हि

नेंग काजसमाचरा सिंगलाआपणा॥४॥नि मकीयउपचपालाह नेंग क
स्या परणाबूनसीकुकदे।गपरमारघजालि हे।नेंग वा दितली धनुरु मनउ
मसी॥पुदेवकीरहणरह रहो।नेंग कनकवसी देलह सुदव क भवे।जोउ
उरठा किनेहह नेंग मरजुगिल्प रउ रउकुनरह मह मनु देशरे॥६॥धरतं नी
मनमोनहो।नेंग।गहवासभांहप लो रसल रकी।प्रपउ केवलमानहो
नेंग नरनतलीपार्दकनकवती मती॥७॥निलिश्री मुरनरकोडिहे नेंग के
दनमाद पीकरड नेहनीः प्रण मरकेकरजोडिहो।नेंगगुण मुरवगाय इक
नकुवलीगुणः।नेंग।दिधनदेवन वेसकरि आर आहारहो नेंग।साधवा कोधी
मानसलेखणा।पइ तीमगरमकार हे नेंग।धनदेवप हिलदेवलोक पीः
सवीन्तनलहि अववतारदा नेंग मंयमसुध उ म निवरप लिम्डा॥१२॥ल
हे पड कवेल नालहो।नेंग।मुभ्रुनतालहमइम धजी।एपूरवनवक्तएह
नेंग नन्दन वहनीकिरामइलख॥१३॥पाउवनेम चारित्र हो।ने एअभिकार
लिहो पाउ प्रभावचलक विन्नाण विनहो।नेंग कवियणकेरकेदाक
लेचपुरा॥१४॥मुनक्रुते भुयपहो।नेंग।वीमरी नक पलाइजे मरकहो
जोगोमिदुकउलेपहो।नेंग।मघमेमरक इजे मइ यापोखो॥१५॥नवमीउ

लरमालहोने मीमरजो वहहो नगी पुरी घर्श वासुबचन नेम
नहो।नेंग।ममय मुरर ब नगा इनावस्यू॥१६॥मर्वगाथा॥ दूहा
मंवतमीतलि होतरड।मम मेतथ्री नगरमवो हरसउ नउ।
सत्नुमम मिमुरवकंदण॥नसरवरतं को रोमसंपूर्णमला॥
॥श्री वीतरागायनमः॥श्री मरस्वायनमः॥सुरमुंदरीनइ मलवी
यवकः।ढालपेली॥राग केदारउ एकतालो॥श्रीहिवमेनीकर
वाम।नीमनवाद धिल्हिवाग।नहिवाय तनमारन नीपर
धा।नरवेगणनगतनधारिवाग।कर्मकि विननिरजलेवाग।वरि
वाय सिवसुदरसयंवरइ॥२॥त्रुटकः॥ममवरइ मिवरामावरि
वा।करइ वाउभमकाजा।मकदे वीमाला नाज धिः भवत्तमतन
पाजेः।आमाट वहिचनपितगादति।अक्रुवालु जेल इक ध।उपर
भवतर।मुपनदमाउ।मत्तमजय निदा।चेवदि।ममजाउः।
दिवाकुपरसागसु।मुचोपतिहमुरगिरनवराव।सीजावनसंगवि

भावउ॥रूडि जिननी रूपनामनी पायु॥३॥ योबन नार जव आव्युं॥ गाइन्द्र
लीरसमन मनुष्य॥ क मोहिपर लायउ॥४॥ नवलो दिकरा तसतवं सुरय
नीतपे घगवयू उजनकपरडे अनेक लापरायुं युग केवल ज्ञानप
युं॥ फलमणउं नउं पकारे सुरपति ड॥ समोसरण वर आयउ॥ भावलो
वर्दे तेर जिन इदि नीमहानंदपद पा॥ तिलक जिनय दुख दि
युं॥ जेलाइ सो माई आरहे सु॥५॥ सतजावतमत सुयकार कः॥ श्री
दधर्म त्रिमइद धउ॥ दानसील तप भावन भेयम॥ विरत विरतीना
मिउ॥ भ॰ श्रादश्र नारकोनलहीइ॥ मिथ्यात्वपरमिठ॥ सुगादिदेवर
कामिउ॥ जमघातंका॥ इहैं ८॥६॥ श्रीनवकारमंत्रजोमहिमाग्रंथ ते
श्रादिनजादस॥ कोडिवरसकोडि अधिक ज्ञान विहार सूरि दि॥मा सु
मारजंतसकाविहरु भावयल॥ मेपरमानंदपायूं॥ सूरसुन्दरसती अद
इसमार॥ नवतं मक॥ कवलमती मा इसुरसुंदरी किम
राखिउ तेणइ सील॥ श्रीनवकारमंत्र महिमाइ॥ किम॥मीलीला॥चं

चर्चितताम पार्वितपनं॥ श्री वदो जिनचउवीस॥ श्री श्रुतदेवी कर
मारनेच॥ पूरइ मनह जगीस॥ सुणउ जासूत्र मरसुन वाणी॥ त्र
लोजै प्रस्ताव॥ क विकर इवचन विसेष इ वास्तुते माम्हेसधार
से॥ कोलमभगवतीना पहिली॥ रागरुं॥ जंबूद्वीप
भरत नगर॥ अंगनैप मसमजी॥ चपानयर चतुवर्णसर जनक
विसनम भावेसोजी॥ त्रुटक॥ निवसो वंतलोका॥ विनीतिसो
काजी हो वसइ॥ निश्चलतम वड करनपवस ताकाल नर
नभमेरंगी॥ सुधुमंगी॥ मीनमारग मचारा॥ जिनवर विहर
ण हरय॥ रीनारी मनहर॥१॥ मानय दीप तिसु नमती॥ नृप
पुमर्दनना मनी॥ पर्दकुवनक जयके सरि जेह ने धोमन रामनी
॥ त्रूटक॥ मर्दम जेह त्रुमुणीमामन॥ मसूर म वाकरर॥ स्री मो
त्रितलम माम जापालसा नाय धर्म समाचरइ गामम मकित्तव नमादस
जेगज्ञापापमंग तिपरहरी॥ वीरा वर्यमाभद्र निनव्याह सधू मराज
यतिसमीमनस॥१॥ नमपदेरा ज्ञति सुंदरी॥ मरम लिरूप दराव

रजी। सीलादिक गुण सोभती। लसद्गुणा कुण आवरजी॥ त्रुटक॥
नावलर मति चीउनगती हरमधर जीका मनी। दीपु ऊपरि सक
८ लसुदरा सुनलहरगज गामनी। सावीनडाणी। प्रेम आणी। रायेतउ
वस्त्र तिकरद सुर सुंदरी इति सजन पोषी। नामनुन्ती नुधरसा॥१२॥
डिमबाधर्ड परिणि जलदा वेडकला संविमाला जी। तिम गुणरूप वस्य
वलकला। सेघइ बांधरसा वालजी॥ त्रुटक॥ सा बाल बा बधा सुघस
घा घडा। समलवरस सोजव हवी। तबाकलाचारि जया सजनक सा
लीयहि या मावयी। न तिरसिता दि: चउसठि कलाजा कामनी तणी। ते
सकलासीषे:। सामरा बेसा पिरीति धरी घणी॥१३॥ ढाल चीजी उतारो
गंकदरू॥ त्रिपदी॥ दवस्ते हनयरी महि अधिकारी। मेघधनी वदस
संकित धारी। वसर बबक विचारी। पिया धना वती तेहनी नारी। जय
रूपइ रंभादिक हारी। सुपविलसर संसारी॥१४॥ नीसमउ यदि कुल
कीरति कारी। सुतउपनु सुरसुवना सी पुर बहु रूपसंनारी। अमरकु
मरना समविचारी। माततात विनआणंद कारी। तिहतणउ राजकु
३५

आरी॥१५॥ तेनेसा लड बिद्यासारी। सीष वा मूक सर्व विचारी।
निज्य चित सुमति विचारी। पंडित पासइ आसविचारी। कलाअ
भ्यासकरइ बहुगुणधारी॥ गुण अहिरूढ य भकार॥१६॥ लषविलपा
ठित गुण गणीत विनाणी। काब्य बंध बुद्धि करेण पुराणी। षोडस द्वि
कु यउजाणा। वेरो नेसाली मुनामधरावइ। अंधिर विद्याथी पढे हसो
वसापठित नइ मननावइ॥१७॥ राजकुल सोपे छिपासइ। पादिगु
णहरयुक्तयं घरअ मासइ। निरपति रहइ उल्लासइ। अन्यादिवसकु
तुयामप मकालीरोडनक रिज्या वीनेसालड। निजलद सावालइ।
१८॥ तिण अवसर सो सेवक मारइ। बालक अबतणउ परिवारइ।
रम तितणउ अधिकारइ। कुमरी वस्त्र चलि अलिया माग वडी बंधु
दीवीजा मः। कुमरी की सीतामः। कोडी साथ हतं तेजी थी। बालक रूके
तणइ कंदाधी। सीषामणतइ दुधी। यहतणी जिसूंषड अविदरी चु
हयामा हिजई ज्यें लावशते सुरु मित्र कहावसा॥२०॥ सा बालक चुइ
टरजइ जाणी। अतिमीठी वाणी। कुमरनऊपी आणी॥

तेसालं यामकलनऽसाधऽ वदचीदाऽकुमरनिजहामऽ जागाकु
मरीतःपऽ॥२३॥ द्वी चउप॥४॥ अधरमचउपऽ॥ कुमरीनऽकह
ऽसवकेमाग।नागऽभडी॥ दिचरारायीमूर्कउकदूमनलउः
तेअगागीनऽपंठऽनएउ॥ नवज मरऽ काली पठ वदी अगीएख
कागऽ पऽउ। बल मुड मरकं ह सुखवजल तुम उस्रीच लुंकाऽसा
ला॥२३॥ मऽ तेलई अ॥ वीएद॥ मधरीसिविंतक्रूरसमरेहायोतिय
टकीन गीर्तमुली॥ कुमरजतिकहिरेअवगणी॥२४॥ तुर्के दानुमोद
यवकी॥ अंधुकुऊबह ह विनापरगडेना सुघड आली वांदे लिगाकर
तऽमुऽमूनीविनीघरी॥ अपरपपरकुले ईकीधः॥ पोतऽसअडीनली
ईलीधः॥ तुऊकलाकुलऽमीमवी॥ऽमकगंतेनदबाधऽनवी॥२६॥
धलमऽनरमकलजाली॥ अपदिनपंचीकुऽबालीअ॥ बेलीबलेमऽ
हीवीरवा॥ कुमरलुम्हामिनफुललाम्हि॥२७॥ जउपिऽऽबेलाउवकु
मूलेअवगलीनाधंसह॥ नेसालि॥ वकुजे कहिउ तूंफलीनऽवगल
पयग॥२८॥ कुमरकहिऽवेपाउऽकामाकाऽवदऽसंवमूं विराम

२

करतसानकीडीऽकस॥ तेनुऊदु मलागऽवऽअस॥२९॥ कुम
रीकहऽतुऊ निसूकाजामालकीहीमलनीघाजः॥ सुन कुमरअग
बोलउर दिउ उसमोई मनमांहियदि॥३०॥ पिताएहद्र आभऽध
ली॥ किमजेनरबालूनेहनली॥ वलीघस वलहोमऽमर मघल
काजकरीमऽतरा॥३१॥ बेसमारनलऽदु ऽजएः॥ लिद मघल
ऽ पाऽ ल माला॥ नविमाऽ मालसवीउला ऽ माईऽ कूरुवाउ ला॥३२॥
श्रीसीटि पामालीसूध कठ॥ पठऽनवोला वाकवद गऽदकमिऽनेवे
कुगलकेला॥ साध्यामल्सअमप॥ पला॥३३॥ जिनाचकेपाशेऽत्रि
चारः॥ संघकमर्यपत्र धिकारा॥ संघयानीनऽमेतऽममासा तेहत
लाकीघाअल्पासा॥३४॥ सुरसुदरकुमरीऽवलीपा नेमाहवीनऽ
मानेरलीमरअलियहलीधमारः॥ निलमुडरवरमननवक र॥
३५॥ मयुलबामनिनावकरसजेमारिकुई चतनछद उकारमी
मतलपवधाराःपालूहेदथरे जिरामा॥ दो॥ अन्य दिवसचं ईनघर
अ मरऽकुमरनऽसुरसुदरी॥ राजसनामांहिफलट धरीायरवा बिरं

६

नइतेजीकरी॥३८॥राजमना पूरणी जिहां सिव धननु दिवउ तिहां
देवीसर पाबेकु नारूप। मन आवर्त्य पयो तेनूप॥३९॥कुमरकुमरी
बेउ मारी पासः। नरपति अणइ मन उल्हासः। तुम्हे बेउ करउ साख संब
दा॥ सवा पाहि मनी करी प्रसाद॥४०॥राजजंपइ अमरकुमारः। पुण्य
मए अपूर्व विचारः। सना मंतु रवरायअनु मलि। पूरबइ कुमर कुमर वरए
ति॥४०॥ कहुं कुमरी सुत कउतक कहिउ। तुम्हे मानवी तिहुं णकुमान
हिउ। कुण वक्का दीनी बोलीका। तुम्हे जाणो कुइ जिके॥४१॥तिवइ का कह
इ अपंना जउ पगारी। वढइ वचन। कहीइ कुमरी तेमूरु मरइ। तेइ
शीपाचरव रसिकरइ। तेह बेगर्व नवधरइ॥ गुण एवलाइ दिसइ श्रण
मरइ॥४२॥तेवक्का बावरी इसपन: जेन पगारी वढइ वचन॥ अन
यदान दियइ तेहा नारः। साख माहि ठइ असूविचारः॥४३॥मत्य
वचन कुमरी नासुणी। सत्य वचन मन सडु मनि रंग गुणी। कुमारीक
हिउं पूरव जे दा मुझ नुं नरदेव सोतइ॥४४॥ कवण चोर कुण पंडित
होस कुण वलवंत सेन कुण जोइ॥ कुमरं कही चोर इपरमन॥ सोई

चोर सेतस्तु मुजनः॥४५॥ सनारं जव इंजव णी॥ सोन्ला किपं दिन
जाणी। नेजइ चीउ सबल वंत। परदुख दुअते मत॥४६॥राज हि कहै
साचू कहिउ। कुमरी कहि मइ निसदउ। मोहन कहुं हु मन त्यर चारः। को
रइपक लउ त्रिभोवन सारः॥४७॥तेह नइ जा पहुतें बल वेतः। सत्व मित्र म
मती छीयंना। विन धरइ तेतल ज्ञाना तपे किन बोलीइ सुजान॥४८॥रा
यकु हि बेउ जणे कहुं तुम्ह। कुशल पमाण करी तेह मंत्री लीसमस्य
कहि दोजण। तुम्ह जिका कीजइ जीमण॥४९॥कुमरी कहई सोनल
उ कुमारः। जेह कहि हूंस मस्तमरा। सतीम कलदे यतो उत्तम जो इस्त्री
जोजाण विचार॥५०॥पउ मर विना मन महिलाकी धरवि पंफ प
विलप भूमी नही जल जउ बउ चा जइ करी। बुधि दिवा। या श्रासारी।
५१॥ चार रइ एक उ मेली मंयो। मेज विपात क मल धुउ का मुनी बाचः। श्र
जिन मा मन बेस सारा तेचिइ अस रथी नवकार॥५२॥ कुमर व चाप
वम अरवर विराम गपाति धा मा वीय अरवर विण दे वा न माय तय
र दिण कि पिन होइ। मस किसू रदेई लोडा॥५३॥ कुमरी कहि शेह। प

रम अक्षर विण महकके कोह। म ध्य अक्षर विण जिनवर आराधे हला
विलदो करडनोद घः। ते मुजा ए ड चतुर स्वेध।।५४।। अमर कुमम
अर। पटम अरवर विण ओनीकह। मध्य अरवर विलाक दे समहि।
अत अरवर विण अन स्यही। सो इनतु अनुरु सिरि मायूहि।।५५।।
रामडे आपनो आहे।। रत्नम अपर विण ट्ट भरा वी विय विणमरक
र मनोर नी खित अत अरवर विण पाकुरु ड तसु पमनी अइमुप
मुमड।।५६।। कुमरी उहे।। पटम अपर विण बालक कानि
बीजा विणन नवदि मन अनरूर विण कीलो सार। साकर मि
नि सहि इम्म लगार।।५७।। लीकउ।। कुमर वची।। पद मरूर विण शोध
बीकाम। बीजा विण अधिलीकर या दीरघ विल अंत सूर हैं गः
नकु बंध डम भेलई। निविली।।५९।। सुमती।। उलीसर कई ड.
सम स्वा पली। रा यसे विरा जा वकु मली। पलित संने खूं नपरड। मुकु
कोपकुतालि कु रनमडा६। गाडी लचवरी।।६०।। रायरा मनी।। डाला।।
रायक लिरली गी तिसुलकामनी। अंत्य पूर्व एद। गजगामनी। गजग
मनी। मुलाकामनी। गजगामनी।। आचनी।। कुमरी सुरसुंदरी मुलिक

मनी। सामी विनय वदे क। गजगामनी।।६१।। चउसठ कला कुमल
हवी। मुलिकामनी। जाण मा सुविवाद। गजगामनी।।६२।। पंडित
दे। अमुलानी चतुरनां। मुलिकामनी। मूरख मन घरई ईरख मादा। गजगामनी
।।६३।। यौवनवय परणावी। मुलिकामनी। नृप दरबार। गज
गामली। राजध्यान पंच बाणनी। मुलिकामनी। गुणनवरे नईपार।। ग
जगामली।।६४।। त्रिहि विवयली। मगनयली। मुलिकामिन। सदस्वा
लंकि। गजगामिली। पाली चरण मदने रमी। मुलिकामिली। पद मन
ए अंजइ पकि। गजगामिली।। मरई पुकना दरई सभा। मुलिकामि
ली। अदभ मन विनायद। गजगामिली। मरवि कामविमुंजो मिलड। मुलि
कामिली। मुवा धरडमनने है। गजगामिली।।६५।। निपट लम। अूल
वर्चसु मुला कामनी। रा वक्र परव कुरूपः। गजगामनी। पलिम याग
कु नही। मुलिकामनी। वलीरना मडनूप। गजगामनी।।६६।। नेगरस
र ठड़ अपएउ। मुलिकामनी। अवहार। अजाण। गजगामिली। नाप
धनो वह धनमुली। मुलिकताजी। पालइ जिनवर आण। गजगामनी

पुत्र अनोप मंत हन्तुः। सुगणकं ताजी। सकल कला सिंणगारः। गजगा
मणी। रूप अनूप भरावीआ। सुगणका मिली। ना मिअ मस्तक भारः। गज
गामिनी। दिपायक्री न सा लिबंकुम ली। सुगणका मली। सुता अपण सो
ऽ गजगा मिणी। सरसी वरमनवोक ला। सुगणका मिली। रूपइ मरिया
गजगा. मिली॥६८॥ सासु सवद करावी। सुगणक मिली। सना
[illegible] पस्क [illegible] गजगा मिणी। बेहू तवमरि भायरे था। सुगणका मली।
[illegible] कदा सरवर जो [illegible] गजगा। मिली॥७०॥ चित्र रचइ जो नादर सुगण
का मिली। [illegible] गजगा मिली। कुमर मवरो [illegible]
[illegible] का मिली। [illegible] गजगा मिली॥७१॥ कहिं मां लीर
ही का मिली। [illegible]
तिसूरवी। सुगणकं ताजी। [illegible] वधूः बमा गुणवंतो जी। नेका
अरअतिकालरो। सुगणकं ताजी। [illegible] गुणवंता जी। [illegible]
चातरपूठिय नां सुगणकं ताजी। [illegible] गुणवंता जी॥७२॥ [illegible]
ए दूजनरोल का सुगणकं ताजी। [illegible] गुणवंता जी॥७३॥ [illegible]
दीर्घ दाः सुगण का मिली। [illegible] गजगा मिली। तमन मती:
[illegible] सुगणकं ताजी। [illegible] गजगामिणी

दूसा। सेरि तेडावानए करी। तुम बंकुडप मनरे गातुम सूमस्या
ता जोडीस। कोजर वीवाजगा॥७५॥ असम पुत्री सुर सुंदरी। तुम सुर
अमर कुमार पालो। [illegible] वीस। सुगणकं [illegible] चारा॥७६॥
वलतूं सवि वचन वदमा। सनुनु वचन प्रमाण। [illegible] सेवक कंदू
ला। बहू तुम मस्तक [illegible]॥७७॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible] हिं बेकुंजम्यो। [illegible] विचार कीधा मनतणो। [illegible]
[illegible]॥ वीवाह वीस कलस्व [illegible]॥७८॥ तवलं [illegible]
वलू। वाली सकल दोष विरलित नलू। [illegible] लइपाववडी
सर्व सुजनव [illegible]॥७९॥ [illegible] जनर
पर पादु [illegible] धीजन [illegible] गतजन [illegible]
कावी॥८०॥ परि धवल मंगल गवरावी। [illegible] बाबर
वीस। बहु नगर मोन्या विरच [illegible] किपात्र नचा [illegible]
पादि सकल लोकप [illegible] वीस। [illegible] करावीस [illegible]
नरंला। किक [illegible] तेकर सुजन [illegible]॥८१॥ [illegible]

थाया ना चूरे ग्राया चकजनवं द्विपूरीश पर्चिल मनलालश्रजोश
८३॥ स्वइ लगन दिवस जव श्र वीश वरवडु वेडु न्दवनावीश सृंगार सकल
पहिरावीश वाजित्र अनेक वजावीश॥८४॥ मंडप माहि जनम लावीश अति
[illegible] तान चुनावीश तोरण बारि संधावीश नरिमां वाधानवं धावीश॥८५॥ तेहें
[illegible] ज्ञिम माचारी सुरसुंदरी अमर कुंमर वरी॥ परहिरावणी रायसवनक
[illegible] बेर मंदिर पहुंना परंवरी॥८६॥ नरनारी जेउ चवीमली॥ वे पूरे मंदिर मेनिर
[illegible] नित विषय सुख भोगवइ॥ जोवन वयजुगति जोगवइ॥८७॥ नवभव तणेपि
रेमा वढी॥ नव भवे विरहइ कघडी॥ सुख विलसइ सिरतां नडी॥ नेह नलहइ
श्रीनपडो हडी॥८८॥ दिवइ सेठ तनइ सार विधा मणी॥ श्री वीजो वारवाहनतणी॥ वड
वस्तइ पूरि लिश्रावीश्र वाहण सत सवेचिलां नावीश्रा॥८९॥ मंदिर सिववंत
[illegible] नेयमुना पाहिर करावीश्रा॥ व्यापार तणउ रस नवीउ नव भत्री पिताः
ओमावीजा॥९०॥ कहि मानल्नउ साचा वानजी॥ परदेस रचना वनावजी॥ व्यापार
करवा मुझ मनतश ज्ञि मन दम्री मेलकं तुम्ह तनश॥९१॥ मुह मूऊं अलख अपनू॥ नह
घर रहइ उडु रूपन्नु॥ वोना पणि नवस्लरइ तेण आगल इन अरपको मरइ
[illegible] वचन अहरवव तेण॥ नव जनल्ह लोचन आपणा॥ कहि मंतलू
अमराजी न दी आपणरल दीपारजी॥९३॥ निम विनसु जोमरु चिआवई
जीपरदेसे जव किमजावइजी॥ मुझ प्राणपक तुं वालहा॥ दीएस क अनहुंम
रुषी मझुः॥९४॥ कहि कुंयर धन नितनावजी॥ न विलसइ धुरुजो वहु जात
श्री अउ नही धरइजा वाह विकस तुंम्ह कि सिने जनपरहरी॥९५॥ मन निश्चल
चितजाणीय॥ नव सेव धनावइ वाणीय॥ वलिप्रवहण वारइ नेकू रख
खर्कियाणा लइ वरु॥९६॥ ढाल॥२॥ राग मालवी गुड॥ सुर सुखा क
हि सरनामी॥ सुणउ वीनती मुझ स्वामी तुम्ह चालिउं परदेस कमा पिन्नुम
री चौविंसहा॥१००॥ श्री वीरजी वचन म चूको॥ मुझ करकलीः ति म मूक तुम्ह
मोल पाहिर मुझ वाहला॥ न या मारि विरह दुख लाल॥१॥ मात तात निसम
रू मासू॥ अउ वणन ग मरका मासू॥ मुझ ते तू श्री अ संघात॥ तूं तुम्ह दीआ
मुझ तालि॥२॥ नहीं ते मुझ तुं हीर प्राणनाथः॥ नेहवमेह तूई तुम्ह साथ॥
मम कहि सुंवा लि वचनः॥ एह साचु मानि सुजनः॥३॥ तुम्ह विण दिनदीहि
लापाई॥ बलि तुरतां मानि विहाई॥ वडु लोक कनक चडावइ॥ वी हाल विणा
किमर हितिनाई॥४॥ नरनार कहइ सुणि साचूं॥ तूं काज करय कांई काचूं॥

३ मरकुमर न्नेत्रमोह। कपिकै लद्यनेप्रेमःमोहलधपन होरा॥ह्पीपआतुविचित

नरनद्रूप। बधननारी मार्गजो चितविचारी॥९॥ कामनीकहिंदेहन
ठाया। अलगी किमरहरवरराया॥ तिमहु प्रीअजहनघउनुमुचरणसदा।
आराउमोईलाईघणञसमझावी॥पणिबातनका मिनीआवी॥नरनारनसाथ
वा४ रवउनावी किमबूडरपद्यरघनावी॥ वीणअनरप रिवारः॥ बकुसाघरू
नअमरकुमारः॥ बलनानरमाघरनेइ॥ वोलाप्रवीहणवद्रीड॥८॥ प्रवदणति
हवीपरमीये॥ निर्जामिकसघनानामीशयरणरघपरडरमीवापाणी॥ तेभरी
आणी॥१०॥ अहोरातिरर हिवनमुणीरदरनेहनशजहदणीरःएकुकोर
णमीघरजाउजलनरवावारमनाउ॥११॥एरहसूधीवानमनावीयरुघापमा
दलोकआवावीपपूरवलापाणीछड। माबजलनरवामडी॥१२॥नवअमर
कुमार के मिन्नरिउसुदरनेली॥ कुनगजेबाघापमोहिअवी विवेक
नरकहे॥१३॥ तिहांजोवरवाडीआरामः॥ध्याकाकुमरमिणतामा सिरदेर्
क। ले अंगाशसुरसुंदरीवुढीमनरंगरः॥१४॥ तिहांवसमकुअरवालः
तबकुमरइविवरचोजा संनाथाम्रस्वजावानेमालीकुंडमान॥१५॥ नधुपणि
प हनीलीधी॥ मुळगालीतेहनणदीधा॥ मंनानासघेलाबोला तिननीवरधूनितरो
ल॥ १६॥ पहनीमातकोडीआउआजः॥ किमलेसजोईइराजा रसावानकुवधि

बकरा सूनामौहलीएकलीनारी॥१७॥ कुमरइंम तिकीधीजेधी॥ सूधकुनिद्रा
नीभरुउबूथी॥ मुनबानतमएकतमूधी॥ साबालानेहबिलुधी॥१८॥ माघरतेडी
सकोधी॥ करउकामडेरकरुइलोधी॥ पञ्जदेसनभूरधदेधी॥ नमरुचीरइसकल
ठीमानबेधी॥१९॥ लिपियाअछरनीजो लाजः॥ इककउमलेअराजा॥ इमकरण
पुडुष्टः॥ सूतमेल्हे चालिउपासिष्टः॥२०॥ पडिउकोधविसरुआणी॥ नेहा दिवसके
लअनूरुणी॥ कमेस्रोस्रानकरिजाणी॥ मादेखतणीमनिआणी॥२१॥ करइपुर
लाची सविहाणी॥ बलापूरपापएहमाणी॥ जोउपापणी। सोमाराणी॥ अंमारम
गकहाणी॥२२॥ बलिपालकअन्नव्यजनाणी॥ मुनिपायसरपाणघाणी॥ फरपुरा
ममंत्रमकमाणी॥ उपरेसमालाजवाणी॥२३॥ कोथिवालीसंयमजमवाणीः
कयडीकरउअहिनाणी॥ पाउसमरसमाकरवाणी॥२४॥ मुउनहीअलं०कारी
कीयरमुमवानाहारी॥ आगमरअगरुजनमुकमालो॥ समरुदुमहिरविकराल
२५॥ कुरगरमादमुणिदा॥ उपसमधातहमहानंदः॥ इमअगमवचनमनामः॥
सुविवेकेकोधानिवारू॥२६॥ कोधमहूउकवेरा॥ अबनासूअगमउमोरः॥
माणसरूपरपशुंटेरः॥ नाणपापकीधुंअघेम॥२७॥ सूतीएकलीबनमा हिरे
डी॥ जइसाघातरकुडीबानजोईडी॥ जईइमुउनारीमसी॥ चालियउबाहणबेगि
कोरी॥२८॥ हवइलागनुकोनहिबानु॥ बालरइस्मवसूधीमानुं॥ इमकहीचलाबा

वाहणा माइरे वालानु अजाणा॥२९॥ अतिदुरनकर इस विलोका
कु भरीनु वकुधनर सोका। सेपरनसरीनरफोका। तनक भीनबूटर
रोका॥३०॥ रागरासग्री॥ रातडी आर मीनरकिंदां धकी आवायरी। ए
८ ला॥ ऋठ मीपरडाल॥ जागरे पाञ्जिलैअ व बनास्कलारे। चंदबद
नी चकुंदीनै वाहिरे॥ ७३ नदेयइपा सिपदमनीरे। नवरूपनरअ
दा हिरे॥३१॥ ठानुजपानरकंता किहारलछरे। मोदनमुजमुमकूरे
माउरे। दासूंनकी डरवाहलावेछिमारे। तुज विणदेहि लूंजासरेः।
ठानुठपी॥ आंकणी॥ श्री वजनई श्रीधारनी अनाव लारे। अ मीवर।
मोरी श्री मिरे। मादकरूं मसनेदलारे। अनरवालूंनी मिरे॥३२॥ वानुण॥
मान पिनेनु मोदमइ मेदली नरे। लीधूं सजननादरअ साथरे। नुजजीव
मूकलपारहीरे। विरह मपाडअ प्राणनापरे॥३३॥ बानुण। परणीतरण
वाहला वेलडीरे। प्रेमजल पाममसूंका कायरे। वचनसुधारसे सीवरइ
नव पलवपायरे॥३४॥ बानुण। जलविणजन दिसजी वहूरे। निभुनु
बिणमुज पायरे। हामूरेः बिमसूंहवणे होइ सहरो कोहात कोलिजे।

७०

ठा

रइ रयणीनूरे मालनीजालवलूरे। नूनअभाहर लेयेउ ... हिनि ... घाटडीरे सकलमरोगमं ॥मरे॥॥

विलामरे॥३५॥ बानुण॥ निरखुं सलूणे सामीनयणमलछरे।
रेन छिआलामीलरे। देखी विलविलती सूनीनानिकरे। कानकर
उकूलचीतरे॥३६॥ ठानुण। दूंतनजी वन माहराबीवनरे। मोनार
होयबानुहसरे। बोलामणआपांबो लियारे। मोरदेआएकमनिहै
सरे॥३॥३७॥ मरकलइ सकरी को मिनरे। होवरनांछे दचरकाकरे
मुनवुल हीसेवअ मदारे। आपइ रक फल आकरे॥३८॥ ठानुण॥ दु
दनकर नीरमकामनीरे। आसूडीलूहरचीरइजी भरे अकूरदी
चापलवलकारे। चावीजोरवली नाभरे॥४०॥ बानुण॥ कोडीसा
नआपीनुं हनररे। एणिलेजेनु राजरे। हाहाकरी धरणीढुल रेः
सुरसु दन्निने णिबारने॥४१॥ बानुण। ढालनवमी॥ टें। रोग केदा
रग। गो ठ॥ अतिदुंमदे आकामनी। वाजारे लहरि मरपा कोण
बीनतिहां बवा दिशा कोण बांटइरे सीतलनीरे॥४२॥ पा पाडी
लइ इन काबूब: णइ। वयर कांनकुवअरे मदयमयरः। सेइ

१२५

मवीतो [illegible] मा माहि धुम इसी । कोनविदो धूरे हाम्रे करी ऊहरम
पापी ॥४०॥ [illegible] कणी । वनपवनसी नलवा ॥ ३ ॥ ले एरचेन ना आस्त्र
ग ॥ चडवडइव विनू सिपडी ॥ २ ॥ इमरउइरे विलापर बकुजंग ॥४
३॥ पापी० ॥ पावकी मरबेनी कुमुन्त तिश न विकेरु कि पिवणी सः ॥ अ
पराध विण भुरुरक ली । काम मिटलीरे वन माहि नेना स ॥४४॥
पा० ॥ समरीलधुपण वानडी । कोनडादी थाके ठि बोलीया बाल इसम
सद ॥ तेनारे सेठि बो धिगं वि ॥४५॥ पापी० जउरोम सोस हीर हिरी पर
नी जुसूंदे मी ॥ पर गोरे कोंकरी चानडी । श्री नडी करीरे मारग मूसुं
धे यः ॥४६॥ पापी० ॥ सुंदर शुदन सुणी करी । रोया नेवनचर जीवः ।
ए श्रारोयतु तुवरर दिया भिणनावारे ब्रुजद यादीवः ॥४७॥ पाप० ।
ऊ गारे भुरु मन ऊ लेरे इ । करनोक्रक मोत्रि जाण । दोसत्र बनरि
रिचड रा नेवु मारा एवे ऊ ब भुणत्र मारा ॥४८॥ पा० ॥ श्रीगरु दव दवी
सेनी ॥ एक नी मेदलीरा नी दाधी दयास बपरदरा । मनकुंतीनलस
रीमरराजन ॥४९॥ पा० ॥ सीनासनी क इगज नरइसार सिकमाव० ७०

ऊं धी जीमसु णीनो वजन नोदय रानी ॥ दो मपाजीवे मन आणीय
जः ॥५०॥ पा० ॥ पति निर्भर्व दामु दरी । नगारमान विनदा ऊक नावि
ना ए । अपराध विनामार गि नजी । मनीरपरामर दी । श्री वर्खेव सा
ए ॥५१॥ पा० ॥ श्री लिदुदन करंसी बालका । बालइ वलीमने आप ॥
नर दिदुमकोनर नार नुः । ऊंदय आवरिसपूरवक नवपाप ॥५२॥ पाप०
इ पोप णी पूरवकनवश । कुमचूर दई मी मुणी देम इ । पारकी अबसु
णऊ चउमा । मीठा काने निज दोम विमासो । मइ ॥५३॥ पाप० ॥ श्रीत
रायकी चादू धन । पा डिया माय बिछेदा । न घुऊ उवल घुवा लिख
प्रलश्चावलि का धारे सपेनी दोइ ॥५४॥ पाप० ॥ पंमीयां वंधन पो
डिया । पोपे टापंजर दीधः । कजंतुर समार सिद्धणा नजिलो पासुध
लीपरे । निरदय ईस्का ॥५५॥ रे वारु णी पानी किधं ॥५५॥ दूर
कु पासा सा धीय । दवदी व निमुण्य देता समार दई नडबालीयो सूं
ऊ लीयारे निरदर घइटे थी ॥५६॥ स्याते इच्य सनत र सिसे वीया । जो
लवालो कत्रबूज । थापलीरा बीजेवी । वा हिरनाधारे लईपा

125

...जा॥६७॥पाप॰॥ मित्र सुकपटजयकेनवा केलवा कुडा को छि॰।
मुनिवर मुं धासंतापी या गुण माहि दीधी अठनीमो डी॥६८॥पा॰॥ क सजोम
वृतखंडी वीया दीधी अजगतओ नो॥ जिणवचनजाणी विराधिया॥ इमवलीधारे
बक्रुपातिकजाल॥६९॥पाप॰॥ ते कर्म सघला सावेगी छेदे यत्र आवाजोर॥
कि नवकूदै मएका कहि पोतइ कीधारे जीवतोग विसेशा॥६०॥पापाड॰॥ ढाल
८ समरी रोग मारू॥ एम कामू कउरे॥ २५ ढाल॥ इमऊ पणउमनवालाराये:।
श्रीद संताप निवारइरे॥ समरइ श्रीनवकारः सुंदरी॥ श्रीजिनवचन संभारइरे
६१॥ कर्मनवूटइरे॥ १ बिणतोग वइनमूगउ इरे॥ एश्री कही॥ देवीदुखसती
नमूरी जातवे स्तेगतू थोइरे॥ तिरछि माणसमदं जाणी॥ इणवींकारणि
आवइरे॥६२॥ कर्म॰॥ श्रीनवकारतणइ महिमाई यनुकंपा तस वापि
आवइरे॥६३॥ कर्मनवूटइरे॥२
ठालरूपइ लवदे णमुर सुंदरी बोलावइरे॥
ठएनागवर मतरूटइरे॥ कवणकाजिरियदूं कांकी अबला॥ आसार दीधे क
हे बातरे॥ पिता कुढा कुमरी बोला कुं कहिउ सकल अवदातेरे॥६४॥क
र्म॰॥ यक्ष मीइ पुत्री करी मानी॥ माउ पवन च्यारि दिखाडइरे॥ प्राणथिति
सफलकरइ मा कुमरी गणइ परि का लगमाडइरे॥६५॥ कर्म॰॥ रामइसा

ल मदाचूपके श्राजपइ बाप नवकारे॥ समकइ कोपरनवी बनववा सुल
करइ निसारइरे॥६६॥ कर्म॰॥ इ विरक अवर विवेदारी॥ मवहस्या मू
सीजा वइसे देषी सेउतरी मानन मिणि जेलनरवा तिहां आवइरे॥६७॥ कर्म॰
कुमरी देषी सोलहू पुठ श॥ यिके को डिरे॥ कुमरीतणी पायलव मएमइ इर
इदो यक मडो डिरे॥ सती कहइ हू अठउ भानवी॥ पूरबचरित्र मकासिरे॥ सोक
हिइ आवउ मुझ साथ मा बलतुं सुंदरनासिरे॥६८॥ कर्म॰॥ अवनउनय
मुझ पिता मरी मारजे यावेन वचूकरे॥ तुहूं तु महचर साथइ आवु॥ जनम
ऊपी हरमूकउरे॥७०॥ कर्म॰॥ सुंहलथापां कंतमुझ बालू अथ वादे जोतेह
नइरे॥ वानसेकल भाती लेइ॥ चालिउ पुत्री पड वजीरइ नइरे॥७१॥ कर्म॰॥
मारगि जाता देव सकल लेइ॥ रूप अनोपम दे मारे॥ सो विवहारी मुक्तेनचलीभु
बोलतेबचन अ ठ्रेमारे॥७२॥ कर्म॰॥ सुणि सुंदरी सवि मुण पूरा॥ मध्र सहु
लगारइरे॥ पंचविषय सुख नोग विमुझसु॥ कामिनी हो घर माहरे॥७३॥ कर्म
सती कहइ वनमनम केरी॥ एहवी तुरह इ बीचारे॥ ४ मोटा केल टोला जिमरोस
हाय ऊमाता साचारे॥७४॥ कर्म॰॥ पुत्रीपणि पडिवजी मुझ नमा पबइ सवहि
ण बोसाय रीराणी बोले हवइ सिनावि नाजगा॥ तुम्हे बेसावि वहसारे॥७५॥ कर्म

कहिर प्रश्नी तेहनइ कहइ छइ। नेऊ इग्रापणी नाइरे। मितु कामनी कमाबाली
मकरि सि अवरसजाइरे॥७६॥ कर्म०॥ जेप्रसाद कहीनुजे हधुं: तेह बूक
प्यारे इरे। पूरव बोल कि सासंतारशा बहि गया बिलमाहि इरे॥७७॥ कर्म०॥
कबासजाहे सुमन भानु तेंक हि लिम कीजइ रे। पूर्व छ्या ठवी दिवन बिमेमइ
रपलिमो दरी इरे॥७७॥ कर्म०॥ अथ चवि चिश्र धम गयउ नेनु थी। दीउ ठन
लीरखेहारे। मुण अमान निहजी नमानी तेह मुकि सासने हरे॥७८॥ कर्म०॥ इ
मनी विभास रा मन सूकर सूक सउ बिचारे नेए सुऊ सील लोपी मइ श्राणइ
करीमह मारने॥८०॥ मायर मांहि ऊपादेई। प्राण हरणादि विकराइरे।
सबहण माहि जीव तारहतां। नव इपी ऊगरी इरे॥८१॥ इमचीत वदी इलवऊंप
समरीत वनवेकारने। सबहण तो इमडोल बीलाध्रां। जन पाप कारने॥८२॥
तिव लील मऊ बली अंबर। बाय बायउ प्रचंडरे। सकल लोक कोलाहल करता:।
सबहण पउ अमनपडरे॥८३॥ कर्म०॥ सेठ सकल परिकर सुबुडता। सती श्रणप
वजागइरे। सबहण न यउ एक ऊगरइ। उ। सोकु मरी करताग इरे॥८४॥ कर्म०॥
पहवी तेकर। नपनु हस्ती महि मानु असमा लिरे। बूल नो इसंकलनो डी। भोग
४३ माहि श्रीमा लिरे॥८६॥ कर्म०॥ नगर माहे इजन ना सपडाव सा पाउ मंदिर हाले

दूलिरही जो वर सब मुजरा राय वर इ काबाटेरे॥८७॥ कर्म०॥ उ इकला
महिर मदपीध। अति अनुमा दीधा य री पुरबा लिखन मन ने मोगज वर: माय
तीरइ जाइरे॥८८॥ कर्म०॥ सबहण भोगिमति मऊ गरीमा। पण करम गज
साल रे। दृढ़ रिरही कलिराब किरइ हन्नाको जोयो विभासी वानोरे॥८९॥ कर्म०॥
गग के दाढ़ गोडी॥ ढाल बेशा यणनी॥९१॥ हुं के म कर्म कोपे वश्यो: व
ना मत बोलू को मीश मान मधवयो मानवी॥ क कर मो होइ॥९०॥ कर्म०
रइसो० होव इत्तारी मत के कर्म करु दुम दश्री कर्म दिपि कन को इस मर्थ।
नाम इ कर्म मह्मनवभाई॥९१॥ कर्म अन वर मऊपवासी। नीरमा
इ दोगर निवासी। मली महिलावेद विकासी। कर्म राम करवनवासी॥९२॥
बूलनप के बजमुआरश्रेना सी। अभ इकासी। कर्मरावण गई सावासी।
केरव संचित कर्म विणासी॥९३॥ कर्म मइ श्रेणीक नरगवासी। वेकचल
कुंउ करा मिगवासी। नपसोधु समनुक्र पलासी। कर्म इकु बर दत मात विल
सी॥९४॥ व सूनप कूट विलासी। नासीक भक्ति उ रीके ने गपपासी चलणादी
वीमा पि विनासी। कर्म मुल साभ्रव निनासी॥९५॥ इपद करइ सुदर्शदासी।

मसी कुड़ कोई मकोसी करमईंद्र सदल चप तिकासी मुंज तिरंदम
गईनासी ॥९॥ घाम वडीक मेचिनानग्रकासी जीवतमरू योनिलय
सजनवात बिमासी ॥ असलकर्म मन मरुचासी ॥९७॥ दूहा ॥ गाथा दव
कर्म तिहनो सेमुकनी रिस। बीनी। नासिअवला न दिसकी। आयोगज
विकराले ॥९८॥ चालीगजविकराला सूंढि करी सती ॥ प्रातिओकम
लानीतवाम कप्रवहण चाली विदिसि ॥ कुमरीनईपढीतास तिवासरा ॥९९॥
दम जवहणप तिमनिहरषश। वलीर सुंदरि मनमुग तिग अशवलीरमंबर
मोव ललीर। वालूंचेतेमासती रिझारीरसा ॥२००॥ जइनहणकरवामेवा
पादइन विंबइ सो लेवा करीश्रम सकल समावश। अतिमुग्दसूय
मवरवश ॥१॥ मधुरसको मलवचनबोलावश। प्रवहणपति निजनाव
तणावश। लोचनचलवी चित्त दसवाश। सतीनणइ मतीकिपनना वेशा ॥२॥ कर
मुरु सायरलइ नापूग अनरथ करयाकोक मरापूरे आगिसिवधय एक
कूड प्रवहणनाणुंसमुद्र माहिं बूडउ ॥३॥ पूर्व चरित्र कहिउ सवमाडी। ते
इकरणवार सतीनी बाडी। मो बिनवललनगरमेई आमू तूंतेणइ विचार
सनायूं ॥४॥ पइसुश्रवरआपावतो। अहिलउतो विचिंदवक सूप हिलूं ॥

७४

इसूं बिचारि तिनइ लम्पाडांडी। सतीसा घइ शीतिजरमांडी ॥५॥
गमिका तिहीं आवी। कुमरीरूप देखीनावी। चितिर निरूपमाए
निम लिमकरी मुकमंदिर आणूं ॥६॥ प्रवहणप तिनइ मूलमापू
लेइ सवामान दी लक्षबान सभी घमदेई। आवीसवीज लेघर
लेई ॥७॥ करबा लागी अंग विनूयो कद इरसंयति बुरूप मंदयो। अंगोग
तिलजे भननावी पहिरूं बस्त्र जे अंगि सोहावश ॥८॥ सोवनपाट हिंडोलइ
मेलूं। अंगधकी सव आरति मेलूं। मनगमतानरसुं कामू। जोगामवलूं योवन
मर समसंजोग ॥९॥ चलतिरमी ॥ राग विराडी। वेसावचनइ णी कर
करणिसुलाम नार हरी। चिंतइ चितसूं बालिका। नाव जीकर्म ठेलइ रे।
१० आपणउ नाई गनागड़। न विकि जइर गरेभरे। सूमदुमजीव समाचरे।
नविदीजइ परनइ दोसरे। आपणु। आचली ॥ दिगरइ योवन वेसरे। जसव
सिंपति प्राणीयउ। पालिपयपामइ कलेसरे ॥११॥ आ० जननी गर्भनको
ली कीदा वनारइरे। कांन विनु पाव मरन विसरजी सभरे ॥१२
वसभाव हिरे कांदिरा। कांन विनु आका मनरोगमुग्णिका बचनश्रवणमुणी

॥आकांनेविकुआणनमेरा॥१३॥श्री०॥वेसानरबलवंकहियाविण
हिवस करहामरोमुझआगलिएबानडीपढइकहिसिनेकरीमेरो॥१४॥
श्री०॥जउमुझसुप्राणमाउंसुं।तुकरसुंप्राण लागरि।बलदुगणिका बुद्धि
नइनवइनहीसतीलगरो॥१५॥श्री०॥नासीछरबाहिरगमापइइएकदे
न पीवइरे।निहुमाडीनामुझमांहिपडी॥नविनेउटनगावइरे॥१६॥
लेभबपीवरकोहिउजाणइनाप विसेषइरे।यतनयवरनसभेदीउ
श्री०दोडीसूपरेघरे॥१७॥श्री०॥त्रातिलअपचारइकरी।सस्वकरीमामी
मोहे।ऐकरीनेणइरायतनरानपकहिकुणरामोरे॥१८॥श्री०॥रूवं
वातसुणीकरी॥नपत्रंतपूगवइरे।तवपटराणीचितवूं।पहुथा अमे
मानजावइरे॥१९॥श्री०॥राणीइरहनीइनमावी।मोरणिचारिकालीये।
पालेमांहइलेईगया।पहूंपतिकेरिश्रीलीरो॥२०॥श्री०॥पहूंपतिश्रीवि
हराजकहिमुझकामिनीहेइरोसतीकरीमुझनातनूंसुणिदहवी
लउमोइरो॥२१॥श्री०॥करवाइहारउसकपयनमतीजपहनवका
मरे।तववतसपीवदेवता।करइचपेटाप्रहारोरे॥२२॥श्री०॥सतीप
यतबमोनभइदानबचनमुयनामइजी॥मानमायमुझनइंकरूं।सत ॥२४॥

मरणतासरामइजी॥२३॥श्री०॥ओदेसुकुइदेववात्वरा सवक
जीकांहपहलीपउरे।बाममुझेकरुणाकरी॥मनमानितिहंजाणेरे
२४॥श्री०॥नितिहांमीबानीबनिएकली।महाअटवीमांहपेइगेरोम
रोबरएकतिहांपेमिउ।नसपालेवरइबइबेइरे॥२५॥श्री०॥तिहा
पीबानीबलिएकली।महाअटवीमांहिपेगसे॥वसतइगलिमल
वाबरूं।पाकीनदुतनरसूतीरे।मनजाणिमुझमिलेगयउ।नारइपंखी
हामीरे॥२६॥श्री०॥सोआकासेअठला भूकरजीवनीजाणीरे।पडेनी
विमालमाहेलई।विषधरगुणमाणीरे॥२७॥श्री०॥वालिनइमुंहि
दनणी॥मतीकहइमुझनापुरे।विषधराकहिस्मुझतणीपूवके
पासबनापूरे॥२८॥श्री०॥निजवीतकमविनामिउ।सतीइनेदनिमान
रे।सोनलिमोमतिगहिबमोरे।विठमोकमेंविरामरे॥२९॥श्री०॥ढाल
बावदमी१४रागगउडमलार॥नउरेसाभलोश्रीनुमुखमेंपढाला॥
रवेचरइकदयकोमलवरी॥कहिमानलीबाईदूषमश्रीणिसिकेपिउ
मुझपरबहिणाई॥३०॥सुपणएसमाईजबकेकरइतबबुरतेउलाई॥

सवनसचूरीन ... केश्री ... स्मेदेह वनन हन ... अपर्द्दी ... नंदर

सक ... विकहिसिवनपसमई । मनवडिगाई ॥ ध्रुवप० ॥ आवली आगन
से गिनुनाजीग । पणिसेमस चीरो । मारवेचरय तितसकां मिनी
दे मचुलानाम ॥ ३१ ॥ ध्रुवप० ॥ रनेनटो नसफ्रनक्र । पितादेई मृकरज
अभिय संसार आणी करी । कीधू आतम काज ॥ ३२ ॥ विमनंदी सार
संयमी । दुक्कर तप सिधः । रुधपंचेवसिकरी । जिन वचन आराधि
॥ ३३ ॥ तेहजरति पिता वंदसी । बंधा साधु सुवनी । वलनी सिरजे
यतो । लोधो विहि निमरपडती ॥ ३३ ॥ ध्रुवप० ॥ माहरऋषि ईवकालिनी
मोटभाय तीवेदी । रूपकलाकलसरी । मति भेमनी पोली ॥ ३४ ॥ मतिरम्
ते मुक्त आदिना सिरमक हिराजेव हिनितमारी । तेहनर आवुआ मुक्य
करूनग तिअमेसारी ॥ २५ ॥ मालजाई जसी विदनदीनसंतुकेकरीजा
ण । आविमोदिर आपणा इ किजुकुंड आण ॥ २६ ॥ ध्रुवप० ॥ सुंदरी
कहरसुणज वंधवा । मुक्त धर्मकरावी । इध मसी धंवांदीक्षा
पर्व विजकसिश्रीज ॥ २७ ॥ ध्रुवप० ॥ रविचरसोई पाव्ववंलंगनेरी मरि
आवस विनोदकनानरते वनी । पवस्साधुवंदावरसरे । ध्रुवप० ॥ साधु

मलि त्रि ॰ मदेई दे सां । मा सती सीयलवन्नो । ... नटी ... प
रिड । सुणिमगतिबहु आणंद ॥ ४० ॥ ध्रुवप० ॥ सासती लवसुरसुंदरी
पूजप का सुः । आमु वाकरमहजीकेतेना मुकडु रतेनासु ॥ ४१ ॥ श्रा
सा ॰ धुकदी बहु सयगयउ । तुजकूर ब ॰ पापा । मिन सेइजमतीर वेना
तहि मम धरे सनपा ॥ ४४ ॥ ध्रुवप० ॥ साधुनापाय वंदीकरी । वेसारी विमनीह
वे वर तिजभूर आयचउ । सतीनरवडु मानस ॥ ४५ ॥ ध्रुवप० ॥ आपणी ...
नारिः त्रतिक हि सातलसाचः । वालिका वदन माहरी । ... रहनई
वाच ॥ ४६ ॥ ध्रुवप० ॥ नगति सूलकरेका मिनी । रदनी दण । भेवा । जमभूर
नः । क्रूर विदनडी । तिमकर आमेवः ॥ ४७ ॥ ध्रुवप० ॥ मनीसुरसुंदरीति
हांरही । चिते निरमल राग । सेवरनी सतनी सतर । जन भागगदा मरू
॥ ध्रुवप० ॥ आनेरण दिकसोनती । तुजगर श्रृंगार ॥ नगति मतीतणी निते
नवि । करसेवरनोरी । विसी विमानबंधवतणउ । सनन गति करूस
सारी ॥ ४८ ॥ ध्रुवप० ॥ पूजकरे जिनराजनी । नवकार सारा घरा सूपन

हिर हिस नी तिणं। रूप अधिकुं बा चढ्या॥५०॥छप्पय॥ आनरण हिकेस
नती। सुजाई श्रृंगारा। शरदेचरदे भी मोहसबली। चितरामीधारइ॥५१॥
छप्पय॥ चोपई राग देसाख॥ के तु कामसुभट मजोई। विधि घरे चिंताध
ई। इह विहस जिहा नामकी मुधासखि वांचा चूकीई॥५२॥ एहनूं दे भी रूप
अपारो। जडी कहो चितकांम बकायनर दुरजयजीपनो मार। जेणइ
सकल व्याप संसार॥५३॥ चिकुरग दिनंदइ करी फरी। दीसइ मदन विद
वन्‍नवरी॥ धारघुरू मनुग लि माना। मदोक्ष भिनुंमुकावइ थांन॥५४॥
पंडितजनन पुहि माम। उत्तम अर्थ ऊउ वइकांम। सुरबीरमोहनरन
पास्त्री आगलि ओढ्या। उणहथा॥५५॥ आय बिकलय तिकला कुमल
दहस लि:। सतेमिचिपंडित विडंबय ती। अचरयति धीरप्रेरुवं:। कुण
नमकरघजोदेव:॥५६॥ पेरसा सनिइ मसुलीबीत:। नपसादेवतणा
अवहस। इन्द्रअहल्या सा दिरमू:। गोतम कुछ निसा पिइम॥५७॥ मोरपि
छना चर जाकरी। नीलीने भराने मांहि घरी। वडी चूका चूका बुधानो

तेण स्त्रअवस हि नावई मानु॥५८॥ उर्वसी इ आवी नप सह रे पंचवदेन
ब्रह्मा इक मू। नारायण तो लिगनली। घर ई गोवालबायबो सुनी॥५९॥
जानुना मिनी इन्द्रोल व उ। अंगव ढावर अनंग इक लउ। सुरूप नीमूलि
उ बंका। पोमूं तेण इ यंकक लंका॥६०॥ मंडयको अमह पनापसइ। विधा
कलत्र आदि सिरर मइ। हीयाना मइ पुत्रीतेह नणी। मान पीन में निंचिंद
घणी॥६१॥ आपण दोइ नाघ कीनी। पुत्रीकवंण हाथि दीजइ मदन
न आनाप सदे वूना। तेहक लिकि मआपणे जई सुना॥६२॥ जिहान लिने
पजई विना माग हवउ एक दी सरकी नामा अरूविमा सीन इया कनइ
सुतामनो वीचल्पा वन्दस॥६३॥ अतिसरूप देमीर वेधुत्र:। साक न्यानर
करइकलत्र। जारपुरुस नु:। नमतेकार: लुतमउ दरमा हिइन मध
रिइ॥६४॥ स्तानक रिंगमा माहि इजद:। नंदीनीन रिन सम हलइतद:।
वायदेव सावनजलदहरा मित्रअग निआग मवक इहरा॥६५॥ तुअपन
मपमा चघणउ। केतुली घूआयातणउ। विश्वानर सुमांन मंन दोई
रम्पाय मथी म्बढनंदा॥६६॥ यमनीनी तिघरी मानारि: अगनिराइ उ

तेणइन्दरमकारी सावद्दी यमरुदरमाहइघरी बोयाकामदिउद
नमर।।६०।। पु यमेचीसको हिदे वतु। गा मिनजा। णइको श्री एतुः। तवतुरको
[illegible] नेक कोलाहलघयग। इद्र समावर्ति सोल हिंगे।।६१।। व ग मित्रतवह णपु
छियनं। तिणइहतुसकलपू। वयन इद्रकहइ परगटक रिरयोसकल लोके
स्त्रिनपाथइ सभी पवनइ निजघर तेउ। हे वाभी जनकरवा सघनादे वासइन
[illegible] श्रतिघणो। रकरके मउ। बैसण।।६२।। यमणानइत्रि णवइसणादीय
[illegible] नदिन तिकीधः। उदरमा हिबइनारीजे हा। रणइश्री मण ए वरसार
[illegible]।।६३।। यमदेवइ वलिकी धी। निम वली माना वंनवइ मा श्रग निवरा उ
दइ भमारि। तिदनइए णिश्री सणवइसारा।।६४।। व तिणइ यमनइ दृष्टि विक
[illegible] ति दरपी की घउ जगवा तेदेखी सुरपयउ हेरा णा। य मइ श्रनिसंभो
[illegible]।।६५।। देउलइ चोयउ जसिरा। नाकउ श्रगनि थाए नईल सिइ तिहांथी
[illegible] विनपाया णाप रिसोमणए थ्या तिकेरडा णा।।६६।। श्रगनिद
जीलगइ लो मिलइ उपलकाष्टे तानी कलइ विगे पानए मभर वली श्रेव
इ वन कहीइसी घणी।।६७।। [illegible] वि शिष्ट ईयर विस्या नित्र। श्रच्चपरा सरइ
[illegible] चित्रा कंदश्राहारे वन नपक रइ मा नोरिरक कसर्वे श्रादरइ।।६८।। नंद

वर्षणः। मुनीश्राइ कुमार। तेसर यानूसानूतार। पञ्नमहा[illegible]
उवारः। जनश्रनेक उत्रा स्वानीर।।७६।। एण श्रवसर मगजो श्रथ
कार। वसंतपुरराजा श्रीसार। श्रतिकुसलकोवाल सूर सम्मान [illegible]
मोहरत मनणउ प्रधान।।७७।। चेड धवलसेनानी नौमा करइ विष
मतिरपतिकामः। राजपते हितवइ सुरदतः। तेइनु मित्र सेव [illegible] देत।
।।७८।। सतीश्री मतितेह तिनोरिः। सेठिय दापाल्यो [illegible]
रो हित मित्र तु नलीः। दीइनला मगा निज घरतलीः।। श्रन्नेदिन
स मंदिर सुंदरीः। वाली सेवनता श्रीकरीः। करइ परो हित तिनमंनोल
इक दिवसकी घउ दितवुला।।८०।। मती प्रति पनाकरेइः। तिवश्रीम
ती श्रमसू उचरइः। तुम्हे निरकहि वून विपटरः। रमुझ थकू किभ
रज उलटइः।।८१।। वंचवजाण्ड भुक नरश्र सा। चालिउ देइ नला मण
सारः। वाउ चिन्तउ नइ जाणइ। नाम श्रणी किहारा वइ जाई।।८२।। क
हु परो हित बोल भाघणउः। र. थ. ज णइ घरे श्रापणउः। तूतो से [illegible]
तिमा सरूः। नंहातू श्रम करेना हरूः।।८३।। [illegible] विमा माके हिना वाथ।

पहिला पोहर मा हि आवियो। सनो बीरम बोलूं सही ॥ जान सेनानी आग
लि कही सेनानी सुणि ऊबाहा। न मधुनी हि तनु सा माहि। सहनु रूवा हि
प्रीमिसुनपरइ. प. सुणि मुकनु ने इम हिरइ। सुणि सेनानी वचन कुमेघ सत
उनि न मरस्त्र यविसेय कहइ बोलन हा तु मन ति पाणी माहि घं चगठ और
सेनानी कहि घणउ मनामी। मुक निसंजो मी घरि रा गि। सनी कहइ सूकाहू
गुन्हे जीजइ पक्किरिनाइउ नून्हे तिहा धीर धानन इक कहइ बोलइ। सेनानी
हिन्त व रुलइ मुक घरि आविवा प फरइ ॥ तब अधानय णीपरि [illegible]
सेनानी सू जबू। कहि नुं इरनं पडिबुद्ध वापाणि मुक नूं ते उठ्यपर
आद्रुः जि मनुष्य स रू इ म घल काजा ॥९० ॥ सनी कहि अम्ह का मुज म धू
णि बोली नाइरी ब धुमा। और मूह चीरइ नीकल रा अम्ह नउड किम उ
गुरु जेन रा ॥९१॥ वणउ मन बोलि सकहि अधाना। मुक आवइ बो घन [illegible]
कोई र्ज नइ पकु रिआ वियो सही। राजा पासि गइ इम कहइ ॥९२॥ रायत
तिक हि वरस्या मि परधान बीनी पर्णू बिरमा कहि बइनु रुघरि आवी सह
आजा। वीरा राधूत समारह रू राजरे। य कहो संजल नइ राग पामा। मुक आगलि

मेत्री करण मात्रा। रहन रननीय रिवारस [illegible] नुरु मं दिन [illegible] आव
सि ॥९४॥ मारहनू कप न करूं उन्हें सा सु मुरि सभा घरि रूअव सि सनी
कहइ सं वारना। स्व मीनु मे मज दिन । [illegible] नान रहि बारू सूकर
इ। र सा ला लिज गि जाउ स रइ राय कहइ मक रिहनब णी राजा व
इस जा मुघणी ॥९६॥ करणउ वेमी घणी वचन। बेलनु सकरि दिप [illegible]
ना। स्व मं किद व सबल अन्हे। अनमहस मकर इआव जो सम्हे
इम जू भुया करी संकेत। मंदिर जा इव मीसूंरत पोढी स णी पढइ एक
तेहनी इम सीयवइ विवेक ॥९७॥ च्यार घडी कुंरि निसपोढ ली। तब दू
रीतलइ आकुली। स बोपाच सा पेला वजे मुउ कीनी वार अधारा वज्रे
रूठी कागल बचा वजे। पा यातर ए ते इमा इजे। अ सं सी सामला दी घ मरुध
मोटी सजकी घा। ते ह माहि चार वधारा अब सु घरि निघ त पहर वरवी पंड
इ ॥२००॥ सं च्यार बीसूर आ घमू। बि चिन वितपरो हितन इआने गमू
वस्त्री आल रण मुज घन बोला। नेग सजाइनो अद्दोली। आ वीर हि सनी मोदि
रहा। करइ इमन काम सनाथु नपर रहा। ते ण इआइं ने सघलु लीया ॥२॥ मे
तिहां थाप णि दीया। २ नो जन सनान सजाई करी। पहुरर करजनीगर

दिवस केतल इ आव रतारा। पुण्य प्रसाद इजयरकारा। सो विद्याधर चितइ
मस्त र थे भुझनी पज इतस॥ ॥ त्यां हिना दिनइक हिइतव धणी। नगतकइ
भुझ नगा नेतणी ए। विदिन थोड़ा माहे आदनड़ी। निज मंदिर जा सइ चापड़ी॥२७ पुष्य
मना हि विद्याधर तणी नेगति करेइ सुर सुंदरी तणी। कंत अम्हारू कि तुम्ह बार
बाई लीसे पासग नीर विद्याधर रूप परावर्तनी। तुम्हे। मायो देस मोहर तनी
तु म्हे सा बीजी नगवि केरी तेम घणूं तुम्हे सामजो बाई तुम्ह तणूं। ओ वदा न लीअद
ए। कर रण जे घन तूं केम महरण॥ बीजो कहि पूरा विद्या ए दो तुम्हे सीप जो अ
भेद। आ सइ सी बल जेरू थे थाय॥ ते विद्या मोसूं न पाया। चन्र मीना हिंसीमय एक
ही मती बोल त्यां हि मेय इही ॥३१॥ राग आसा ॥ ए ढाल पारि जक अनुसारी ॥
एक दिन विद्याधर बार बारे मनि आतिइ कहि चिंत धरी मन करी तुझ तुझ कारणि
कारन तेियो॥ अहु कविया गदु दुम घणूं एक मुझ मिने कि मनणूं तुझ तणूं हीवू मुझ
मुझ नी गमियइ३३ दे व विरह दुम पाउसि मन किहो जी वर माहि सिन माफ सी गुहार
ती सी सरकु लाजति ये ३४ दिवस आतेली तुझ तणी। नगति की सौन करी घणी नवि
मुली तुझ बोणी हिंसि तमतीये॥३५॥ तुम्हा सकल से लागणी पुण्य बालन नी रागणी
मजणी मे तुझ मीनी वदन डीये॥३६॥ तू मन थी नही अनरस। नाह राखुं तो किम वी
सरे। मुझ सरी बरस सम मीपासी घडीयो॥३७ इम आसरीवर नहीं भणी। नमताइ

पुफ ज घणी। सुरि जिणी सुमा रासु। निम धोले मिले रसा ... इसो अम
रयो ऊइ स्या। ने सरोवर तीनि बोहियेयो। सो इइ रइ सो नगु लानहो लालि इय
३९॥ तुम्हे जेली जो सि पधारसु। तिहां जस आप व धारसु। तो रस्यूं मुझ ने तिहि ई
ने मंतनी सा॥४०॥ तुम्हे ति किम कहि इ जाये। मारस नी सत थाये। अमाहु जो मि
लव कंत लिष॥४१॥ प्र तुझ वेनातहिजाई तुझ सूं की आओ बारी। तुम्हे न काई जोई
इने भागी भी अस॥४२॥ सती कहै न भी अणु। पार न थी तुम्ह गुणतणूं सि घणो काल
सु वित्र हीनु लिअस॥४३॥ तिण प्रसादे तुम्ह तुम सदै पुण्य वली त्यां हि वकु उनकरू नेमु
नि विद्यासीम भुस॥४४॥ चार पूरव लीक ही वरा। ते सीमवइ विद्याधर: सुंदर अप
गारी पूरण ल ह भुस॥४५॥ सती न रा सुरसुंदरी मोकली मणमंडु सुंकरी खेचर
पू जिपाय सेह ह घरीय॥४६॥ बाई बहिला आवियो। तुम्हे बंधव मन भावया। कहा
वयो। काई अम लिभान रास॥४७॥ एह वी विमति मीअ्राय ली बर मारा धिर चितुए
ली पुरतणी बिनान इ बिनिल्या वा अव॥४८॥ सती तिहां मे हिली करी निज लोचन
आंसू भरी। गुण कहा विद्याधर के पति आवी अव॥४९॥ ह विमती सुरसुंदरी। ना मरू
प निज पर हथी। नादरी रूप निरूप मनर तणूं य॥५०॥ नगर मांहि नव आविया आ
रापी घरि जा वियाक हा विसनो म विपल आपणूं य॥५१॥ तिहि नि बंधु घन दिइ
सा भीमा तिहू रमी हामे मामीथेय ह नि मं दिर आपणीये॥ २॥ कहर रचा भगर घरू
मक मल जे आ वन नयकर॥५४॥ बैठके हैम के मघरू हमणतुरु नहु तुरली क

लक।। उरथपापनेत्रा वाआज। सकलगमा अलि सभीलाज ।।४३।। मांफ वीतक
हरकस्य कुमार। तिहिं तुरुनी दीदयालगारा बलतु वाली बोलनक हिय।
जाउरमूहव करीनररा हिय।।४४।। मांफ वीतक हरकस्यकुमारो बिरहते ने
हनुर समागार कोकरहि तेह पतिनु सिंधुणकन्या केतुकहरसदीयाम
हि परत ऊभरकरहरसरसही अशाना नेवापडी। तिहां रोन। हिवरख
कुंबुणबहरा किहराममा चारनेवुलडुई दी।।४५।। कहर मांफ वीतरहो करदाप
मांग्रि उपा सूरे सावरआप। तुमलगडुर केवीसीमामाघुनर बोलर तुनीम
आमरसम भूपूछ रई माते नलरजाणप्रजगदीस। मा वल्ल नाई हाउडुरम
लस। तउ भुरसकलमनोरथफलर।।४६।। मांफ वीतिमं दीरिमध्यविहमुर
सुंदरी सरूपवर। मारीएक सकलसंगार। श्रावीपामी निजनयनारा
रेमी हरसकु मरने दुर्ज बिणकोनी कोनलस्य जूर्ज श्रीनंद श्रमतमत्तु
दगाद वालिउलोचन जीथीजिवाह।।५०।। नवकुमरपूर्व वरनंत। आपणु
जातेमवकंत उल्पमसा। रसीधी काज। मालकोहिलीधुं राज।।५१।। कुम
रकहहमो डुनुरुपुण्यमातुं हजालीजीवतमध्ना रयव। दिवंनपिकुरुता
री।। सती मरोमरुपिनुजगंगा रिथी।।५२।। महरन्समरा चकरीयानु महजे हाम
को।सावि वामारतिहा रवड्हर ऐसेनामू। मो घसहनतेहुजनिकिमदेध।।५३।।
यतजेसरूनने महानस जूरू सहसुबार। आंबनुस्लीबकु अजातिम

कार।।५४।। सजनश्र तिहीपर … वि … हिं अरु नेताउ कैस छेदि सनेहिउ दुह
हिउ मधूरु वाबर बसा।।५५।। अगर तणा रसा शीपा होनो परीमलकर रानेसा
वनसंसारि जोयां जरं वला मलर।।५६।। चंदनतरु सीर परसुं परिमलञ
गरकरं ति ईसु हं बालेपील तो। श्रमतर सआ पंति।। अगर ने सामे कंच
न धसू।। अधिको उपर केति लिसजनमश्र तिदुह ज्यां निजगुण नवि मुकेति।।
५७।। सुपर।। केरहरम्भु दिसिस्वामीसन तो। भरमनिकं पेन धरीआंणानो तुम्ह
सुंश्र बलम कीधुंजेह। करजोडि नर समा वुनेह।।५८।। मुरुवीतकजे वीतुप
सूं। नेस विहूमणकमदतणुं। नही कोतिहो। तुम्हसेवा बोक। कमो भूररा प
नररोक।।५९।। बेवीनरभर पतिशंणपाल। मुणीबातश्री विजनतकोल। श्रव
य ति जमनी … सेनवली। नरपतिशुं णगाई वली।।६२।। सुतोश्र। रणगुणम
हुरा। श्रमरकुंमरनर रीधीफरी। श्रतिउ बनरपरि मो करंरं मंगली
पुण्यपरा विसतरा।।६४।। … पुण्य परमानंद पद। पुण्य ईरील। विलास
।।पुण्य अथवीपातिपलु। पुण्य पूगर आसा।। पुण्य पातिक परजलइ। पु
ण्य लरविजोग। जोगमल पुण्य रमलरा। पुण्य सजनसंजोग। पुण्य
सहरपीडहनसी। पुण्य पूत वनीता। मित्र विमाह सी पुण्यथी। पुण्य पर
घलबीत।।६६।। पुण्यरथस जागिरूपम। पुण्य संपदश्रेण। सुरसुंदरी

मनी रनर पुराणक दूपरि मली। वलीसमलीकमनी शर्तनूर
रवदा। रागधन्यासी॥ मनारे सिरीमणि मुरमुरनी मसकावरमुन
वारि। दिवनतिने नेग। बलयगयाजे। तेरनेवकामसम। गा॥ मी
वागीश्रीकारपरा साधु परनं। वितासत लोफ पेसी सकलपदारथमाधु
राजाहिक मा विसीन नलिसाधु श्रीनवकारमनाव। न्रदलिस
रकमलायीसाचरउ। संसार मांगर नीर अमरकमरमुरनीमाथर
मुध नीग वलामार दिवमकेन ना। विषय मुसावल मी। करइरन पमुनी
वीर मानपितानइ पालिवी कारण श्रेकम्रम श्रतिकर
कुरुश्रीदिसदीरा पण तिनु वंपाभरजईर॥ सेमुरमुंदरीनु
तुगम नरी सुजाइ हनकरे। तेनगर श्रषरर मुभीस बाधा तेले
पनि मरीजनि॥२२॥ सो॥ राजा दिक पुर लोक सघातइ मुरसुर
रामी कलावइ श्ररधपरवार पानानु श्रीपाल मायर वालइ
कहिस कलर सुंदरी साधि। वाल्सुन मरकनार दोहिनवंपाउरपा
मीरप मणीत्रऋ धिकार नपरपुमदं नवीव धनावद नग
मोनावरवावडू परिस नली तोरण गटी माद माकमरनम श्रावरसा
सो॥ मानपितीम मरी नइ मासू मजन सहितो पनीश्री सुमरल

मरवडू श्रपणइ मंदिर पुलाइ देहितकनीश्री ... श्री
प ... रम ... मकदिमप्रहलातुरन
पा॥ ज्ञान धरक सिराय। नप मपरिवार मेव धनावर तेराश्री नई पारि
मूरिवरदेसनादिर मुधारसमनी रे वकुरग तिनावकली ... मांडलेन
वार॥ ... रमभरश्रवनार मनव नेह मूल ननलग ...
मे जिनवचन अपार। श्रीगवीज धार॥ जिनवचनमंग
रनीयसंगाविचार र बलमगट मर्मकारण तुरीश्रमगरइ रर
... परम सारक मगवतर । एहदूर्लनरम विपरम नाहिसो
श्रवण मनीगवेस ॥ विनय नमू ... मूरनरू पहसा
मरमावरे। श्री णश्री जिनर अकेरी प्रवलतम ... हो
नमीवतस्नावन। सोरिस्पाभाव चू मतर नेह मुखमेरम मार मा
माकीध नेरश्री रकवतिकेरा। नेहपत्वप पीवरे। श्रीपूर
ममनिहान वारीनतरा। नेरववीवरे रभमू पारम मीहि
मूरजन जिमलदइ मोद धरे कोश्ववचमी जनन करजो दा गमकल
मूरधरि मुरनरा विरनो संयोग। फूकएह वाहारे श्रमल
मिवपर नवलफल मववांदे मा ... पहद सर पात दू

सेनि। नुमे उरू रद रे मेरो। ६ वस ध्यानजगमी। यतनकर योद हरे। ॥ ६

वर्मी बलु धीरा। ध्यान धरो नवकारे रो मती सुर सुंदरी केरा, मन

लोभ्रधि नारदे [illegible] सुर पवुरी जपमनमा सुरश्री सु घिजो रही

[illegible] मन भीलराधु कहे वितकर मोदरे [illegible] तिज सुतानु

रवि नरिमली नूपसुबर समभरे ए लीगं तिनवक हुं नगवेत कसु

करू विक मेरो। ८२ ॥ सू० ॥ ग्रुक कहर हु ध्याकन रनवा सुंदर मन

सुरम्राभरे सुरनपवस नातरनी रेवतीग्रतिनाभरे [illegible] ॥

॥ कर वमोप तिपियासु आजई रभर ननमाहे रे सा सुख कंपलि सू

नाह ना पेखी, नेहु गाढ रे सुरत पकर हलसु पर सुने

रहि [illegible] कि ध्यानर रे वनी रानीकर रनव सका मिसा सुभनरे

॥ ध्यानरु ण माहि चुक मा पारपुनूश्रं भरे, हमा भमिसु

रूपतीपु नी पराणीनाभरे [illegible] ध्यानमेरला वासुनी धरर वि

गायूप ढीवारे रे गयकहे हवेमेर लहए, परन नुमणगारे

ध्यानपूरणक रीमभुनि, करर धर्म विचारर मर नीदायजाणे

मुनिनडाराए सुभ आहारे रे [illegible] श्री सुपूरणकरी मवदिन, अवि

तमी धी धर्मरि ॥ श्रणानोरमोई पातक [illegible] सुरगर्भ संभर

२५० नपते सेग नुमृतारे वतीतूरुवालर मा धसंत पीह साम सि ल

दोडु मा विकरा भरे [illegible] मा पुमूपिन रए कवरित संनलीन

रमा रिरि लहाजो तिसभरण रू मिनर कहे मारा पुणनारि रे

२०१२ [illegible] ठाला ॥ मेन लीमूरियरदे मना [illegible] वलहू कवेग

सम किनमावव जनधरर के करर मारहवरीग [illegible] केवरति

सकि श्रादेरर केश्राम डीलर [illegible] के नावना नारे व [illegible] कर अवरर

नपनीम [illegible] नीर्म पोविनला नभ हिन श्रापरम डुजाई सुरमु

दरी मोश्रभर कुमरर नवी भावनाम [illegible] विषयागर गि: श्रीस

थमली रगुरुपाम दुःकरमा हाननपमार [illegible] वेदीकु मनत्यस ॥२॥

केवलनारिसु गतिगयानेणाइलहा सुमग्रनेत गुणवंतनाजीत

मानली मुनि मोद भर मोमंत [illegible] श्री मा धुषाम जैदाइ नीदाइ शाली

श्रीपपार को दोषमनवकू का कर्म दाजि प [illegible] पूर्वि लवनलमूत

वावरू मनधकृ आगम बोल हाए है मनदावली नि लंज भम अनिवे

ल [illegible] मालनीघव वलसह डु कोर हो कारा यरहपूरा मंयरह मद य [illegible]

पारक। भारकानाभु [illegible] परयमरुणजोनेदको देहनाहरीभ्राखाण
नदीलकुबलीईरमभरी भुमकारिस्त्रापवमाल मेमावनरिभुमुप
नमारतु रवरूपरिभ्रमणी समचकोनेलभ्रावायो मामयो सिव पुर
भ्रमी मदयकीअम होदमजाली प्राणीगण परिपालइ मन नाभि मर
भिषापुण वतुर बोरीयन परसमणरंगी पापमेगी श्रीगिरिवत्यु
पाभाणी मनीमनालि सुखविति धुरीधणहरवाण श्रीबीमरेसेविना
मजीमक कनककामविकेत हलर धान मन मोदम मो फूल हवाता
रन [illegible] भिलादिमूधु कार विवृवं पुलपपधाइ चित मपरामारू
मुमण [illegible] वावसूकारीवि श्रीहिरतमारा हो मुनुगमठ श्रीरपमा
रोभ्रापे घाई समझआगी फरमतनी पूरिदरमहीमाला मोलरि
अलर वरमवाकू जेमधुक रंगोदमी। नलइ रिवसउ लमेजकु विमाम
मिधयोगसमनिहम पचर्दितकी धुं मारज धुं पुलपकनजेर मुरमं
रवी गुणमनली अनजोरमो मदुतेद यमेनलरम भिगपजर
लिविजाइपानक दूरि करजोडी काविनयमुदरो ईमनेणरआणं
दार रवि [illegible]
१७ [illegible] वीमरे [illegible]

[illegible] ३ [illegible]
मल ९ [illegible] अमत्र्यधिकारि [illegible] मेदनेलोध्वं नमते
[illegible] मेखिवियहु लिलिकरू [illegible] नगारानमोद [illegible]
घ विधि अनरूप नेम लिम मरू जेद [illegible] मेवैमुरनरनूप भीमाई
मकरामीइ तेड धीवंदवेग वलावमेमीवा [illegible] दिरर [illegible] गमने
गुमाल मिदरानि मेलपर्दी ने लिजमल प्रमाणि नमआप्पोन [illegible]
वादि मुखानि मेलिय [illegible] कविता मार्दिमा। वसते फलीवक
म पोना श्रातिरं विजले मेरिवबंन विल [illegible] विविधिपारी [illegible] के
लवणा निजरमतिचणुमार नुरूपयकमलप्रमोदय। जिगवाली
विस्तार। पूरवबइमुकव [illegible] मदनावारेन प्रमीध तुरमी
कजनश्रीश्रहीणमर [illegible] पमकीम [illegible] केवललहीपुगतिगई नीभव
लकडेकनेक मिरवाउनचरिन मुणमा मकुश्रवि [illegible]
[illegible] श्रीमुनेरंतुमुन किरे मुन
तनुमेणल तेरे रपमर्दिनमुमदरा निरवमुई मंधनू तेरे [illegible]
तईनजीभूनदीनर रूपोरभुरकुनमुदरा लेविमर [illegible] मी मरा [illegible]
कधरा मीइंदरी कोमनीगजगामनी यामनी नरमभ्रमु पी जिंद चेतमा

म ल गाव व मोल: मेघम मुनी पालइ सुखी॥ २ हे मरघ समस घतए
ऽ भ्रारं नयण झलोभर ना रे मेघक नइ सुरतरसम रणचूरी रिं
मापजी [illegible] रिपु माप चूरण। पुण्य पूरण। सोम नी सुगणक
रो भनी यगजन नोमरं जन गुरु गंभीर समारा पारिसमसुयमा नो
प्रमुसरया पटर वेजूपनी वंछितसमनी। नागकुमर मुजणवास
कु।।८। कनक रयतमनं रनो सकना गुणगेहं। विनीतजनमन
मोदनो मनम मत्रीसर रे [illegible] देह मन म मरूपर्स त्यागीर
रकेन कीनु जिम श्र तिमो नागम तिमुनी। कमललोचन मरनता वे
पकर [illegible] नामी विद्यामकलहेला उरमर हिनिदापय सोवनपा
मु सुमसंगीय रूपर रिनो सजीपय। [illegible]
ऽ।। श्रवमार नयरी कोबेरी। श्रम रपुरी पीजे। श्रधिके रीमे
नाउ समवकुनेरी।।५। ते लिन ऽर नरवरा सुंदरपोली श्रिरिजीन
मनयकरपोली जीजमयक ऽ [illegible] तमवसु नामोहरूपह
मोली जमतनु मकलन। नोतनगोली कुलपपु चमरपरा ली [illegible] जोपि
मणतमतनयागुण वंती रूपहरंनारीरा जिमगकंनी तेजिमदाऊत
कनी।।१। योवनवय माकन्याजाणी चिंतरमुंदर मा लो चितांली वर

चिंतमनश्राणी। जणीवरसंपजे। मेरनाजोई [illegible] यसमसुंद
रनको ई रूपेजोसी सरीमा होई देश पनइ तमहूतपगावी सुंदरपा
ली सातरजणावी। सवक हितिमने नावे। तानतणु श्राद सपामी। रे मरघ
श्र यर सिर नो मी मनरखप श्रतिकामी [illegible] नी ध्यो ऊलिपर्ल
परलोक। य ससार तणू फलनेवा बेंछितमुममपाये [illegible] यसंगत
गावरकुलवालो। वंदी बोलह वस्ह वाचालो। वागे [illegible]
मयणलमदवालो। कानेचामर साक ऊसत्लो मोहइवि [illegible] पा
मरीश्रीकार ती रुमारा। कनक पलाणरय [illegible] ऊलकारे तेज रलतुमा
रा।।४। मासमदे सवनपमु। वालइ। ममरजन रद निहालइ पुनयु
कने मनमोल्ह।।ऽ। चिंतन पीकोल न श्रनेरू श्रतिरीन दोली श्रधिके
मृहरद वरुमुक नरवरू।। जाण रकुमर सुक नस। लजाणर दलया
ला जिम जे वरधारी। वाणादोलन्नीम।।१।। ऊगोगमिपु नीमरिमो
वर नेदिनलीमीमाऊी न्यावरकुमरन इ वरीव यावर इमदेनके तेक
इ दिया एश्री सोमकश्रदवीश्र हिंगाण। जिसोन हो नीरनवाण।। [illegible]
वकुंभरमेवक पतावर।। गरोवर पानक जोईश्रावर। ते भुक। मनुक। हाक
[illegible] श्राश्रामे वक श्रतिघमसाय

११८

वात श्रमं न भारकु करजोरी कीरद्दिके मराल मुलिसका मी सविवेक ।
वृष श्रादे मलहीकरी जो बाचा जु नीर जो तां सजल सरारी
३० श्रतिग नीर श्रतिग नीर सजल सरोवर। पंकज वका
नीराम आनी श्राव श्रति नव मन निघ तर माल्ल विश्राम मेनहर
मीदं मालि र कला हरोच चकव नकवी जोरि चचलव नवालिवलि मिल
न वनुर वंकोरा कारि बानक के कोटि बली का मदन मालतुक
माल शुक पिकक हनिकल म केलकर दिवान पीवमी
नपाग नश्रारी नो. धार नीर नर नि कुंदपजनवर जीवश्रनेरा करनारि
मद रंग श्रागर सरोवर विप नजन सीतल पादप छाई जाल
सुदर मधुर मर विरावन अवाहि संरोवर पाल इश्र बचाने बोली
कोलिकरा तिसदी गएक सदरी त्रिनो वनरूप जयति
नीवनरा जुमतीबानी चालत मोर न बोल. श्रवनानी कल कमरी समारी
कवरी बोलि मद मत्त लोप थई मा सुंदरी आसन देसत मद परि
जोई कानन मां पाली नदा दीदी हरदेव । हरवाव वनमुलीलिवकना के
मर पत्रं बुधूत । जिम धन गगर लि कोकिला माभेप किश्राति घूत
मे बु कदर मिले मारंग बाय्या । सु रोरि जो वो काजा जो एउ ऊंन समु मनोजे
देशू नमुकरमा जलकरा नाम मुला तन वते र जु श्रवण मुधी
५८

र सधामा नवलत्गी मानिमो सकापत्र आली किनु कजीर
श्रीचोह करंतु श्रागलि चाल्प दाउन्य सोभाग मनोस्व वनदेसी
तेल रश्रावसर ति मनर रम्यो माता म श्रवनिवजी बकुजं
बु नीवनप बोरकद एला केली सालर माला नाल नमाल प्रले
बा नाग पुनाग पूगी वकु जंगी चंगा श्रियगु सुरंग अरुणा गरा
श्रागर नारंगी लोन लालित ल फलसश्रियाल बहुमी
बीजोरी करणी करीर दाम श्र मोर अवदंम श्रंजीर श्रनोपम कलमर
कलालाय कुरुबक तिलक श्रसोक श्रनोपम कामीवाकु श्रप
रा जाई जुई चंपक नरकेतक मालती मोगर सार । धार व
तु बेलि श्रनोपम नमरकर जाय कोकिलकद रस र सुणाव
शीतल पवन प्रचार नेपन रकम कोनन तु श्रवनलि विषी
म नवमद मालेन मगीदीठी रूपता एक धाम बेलीकुटिलनूप
गमकालो श्रेमलीपर नाल गो फंण मोरर दंमान विमोदर माते
मूलिमाल मदन सर सीमेत जम श्रप भसम मिमंमना सीग
लीवीकामनी न मुदिरू हिलम्पनीसाल नमाई कारे
नीकती सावामी र नजीक भेर एवं लिर मानी बोचन परि रंपालन
पनाई जाणे ली धानली पकुंजमनर र उवली रवं लि मन भा

हि नांत हे [illegible] मृगजीत पे [illegible] मी पकनमीरपरति [illegible] दीपहि याम
जनजान मन लिंन ममयरनुमाप मुनिको बिजानर मनिहर मडल बृस
इकलन मवाम [illegible] सुरूतात्र पूर वधूर नवपल्लव राजा तिंव मरमलीनु
र दे ओर मनीआलीबर प्रमाकुलपरनुपुर [illegible] प्रवणपाम मी
दर मर [illegible] नलमुरिसे लजीनी बीली मधुरमा कलकंठीमुकम
[illegible] कलकंठीमुकमालमनीश पीनगोरक [illegible] नार कनक
कलमजीता करिकुंभी भुगजन मोहनमार मरलगीर तुजपकजन मा
श्रुनजा भग्नवानी [illegible] मुररिहरिलकी त्रिबलितितबाबंमाव
रनापन निमकर मनोहर कोमनजधमजूली उनतचेरण अंजुण
नममंडित श्रकंठिनअयुनीकुली अनोपम गतिहीना गजहंसी
कलमबोलिश्रुवनार पाइरीतोलीपीत पटोली मोहरसकल अंग गार
कुमरीकूप देमीकरी मोसीक मरमुरंग नादिवेपुनागाजे
[illegible] पान्न्रुमंग [illegible] कोम्र रसरी अमरीमुना वरसाप के
[illegible] कोनगजोवालनी श्री श्री आपा आप [illegible] श्रीवीश्रापी [illegible]
मनी जीवर नीकोम मोह नीरूप वामि [illegible] श्री अपन अ रहत वाम
[illegible] नयण बीनु पीम [illegible] मुरारि मुनाण सरूप कुमरनर [illegible] वली
पईपद दवी त्रिमजललतात्र अनूप [illegible] एकरूपमते त्रिलोवन माहि

जमय हरिघर लीयर नयमल मपलनया रहर [illegible] भर [illegible] मुपोर
[illegible] किंसि पारर नयनोला तु चित्र जाम मनमत रानुको [illegible] लीलिमु
ली अरह [illegible] मातान [illegible] नवरूप मुनव नमुय [illegible] अनमाप
ईश्वरोप निधि देवी जि मरर [illegible] पाडि लो रिचार [illegible] अणदीवा
नुदु मनदीदी [illegible] टीमाल नूपमा [illegible] दामवी [illegible] करग विम
[illegible] विमाल करराम मां हिमेनी [illegible] देवनूपापा श्री
तिबोलि नयन नेत्रारी [illegible] श्रीकूरैपीक [illegible] मरकलड [illegible]
ली बामर मुकदेमी आगे [illegible] मास्तपाईह [illegible]
[illegible] पालानि अनन विषमुपर [illegible] नाविवारी [illegible]
ननमपल्लु [illegible] मैन उतारी [illegible] जोनारहु रिगयअव ननद
उउपमार श्री रिकिल ममोवनपताको गगनसुभद्रवार [illegible]
कोतिपरिजलो [illegible] नयललकांति अहोतर मतफ [illegible] कमय
पावडीआरोपति [illegible] चक्र दामि मर मीफलदलन [illegible] नीयन [illegible]
[illegible] बाकूप्राम दते वीश्रीपी [illegible] फोलरवे [illegible]
कोनकिरे मर चेतम जाई सोश्रापा वाले जोवा श्रीचर्य लिजमलिनाई
[illegible] पेनवुकीरनी ली बिलावतित्रिलोचा [illegible] कंदुक मोभी माला [illegible]

विस्रीनी मत्करा ... बर मणि मंडित सो वनदंडा। चामर भाला सो
दस पुतलीका नीक रिस्रदी वी। तेजस त्रिभोवन मोहर ॥५८॥ केसर कपुर
[illegible] सो ... बासी दस दिसि सारा। चंवा भर चनी प्रति [illegible] पघात
हद रमत पक्र भारा ॥ [illegible]
तबराजनद प्रसाद ते देवीजी। बीरजई बैठे हरयगवेसीजी।
वि जावि मान सो कुमारजी। निरत पडे मर सवेदण वारजी ॥ [illegible]
दण जोरयी मकनरत पडसर। पुनकरिदेविचार। माकु भरी अनोप
महाराणी। तिहार हव राजकुमार। [illegible] मरुट पई रहे। वरद सिंहा
लीजोमा करयादि कि मरीपर तपसा। आवि लेहा कोय कुमरार मझम
लिम रकम तौ। चेरंबद्दगीचेंग, नयन नावशारोपती। माकु मर स्त्रिर
प्रणाम करे मिन दकवर कुमरा। शासीस देई कामिनगरा ॥
किरपी आवा तुम सजन, श्री वत श्याकुनक हितरा। नवकुमरनी
जैसा वली कदर बैदीजन मुविचारा। [illegible] किदेर कुमरतुम दरम
निम पाकृताय पसारा ॥ [illegible] कुमरा रिवि वनया। बडुा। विवधि
अण मरी, तुम पासे खा मीक अणकन्या। बात पद मीकडु भेरी ॥ [illegible] ॥
[illegible] किकदर मी दीयहनीबाता। मुणी नप नंदन सबमवदात। [illegible]

[illegible] कुवेरा पतिमुदर पाण [illegible]

रबे तुपास ॥ श्रापणा मनतण [illegible] सजी। [illegible]
विकसी। सूचंद देवीच कोर। उण बंसीक मलसूर दर सण। सूमेर नरमी
मोर। [illegible] तापस मनय दगयन है यहर मन यार पूर्ण मनेदश्री गश्री णी
सोला पसते गीबीर। [illegible] राजकुमर नरतब बोलावस मुणो सजन तुम बो
ता॥ कवण कारण आवर रण भानका। आवीते कहजने अवदात। राज
नंदन बात नबदे। सुण मतरिमिराज। रसेन प्रसाद जोई विश्राम कीधु
ए तेपा [illegible] दण काज। [illegible] पंप जा तोड़ [illegible] वी मोअाज ईसेन
प्रसादे जोई विश्राम कीधु एवं तुम मलादु मनाज [illegible]
[illegible] निदसकी मलकुमरी तणा चपल चकोरा जिम लोयणा।
[illegible] राजकुमर मुख स मिदर संगी। वेलस्वन मदर गवरंग
मद धू मित मद नील मदोरा। श्राडा दृष्टि मिणजोई ॥ [illegible] ॥ हसती फूलब
रस मसि मुखी। रुलिलाजिर जोरसंन मुरखी ॥ [illegible] निदरुपायन बलोक
री। हो वला वदी मीको रीरु विश्राम वेलीगोपूगन। अधूवडसर जेना
ई घणण ॥ [illegible] ॥ पण तुज अररदे माडर जेसी। तनि रंगी [illegible] मदं वर्ष
॥ सरल जमीं [illegible] र चपाडोउ। कुमरदे मीकरर मोडामोडि [illegible] लोद सि
लोका जिम चनकि। लागीपाव भईनरवि मकी। बाघ उ कुमर नय णंदोर।

कुमारपूछेह । पिहलाइ कलाहलकजनु । तापसलोक सयलमलहलू
। राजा कहि मन भला । तु जीत कोलाहलो परतु महाभीरान ॥८॥ सकलसै
न मुककि मंत्रनु मारी रामण स्व तिआदर हि निवार्य । एहवुं जाणी अतीशय
सकल सेन कलाओ गम ॥ मुनि का रण सेवा कारण एक मास । तेणा वन
राआरहे जतली सि तेलिहि । मित तीसेवा बहु करी । निज मंदिर आवास तक
री ॥ विहरइ मंत्र राजा निदेग । तापस अतिम धर्म्मरमकीड । हवइ निज मंदि
र आ वियु राप पालै राज हरे अन्याय ॥१०॥ एक दिन राजसभा कोई आव्युं दूत
प्रहास तिमाई विनयपूर्व निवीनी करइ । मनोहर वाणी मुख उच्चरइ ॥१२॥
परउपगारी सुणि स्वामी । एक छि मोटु धर्म्मितु कापा नगरी मनोहर मंगल
वती तिहाँ श्रीमद ईन विनर पती ॥१३॥ शील मती तेह नइ नंदनी रूपि लिंगु
वन अनेदिनी काली नामंडमी निआजा । नवजु तिलमां कुल सम्मग माहि भाव ॥१
४॥ ते पत्री बहु जीवन आणपी ॥ ते विण नपतइ जो विनपी ॥ को धावे पइ विवउ
पाय पाणि कि सही न सयुणन विधाय ॥१५॥ परउपगार सरीमाणि सुणी रा
इ कुंपी कल्यो नृप नणी ॥ मन्त्र वसर छि उपगार तु । तेजी वरजी वजन घणुं
॥१६॥ सुक हिसकुन नइ देव । तेउपगार करइ करइ स्वयमेव ॥ सा पी वि
णा वर सइ भेद स्नूर । नमन जूआलूक रइ न छि सूरै । या न्या विण तरु आयाके
रमा आपणा दिआन मन आनु सरइ । मकु कहि मी सा धारणापह । सजन इ सरख
८३ ८०

मुणगेह ॥१८॥ सह जि कान इपरत्नु रूपना आव्यावा सुनिली ट. । ...लक जसु
नपमो ही महीर वक आगइ तम तु एपइ सही ॥ ... हि ... मीपतली नवा आवलो
अकूवेगी भारा यह वाब चनमुली तेराया करजि आरो ही वेगी जाया ॥२०॥
...॥ ढाल ... रे मित्र विसम बालु वली ॥ मंगला वाणी तक्षण वजी । तेक
न्या जिम दरीन राया । ते हनइ परणावी जाहि ॥ शीलमतीनइ परणी कही ॥
हरमेण राय मा ओ लि अपरी ॥ इह तणी परि सिंगन आल्या । सुप विलस इ नव रसु
विशाल ॥२२॥ इम करतां गयु केतु काल । सुत पाम्यो ये वनरसाल राज नारते
हनइ सिंघपर मा दंपती बेता तापस अंत आदरइ ॥२३॥ विश्वभूत तापस नापाय
सेवइ अनुदिन राणी राय ॥ शीलमती नइ एह विस मिगनई ध पालि जे लिज्जति ॥२
४॥ दिन प्रगट मया पंच मा सि मी लम्भुरवद पनि मुकत्ती ॥ पाम्यो पुष्ट अंग परम
रंग गौर गरत्री जिव लितु रंग ॥२५॥ शीतलरूआ करइ णपहे वन । राजादे भोनइ ज
विन वउ । शीतमती निपुजी ने दा एकांति मलिधर गुमदे ॥२६॥ जत घी पहि लीआ
तमही । तेलि समइ प सौ लिलह ॥ शीलमती जायन इमकही वेड ... विम
माहरा ॥२७॥ आपणा वाम मने रेजस्थे अहीरहि मकुर कि कार लिहसुं रमवी
ती सूतालि सम मग । जोग्यो आवाम वेकुपइ हि विसीजमइ ॥ ओ इ तु तापस को
मही । मुनी दाग आसमसदी । मरस कुंपंमी जिम तजरा । नीरस थी श्री नाअ मजर
॥२८॥ मूदमंद जोवनमुलिपरक ॥ अराजी रणादे वीमुविवेक । राजा सुं सिते दना पावन

142

कुप ॥ जनता तमपर मीकलु । राइजी नामरि तास्योरि
णी मालीकरजुवी । रहवाक रिवा लिरति ॥ ५८ ॥ तिणि निसइ कुमरनइ नि
प्रनावी । लेतइ विसीनी मउ । जाणग्रीयानइ रही । हिली वेला । पंतां आवी रासइ ॥ १५ ॥
दी हाहा नावरत्ना दोगीपरत लिता कइ हाहो मुग्धनइ मु पास । कोलोक
ग म नंह दाठा कइ । ५६ ॥ जेगुरह छकारणनी लिया । मुकपंससमेला तुम्हका
हाजाई आविमुमनइ । आणणुं संसकेत ॥ ५७ ॥ माहरा माठ जोइजो रनइ ॥
मूली होसे बाल । श्रीमा तात नणक पास्यां । एकु नीजे मरसालु ॥ ५ ॥ कन
कुरथ सपनु मनमा दीठ मरहो अंबटाई । जिमपंखीपंजरह घालुं । पण
नल जालइ काई ॥ ५९ ॥ याणिअवसरि तिमुलसायो गिणि । बानीर हीकरी घा
ता मनावरत तहनइ नविदे मइ । देसइ पं सिनसंघात । ६० ॥ चरि तेल हइयसहू
ना करणीरानइ अणविरवान । स्वामीरसा चुंमादिदीसइ रु मिदनी अवदा
न ॥ तबले राजा को पियो । विनलील नाहत्रारोपिमो लोपीयलजामुन
नइ इमनाणइ घरेरेपापीने दना तुंना वेस निकंदना चेरना नीमलकुलनइ दू
षणय ॥ ६२ ॥ दूष बुक्कुलनइ विमलपापी । कि हां होमाद मी आणी ॥
माहरा प्रजाने जीवत मरची । तेहनीयती घातणी ॥ ६३ ॥ बालर धपुवानहतु
॥ बोलरकु मरदयाल । स्वामी नेह थीए दबुहद घरी । ने छिप्राति मुक माल ॥ ६
४ ॥ तबको पंजलराजा बोल्यो । रेरे स्त्री नीदीसी । पत्रक ग्र वधुणइ मनूं मारि तिमे २५
६५

कोसा ॥ ६५ ॥ तइसीघ्रपरणिहूं नहीं मोषु ऋवय । भगानरोइ माहरू
क हिण वीमा सनहीजू । मूलअजरनजोई । वचन मुणीयइ घाराजामी
॥ मनधरतुं विमवाद राज कुमरनी चूंजो रनइ । अवो विजरीत
प्राणजीयारीगने जामी ॥ जिमवादलमा हिवेदा कुमरनेलीमुं मिमुंह गिसा
चूसतु कुआ डुंदेदा ॥ ६ ॥ पूरवनव नीवर णीकाई । यो गीलिन । सुखी
रायनरकहि बहु जेनाहारी तेठिराहसी सूखी ॥ वरमूंकी राइजोवर
चू ते तो जाणी सांचुं । ह विनाशगट पमुजनमाहि । मरलो वकुदिन साचूं
॥ ६ ॥ रूतुं तु रुदु मदै पीनसकू । नरेकूयेप्राण । मूंदारी कहिस्यो मी घीर पउ
मुरुनइ करमत्रणाम ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ हिवइ नेमृदुरे [redacted] मा मेव कनइ दीइ आदेस । ४
जेणिरी ल्यो रांकराय ॥ ७ ॥ एनूंडीनइ के मीघरी । बाघनबोधी करि
कादेउनपदरी ॥ ७४ ॥ नमडीनइ डामरदेई । नीत्रेति ग्रपमान । हणु कमसान
॥ ७५ ॥ इममुणी कनकरथा मरवानइ कुं वेस मरघा । रहिरोमोहाजु ॥ ७६
हार्वि नेमनी घरी । पाठपाऊ सातसीरी । दुघाविघरी ॥ जे ॥ मूनी चौप
डोमीसवी लीफलमु बक दीसइ । विकतावोसइ । आ ॥ सूपठानुछर
घरे नहिकनीचामरे । आरोहामरे ॥ ७ ॥ लीबपानतलीमाला । वधी
तेक लिविमाला । दीमइ विकराला ॥ ८० ॥ हीणाने विल्योपीतंन । मूषते मरदूब

दया वी मा बमना ॥ १जो० ॥ गामरं नुई जोका नागीदी मरमोका पीयाने
लोक ॥ १ ॥ जो० ॥ कोई कर ति मारे ॥ सलानस नेगासि रकरम सैनारि ॥ १ ॥ जो०
श्री गालिनेकादीवीवाली लोकन सकेडी लालीदु मडउ आगी ॥ २ ॥ जो० ॥
मलीनीसनो पीगाडी ॥ मेरा आर्ति नाडी ॥ वार्हर काडी ॥ ३ ॥ जो० ॥ नवनेअम
मोमूराप मस्पुंति मरनू पूरा मपूअ सूया ॥ ४ ॥ जो० ॥ एहवी आम्पासमया
नाजीप्पोह कलिवर बाग कोडी ॥ क्रीपाणा ॥ ५ ॥ समरीरस्ट देरी ॥ लुहनरहण
मोहे वानक रूमे च ॥ ६ ॥ मती मुणाइ मवा णी ॥ श्री कुमवाकू लजो णी, पडीम
रवाणी, नवनेमविजनजी णडा रारुसी विजेयाजाणराग यां निजवी णडा तें
जो० ॥ मनालिज गाणिगया ॥ नारी नणी नीजी दया ॥ नीवरपमा ॥ केलीवेला पईजे
नम मीवड वाय नामुनेतर मापाई चेतरा ॥ ७ ॥ जो० ॥ अहरूप हरू जोयजेम
निर्विजन दीवुते म नाणी आवीयमो ॥ ८ ॥ जो० ॥ वेधनया वूदीर गीनाहा
वीआवीजि मके नगी ॥ ९ ॥ जो० ॥ नाणीगई अर्ति दूरडा ॥ पूरवकरम् रर
रडद दुमपूरडा ॥ १० ॥ जो० ॥ रागमीर वीयरा ॥ डाल ॥ ११ ॥ मनकर थोरे र
कोईगरवलगार रू ॥ सिदताअमती सरो मणि करमरली अपार पश्राक
ली मूलस वलिमति मोकलुं मेहलीरा वतिरमलिमाद श्रीमू धारआमा वीयन
सुजाणेला सुंवाद ॥ १२ ॥ मत० ॥ प्राणमीहू वलनईती तुहिनमु णीप्राणनाथ
श्रादू वनरल मुंयणीतणा नी कनकरप दउहीप ऐसू ते लाबेलापामुलाइलू
नं हूं नेहमीनावतनान तूंनविपडनीके नरपमागर दु मेहेडरनमणान ॥ २० ॥ मत० २६
जनमयी किलही नहीदूहवी ॥ बचनमात्र नगार, नेरु सिदला नर होहलीवेला
॥ श्रीतीयकीवार, २१, म० प्राणमीहू वलनहूनी, तुहनमुणीप्राणनाथ श्रादू
मतरल मुंरंजणाती ॥ कनकरमदउ हाम २२ पणादिवमलणीमिसाण ॥ दीवपु
माहरू देम ॥ श्रीतिव श्रालनरंगनीराणे, नीतुन विश्रोसोम २३ मत० अरहू
नहनी लाज अणोयी, नेकिदाहं बूहसिपाये नाहीराशुणनी ५ दीणीगए, तूरोया
हेलाप ॥ २४ प्रनमलगइ मरको स्वदूहव्यो कोइनक मो कुकर्म तुदेवसहली
होहली वेला ॥ दीधी केहर अ धर्मी ॥ २५ मन नीसासइ सोसी वनराबी रोररज
अणतणीवा स्वग भगम्रक णविलाप ॥ पामीदु मसंताप २६ मन हैकु दुमनराइ
घणोकु ॥ चांड श्रीमूत्र मेडीधार कोईनरउताबास रवनमाहि को रन गारणा
र २७ ॥ मन० ॥ विलाप श्रीपइरहीसुदरि दी निकरमनूं दोस पूरव करमसुनामु
नदाना ॥ अवस्ये केकु रोस ॥ २८ रागनइराडी ॥ पंडव पंचमगढह्या ॥ एढाल ॥ २
मनीमसो मणि मंचरइ ॥ रु सिदली मविचारवे नू धीरम धीरे पी णीया मधरहि
दुमलगारेथे २९ ॥ करमसा पिकुणन विवलइ करमइ नडयार अनेकजी पूरे
वकरमनदय पक ॥ १ ॥ पहिलइ मविचार तो आणरहे डइ वचे कजी ३० ॥ कर
मसा पिकुणि अकारजी ॥ श्री रिसहेसर बरसनी पाम्या नही आहारजी पूरवकर
मनदयपक ॥ परीसह सहीअपोरजी ॥ १ क० घोरतप सगमह्या धणी ॥ वरसारं भी
ईसीरजी ॥ अवगणे श्रीलकाक मेघी ॥ कोलचनकसहर वीरजी २ क० रागमइ स्यामाद्

लोकोड नेकि। शेवंक मुनाईः महरे। ल्लधरा बिलवातक भानी। ग्रवर
कोनखिग महरे मस मुनदी मसनेदी। कमलनीर बिनारे। पालमलद
रमोण। जीतीर्ल कंपनारे। बिनारीनुकत मावरकक। किमबलमरे लिंतें
रदरनेर नंदेध। जीहांरवदर नेरमुभलररे। वेड़ना शनुवललनूपमपरू
मनड़ रे मूर्किल लूपलमाल। परजालेमुनीमानिरे सूनीमूड़ीसू किथीवर्कि
लाग मकरदरे नू। रियमालमनुमनवताम किमदूदररे। परनुविनिर्वि
तिर्लक नरवर मुनगुली ख बिदयामरमी हि। कि रामिमलंनुवहुलीरे वन
पीवनकं बिवामिलर्कि तिजमेदिरनलीरे सं बिदनावेनमोति कि। कुररमोक
सामुलीरे। वननुनहकररमुंदति किनीमनमुलोयलाग रसमयेमवहा
गराधर्कि बधवधुकलाय लेतान ममनेतार कि कीभलपालिवारे। फपार
लिसखुरेसवादकि रिलिरनवनबारे। महीयमलीकोमल फूलनबकेव
सारे वेलमुदरग्रीलगेन वनदू हितिधनेरे पुत्र ममलीनी बिकि कोवनग्रामूल
लररे दर्खीसीसरदार कि फलरेको बड़फलनररे। वनदेवतेनरपडीमार्किसी
ममागमसतीरे मीकलामारे के लिखिकु किक मुवलपतीरे इममतेजोपवर्नसके
मामापररवीरे मिलवाग्रवमाबेगकि बीहि तिनरमतिभुतरे। बगलानरक
हि। रियमनी प्राणशीनु पट। इसारे कुपवरे मिलिपतीरि अनारू मनमराने।
१२ पतानजीनु पानक नुमदमामु करिरे। नुमर्ज बि नेरपातेनरनु रननुयातनरे।

॥ ॥ मानमबिमुमणकलक नेमवमलन सोर च। नतीजाणीमुद रिनवंदो
लमनमावे इसे पालडेलमाकि बाद नाराणधी पोस्य तिजंक रिपरनजा पोव
नीवेमधरि रु बिदेनाकरतनलनर ग्रामुवरमतीरे मुकुमर बीकोवननामी
अगिनवरि जेव बी घानेनी ठाद कि पालीलारंदीने ऊकेक रदाभ्र देवर कुरे मोच
नहरे। ऊवाऊमामेव विश रुएकुलाकरदेरु नीमरमेरलीजेन कि पद
बनादि वररग्ल बलगरमरीबेलिक मेत नती गहि बनी रजार नमाप्त नागर्कि
ममनेरीमनीरे नूमीक लावीकानन वालीकामनीरे पीऊमुमोदरजेम
मासे सेगामिमा तिनेरि बनवियोगनमदू मार्क पीऊनमहउवररे मालिकामरू
चितविनी दिननवनबीरे मारगनकूनलीघ्र एणि। ग्रवेप इमुनिमुनारे। हरि
नर्तक पीवीजजलामुनमपिनारे मदाकलमन्कलसेवार लेवन नीमताजररे।
जेनीलामवमाहि किमाणरऊपनररे।
नाई। न॥ ॥ ॥ दिनकेतरमवर्दनेनमहेमवरबारामुगा
जी। देमुपरडपरमानेरी। उवनुनमरकरमा बाजी नलीभ्रीनिराणा बतेरामलेदमु
मडमुनीमीलरजी। मवनुणीनिहारवनामुडी। जनवेमापनमोबीज। बिनभ्रलीने
दिलाहिपतंक। भरु पऊ पदे मादनी नवनवेनातन णील दरना बोहिपातेमुपकार
जी। ऊऊ। नाकडानूक मुरेनी मुनपऊ पदमारजी नीमरवी बोरिवर मोनान बनीकवी
कलमरदारजी मोनामूतिमुदरवावी फूलबगरभुगावजी। रुनामणकामुपमवी
दराम्मगागमबजी। नावृपावनेकीमिकामा बोलिवनाजरकोउड़ी बिरुदाम
लीबेराजनबालर। शमनुडामलीकोडिजी। मुबीनवीतिवेकोविगमोरे। नाबीकेमवर
जीकुमरमी बीडु बिदनीमावे। निवेरेमलीमुचरजी। केनीपालनरीव धावरूप

दुबीदी श्री मीमजी मायलाय मकुरस मी पुदती मनब मीमजी ॥७॥ मुबशुण वंने
विनीन तिसरद आणी मम्म मधीरजी मुवरान पदवीसे मरश्री पद्म दे मरमवर वी
रनी कनक रषकु मदनावेई विवधिपरीसु मविलमरजी शेमवन गावेकु पम
भरिषु तिनर उदय विकासजी ॥ दुद इ जेकु र वान मणुने
सेकु इ विश्यान सुरे मीसुनीजो तिर कूडकन नीनो एउ शेति मेदीलीदई दुसोर ॥
सवरोटी कानिवोटी मूरीमूरी धीवी मामागारी मूदरमीवी लीलीगीलंपटि लुसीद
तिमन दीर्घ रकुठी श्रवणुणके रीमाण नारीपद बीलिरवाण के कावेरी नय
रीनाद वान तिभली पारपुहाद रूवीकु मिमलीवीतर अपायाविबाधितेवीनरा
कीमणगारीहोइ वेदनप सकरीजोई नेलाइ भीकुनाह नोल श्रुति मादा
पीपुश्रीपमवाद अनारू मनमनाद नूमाचीकु मारी तिनर कृ सिमुण मद घरी
की मणगारी रेउ पोलीसी कुड करउ मीकोनरी मन सीनाम जामधी गमोगम
नगातिहेद श्री याघी ते भिम एति लिहीम तिला घी मभापद वेरीमागी दुकुवीनाहर
इमारी तिकु श्रापुद तेलोक वरदानरपोउ अपोक श्रकरमीनर श्रापुमेरु पंन
भद्दसमिजनेद सूकवूनीलाल्या कूपाल तेरु रुकी वाउ गयरण धीना गपोर्ठ देवल
करमोदेमार मानसागर मोकु निकलकी तेकु दोसे रुवीराग तिमिलन गीने तु र
वणी धरहारिकोलू मामानवाने दिवी ते मकुसर कुसेवी नवमउइ कोभाण नविवा
तीकुणदपराण मेमागर तेकुप्राइ लषमदेवलण उपापूर मभु नितिजिरशाकादी
वीनिरायमुनापमबेदी देरे मीद श्रीपाली पाकुन सिद नानर अली मोश भारमाह
रदअसर कामकनूतेयश्रवसर नेकु लेवानीलीजी नेवस्वीवेलीकीवी मा हरूयरत
नुमय शुकि मनापरपा श्रुंगीकर वरवाणी पवसुनसीनेमपराणी दुमवनिमा

तिरुाभी श्रुतिद्वापिवरतावी ॥
लाभरश रपमेहन पुरि मलभाउरि पादिणीकु मिनेरण मवाई याकु मीकुमीनी सिलाप
इपूवलकरतीयोग तीश्रीवदउ श्रपार घीश्री दिरेचर पासमनाके वनीधेनरुदेवीस
मीनकेनाई धीवरनाकेत सरयो तेगीके पटनघोकुद रपमधूर्इ तन रु ओहेल
मेरीरकनेकुनानी मापहिररकीनीमारी वलपतिमवनन काहारी अनमेलकेमक
नीकरणी मो कानल कानदेश्र रुगी हाहाकारकरतेमन लो का मवजन श्राकुं भोजेमेन
कोको देहन मी कुपी वनन हीविकास कुणकाजो वरपूरीसवश्रास श्र तनकं ध रुषु
वीतमबनाघर दनवीवी नरकोनकुमारी योगीनीमोगीतिका पोरुकु श्रोरे श्राई
बरमरपटुरी करतेन धापरु पापकी कीसी श्रमिद नाम्रवो वोजेथी तिलिरधरियु
वरपापति देनरश्री मोधापतिकुतेणद मेवर मोनवकु तिमिसर मारी कुमरकर मेवर
नामदमोहरी श्रमिदनाके श्रुधरश्रुगार मोगोनतिक दिरोमश्रुनंगार विनदेव
रसोगीन बढ वकी रंगतिक रवि सुरोगपुर धरकी मनोसजाल लिहिमितकरउ डाड
रमलेमायोगी पुरेउ निंहालेक वितिकसी मावर मोदरजैनसोपनेगावंदे आवनामी
रकुमरसवलोनेदेर मनेजनकेपहिदेवनमोरद कुगोवायुजनकेदु सिसोगिन दोहद
मनीके मुरि लालनर करमोगीनता मरपिसिन कीकरउ शीजाके पानेरकुमा
नमस्क तिसि मुधाय विविन श्रमनरप की ह रेनेग मूं मोरि विश्वरस जाहद ददि
विलिनाकाकुरियाण होवलकसीणद मुलि मामीजी रस श्रमनदुमपामोजं वयूरविस
विरमइ ममि काकनि कुरिश्री धीश्रीगार विपोकुत मामधी तेरमल वारितार्कना
कदहानेबसी दोमरी मनुनती परतिकवातकुपयवेसी परतीतेहोवर गाकरसी रसंस
निवीनीकुमरजगावरा वलिता श्रवीग्राप सनावरक नेसापावति मगनगश्रवको मुकलिन

नेकीअरु केआपदरनीमेरी एहवडकही बिदेगीरमी सुलमा योगिणीनेकी १ रामभाम
री ढाल १५ श्रीवी सीनाई यांगीनी पापणीखेदन्तुनबेस माढ़नीनेउनागउनी सिरजण
सूकीकेस श्रीमिरा लिखपुरनामी ललाडअद्भुलवार कीभीर मुजाअवणमहेकीसु
नकलिपमनलागर कउपाला समबके री नरसधु समरवामा ललावबवनश्रीउगमते
वारगेमु लमांम मगचर्मकेरीकपा अटपटदिवकचर्मे मोरपाबनुहरनेआपद
हा पउरमुधम पाउमापआवला नेतकुटाना नयणले मापरमा बिसाला लामण
कुरुहिनाला मेतरूलणरे श्रीवीतात आरामि देमीरहरूअशहिगडिनिरा मांनराहगामी
कविंपलिपावकपरजलिरे पाटरमतिमलिवारह मानेनदी विदूधमेकनररेश्री
वारहेकेनुवार २३ सिं० रागमारूणीढाल २२ सुमिरतां श्री वीजिन दाद तानता
लाभलीश्रीमारीनालागी मरलिमादरे श्रीमूबरसरमेंदसबादरे मीनहर मनभुएकवी
रेदुपनागणी नीकउमारवे निरभारीनर बन्धु श्री धारवे नुकपामरसूनू मेमारवे २५
कमिरता कपणविलपते गिरमेमलिकरणी आपरे तरूसेया भगमंगजीवले देमास
तानेदूरचवानीवरे सारीररही आपरे जिमसमरलहरी आपरे करदबलकलनु
आदरते पालरतापसतुआवारे रमकेरनाकेनागमादिनरे सिरदा बिनरमाति
रेपाकाकीनउलरह्यीजानरे मुनीदेबीवहरसपरे बलिनानी मेलहीनालिरे देमी
कमनपीगलिगाडरे नगमोलनबनिता मूलरे कनी बिसमीबीदनफूलरे सीलि
खीनरपरमगतिवानरे नेआपबुधईमांवधानेरे श्राविरनीसती श्रेणरेतरे महापाल
रश्रीलमकविलिरे ६ जमधी दिमहीतानरे श्रीकीकुमरजावरे नेजमधीकोरी
मकुपरे श्रीपीता पईनरकूपरे २७ चविरपातीकालीरे मुरवियणची मुणमलरे
नेलिश्रीरमकीमुबासरे श्रमेथानमनरे २८ लमरे मुसुपरनामनापदरे निरे २२

मेनायरश्रीअमल चितिमुणकं सदता संनापरा करर कनकरश्रा बिलाप्रकरे
रागमारूणी ढालना बीरचरा कुरे ढाल ३२ दियबो लिनबे नूरपानम्हधारा नीरे
सुणीनूबी लिनबे गीतीमे तारयणनेउ रगजगतिबो लिनरे सिं० ट्रेट पेट्री
नीमरनीनोहरम्दमूलिकरी पूलीपूंडेबानुरे रालीमहु कुकुनेदनां अ बे मीदवेरेको
आहरे २० सिं० कूलेनारीविसेजडी नुकपामरसूलीसमारिरे जिहांजोईनिहीन
क वि भीरु श्रमयलसमारे १ सिं० प्यदनकौ श्री जिनदरूरा मिसिदन श्रगाही
जम्ही मेलमेयोग हंगारा बिनोदा नुकपामरसुहारे सिं० विनयणीरोतानी
गाति दमदल्लनी दिदनु नजारे एक मिलविनदनारस मुरनेड विरसकल
एकधायने सिं० महिलीमायादामजी हवरकौमीबर पाउरे नामोदय माहाजु
दुमदेवी नुकथकाकर्म लोन धारे सिं० नेदबेमेबू लेतीश्रबोला नबहुश्राक
लपानुरे वारर सुकवरणीलागी मनाबनेरे रीनानुरे सिं० रसनीरणीनहय
नाहरीनीनवकु लाहि नुपमार रे मानानि ताह राकोयकलमो पातीमुधारमेवा
रे सिं० सांपरपतिलकसुनविचाल शमानन नीलु कहेदरे बिलअपराधीमे
वकमोहे भूनेहे नयलौजोकहेवरी सिं० नु कहिणवरजोसकेरामाररीन
नन श्रति देजिरे बिनुबनसारलहाजुहारी जुका बीणसतीसेजरे सिं० मुडमाल
ही मेरक्रीऊनीनेरउरनी हरद विरीगिरी सूकामरो बरश्री सुनीरा परस सी जल
मीनिरे सिं० जननयनेहूनसे चरम तुउनाननेसीमरे श्रीकपउगी सी
श्रानू सुदरिमाहरस लगति १५ श्रनुपमनाहतु रूपनीपार्रलिनुबनवाली रे ५६

दिपिके। वेनस्त्रामेक्रमार। कुणमरकोजीवावरी। धीईश्रमतनभार। ७ च। जिगनरमं।
होलमारे। नासनलीवरअपार। एक गई दूजी आदरस्करे। नालिझेमलगार। ८ जिग
मनमरुनासीनलभरे। नरपूर्वी अवदार। नरलिमनेसी। तिरवुलीवी। बीजाकेवीपार।
॥ ९ ॥ जिग०। प्राणनदीधानेहनमरे। तुलजा। मोमेम। १० जिपरगे वामायमारे। तिनवुल
मोहिवीम। जिमर॥ कनकरपर मविलपनुरे। नाननलीआरेम। कोबरीनलीमाव
रूरो। लेईकरककप्रेमेसी। ११ मादरग्रुकनदवरसलना। वितिक मर मुजारण। जउनेगीप।
नविसिलारो। तुरस्न ग्रुकनजमाण। १२ जिग। जाली। मिस विवेहउररे। रमश्रावर
मनिधारा। अनुक लेने लोचन आवी आरे। निमपरली स्वाहीरा। १३ जिग। रागदेवम
मा। सिंलवि शिनारे नाराई। सकाला। १४ ॥ जोतारे जीनीनेहकाल। कुं। अरमरनाभूले।
रूरो। हेउपनाईश्रावृदुमी। नमणेवर मिमेहरे। १५ अवनती जिहाँसे मननयणी।
भरमन मोहनरामरे। नीमरनमनेनेह लगाई। भुकमुनम विपईबरे। १६ वूटीवेली
तुरारो हीचनी। श्रीतो श्री बालानरे। श्रीति सरोवर जिहाँ हंसगा। मैनी। कनमींगरमा
५ लवे। १७। श्रीनेबागरबेलीमंडप। जिहाँ मिपालव मोहीरे। लाजनी मवननननहे मम
गमग। जीनी भुजनर बाहीरे। १८ कुं भुन केदा कि जिहाँ भुजनरहणनी। श्रानिक मम
भुगेहरे। श्रानेश्र सोक जिहाँ कू नेहनरमनापनुससनेहरे। १९ नेह उ। नापीन
कदेभी। हईजनफाटरकोमरे। गोरी नोहरा विरह भुजनरानेबन भावाधारेरे। २०
रमा। विलवतुन मरपरीय। ११। श्री ने निजपासादरे। निमणूं अंगफर्नुकी। तिलमिण
५४ ॥ ऊउरक मर विमादरे। रागपरजी उरयराजारा। जेकरनुं। एदाला। कनकरपडूं

श्रमब तिविनम। ३ लम मछं सिनपद जी। जियसंगमस्चक्रसुमकारी। श्रीसा
विलस्योमिहजी। क०॥ स्वीकेली॥ किहांनेम्नुरू घरणमनहरजी। बंकूसंग हि
जामजी। कुंमश्रगिन किमूकरे सि ज्ञे भुजकरस्मरामजी। अथवा जियमी
लक नारयमनवीसी मीवामजी। जियजननमेबंधीजेकोई तेदुमनुं लियामजी
रमवीनवनु निजमनिमाही। कनकरघनेश्रादरजी। रु विदनाम्रुनिमेमवि
राजी। तेप्रुफा दिकभावरजी। क०। कनकरघमेश्रा हाथीलेवरे वलीरव
समुरवचेदजी। कनकरपकेश्ररथ्रंणमंदिर। मपामीश्रलिश्रानंदजी। क०
रविदना विलिजीभवालो। तुरमणि तिपरणेवाजी। श्राश्रमश्राबाल अरह
तिसपते नवकारसमरीततमेवजी। क०। मुनीनरपूछिक हीरनुमश्राश्या
किहामकीव मिरणजी। तापमकरहस्मश्राश्रममे राजऋषि दिरिमेणजी
क०। रविदनीतमलनया कोई राजऋमरगमुपरणीजी। माथै जगनेगम
मुरनोको। श्रीर रिमेणमुवरणीजी। क० श्रीश्रमसूनेजाणीकेरी दृश्रोश्रा
ततमेवजी। वरसपाचरुश्रतिवालपणि वनरहस्येनेमरदेवजी। १६ रागसोंध
गोडी। आरीनेमजीएकरमुरयपावेबालीएदेसीढाल २७। कनकरथ हम सी
नलीको। बोलरमभुरीबालि। सुलिक जिनुम्हमुमदाउररे। एहवगुरामुकजाण
समपीश्रारासाजनतलरे। जाईतुम्हनेड जिमउम्हानीठारडोहो जिमसायर
मा हि बेट। सीमीपश्रांकणी। तुम्हसुमजीनानमणनाही। तरसनवीपदएह
तुंजाणूं तुम्हस्तउपरूहो। पूरबजनमसनेह। मवानजाणूं तुम्हस्तउपरूहो। को

४ नाइहै दत्नोकलउमावनावे मेंवतेरमतिवुमकतैलाहीपदवो जीन रोख
मार्ग

मामदे मन मेन चनकमेहतणीपूरेहै। श्रावकरमउ लिनिहेव ४ नव मुंदे
कोव्रूरनतिसिनेमी। पूरवजेमसयोग पकदे यी मनअनुमरहे। यक दीगक
रङमोग स० लिमतमृनर तिमभूदवदहो दे मतनामुजेमा नयमान यण
मनमा सियाहो माचीनेहानेम ५। स० कु मस्तण रह मोक ल्याहो। नुम्हनेद
ङे सिराज। वीजी कोवेरीजवूरे तिसनेकरवूकाज ६ स० नेहन णी कि पाक
२८ नुहे श्रावकउ मुळ मापि वलतुंनेतुम्हनरगामिहो नेकरस्योपु तिमपा
स० ७ मिकुदहरश्रम्ह मनकरूहो श्रादरमणीवाला राजसंगतेमुनिनसक
रङहो ८ निवमरयक कोतीरे रागरामश्री। ढाल जयमालानु ९ पाकहरत्त
मकेमरतवपेरा मुलोकू मिलावीनती मेरी। वानन्नूदसंयमके री। पालोजुई
वानेरन्नेरी रेमेम्मयमोढाकहीश नक्को वीमनेतेहीरु नकिदे वदोनवव
लेकदीर मनमोलि तिजमन दीश मनदीधउ मुतिहा थीमस्त्र्मेम
णलेवीसाथि यणीवो लिकरमउवालातु निमललेमु जाए ११ इमकु मननुश्रा
ग्रहजाणी १२ मिदतारमि मांनरवाणी जिमदूधमउ माकरसेनी निमपान्ये
वकुरंगरेली एकमिणसलगानधा १३ सी ननयणो मरमीकदा १४ मकर
नीपुकु नाकावेरी वी जिननूरनपेरी माम्हउ श्रीम्या मूंदरपाणी क रङउव
जम्र तिमउणी १६ नाणोश्रादनदीधा। श्रतिउत मनंउपकाधा १७ मुमलगन
जो सिपमा श्रामकु मनश्रानद वाध्या। पर धवल मंगल मुहामणगाई मनवो
दिनदोनहे वा १८ श्रतिउच्छव दुभमहोणपरणी १९ कोधावेउजणनिजकुल

करणी। दहवी मुंदरया तिवरीहा रामसकुमरनरके नादीहा २० मूवरस्या।
पुतिण्हणमुकोरहाल २१ हर्षपीउजाणीव सिपउ मदि माली तेणावारे।
कु मिमालिपूठीकेतन मा धरतीदरमश्रुपारोरे कहूंते श्रीमाकिसी जेव सीनुं
नणर तिस्योरे नपसबेढउ कहलोकोपानली कडसुं मोहणवेलोरे कहमुनके
मरी श्रवतरी जिहांनुम्ह मतिकरीकेलोरे ८ क० कहनेकंठि किनरीजी चतुरा
री लिचलतीरो कडककटि निकोसीदणीजी कोमलउदरमुकं तेरो क० श्रदि
ल्यामूह रिमो हिउ नूनेदरउरसरू रोरो उत मनदनेद नीचदु जि नमतो श्रके
पूरोरे ११ क० श्रघवाजेदस मनमनी ते विगुणश्रुरगे ते दुहेदरन रवट
राम सिरठंठ किरंगोरे क० नेताप सनीदाकरी मूंदरीवउनेमां हिरे असैकार
लडूपनहरी श्रालीमति माहोरे २१ क० रागमेवडीर गमुर मीनरड चात्थ
या पढाल २० कुमिमणिकेरीवाली रमजुणीर तेल्हनुनीमास कुमिद तीना
गुणासंनारतु वोलीकम रउदास २२ क० नेम मनेहीरेमुगधागोवडी तेन्हनमु
एकमाराहूं नेचावुनी धूनेतणी शतिजगुणनेहप्रकाश एकोकणी जेपरमांणते
उतारहो तेहनी संन्नाकीधा जीण चहउतुकुमुम दामुं २ रामसश्रंक परसिचानि०
माकरजीनारिवाली मधूर सीम धप्रसालवहरंति नमगुणवीजरकदानदीस
रु जिहाम चितहरंति २ एकजीनररेयणके ताकहू हूरणीनव्वनास किव
वम मुंदरजेजेको मनी नेतेमरिवनमदास। तेन जगगोरसगुंषननेमुंदरी श्रे
वरनेको मसमाना मूं करूंदेवरे जवि सोमदी रेरे घरदे हीमतिधानी ३ ते०

परए वइभुवीपुरिहैरणकोमनचीरान बिनतिजय. कंभु विकु विसोरत
॥ मीनतमीतत

२ करइ ॥ नादजमापसमुरगहकरजिम्ह ॥ रीरणजा तिजिमभूरासु
पर्वउजमभु ॥ नेकविरजादेवि नेजिजगेवापनी देवीदीधीसोह सीलयुणी
दीपति मुरनरकरिचमसमाके मनजी वछिनरई उत्तरीकदममुहा नावके
ममगाई ॥ ५ रमरुमकनकमजीसारखि मासिकुंडलमेलमवि सिंगनीसजी ॥
ममभर मुरंगनवीस हमनीफूलपरक हीरादीपतिवन बीन तिग्रे मनरूरऊ ॥
दुनोदसिगजेगतेथी णीनुग्रगजिसी मानतिमोहणवेला यतिनियणी
इसी ॥ तीणीसिरिल्गिणंधेकेम पोके ॥ जयर सब्बेनणीकररुग्रमेमानीका
मनेदविन धरेमा ॥ जबवीवुनमकूप उपमणीदासीगणी ॥ घटतुयदम्मउंवेम
॥ नेकरइकुमरगुणी ॥ रागदेसाम ॥ ढालयकवनी ॥ रखबानकवरि
मिगुणीकाबेरीधणी ॥ मनमोहिरेपा मुंग्राणंदग्रतिगुणी ॥ ग्रोपीरेकुमरसु
रेखिरदवागजर ग्रतिवबवेरेनेजि मंदिरजमी ॥ त्रुटक ॥ नजरनुवबयनव
मनेहरूप जिमसमिरोहणी ॥ ग्रपराधजाणी ॥ कहिनवीणी ॥ राइतिरजीरमिमणी
॥ नेकुंडकपटकरउंयोणी ॥ मुलसामरी ॥ नमनासिकामुग्रवणठेवी ॥ कादोरम
घकोपरी ॥ ॥ नीसिकुंग्ररयोरैसिदानरयकदलीसं नाभीरे नापसमिनातिग्र
मलीमुणीमुंदरिरे ॥ नेदुममुरुनर ग्रतिदुदी ॥ मुरुकरणीरे ॥ मिरजेयनमंदिर
रहणी २ ॥ त्रुटक ॥ रहइग्रामीमकारि चिति कहीरकुमिरेसायसू नेदपरीसोजे
इवानमयहबिलसितमाहरू पालीरीधीनदीबेचावुंतुमे माचीमजनी ॥ रे मीम
लीग्रपरिरेमनमी ॥ प्राहिनीपहिं भुतमनी ॥ २४॥१ मसुणीरिकुमरेरो मंदरदत

दा ॥ तितिबिनहरे ॥ ग्रणीनरग्रतिसंमदा ॥ देखुग्रन ॥ शे ॥ मुजनवरिग्रतमयसुन
मणीपननगरे ॥ विमहरवम करमनिवसुं ॥ त्रुटक ॥ मुमंदसुंदुजीनमग्रेन
ग्रतर जिमरपलामाहिमन ॥ बोदनचंदनछेदतइ मुगमुरलीमुमकुलानवरखे
मुमरनारतिसिदिनि ॥ मधुपीवउवानलोनु दिनउलनविछेहदायइ मरुमानी
विनिरमली ॥ ९ ॥ नवकुमररेकु ॥ मिदनीग्रायदधरी ॥ मानीरमिमणीरे मनधीको
पतिकरी ॥ दिनकेनारे ममरी ॥ मंदिररहा ॥ हरिचाल्यारे निजघरि मादामाग्रमु
दा ॥ त्रुटक ॥ ग्रमली ॥ निजग्रविवेगीग्रायादेमरमगछवकेग्र ॥ वरसत्यादाति
ग्रथउजलघरा ॥ वदीजनजयग्रचवग्र ॥ लोजनुनरनाप तिमुणी कुउसाधिमें
लमीलणउ ॥ मनारनुग्रपराधवविलर सवीनीग्रीमीघणउ ॥ १० ॥ उग्रनमकुरवनरे
कनककरथमराजीवबी ॥ ग्रादेमरमरे सपदसघलीनीलवी ॥ वेरागीरे ग्रीतम
गुणीनरमा निधिपालररुसंयमर समरथ तिकरणग्राधि ॥ १ ॥ त्रुटक ॥ तिके
रणसुधिसेयमपाली ॥ वेगीसवरमणीवरी ॥ ग्रीकनकरथनरनाथ समरथ
की तिविनुवन विसरी ॥ ग्रीमायगलहराजपाली कनी दिनरदीपनी सुनसिंह
रथ जितुरूपमनमेथ ॥ लदिरुसिदवीसनी ॥ रागरग्रीसालवी ॥ मसघाउनी बीजी
ढाल ॥ २ ॥ रुसिदन्नास्पउरयक दिनि गुणिवइवंनरनादजी ॥ जोरमोननगरनी
धरतग्रगउमाहजी ॥ त्रुटक ॥ ग्रमीहग्रीमुरंगधरतकनकरथवसुधाधणी ॥
रुणमोहिवादवुरयणबंजल ॥ मादउरिरवमुगुणी ॥ विग्रीसामदसोपयुनत
मिणकारणतेर विरागत्ता कनकरथनरनापविति नवेबेरूपमरदुगणूं

भेरवारै सायर लहिरउ।जेह वीसँ भागराजी॥ कु समय जल बिंदु जेहव
अउहे वंग विराजी॥ त्रुण॥ वरराग नदतुर उगजेह तुं प्री।निर्दजनकेरउ
घर बास चंचलकी।भिनिंतु नीर मो हिलोहउ॥ श्री करइ धरा धाडि सइ नी
घो डिजवासालती॥ अ गयरद संसार जेली।प निमुद मनि मयो घली॥ १००
पापकरइ परकारणा।स्वारथ भजन सहायजी एनित्य लिन लोपदि।बिद
३ लदे डिकायजी॥ त्रुटक। कीय माया।अच छाया मोह वालाजननमि। वि
षयामृग मन धा बिदलोना।की तिंग दिश्रानीणमी।भेमारस बिंदु मभूल बैठी
धामलेअलगाभया।कनक रथ संवेगपामी।पापतापा पामयो। नजुजसामु
के एरवरा।भकुनीवलिमु बिचारजी सुनकर पनसोचनी।पामोर बधपामी
३ त्रुटक॥ नर वरद मेपामो।मोरयम भेद श्रीगाभे। परवार सुरंग चरलबेद
॥ पापम धूलानीगामे देसना बहुउर मुसुरनद्य पूछिकु बिदली सनी॥ हुंपूर्वक
मिनही के हि नेकड़ भुकपती पती रागमानेरी।ढाल ३ण। हीनी तिमर बंध
रबाणी॥ सुधार सजल धरा गण भया।नेनसपूर बनबक हिय जबूधापमनो
हर। नरनभेत्र सोनाकर सुरबरगंगाधर गंगासमुपा॥ गंगरनातेहीन
रवर।गंगादेवी नुबर।सुदरि तुरंग सेनानु समुनारा॥ १० चंद्रयसा तिहांपाट
सती॥ सुभतिसूप तिनवरोसती।बासती त्रिभुवन तिजयसपर मनइया ११ तु
मवेगलि मोहिजनी।नवधी पइ अनोनली। सांचनी नवदेसन भुलितिरमती।

प ७॥ भमता मोह नवीनगी।जीमणा नवमी अनगी नर्दिधमी कामकोधद
वानलीस ८।रागमुखी॥ करश्रीगली रकमाउवलाउ।एरे मीढाल ३२।तिसं
गातिहां गंगा बंगा।गंगाभ रिलासारे।श्रीयोवकु भुणावंत।बिवसा रागणीपामा
सयमसार रो ९। नेहनीलोक कल्पद्रम संसा।दुःकर कार णीसहरे।नेतीसुणी
तूप अरश्रीणसा।भहिलाम सुरश्रेदरे।१०। युवनी जाति कुल अदेभी एरसी
नमहिमसंभरे।श्रापणम श्रधिकुरे नवी।उबी अतिनसमरे नवनेहन
इ नेहनइ आलतुरो रेषु एह तुजा एधु धमैरि नपनपडं दासी नासीकंश्री हारड
पापणी सीनकु कमेरी १२ गंगामाधवी अपसमबासं।अदी श्रासी सुचामा
वरे॥ कलंक सतीनइ दीधो माटरा तुहनइ लागु पावरे।१४ रोस वासि पीले अस
नी।रमनामइ संवादरे।साधूनइ आलदेई ते संतापस।घर्तुमदत्त भूमादरे॥ १५
हसतो आलइ कम भाजपराजसा।ते हिलो लास बिपाक।दो हिलाने आति अति नोग
वती।कष्टइ पामइ पाक।१६॥ अन्यारम्भान अतिवधमारणा।परधन नासिक
इनरे।एहनुं भव यजे धन्यपकीनु।रमस्तु णफलपानतरे १७ सयलसुणास
हि सम्मुण लमसु णी।को उत्तम कोउ को हिं तिहांपी बिपाक कुइ अधिके
रा।जिम वडके तुझो उरी १८॥ दिनकेने चंडालम रूपी।नरकि संदुरसंतापरे
श्रलेकी धरभुण जिमजननी नरा लागेह मापापरे १९ नुंतेप तिकि अणश्रा
केशा नकुल विपा मानुमरे। कमेंश्री मिभुनररिगंगा। भुरिराज सुनामईदद २

तिहांजिन दीठो पासी प्रणम्यालय तपीक पर मनमोहरे॥ प्रणमाणम
स्वरूप धई रह्या लो॥ संवेग नरस्यो हिरे॥६॥ हरि मे णरायमन तणीथई भुरी
पा लीई मानी आपुरे। कर्म तणो लव लेरहोजी॥ तिण नेल खमंध पाथरे
॥ राज धन्यासी॥ म सवाउ नी देस लीढाल॥ ४०॥ रहवा श्री प्रभु वयणला
हो सु णि न सिद्ध जादे बि जाता सम मरण तिज नणहो॥ नवरे मरतन थे
वि जुटक। नव विवे किल गाहनी॥ कर्म विधा णी॥ नव पीउ नागी थी
सुकपासि॥ मूंधू सयम मांग॥ कनक कर धसो न धुकरमी॥ या वरमेस
तु पासि॥ स्वा॥ मुरू संयम आरोध॥ समन पडुन व पासि॥ श्री प्रभु उप
गारी गुण रहो॥ सुणितुं कनक कनरेस॥ उत मस्वार पमाध नहो॥ विले
धमकच्छ नवलेस॥१॥ लि॰ ७ समजा णीअ धर संसार॥ जे जेवे लो धरम
नमो गध्या नेते कहिय सार॥२॥ कनकर थ प्रभु वाणी सुणी नमू स्वार थ
नो धन काज॥ सिद्धर पसीद समान पराक्रम मुनपाम्यो॥ निज राज॥३॥
संयम मूंधू आदरहो॥ कु सिद्ध लो स्वयराम॥ दुस्तप तप प्रभुन मलिन
पहो॥ सेवर सहित प्रभु पाय॥४॥ प्रभु॰ सेव॰॥ अभयपी चरण करण
सो व धान॥ प्रभु नाम लगार सुणे दीपन॥ वर्जेनादुर्ध्यान मकु ती विच
रतां नहि लव रिपुकुल॥ श्री प्रभु माघो जेह रंगीनल होन जेनम का
कुंभ तिम नाप॥५॥ पनो लो धान पाव किहे तिहां तिण कर्म तीक १

य॥ तही केवल प्रभु तिगमाहे॥ कुसिद्ध नानइ॥६॥ प्रभु॰ क्ष॰ मे॰॥ कनकरथ
धमुक्ति बहु जाणमाथ॥ सकल कलंक थकी मूंका णो॥ कारतें निरम
लबाधी॥ स्हव उन्नम मुचरनमुले नम प्रणीकूड्पविन्न॥ प्रभु नमतु धर
मसेवतो लहरु॥ सर्वि सु मअत्र अप्रभुत्रा॥ संवत सोल मुणीमणो हो॥ त्रितो
तु उदार॥ मागसिर सुदि चौदसि दिनहो॥ दीप तुर विचार मुरो हिणी मन
सिद्धरसइ हमरा॥ सी एकुसिद्ध नाचरित्र वणमा णप्ये॥ जयवंत प्रभु रत्नो
सा॥ मूंनअ धिक इजे जकरु आगमथी॥ सिद्धा मदु कउजा सु॥ कसिता बकमा
श्रोता जनता फल मो दिन दिन आस॥ [illegible]
संवजजननी चउपई लखीएवइ दूहा॥ श्री नेमी सर गुणतिलउ जगजीवु
नजिणचंद ब्रह्मचारी चूडामणी प्रणमी परमाणंद १ पुरसादाणी पास
जिन वाणारसी वरगाम नामजपंतां जेहनु सीजइ वंछितकाम २ प्रभु
नमामी सधर ध्यान करूं तिम दास जयवंत तीरथ पजेहनुं वरस सहस्र
कवीस नानमीस त्रिभुवन तिलक गुणधर गौतम स्वाम अष्ट महा
सिद्ध संपजइ नितसमरंतां नाम ४ सकल तिनेंद्री मुरू नेदवी प्रभुधनेहोमु
प्रकास वचन विलास मैं हीन मुउ एप लणि प्रयम स्याम ५ सवह भुनल
भरतणो चरित अनेक अपार कउउक पर इं वरणजे पणाबइ यच्च
धार ६ नवी सिरतो बेलडी सम्मुद्ध थाय सुबाय तमभुऊनइ वालवउ

मुगुरुतणा २ नाम ७ श्रीमरुदेवि सुत एक कह्यो संभेपरसमं धपणुं कृपक रण
गीकहीसवसार पाणि अतबध ८ साधुतणी गुणगावता लाकग्रनंताहिर
अपभवजनक्क मार गुण सोलसंडपीमुजकोस ६ राणकेदानज गोउ।। ढालप
हलीढाल।।१।। लोभआमणजंबूपरिमाणु साधिद्वीपतणपरी धवमाणुं पंचस
इ बरीसजोयणाढकलीआणुं दक्षिणनतपथ भरत्र्प्रहि गणुं १ कंसवेधर
आरकूपयवलिया पाणजरोसिंधुनइ नुमअलननीमा सुरीपरमधुरा
नाम लिया कहक वचनसुणीसवि चवि लिया २ आयासोरवदेस मझारपे
नरतनेजेणदेस अपार नीरभरनदीनीतजमुदाय ताबोलरिधतणौ बिसी
र ३ कोलक्क मारवु लिंग भया ताभानुचीर भमुनतजया नेत्रविनिजोद
कमलिश्रावा हिनर जतपेतेनसवीया ४ न्रप्रछ्पवासकरीश्रतो भरी सेव
वेषवणा छिपसुरसाधा पालनर पूरबनव जीतिमुरेसा परमुकनहन
वरी णभनिवेसा ५ मुझ्नतमुर करनयरी वाभ नेसनरननमपत्रलिर
मदुरश्रवेसरतिनिहाश्रावर वारवतीनगरीवीपावइ ६ नवजोयणनेग
रीवसाहि बारजोयणणश्रायाम अपार चामीकर प्रकार मनोहार श्रात्रक
टक श्रागमत्रीगोचार ७ पंचरत्न भणामयकोसीसा रजसेरीजालीसारीसा
तेजसकासपरवलदीसइ श्रधकारनउ लेसनदीसइ ८ बेणकणकेवलाम
णिधार धननेरकाणभंडार रिधसमाचकरीप्रमसार आतेम्रुलकपुरिश्रद
नार ९ चरतिवाजारवत्रावास बेउकलस धजभरणप्रकास प्रणिश्रंगण

शतीबिंबावार ग्रहणकरइमुगनाफलहार १०अनगतीरणवनवनप्रका
स श्रनेसुंदरसोमनतास श्रापणसेनश्रनोपमसाहइ वउरासी चउटामन
मोहइ ११ वन वाडीमठ मंदीरमंडीत प्रमुदतलोक करइ सुखन जोरवहू
आरवनोबाउरी सुरगपुरी सुरनर श्रनुसारी १२ ढाल बीजीरागरामग्री
चउपाई नीढालरनयर धारामतीकृष्णनरेसराजाराजकरइ बिसेस श्रुर
नरतनउन्हइधणी नेजप्रतापश्रधिकदनमणी १रूकमणीप्रमुखतेहर
घणी रूपरंजीणिरंनीश्रवगणी सोलसहसराजाकरजोडि सेवकरइ मनमनर
डोडि २ रयणेपरधपायकपरवार नेकहतोकमश्रीवरपार क्षीसुरेवपदवी
नोगवइ श्वलमनकाविश्नरेयणजोगवइ ३ रूकमणीनरपणुं नंदननउ भो
न पणानाभानइसालसमान नीमारूकमणीपारपडी नेदुमश्रोनलइमडीसर
डी ४ एकदवासिश्रश्रमंतउजानी नीमंतुरकोसइनउपणिउता मरूपमणीय
रिविहरणश्री विनश्रीदरमानघणउतिहां दिमउ रूकमणीपूछइमनिश्रदी मु
रुमुतदोमेरकमानहां सत्यनाभापणिश्रीवीवदी साधवचनवेलनौ धमूही दि
यभूत्रदेसरसाईसही यबालकभिमुकनइ कही रूगउउलागउमाहोमा हे सु
ग्रमपालइजइ बउउसाहि ७ न्यायकरनचप्रमुरारि यवाकामरचदीनारि श्री
उनइरूकमणिमवीधाय साधवचनमुकउउपागाय ८ दूजउ धन बोधवलम
लणी कमनी दोजोश्रनमग्रनतलौ दूजउ धनराजामभणइ नोभानुकमणिस
रवीगणइ ९ श्रोमेव रकुमहिश्रंतरकमउ संवलीसमनवेसर हसउ चेसम
वभौ धननउवेघ कामकाजरश्रीनीनये ४ १० नाभाकहइकोकरउ अरू

मणकर ध्रु प्रीत भ्रू सूर मलेविक मांहिविरवीपदर तेहतनराशीर्म तिं
वेवउड ११ पहिलापरणयुत जेहतन तुक मनीवरमर तेहतन तुका
म्हणे हरकेस पदलर वदमराके मणकलेमर१२ रलधर गरधरधु जी मणी
सोसी जज तुक कोमली ऊ गदवचणरपण ऊकारे आपणमापणपर्ये
पकती नारि१३ रिणप्रसनमममवी मन मर कपीवरी जीवरकवनमधु
लनवउ तुक पाणिना िअवतेअ दनवन १४ मुखरवेवजसरगाविमान तो
कररफलय तेवीनधाम श्रवेरहु नहे मेनानररु बमनवमूमलतेमारर
नपसम मानेजालीरवात कुउबिननही मावरपात मुमलवकलतवर
कविड कामनी कुउ कपट कुणलहेड १५ मुपलवकनरु मीनवउ हिवृ
इनममुकुलाकु गवढ मुउउर करीमोनरन्ते मुरलाव पाहीवउ मलपर्ये
१७ दरिओर्गे आनुमाकार कुउकहरनउ केरउ केवार कअवलीमर्य
मनाहीमणरु कुबरमरहीमरकृकूरलड १८ देवजीती नामी ना म्ही
मनवेती पर्द कालीती परवाघ नडमेलनमदे नवनफनेने वनवुपदे
१९ उनमनवतलरमे ऊरवाव तुक मेणी उहरवलीम भावे पेदपदेतरपु
रूग्राम ल कडवनाउ मुरु नगमर नामर २० हानवी तिरागगपेडी मलम पदे
लेइ१ पकोटे मवमरर तिद्रासी इउती मावी लामनर पालुरे देवदेओरे
वपामणी परर मनतणीओमामरे१ तुक मलाीनमलन तिउ हमरवमनर
पारेपदीरवेरगव धामणी कोघातारणवारे तुक मणी तीवली॥ ५

माराना मानवणमापीयी री सी मुगट मरे गोर ॥ १६ ॥ रखतीन मल
मामरधीमरे २ तूक मली०॥ मवल मेगनमारगोरउ नमारामरमनते मानीवि
पनाहिकपउड नरनारी नरमनते ३ तुकमली० मामापेउ मकरहन जोह पम
ननका हुने हामीही रपन जामली मलुननाड तुपालरे ४ तुकमली० अंगा
हउमानेपणे पुरपेमल मांतरे ३ तुकमली मादिरे आवया देवमनमपवलते ५
तुकमली तुकमली तस्मन डआपि तिजवनरे नरे कैपरुली विनामलीकर
कोइजनरने ६ तूक मली ० दमहे मनेमननरीपतउ दोवनपे अपतेमेल नाम
पवुपनाद वामना हिमी किंकववगरा ० तुकमली नामगा मवमारनकलेल
देवउदेव विमानरे। नयरवा परमरबर बहरु मुनकेमूरने वानर पाउकम
ली०॥ नयनेओ० केरकुमनके उनवा देवीजापूवि देमुरे। नानाप कीवी चतुमतुरुपा
कीवसु तुक मली वेमरे॥१२॥ तुक मली०॥ वीनरूणामिदन प्रमलगेउ कुईमनपणी
मारने कामना देवाप मलमी। कुउ तनकुलनरमपारने॥ १०॥ तुक मली०॥ देवबा
ननरामउ। नुमतनलठठ नेरी आमरवीमरवउ नवीमवरदे वेरु मचीसमानेरी
१२॥२॥ तुकमली०॥ कालीपवालुपसवडवडे म मकरमानरी आगतिमबालुसदन
दीनउपलमर ननकालरे॥१३॥ तुकमली। तिमकरू रखपुमीमपकमामरक
मरवजेमरे॥ मीनताविउमपु काफाउमा वालुवयनकुसमरे १४॥ तुकमली०॥ वाम
पनीमलनामिमा मुलिउलाण मलारे। दनमगरविनवमरमा करएकी उस कारर
१५॥ तुकमली०॥ नेती धरनाव पनअनेहीमपर पेमलमानेरी। काल मवनवनवनपप
मुनीरमतुकमनरु वोनर॥ १६ ॥ तुकमली०॥ कनकमालाकुकानी। नहीपुडमन
नरीमानदे वनर वेकूर मीमावपद सिवनेरे॥ १७॥ तुकमली०॥ वालकलीनरानीव

सगअभय करणाधार । कनक मालनजर । दाने देवजन रामने ॥९॥ कूकम
णी ॥ दूहा ॥ गुरु गर मसर्वी । जानमन भुजजग माया कल सबकर चोरी करर ।
उलग आधु कल संसारा ॥ १ ॥ पंच भाव पाली जन पूप कला समना । दिनर बाधरदीप
वसा ना मक मनसु लुना ॥ २ ॥ कुमन लेहो थी पद ओ ॥ धूम के जद्दन ना जादवरू
जेदु मक्रयाने सताम चतंन ३ ॥ ट लन चजपी ॥ ४ ॥ रागमारू ढाल ॥ रुकम
णीरा णीअगज मागर । आपणा जिनरपासरे हा थी हाथ वी यउ मर दव ।
जी लगसूना संरे ॥ ५ ॥ जिआपरे मायन भुजर्नर: मी नपासीर गपाणीरे । रू
कमणी र णी सं मिलमोणी । बोलरगद गद वाणीरे । जि ॥ आचली ॥ हा मानी
लखी दव ज । पूत हा सरह ड नाजरे । आपभुज अन्या सउ शान मापूसउ वंठ
नकाजरे ॥ ६ ॥ जि ॥ जीव नमाणा अन्यास उपुत्र । पुत्र वना श्रण बूटेरे । हा सामी
भुपा माथाई । अति ना लीप तीखुर रे ॥ ७ ॥ जि ॥ सदा धरण टल हि सास
लेनीक रर संसक दुसु तीजो मर नकन रना पुनरे दिवतणी मायादे मानर:
पुत्र मोतन प लिकापजरे ॥ ८ ॥ जि ॥ हा हा धरण ढाल हि रराणी । वन हतपूछाणी
र । सीतलवायेसचेत कीधी ॥ वलवर पुत्रवचाणीरे ॥ ९ ॥ जि ॥ रे रे दर धं पृष्टदेवजन
म दु अपरा धूरे । पुत्र वजाग को कापी । गुकहनर नरसा धूरे ॥ १० ॥ जि ॥
नतेदेव निधानदेमाडी । हाथपी उ पीलीधूरे । अने पमन रू दालू तमी अव नू
दूम कादी धूले ॥ ११ ॥ जि ॥ रेरे दर वनि कारजी । गमनर दी कांनगा लीरे । ओलातु ढ
त्र टकानबंध । कानूपाडी नदुओ लीरे ॥ १२ ॥ जि ॥ कामरणी कोमई हदियरण ।
2 कोन कंचणवरणारे । कारूप रंग नाथन जहरणी ॥ मन पाबे अपरणीरे ॥ १३ ॥ जि ॥ १३

कर मरलापसजम सेना पा । करमरकरड मोअधे । कर मइसो कर तीमुनमी ॥
कर मई नाफीडारे ॥ १४ ॥ जि ॥ करमरसूडी आल चडाव्या । करमरमापणि रावरि
करमर के दुना धन नूटा वी । करमर परन घादामीरे ॥ १५ ॥ जि ॥ करकाडी
हिलपा णीवाप्या । करमडे दर बिलनागारे । करपंभीना मालापंडी । ते मुजनाथा
पलागारे ॥ १६ ॥ जि ॥ संसारमूरक मा लिकासंभली । गुकवकगेडवा अनु
आरे । माता वजेप घाम्या मुजधं । अतरायफल भुआरे ॥ १७ ॥ जि ॥ करपाव
णी वरस्य वगली वा ॥ करका वाफलजो आरे । करमोय फलहा पब वासा । वड
भुतन वमोउआरे ॥ १८ ॥ जि ॥ प मावि कणी पर णीहेरवी । पुत्र विनाक मनारे ।
एक दु मरा णबली नामी कलुं । केतादु मसे नाकूरे ॥ १९ ॥ जि ॥ अभवसंकत निमस्द
गु । चीनी मणिक नकाजेरे । अथवा नम हा मडी आगल । पंच मबुक मवाजेरे ॥ २० ॥ जि ॥
मणिकर उर आरउर माणिक । मणिकर उर अचंतारे । मणिकनी चीजे वी चउर । मु
जिणरउ मउजे उसंतारे ॥ २१ ॥ जि ॥ नारकगीतवनो दिवे थी मानव था असमनी
देवन मीन गरी हारूणी । सोकतणी राधम धानीरे ॥ २२ ॥ जि ॥ अहा सी घयाम वलादया
उक मणीबु दु मनर मवि । जिमन जात मपर जापई पणा । म न ना मापकहरमीरे ॥ २३ ॥ जि
॥ दान व देव दुष्ट बिना धूरा । कुमन नर गउ कुणलेइरे । बात विचारर कर रजादवमु: वि
लिंकल्पी धवले इरि ॥ २४ ॥ जि ॥ दूहा ॥ आणी अवसर नारद मुनी । हस ककम उन मार: अ
वरय लेहांकन अ । नार व मनो मजाम ॥ १ ॥ नुगेत सिधाते नारदो । कीध चरण त्र णाम । नीहस
णवे सण वभु । वड नारपत्र लीराम ॥ २ ॥ नारद पूछ इने कुमु । इद अचत उपा । पूछ र थोतनक ।
रमेसा । दीसइ दनवीडाय ॥ ३ ॥ जान माता दुक मंतीत । जलेगय उ कोइ । जानरत कर उ नारद
तनी म तीअसुभस घलो जो ही ॥ ४ ॥ र सन उ अगेकंन उ सर लीजन हारा ते सुते लणति उ । नद

लव। श्रावक सु [illegible] ॥१२॥ पूरव० ॥ इणसुत वसतेँ गुरुकुल रहिया श्री महेंद्र गुणधार। श्ररह दसपूरव
श्री दस [illegible] कल [illegible] ॥२॥ [illegible] रागको नहीं वेस ढाल ॥ बेबा भव वंदन वन।
[illegible] लके हारा [illegible] जी वुलें तेरी। देसी गणट मनें होरे ॥११॥ पूरव० ॥ [illegible] सोनवउ।
मन व [illegible] ॥ [illegible] णी गुणेन। श्री गण दी [illegible] ॥२॥ पूरव ॥ एजा चरी
गुरु [illegible] नीनस पूवि ३ नि [illegible] कारण रामोर। सो धक [illegible] साचूलना पहनेउ मनें धश्राय
[illegible] ॥३॥ पूरव० ॥ सोमदेव [illegible] नेतउ मंथ परणामेरी मोहउ वत्र पती कुंउ। राज।
जितभुजमोरे ॥४॥ पूरव० ॥ [illegible] प्रिया श्रीगमिल तिहां तपनी रो [illegible] कम णी रूपरं
[illegible] ॥ [illegible] ॥५॥ पूरव० ॥ एक दिन वमन पुत्र [illegible] गणार। कुंकम णी [illegible]
री [illegible] ॥६॥ पूरव० ॥ सोमदेव [illegible] ॥ रोमगुवउ स
र दो मोरे। [illegible] कमणी ॥ [illegible] ॥७॥ पूरव० ॥ [illegible] वीपू
कमली [illegible] नेरे। [illegible] लोप मनं गिरे ॥८॥ पूरव० ॥ [illegible] कानमी मंरी।
उ [illegible] बन मो हिरे [illegible] कमा [illegible] ॥९॥ पूरव० ॥ जो नी सम मेरण
[illegible] तनवसु [illegible] ॥ [illegible] जतपा लीरे ॥१०॥ पूरव
० ॥ [illegible] तपनी [illegible] बिसालोरे। [illegible] कर मन [illegible] लोवेगा
[illegible] गुरुणी [illegible] मान [illegible] दउपनेता
रो ॥१२॥ पूरव० ॥ [illegible] ॥ बेबा भव वनव श्री मणी। [illegible] लगेमा
[illegible] पिता [illegible] ॥ [illegible] मनमें लागे ॥१४॥ पूरव० ॥ कमा पुत्री रूप कद। कर [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥१५॥ पूरव० ॥ [illegible] राजकन्या [illegible] ॥ बेबं धव
[illegible] श्रावी रे। राजसुता [illegible] ॥ देवता पदवी [illegible] ॥१६॥ पूरव० ॥ [illegible] श्रावक पाले
[illegible] वारोरे। [illegible] देवलोक [illegible] ॥ [illegible] ॥१७॥ पूरव० ॥ बेबा भव ते
[illegible] ॥ [illegible] श्रारा मोरे। [illegible] ॥ [illegible] रणिवामोरे ॥१

पूरव० ॥ नेनेरी मरुदेव तउ गुरुणी [illegible] मयोरे। [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥२०॥ पूरव० ॥ [illegible] जीवनेहनर। [illegible] कूप [illegible] बलहाजी [illegible]
बन [illegible] ॥२१॥ पूरव० ॥ [illegible] केननर [illegible] जोवे। [illegible]
[illegible] सोरा श्री [illegible] जोरे ॥२१॥ पूरव० ॥ रेसंतव श्रावक पालीयं [illegible] मक मो पुने
श्रावे। कनक [illegible] राजा [illegible] तिव [illegible] रे ॥२२॥ पूरव० ॥ दूह ॥ मुणीमो
[illegible] ॥ [illegible] ॥ केन कन्नकर [illegible] ॥ मपुन [illegible]
क [illegible] ॥२३॥ [illegible] ॥ कूप [illegible]
तेष [illegible] ॥२४॥ कनक [illegible] ॥ [illegible] ले
गउ। [illegible] ॥०॥२५॥ ढाल मान मी ॥७॥ रागजेतमर। [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥१॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
रे ॥२॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥३॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥४॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥५॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥६॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥७॥ [illegible]
कनक [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥८॥ [illegible]
[illegible] ॥९॥ [illegible]
[illegible] ॥१०॥ [illegible]

बस्त्रो गहम भुनु तनीयन विमल वाहा नग रूपा मोरे॥११॥दा०॥ मनितपुर नि र्तमो
पनतो चारु मागी सू० स्वामी वे॥ नाप सीमा हि सरोमणी॥ मो धवयज वकुमीरे॥१२॥दा०॥
धेन मवंत वेरागी०॥ मो मधु ऐसा मंतमोहेरे॥ गमन मस पुरवरि तं॥ पवि जीमोप हि वो हेरे॥
१३॥दा०॥ वस्समहि सवयस्न पाली तिरली वाय उ्रो॥ कुं प नी अ्नल उ स पडी कमी॥ अण
मंणपा लिमउ मोरे॥१४॥दा०॥ कालक शीपउ देवता॥ मात मह थ्रन आवासीरे॥ बेनी भव
भ्रमनो जववेरा लिम्ब पमणीन विलमोरे॥१५॥दा०॥ तेतीस हि मवर सलणी॥ नेत्र दु मत्र
स्मरु उरे॥ कनक कंन आन काभ भूकेन मुख बेकोरे॥१६॥दा०॥ ववीतापस मरनपूनपी
तमोनी कमनर वारे मधु मह दा मारणजेणी॥ तिहां पतिनंम हि वेउ्रो॥१७॥दा०॥ तु हंप
वमा हिनम॥ लख मनवस्त्रवतारेर॥ धूमकेत्र पउ देवन॥ भुम्तणस्नणमोरे॥१८
कीगा तिणअे नमर तिहपकी॥ देवता जीव मधुनस्य॥ मुकत णइ परि अवतरना॥ पुत्र रतन
कुमनोरे॥१९॥दा०॥ भूमकनदी उलिहो॥ नाम उ मन वाधि मोरे॥ तन मिल तिहो पीउ पह
सो॥ पुर वधमरवमे मोरे॥२०॥दा०॥ कुं मी पलसे कहे रु कमणीनइ प प्रेमीरे॥ मील
कमली वले सही॥ पउ मसमान मु हीरे॥२१॥दो॥ दूहा॥ करजोडी नारद कहइ॥ धन धन का
धणी॥ लो का लोक प्रकाश ना॥ केवल ज्ञान अनंत॥१॥ कुमन स्नी कह भगने कहा॥ मा णीस
नहे वो पयरवम सभवे हिनु॥ वनी राम उ जनदेवा॥२॥ जेपा तिकुरुकमणीकीमा॥ पूर
नलरत वजोम॥ मील वर मवर हे हमदा नेहा मउ जननताम॥३॥ वलन्नमनवरइ मजपइ वो
णीसरमअ पारतु कमणीइ नी आवेलो॥ पूरवनइअ जतारा॥४॥ जन वसइ अेवनगई॥ रम
तीमहहंक मार॥ मार णीईउ मकांमा॥ उइतेवन मजारा॥५॥ भाणस नासमणसन एक॥ उ
मीमोर मजेह॥ इउअ कुलगोरा॥ गालनात कुं मरी कीडा नेह॥६॥ नं कमपन देह
८५ पउउ॥ सह जीए वकुवार॥ वरणकर षषाव डुं वली॥ मूकनी तिणमडार॥ १७

वरणमरवी मोरडी॥ नवलइ यांगले हा कुं रेनकमइ रसोलर पडी॥ मिव
तिरोवूकउमेरा॥८॥ जल धरि धवन थयो॥ मूलगो धरण थयो॥ तं
वी नोरय अही॥ दुवहरयानाजाय॥९॥ पर्ली वढो सोलपदं मारस
उजेह॥ पाप किर मवा धूघलु॥ जाम्रलउ जीतेह॥१०॥ तेकुं मरी जीव
अनुक्रमे उक मणीरे रिघरिना॥ रितिथी पार्ये मुनिनसरहा॥ पउरवर
मविचार॥११॥ रमजा लीन रजी वडा॥ करउ याम तांच्य नरद वि
जोगभर पद्म उ॥ जाणी मेंप्रस्ताव॥१२॥ रमजोली उकुलाणो॥ सयम
धारि जीयादे सवन धारीघणो॥ समकित धार होसा॥१३॥ सीमंध
रणसी मुह॥ नारदरि मसंवेग ऊ मेर मजुनजोइकरी॥ आवे घा
कावेगा॥१४॥ मेघपतणी परि जोवतो॥ मुनुअे विममाहता यासु
मवहर खिनपयो॥ मोनले सव विरतेन॥१५॥ दिवेन विय णनुन्हे
मोनलउ कुं मरतणउ अधिकार॥ विद्याधर परिव धातिकु ग:
पापित्रकार॥१६॥ ढाल आठमी॥८॥ राग गउडी॥ चूनडी नी एढाल॥ अ
कनेक मालीतव वीतवरा॥ तिरमीअजुन सुरूपरे॥ नलकूबरकेउ
नेहा॥ एहवेअतिमुदर रूपरे॥१॥ मनमाहे हरि नामउनंदनेह॥ नो
नयण णोकी मलि दाररे॥ चत्र चटपहि लीगी रशाम॥ नीगणकउ मु

अपाउरे॥२॥मं०॥चिश्री चल्ली॥ मंन मोहन महि मानलउ। कामनी
अकलाश्रणर्थ, लिरे। [illegible] वननरयश्री। लिउ। मुखबोलरुअमृत
बोलिरे॥३॥मं०॥अदभुत विमवणरयर। सिरिलीलरंगपाम
पीनीवररद रुउठलसा मुंदररणकउसोलागरे॥४॥मं०॥मुखचु
नमकउचंदलउ। निरमल मासिदिल समनालरे। लोचनअणीआ
[illegible] कोनलनकोलीयालरे॥५॥मं०॥नाकदीपकसयाजसी
दीपककी तन मालरे। मुखकउमुदकउ आतिनली। रंगमाता अधर
प्रवालरे॥६॥मं०॥बाहउलीलहकउचलउ। उरमो लिनकउहारो
वंदमुखिजसा रिखा। स्रवणदोयकुंडलसाररे॥७॥मं०॥ नानमान
अंकेवअलापमादेवगायनमयमोनादरे। विद्यावलपूरणउउन
कररणमुकोवादरे॥८॥मं०॥मालिमारदचालमलपतउ। मिल
नउलीलतउगजगेलरे। अदभुतचतुराय अलि। नरनारीमोहणबे
लरे॥९॥मं०॥ सकलसुरा सुरराविमसि। किनर विद्याधरकोउरे
रूपवतना दिसअसु। जोआवैरणकोजोउरे॥१०॥मं०॥ [illegible]
थसु। मीगफलकउणन मामरे। रणभ्रुवनोगञ्जुः। नदीतरुनवालि
फलजामरे॥११॥मं०॥लाजतजीलखणगयी। कामनीवोलकेमधि १२

रे। मानननहीं कुनारीसही। सघलउकसु उसमघरे॥१२॥मं०॥विद्या
धरनेमचमुता। मुखगोरीबेसविसुधरे। उनमकुलकउपनी। गोरा
विद्यामुखसिधरे॥१३॥मं०॥मुखश्री उउउराचउ अगा। तरुमा। विद्या
दीधरे। आदरलु मुखनरदवमा। आपविद्यावापुमाधरे॥१४॥मं०
विद्यादे रपक बारसु। पठमानुतीअउ बोलरे। विद्या विद्याधामली
गामनीनूली नियोलरे॥१५॥मं०॥कुमरकहरसा [illegible] ना। पार्दि
वुमोरीमायरे। हिवरविद्यागुरु लीकरा। कामण [illegible] ज आनरे॥१
६॥मं०॥आजपडीमुखरहवी। मनबात सुण०वरकानमरदे। [illegible]
अपजसचनरवड़ो। पनिनवदुखअसमोनरे॥१७॥मं०॥कमुकमोहन
कोपरंचडी। हाहाहाथमसर सिलमाणीरे। मनमरपछतालीघणुं
पर्इमनकीबानजाणीरे॥१८॥मं०॥कुमरकलेसघीउनगउ। बनी
हिगयउतनकोलरे। पूछेपापणीआतकोपी। राचीविद्याभीवनकालरे॥
१९॥मं०॥आपअंआपाविलुरवउ। नाजकचूकनामनेफाउरो। बेलीरं
बूटघकराषोकारकररबूंबपाडीरे॥२०॥मं०॥पुत्रपितापरियणमनु
कहरलोगसपापी। पुत्रनरे। अबनासुंवकु बलकरी। आहाबूकोधउआव्
धूपेतरे॥२१॥मं०॥कोलकूनीनजिमउकोपिउ। कोलसनरकोधाकेरे

१६ मूंरायकालगरूपकीधजु।सधमलाउरे।बोलउवजर मकारा सामे
ताधूदीप पूर।वीचरू तिपिनरवार॥१॥जो मीउउनजा णमजो तिगम
रा।ते मतत्रका सरअपारे॥२॥जो०॥पत्राचली॥स्वानकसीवरम
लस्वरारोदलना मूकाके सामा धूरवा धूफालउरे।बीमूवलाउबेस
॥३॥जो०॥तिलक कीधूके सरितलउरे।वर्बि माहि नमभुवारा।श्रम
कीधीवेकुंगमारे।सुंदरचक मरीरा॥४॥जो०॥वाउमीरोदक धोतिउ
रे।अजाई सु विसाला।हरी विसरमुमउअपररे तुलसाकी जपमाल॥५॥
जो०॥देमके मेउ लहा पमारे।मारनकूनीतजा णा।वेदरजणरमुमवे
नीउरे।करे सकुनरकल्याण॥६॥जो०॥नमतउवी मा.धरिगउरे।द
वेधकवेजरा मा।मुररूपसुदतनुवोनतविण कीधवनामा॥७॥जो०॥
[illegible]रजरा मीउपमुंरे।का धउचरणजणाम।मूविउके प्रियधारमउर
नम मु नोजनकोम॥८॥जो०॥सम्मना मी मुरू मामनीरे।श्रावरूउतमश्र
वो मा मोदक मीग्।आपमुरा देमउ मुरूमा वामा॥९॥जो०॥विमवादेर
मुकी मा दिगईरो।वा सीना मानरूपामारे वरूपनबउलमीरे।दरउरह
विमामा॥१०॥जो०॥कुबज्यारा सीकुंनमतलोरे।करा जामलीवाता द
उउतेडी श्रीवी तिहारो।सिध उरमु विश्राम॥११॥जो०॥वेदनणतउत्र
विउरे।राधउश्रा मीरवार।ना माज विउवीमडरे।म णमरचरणश्र १६

मार॥१२॥जो०॥नामा नगनेरमन[illegible]कीमरूश्र[illegible]मानूकमत
उरूपरूपउउरे।मुरूमाश्र धिकरूका मा॥१३॥जो०॥तेणि तेदनरमा
नेमणूरे।ठणजी कनमारे।श्र धिकरउरूप मादेरूरे।मानमुलर उदे
नारा॥१४॥जो०॥विरउनारउकतनुरे।रूक मलीमसकवार।लउकुमा
ण मा हनुरे।जीवनमफलमार॥१५॥जो०॥बिनरूदे वि धउरपंलारेते
जोमवकरेमा।नउरूप पामेना दरूरे।देमा बीमंमधरेम॥१६॥जो०॥जेक
उस्वा मीहकरूर।वोगिमना उवार।मस्तकमुडी श्रापणूरे।श्रीनाणमदउ
मारा॥१७॥जो०॥रवे किनरलिनश्र तिजस्पोरे।पहिरिश्रुरा णाधीरा।मस्तकश्री
वि मश्रीमणरे।सफलकलपरसरीर॥१८॥जो०॥जेमक हिउनमका मकरूर
श्ररमानदेबररेम रूपदा।मरबीहामणूरे।जोणी नतत्रदेम॥१९॥जो०॥कुर
मूउमबमोहनोरे।श्रवेननउवार।मंत्रमुणरश्रूणवोमलीरा।दोमुररूपमुरा
रा॥२०॥जो०॥नाम रूरूपउधवउरे।वोजनदे ईनरपूरावे मारिउवीजजर
उवारा।जीमरवकु श्रीतमुरः॥२१॥जो०॥जीमरु नाहूमाजलनरे।वोवाहनाय
कवोन।निरमनामीवनीव।आरा।श्रीचरीजप हश्रममान॥२२॥जो०॥रेरेद
वनुकुणउबरे।जिपतिनेपा।मरके माजबररहा।पकीरापमनाइरा मीपम॥
२३॥जो०॥दूहा॥नेमकीयउनलीमीधुनररो।विजवेसवेकुंउ।कविलापिणी
लेवडीरो।हायिश्रमूलिकउउ॥१॥कोमलपदमकेलकलपउअरोजाधउ तिमण

डराय।जीवजन्मनभ्रमभाहमती।इयामभितेविनाया॥२॥श्रीगुरुकमलो
श्रीगलभ्रा नुनिवचश्रीकलमुवाह।हरिसो।हासणअमरश्वा बुरवउजालि
नवेसवा॥श्री टालश्रीगायम॥१३॥गुजमालिकुलउमीतमा।रमाकदामोगोडी
सितभ्रुवभररागा।गुरुकमलोरे।बरवीवितीगुर कारुरे।नोजगविधिमूली
रे।हमबालिकश्रीपायरे॥२॥ नलोरेपथांतुमं साथजीरे।गुरुकमलोमेस्कल
जीउर।नमहरोगतनउ॥ नमस्ते गुरुकपुत्रताकोड॥२॥नलीरेपमावसी
गुरुकमलोसुमनसाथजीरे।समाहासमतमीक्ते।तिरे।हलकहहलभ्र
आलीरे।सामलनहारेवदुखिया॥३॥न०॥साधनाभुतप्रभावथीरे।विशतन
भावरकोचितरे।कलुकलकारणश्रीविचारे।कहैरुखेतामोहेनरो।मान
नहीलमवरमुपायरे।नीहवीपुमायनुदुभरे।अधिकितमेतपीभ्राक
रपेकायाकांधु भुवशी॥४॥कहैरुकमली साधनरभुदसीसेपतउमपनव
मुनिरधाररी।जिनसासनमोहि मोतनउरे।वरसीतपभ्रधिकाररो॥६॥न
०॥मोहिरसाधीमाथमूरे।मोहरयाकानउ विहराकर।कहैरुकमलराधे
कणरभुवत्र विनाजनतारे॥७॥न०॥काचितोमुखउनीरे।बोलकहरमवि
नेसोमीमभरेनाभ्रदकमस्के।मोलवरसमनविभूमये॥८॥न०॥श्रीसाधी
कुलदेवतोरो।हदमतरमीसर।मामाकहिमुककवमहारे।भ्रुहचमर
मनहजगीसर॥८॥न०॥श्रीवनफलमसहगोगणहरे।गुरुमतसमुन 20

तामेरो।श्रीजश्रीकालीबीलिफलीरो।नरनतमिनत्रमोर,स्वामी॥
१०॥न०॥ मवरुपुत्रकहीजेन।रजायउनस्नगनकुलानेरा।मोलेरू
वेनविभूतिस्वरे।सेफलनक नसनतकालरे॥११॥न०॥जेकहैतेमानी
मभुहारे।जसकहरस बामखउरे।श्रगनसज्ञालीनवुजउतलस।मालस
नोवसवउरे॥१२॥न०॥भीवमादिकमाठान्प्रतुराउकबुक
नरहेउरे।पूर्णीनम्नसउजर।मिनहो।हमश्रोरोगस्नेहरे॥१३॥न०॥
कहस्प्रुनिवरनमकोनंदीरो।नपतलोसकतिमनतरे।नसमभुल
हनमपकुसेमोहिकनम्पारा।प्रुनिनवधीमाहनेरा॥१४॥न०॥गुरुकम
लोमोरिकश्रीएमोरो।पालनमीमुसनेहरे।राकेनलोपरिमाइगन्श्रा।
श्रीनउज उपनत्रम हर॥१५॥न०॥दूहा॥जामाजहूकीश्रीपुर्वानरी
एपणजेमभ्राप।परनेकवलीपाकूश्रातेपो।तिलागापाप॥१॥रेरवरव
हागउ।मकुनरुपणीपंरकीप।लूलादूहीलोमउ।जूकाधनरुपाप॥२॥म
जोलाकूमापतउ।जिपतिनपामइलेरा।नउरनउके वीगमउ।जाणीराव
मदेह॥३॥तिणवेलोश्रीम्यातिहो।गमरपोकामा।जामानरुचतिदुमन
मउ।भूवनपसेउमसार॥४॥कोमगयकुमूरीश्रूपहरी।कोमग पूर्ववीउ
वेमी।कोगयकूजमरनहदुमर्व।दूमलेगयकोचाथा॥५॥मतलामामकन
हकहीमनपकीमउवात।एकवामकुआपली।रेरश्रापूंभात॥६॥नउप

ज्ञानबर

ताना बाने तेकरी॥ दूबर म्होती को सिर मूडके सो करत जनम लेलीक
कहा ठान धार मी॥ परिश्रा गदे सा या॥ ना मा दासी मी कलीं पड लन्दर ई
कथि॥ दुक मणी आपो आपणी के सबप न्हनी सार्थ॥ १॥ अब जिन्ह पवर
श्रु॥ मरर दिनरा ना सो बा नरतिपडर नहे॥ देव नी मीवा ला॥ २॥ आवार जन
आ घली॥ रडमूड मस्तक को मेरा पडत ओकेसा दा सीम बिना सीग रा
बलीन दी ग्याबर वे सा॥ ३॥ अब दि०॥ ना मां कर रहा सीन लो॥ कुणण
कार॥ दिर बी सो हर मो मनी नेहवडपरवा॥ ४॥ अब दि०॥ बल सबत
पी कलव ना वाल न तं काला॥ जाव ओर कर ईश्वर॥ दुक मणी ना ला॥ ५॥
०॥ जो अ यमा॥ मिरतेरना॥ नरली नित द न वमी॥ जी व लखना सीगत॥ कोकुन
कुक णीना॥ ६॥ आ०॥ नाई बाकिन उलेडिया॥ नेड किलन दे सा मार पीते घय
गुन भी॥ दुक मणी ना बरके सा॥ ७॥ आ०॥ नवे गुजे अनंत ल हा साव हजामा
ताला देखो माना विह गुदग्नु॥ निजबी लसंतान॥ ८॥ आ०॥ हमन दखाल न
न मोक ला दुक मणी नदपा मा बेक हा बाबलि न ही आगर हलम लगसा॥
९॥ आ०॥ लाजि बिंग पा बावला दी बडलना॥ मरुगुमा धबवा धबेक
बकका दना॥ १०॥ आ०॥ ह रबिलकु नहीन मवाग लिब कह॥ ११॥ गुणकसाम
दपरम गोपी ना नाया॥ ११॥ आ०॥ तिण अब सरनी रहे॥ तिही॥ आ न्यागुनीपा
मा कहर बुंआ पणमूल लूं॥ २॥ उम तमरू ए कसा॥ १२॥ आ०॥ माना हरह

कपर दरू पराका...

नीडके॥ आ॥ एद गुग ग्रपारा॥ आ॥ मिन र अ आ मूढ आना॥ दू सुहु
२॥ १४॥ आ०॥ आ ऊ कोडि र मरायनी॥ बी हा साचेण॥ बा गुरु पामन
धनु॥ पूरब दमे म गया रा॥ १५॥ आ०॥ मा नानम मन न बाली॥ ब कमूल
च दिजए का रपबे सा रहुक म ली॥ नी सग्रो॥ लिगु बिबेक॥ १६॥ आ०॥ र
रे गिर धर याद बी॥ गुण जो मरु कीया॥ ले आ बुदु कम लो॥ अ वड आ
ओ को या॥ १७॥ आ०॥ सहल गुणी को पिचकुणा॥ का बल न हन धकडु॥ मा
धनमचढ॥ बि॥ नाम्नले हडेड॥ १८॥ आ०॥ रेरे मूढ मन॥ की जूमनु
आ काला॥ कुणलडुनक तुगुक मणी ई॥ बी लरजोपो॥ ना॥ १९॥ आ०॥ कुमर
प्रजीन के लबी॥ बिरी अनकुसा॥ किमकर करनागी गयी॥ विहरि अर ककरू
मा॥ २०॥ आ०॥ मारग पाणी से॥ सिप या॥ को पावड नरण है॥ लेण बिलह
ती नु आ॥ परकी गुसने ह॥ २१॥ आ०॥ कुण कारण दूले बकही॥ बिन
बलहे बा॥ रह काय आपण ॥ मल र सो पति मेव॥ २२॥ आ०॥ बाल आके
नार हब ही॥ बारि रुक मर संभा॥ मानात मे घा॥ तिर जुजन रानदी गुकुका
२३॥ आ०॥ रहा हरि नुम कर रा हणमे ती ह ना ना बिधि बिघ मल
नजी अतरू॥ २४॥ आ०॥ बिना बदक कला धरु॥ प्रजु ना कुकार पाय कम
लप एमन गुगो॥ हारे ना बारी बारा॥ २५॥ आ०॥ बालि न दलपक मर मि
पडु ना मनकों उनगर भरबी सारी पडर॥ बेकरर जाद बलप न की॥ २६
ठा मले रही॥ १२॥ रागकेदार॥ लम लम॥ हम तन हू न जीर हाल॥ १७८

कुयरसाबन मो लियःबोना किवड नारी कुयय नलेश्रा किसरघ
लिप लोहरवज्रपाय कुयय नलेश्रा विकार। पश्रावली॥ गो मचढ़ी सु
गोमह। कं सरविसे कनया लेश॥ कृ०॥ घरिर गूढी कलस्या मेलभ
रा मवसाट। कृ०॥ गलिह फूल किल श्राण गलिया मागमसपार॥२॥ कृ०
कु सरथुन रा लो तुक सती योवलिनह कहलोपाल। कृ०॥ हसी पर
व लिश्रा हरभ जया बकार लक तीला ला॥३॥ कृ०॥ भव लगगेल सा करोर
डीरे। सुरव चरश्र। सीता। कृ० वाजय वाजन श्राति घणास। नारकप
उ गेर। कृ०॥ वैदेन गजयर नाणदया। पसम श्रेसम विरा। कृ०॥ नामन
डाम श्रक हमदया। गेघाड बरडर॥४॥ कृ०॥ डमगमयरपेपायकघलाप
बकवल लिपा। कृ०॥ रममाड बरश्र। सिरा तुक सती नवनमकार
॥६॥ कृ०॥ मकलोलोकरय वितय वाचे। नवरमी कामानार। कृ०॥ ला
नरोन्नजेते हुलरय। सरतजामसंसार॥७॥ कृ०॥ लोमानर नवगमनीय
मतीश्रा कोरि समार। कृ०॥ न पणि मरम बय धरय। जोउक में किवारः
ला। कृ०॥ नमर क्रम पामन नीपा। तुक सर्ल दि उश्रमसा। कृ०॥ जीपरउपगा
रीस नूप। गीवड को दिवरी स॥८॥ कृ०॥ कान सवर श्राले कुलजया मतुवा
पमउ वा मा। कृ०॥ मत्रे डिअमनं। मिमनप। भुवना श्रापण रगमा॥१०॥ कृ०॥ क
नक नापरणीविलाप। श्रमूल्म लेजा रणा। कृ०॥ कसर विहवामराजा। ११

मकुन मली याकृ कीम॥११॥ कृ०॥ वरकुमारा ... ला। वकय मः विध
धरपूपा। कृ०॥ नेहन ली श्रोल तिरा। कृ० मवन नमपूप रो। कृ०॥
रवन दन श्रिगलोयणीय। तूपड सेन समांमा। कृ०॥ किमला। मेउ। गोमडी वली
रीलामर वाला॥१३॥ कृ०॥ एक दिवसएकीघडीय। परणी वीपघाम। कृ०
॥ मन मानउ विवाह पघउ॥ कमल। पूगी श्राम॥१४॥ कृ०॥ हसमसपा
कलिश्री पेमा। जोवा मोहो लिश्रावा सा। कृ०॥ इ मह सुक ... हरहेसाश्रीस
दलील विलासा॥१५॥ कृ०॥ नूपकलतउलण श्रागल कया यतपेनेजस्मरवा
कृ०॥ वनश्रवन वियाल। नेसमा। मानर मान्नरत नाप। ... कृ०॥ ...
तनजागि ज्ञगरण्या। तुक मलीजीवनशेला। कृ०॥ कामलागम्पुमेन गवड
॥ देवदुंगधजा णा॥१७॥ कृ०॥ कुमरसउ भवननोकर ... श्र छनवेलार
पहे। कृ०॥ मो नननताम मकपउजश्या। निरमल पाएरदा॥१८॥ कृ०॥ रामल
मुदरक हेसा धनाये। गुणगाथावकु नो ति। कृ०॥ अपम मेड पूरसा लए
वीना नावड पोरति॥१९॥ कृ०॥ प्रथमप्रमूलेः॥१॥ दूहा॥ कामनी
रसू ममे कलौ। प्रणमु तो रापाम। हवे वीजउ मेउ बालमृ। नाने धकर अ
मायमा॥१॥ मसना मा हरे नाम ति। पेम कि मरघनाप। श्रालेदेश्रेर पादक
री। मुक माता संतापः॥२॥ थी नेहरसनी मो मती। प्रलेउ वाढीनला॥ तुउ
उ मुड मार लउ। मरीसेसणीहा देउ॥३॥ गलतह पठ देगालसु। नयणा वरस
रमेगे विलानुर लड। संपयवी पुलवीले समगयरहो॥४॥ कसाकर दरकात्रिश्रा॥

श्री म [illegible] ग्राम। [illegible] नहकौ [illegible] कहिं तेहस्य नहीं [illegible] जा॥५॥
तुअमादक [illegible] पाणिह दुमनीमें मासुनक सिरदुक मणी मारी मानहीन
रजमाव [illegible] मा॥६॥ कहं [illegible] कसमुज मरण [illegible] कहुकमल
नामरी मा॥ [illegible] मुंज [illegible] ॥७॥ [illegible] कहु विला मक रि ना माने [illegible]
मूरत्र [illegible] भ्रू [illegible] सिरि मानो श मा॥८॥ [illegible] दृ मी॥९॥ [illegible]
[illegible] गके दाय॥ [illegible] धीरे देव [illegible] करह
[illegible] नह मम [illegible] ॥१०॥ सिरजा मा मरपुत्र नव स पूजा [illegible]
[illegible] मासरे। [illegible] लीला विलासरो। सिरजा
[illegible] ॥ मन [illegible] ॥ पुत्र [illegible] दुकमणी [illegible]
[illegible] ॥२॥ सिर०॥ [illegible] जेर
[illegible] मुग्रसे [illegible] केरे सं॥३॥ सिर०॥ [illegible]
[illegible] कमणी। कदि [illegible] पुत्र [illegible]
[illegible] ॥४॥ सिर०॥ कहि दुक मणी [illegible]
[illegible] लोक केह [illegible] धंन धंनर॥५॥ सिर०॥ [illegible]
[illegible] नत्र [illegible] दुक [illegible]
[illegible] मरे॥६॥ सिर०॥ दुक मणी कहे पुत्र [illegible] जावन
[illegible] कौ [illegible] ॥७॥ सिर०॥ जंव
वती [illegible] मरा॥ [illegible] नीलकंठी॥ [illegible]
॥

लेह [illegible] नी बातरे॥८॥ सिर० [illegible] यी। [illegible] जी को [illegible]
ते हर [illegible] श्री [illegible] ॥९॥ सिर०॥ सिर०
ततवि [illegible] सोल [illegible] गमें रो [illegible] श्री
[illegible] पारस॥११॥ सिर०॥ [illegible]
[illegible] गीम तो [illegible] जहो [illegible] तिप [illegible]
रे॥१२॥ सिर०॥ [illegible] मुतक [illegible] श्री [illegible]
[illegible] ॥१३॥ सिर०॥ [illegible]
[illegible] तिण समय [illegible] नवसह
र॥१४॥ सिर०॥ [illegible] पुत्र [illegible]
[illegible] ॥१५॥ सिर०॥ [illegible] दुक [illegible]
[illegible] वनी। [illegible]
र॥१६॥ सिर०॥ [illegible] रामनी [illegible]
[illegible] ॥१७॥ सिर०॥ [illegible]
[illegible] ॥१८॥
सिर०॥ [illegible] जीव [illegible] मरे। [illegible]
[illegible] ॥१९॥ सिर०॥ [illegible]
पुत्र [illegible] मरे। [illegible] पुत्र [illegible] मंगल गीत गावत॥२०॥
सिर०॥ [illegible] नारी रूप कना [illegible]

जेसेंबउ क्रम स्‍पर [illegible] ।१४। सिर [illegible] अनवय परलावी या नारिपचा
वानिमतं [illegible] कुमर की लासु परजीगव मा पलरमामाहि विमानरे ।२२।
सिर०॥ बनरा [illegible] सीरी ॥ बिबाह वत्र [illegible] लजोउर । रोमलक रररहर
[illegible] पूर वइमी तन कोउर ॥२३॥ सिर०॥ मात मनारय पूरतउ ॥ कुमर
कलोल करतेरे । भन [illegible] पजग प्रगटी पूर वरजीन धरनरे ॥२४॥ सिर०
[illegible] ॥ एक दस सहु कमणी । श्रीपणो जणणू का लिहे आया नोजन कहक
नृप [illegible] जदीरु कैमणी बघदराय ॥१॥ करजोडी सेवक कहु रा श्रीपइ वेह
[illegible] सीस । वेरसजोड [illegible] नई । पर णा [illegible] सा ॥२॥ कुमर [illegible] वनमहुडी
कुमरी श्रमलक नेम । सुरसनु सोनी कुजो अमप [illegible] ॥३॥ कहिकु
मी कोपइ [illegible] नेरहो [illegible] बोला श्री गरुड़ कमणी अपहरी । नेपणि मोर
बाला ॥४॥ यत्र [illegible] कुलनी अपनी । हरिनउ कुल आहि रावरिवर [illegible]
मा नदे [illegible] मकहि बी [illegible] ॥५॥ वेगिदूत पाठो वलो । नचढी वान [illegible] कुक
म [illegible] मण [illegible] गे ॥६॥ चिंता [illegible] करउ मातजी । तुम
मन [illegible] सा [illegible] तउदूह के नेह । नउदीओ [illegible] सा ॥७॥ [illegible] नायत
[illegible] रमी ॥२१५॥ [illegible] कुमर [illegible] लोरे । बिया बल श्री का
[illegible] पकी धुं तकु मन्दरा । कालिकला [illegible] कासोरे ॥१॥ नीर [illegible] बेदरस
[illegible] कु पोरीरे । मीन औरे [illegible] मापूर नीरा । [illegible] श्री कणी ॥ नीज [illegible] कद नगरम
[illegible] माइरे । गा [illegible] गीनर [illegible] रे । [illegible] मासु [illegible] सक [illegible] ना

नेरि ॥२॥ नो० ॥ [illegible] रे । देवग [illegible] ।
नेदसमच [illegible] रे । सुंदर सकल सरूपोरे ॥३॥ नो० ॥ मनसुर [illegible]
मूठी नाम कवीस मानीरे । सर मंडल पर जमोरी । [illegible] मन [illegible]
४॥ नो० ॥ [illegible] लेरी लाभू लिरदी । नरनारी ना [illegible] रे दिवि विमान । पनीर दीरे
पा मर पर [illegible] ॥५॥ नो० ॥ [illegible] मर सुम मयीनारी । बिरह [illegible]
[illegible] रे । चंद्र वदी नमगा [illegible] चलेरे । [illegible] धोनमव [illegible] ॥६॥ नो० ॥ की
विहार पर विमारे । श्र [illegible] सी श्रावे । का [illegible] नस [illegible] रा [illegible]
[illegible] सेधावीरे ॥७॥ नो० ॥ की विगत विनोदनीरे । [illegible] की लाकीणी
रे । का [illegible] पगनर [illegible] । श्र [illegible] मुके ओ [illegible] रे । [illegible] का [illegible]
घरि [illegible] घडोरे । [illegible] मूकी [illegible] रे । चौरि [illegible] चूल [illegible]
[illegible] बलन उरे ॥८॥ नो० ॥ को [illegible] नगण [illegible] ना दिलगा गालद [illegible]
उरे । का [illegible] मल [illegible] । [illegible] ने हो लेन [illegible] ॥१०॥ नो० ॥ [illegible]
[illegible] पावलीरे । नीम रीह [illegible] के पोरे । काची [illegible] ना [illegible] नी रो [illegible]
र [illegible] वेसारे ॥११॥ नो० ॥ नारद मोह [illegible] जारे । ना [illegible]
रे । नारद [illegible] बारे [illegible] सुरय [illegible] चकरे ॥१२॥ नो० ॥ नारद [illegible]
सुरा [illegible] । को लेग [illegible] नारद [illegible] मिया [illegible] रे । [illegible] चितर [illegible]
१३॥ [illegible] नदेव [illegible] च मकरे । [illegible] सवादेरे ॥ [illegible] नी
री [illegible] नारदेरे ॥१४॥ नो० ॥ [illegible] सोन [illegible] रे । पउल [illegible] मुम [illegible] रे ।
[illegible] बिना [illegible] री ॥१५॥ नो० ॥ [illegible]

ला॥५॥क०॥जीहो सबरागसुंदरी लाला वो नाबीदागा जीहो गोरलु
ला॥५॥क०॥जीहो सबरागसुंदरी लाला [illegible] ॥६॥क०॥जीहो जेबूवतीनपउरला
गोपालणी लाला देस्युं रामस कला॥६॥क०॥जीहो जेबूवतीनपउरला
ला जीतमा जीहु घ जीहो जेउ रस देउ मा हिनस लाला बोहि घालीबाधा
ला॥ क०॥जीहो रे ते कं वजुसुंक रस लाला जीतमा जीहो घ जीहो जेपर देउ
॥ क०॥जीहो रे ते कं वजु संकर [illegible] जीत मा जीहो घ जीहो जेपरदेउ
सादिसास्लाला मा हि मा लापालिह॥ नगरका घुरूप आपणुं लाल॥
नामीग बाउ संघ विह ॥८॥क०॥जीहो रुष्ह करस रह वर कामीयेलाला दी
वनपूत कर लुं जीहा तूलनस यर मा मव मांकली लाला हिवर पोतस्यनलूं
॥९॥क०॥जीहो बाउरद लिगोवदजीलाला वरगमसनाम गारा जीहो जीलोघ
उतनश्री [illegible] लाला संवाक मरत लीबार॥१०॥कण जीहो रुपसरूप जीम
नइलाला पीली को एरबसे म जीहो करू मर बालजे काल बीनाला मूम
मा हिसे मेम॥११॥क०॥जीहो भुरु धीप तेनिवगरूरआ लाला को पालसमु
रारा जीहो देसदेई का हिलाला वा दिरसंवक्र मारा॥१२॥क०॥जीहो दे
याशघीचापणी लाला सरूपनी रजन्न ॥ जीहो यानघलीएक पाठलीला
ला बीज उपोते पंमा॥१३॥क०॥जीहो नरू कनर मार रवलीलाल रूक मणी
गणीनरा जीहो जाउ क ला मा कोपी प्रुमनण रलाला कारवंधारर रद
॥१४॥क०॥जीहो सबतलीपरितारूं लाला रहापीउ अरदाग जीहो जाउ
कहउ कि हे तातजी लाला जीसम माणवर [illegible] ॥१५॥क०॥जीहो पांव
२८

श्री बकुक दीलाला श्रव घुरउआ [illegible] ॥१६॥क०
जीहो रुकमणी नरंदनप [illegible] जीहो [illegible]
श्री वियि [illegible] जीवन [illegible] क०॥ जीहो [illegible]
[illegible] लाला [illegible] रूप पवल॥१७॥ क०॥जीहो [illegible]
कमणी बदन चीत [illegible]
नावा जीहो आप [illegible]
॥श्रीलगवंतसल॥ [illegible]
स श्री लसर काज जेमा नारि जेमब धरिन मती [illegible]
समजेमसुमती दूरि देसोत हि प्रेम जेम॥ [illegible]
जीवदया [illegible] ॥३३॥ [illegible] आप समा सा वेजी [illegible]
तेह [illegible] क हो॥३४॥ सूक्ष्म [illegible] जीवन [illegible]
न वि कीजइ॥३५॥ सुजइ श्रुतपते हननए॥ जीव ने जे मारपा न [illegible]
जीजीवने [illegible] ॥३६॥ आप ही [illegible] पर जीवसंहरे॥ पापकर [illegible]
काम [illegible] ॥३७॥ कर्म विपाक माहिक [illegible] करस्यइ [illegible]
संसार नतरस्य ॥३८॥ जीवनणी बिपाग लूह॥ [illegible]
कूबड़ अबं धा॥३९॥ अणगल नीर [illegible] अणगल नविपाजइ [illegible]
मालतां [illegible] फल [illegible] ॥४०॥ [illegible]
सुधने जेह ए॥ जिम पामु पार॥४१॥ [illegible]
मज करूए वेदे बोली जइ॥४२॥ जल गलि [illegible] पाये पवित्र॥ जीव [illegible]
मकरूए [illegible] ॥४३॥ गलतो जलक [illegible] पाणी [illegible]
लवहीए जीवत द्रवदाल॥४४॥ [illegible]
लकरू [illegible] जल मोहि [illegible] कला
२८

नुनह लगी। परस्व विस्तर स्या। २२॥ पद माहि कुसुम पडी नुक जलो दरे ला। मांबी अम
ला म भी सदेरा की नौ नु हसमैला। २३॥ परसी मिदी अस्सा काला। मानुह दे मनै धुपा दि
के गम नुम सहू की ल अको सम्मु मुघ वार॥ २४॥ किसि ति से जो जन ति मे उारा ति ज्यो
म होरा न लिके सल घर तिन। अक रा हर विस जिम। २५॥ बुमा सी मुला सी धर्म की
घरमु उदय राष्ट्र। वार म मुपा ली इ जनै हनु धन्य॥ २६॥ वुरसी दिन नदि घडी आपम
नु पदा दीरा र व्यार घर सिम्रा नु दिनदे मन है उारा मा सी नर पड विलेपा हला बीजनल दे
ते देसा स्ला वस पड्ड साजे वड़ा। वरगमा व ली अनहः। वीर दांसु घाल नसिंगा री नंदे
के कम मुंमांग रे। लिड व नांमनजे एरि ने ईफल फुलनमारा। विम नरू परदे वानहा
ये समद सम्मोपो। २०॥ अ भगवी रसाव ली व नू। पालूं पीवू जो धा अनेह फल नु रुक ह
गवामाई कौ प्रा॥ ३१॥ पुन अनी मवावेरू। वा सी वनी कड बला जे मा हि दी सन्ला लुवण
नद दर्श सि नैफू मा॥ ३२॥ कंद मुल म वुढा ल यो। अनंत काल बनी सा। मास्मु माहि वरस
मुलकी हर तैसु घंदू रीस॥ ३३॥ वो इ हरि गुल गलेमु एगा अनु अनस्वा जो के ह अस्मर
जै मीलो ली भरा। लिस एव अनदसर एक रा॥ ३४॥ पेगी लो टनइ परसू यो। नी ली नो पलय
हि। जीस्म लु मा वृषह मयो। रह नु स्वाद लिवा ही॥ ३५॥ कंलोके पलवा सना। सिर स पहेय
पाना। मा के से दपले कश्ण। मु लक सिए स्पाधानाशुदी। सन्नो व रिटैक व कलु नि नुवन
जैक चरा अदकं नीआ लिली। वली वो नु हलनसर॥ ३७॥ खिर स्लांगा स्वर बली नाम
प हो पिडो ला मृत वे लि विरोल पुणाए की व अनंतजे ना सा। स्ल। का सीक व कस्त मंत प्रते
मुपदी घर मी उार मनवा हि अर सलवुधन्तु। गीष्मा बोल म धो लो॥ ३९॥ अ यापे ल मुम्
क ता। वदी वेनु म आवार। अविर मुमिनीर पायलो दामन ला नीपा॥ ४०॥ कासि अ निधी
गन्या विए। जा एमु मिनर देवती पानसी धानरू वा व कः। नमी र कमूया हवे ता॥ ४१॥ रध

लमउगा पी स लि। रा निज नु मरा दी। यह यतन की सरघ रु। दया विएण वनन र नि॥
४२॥ व सुः॥ निसा नीजन र दोम व कु नाही। ज्ये अलद बावी सुद रा दा ला। इने हनल म लिको
ली। अनउ कायब वी मुजा वली॥ वा दिने स स्त्री ए॥ मासु स वेकु मानर। वेद सि धोलवु
राए। महनी वा रते माहि बरा उ अधापान विखाए॥ ४३॥ टाल ई स्वर उा म्प। नीवरा स
स्त मार गम्क वा कू। वो ल सर सिउ सो। ठि विस्म ना। स ल्लिम सो हि नरमी वडाई। नेम
स्त सो पुन मे काला इ॥ ४४॥ ज्ये मत्य ना मि ने ह दे जी माना। जी बोलए नाकुर लिंदू सी
ना जेमा च वीमा सु कर जिने ह। पवित्र नाही विएण ने हरे हा॥ ४५॥ पुरियि सिक रा तस
सकी धी। सं लि उ मी लो दे जमो प्र मी धी। मन्ये दी के ती रथ मां दि सी धी॥ मनसे अवे केन
व धम सी मा॥ ४६॥ अ सत्य वा वा न व ने उ रु हि। ने पा पन ई न। दिस्न अ पना रि सेस
जेवा सि नरने विसु चर। निगोद ना घं पल मो हि मू चर॥ ४७॥ ज्ये पाकु ई दस्ण ति दु सभी
लि। नेरमा मकु उ। नि प्रमाणी। सि धा ल बेरा न मरा व मा लि। कु कुल रस्य बोलर ना वि
क लिजोली। ४८॥ कु मत उर नु नै प का ई कौ जर। कु जीवर हानुस सरमर जस किव
न वो पंत्र सिउ सना ना। लो भी मुनि या नु सिंनि बना। धगा ने मो कि पांच अ उ अने
कः। अ स्सन्न का ल्ला ए के नि उजर। हि मवा मु जो लि न रू उा न रस्ना जरा। ४९॥ जिहा मस्य
कासो निको गमपा को। सतिसदा मरु इ आप पा वी। जु कु ड कास्य मिहा ने व ठा कि नु नेक सि
अंक र पिटि सिउ मोहि॥ ४२॥ को ई कुड माडी मकम्मू वी वा दा। था इ प लड ने रा ति वेल दा ह। कि
कु उा कर मी तो ल न ता मा पा दो हि नाकुं म र लो ग बनी जि पाप॥ ५०॥ गोस्न सी नर काज र कि
कुरु ना गु ः। ही या त ली श्री जिन कोइ दा मू। नमावसि उ मो मत पत्र कु उ। श्लोक हारि
वि ए सुस पर नुः॥ ५१॥ कुनू कु क वस्तु ने तए मै का उ जो बो लु व ली वो ल से सि जग ग व क
उरू लि को र ति नु जनो मा कुड ा पस प न नद उ जगो म॥ ५३॥ क उरस धोप लि नु जमो मं
कू उउ कर को दि सिस प र उ पि मि पहू परे लिको सिउ नारी॥ च धा र सिउ मा सि म घमी हारु॥

तव्युर खा भवर्हं मि। मावमयं ममसलकुश्र। नमतुय त्रनोवनभो हि। [illegible]

मालेकुलाएडु॥ को भरस्रनम विणसं तिं को पत्रूंस्पचपा हि पानुभ्रा। नविंतमिरुर्ः।

[illegible] कोध वा निम्भ्रवाकूअ॥८४॥ [illegible] तेनहीं [illegible] नीक

सीपा। [illegible] मानुम नि [illegible] बसीया॥८५॥ [illegible]

कोधः वृ। गुरु [illegible] लम्यणय मगता सेलि [illegible] विदिलस्या॥८६

॥ कोसदाय [illegible] मानडया। श्रुणाति मिया। श्रगाति मिंर्लो [illegible]

किमरसीनाम [illegible] ॥८७॥ [illegible] वानलोम [illegible] ॥८८

[illegible] ॥ मंदुसमवाडेरलो मिपर दारा परस्त्री [illegible] पयन्मे।

[illegible] ॥८९ [illegible] पाप [illegible]

विकोधि [illegible] जिभमकटना विपा सी॥९०॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ३२

[illegible]

(पूर्वोक्त) मुंपातक ओ ई॥ महाप॥२५॥ वउनपगढ गयमलो गणमूराजेदेवो
लोगगाजेलपूरा। श्रीजयश्रीहरसूरिवरो॥ नासिपार्दिसूह विगरूयहिन धि:जि
हमी मोनिलदीउस विमिधि। श्रीजितरयणसूरिंद वरो॥२६॥ नासपार्दिदाप
दगुणनूरि। गवपत्तेश्री जिनसुंदरसूरि:॥ तपिजपानिमोलगुणधरूया हि
सुयधरा हिनेहनरदेवी हो निरूपमगुण देसगमन मोहिंदा७व श्रायश्रीगुण
सुंदरगुरूया॥२७॥ नाम सीसगुरूलहीयप माय। श्रीसवेगसुंदरभव भायार चे
ते सुहुणासंगेमूरपीप नर सिग्रुवतालसंवद्धहो। मार्गदस लेगुरु हि निम
नुअमुर्दि। निनरयुगलजमकरूपा॥२८॥ इतिसारसीया मणरास संपूर्ण॥
श्रीवर्द्धमानाय नमः॥ चउसरणलाईयपवइ॥ सावजजोगविरइ॥ उक्कित्तणगुणवउयपडिवत्ती
खलियस्स निंदणावण। तिगिच्छगुणधारणा चेव॥१॥ चारित्तस्स विसोही। किरइ सामाइएण
किलइहयं। सावज्जेयरजोगाण। वजणा सेवणत्तणओ॥२॥ दंसणायारविसोही। चउवी
सायत्थएण किज्जइय। अच्चुब्भुयगुणकित्तण रूवेण जिणवरिंदाणं॥३॥ नाणाईया उगुणा
तस्संपन्न पडिवत्तिकरणाओ। वंदणएणं विहिणा। कीरइ सोही उ तेसिं तु॥४॥ खलियस्स य
तेसिं पुणो। विहिणा जं निंदणाइ पडिकमणं। तेण पडिकमणेणं। तेसिंपि य कीरए सोही॥५॥ चर
णाईयाणं जहक्कमं वणभेगपडिरूवेणं। पडिकमणासोहीणं। तेसिं तह काउस्सग्गेणं॥६॥
गुणधारणरूवेणं पच्चक्खाणेण तवइयारस्स। विरियायारस्स पुणो। सव्वेहि वि कीरए सोही॥
॥७॥ गयवसहसीहअभिसेय दाम ससि दिणयरं झयं कुंभं। पउमसर सागर विमाणभवण
रयणुच्चय सिहिं च॥८॥ अमरिंद नरिंद मुणिंद। वंदियं वंदिउं महावीरं। कुसलाणुबंधि
बंधुरम् अज्झयणं कित्तइस्सामि॥९॥ चउसरणगमण दुक्कड गरिहा सुकडाणुमोअणा चेव
३४
गणो अणवरयं। कायव्वो कुसलहेउत्ति॥१०॥ अरिहंत सिद्ध साहू। केवलिकहिओ सुहावह
धम्मो। एए चउरो चउगइ हरणा सरणं लहइ धन्नो॥११॥ अह सो जिणभत्तिभरुच्छरंतरो
मंचकंचुअकरालो। पहरिसपणउम्मीसं सीसंमि कयंजली भणइ॥१२॥ रागदोसारीणं
हंता कम्मट्ठगाइ अरिहंता। विसयकसायारीणं। अरिहंता हुंतु मे सरणं॥१३॥ रायसि
रिमवकसित्ता तवचरणं दुच्चरं अणुचरित्ता। केवलसिरिमरिहंता। अरिहंता हुंतु मे
सरणं॥१४॥ थुइवंदणमरिहंता। अमरिंदनरिंद पूयमरिहंता। सासयसुहमरहंता। अरिहंता कुं
तु मे सरणं॥१५॥ परमणगयं मुणंता। जोइंदमहिंद झाणमरहंता। धम्मकहं अरहंता। अ
रिहंता हुंतु मे सरणं॥१६॥ सव्वजिआणमहिंसं। अरिहंता सच्चवयणमरहंता। बंभव्वयम
रहंता। अरिहंता हुंतु मे सरणं॥१७॥ ओसरणमवसरित्ता। चउतीसं अइसए निसेवित्ता। धम्म
कहं च कहंता। अरिहंता हुंतु मे सरणं॥१८॥ एगाइ गिराणेगे। संदेहे देहिणं समं छित्ता। तिहुय
णमणुसासंता। अरिहंता हुंतु मे सरणं॥१९॥ वयणामएण भुवणं। निव्वावंता गुणेसु ठावंता।
जिअलोअमुद्धरंता। अरिहंता हुंतु मे सरणं॥२०॥ अच्चब्भुअगुणवंते। निअजसस
सहरपसाहिअदिअंते। निअयमणाइअणंते। पडिवन्नो सरणमरिहंते॥२१॥ उज्झियजरम
रणाणं। समत्तदुक्खत्तसत्तसरणाणं। तिहुयणजणसुहयाणं। अरिहंताणं नमो ताणं॥
२२॥ अरिहंतसरणमलसुद्धिलद्धसुविसुद्धसिद्धबहुमाणो। पणयसिररइयकरकमलसेहरो
सहरिसं भणइ॥२३॥ कम्मट्ठक्खयसिद्धा। साहाविय नाणदंसणसमिद्धा। सव्वट्ठलद्धिसिद्धा
ते सिद्धा हुंतु मे सरणं॥२४॥ तिअलोअमत्थयत्था। परमपयत्था अचिंतसामत्था। मंगलसिद्धपयत्था
सिद्धा सरणं सुहपसत्था॥२५॥ मूलुक्खयपडिवक्खा। अमूढलक्खा सजोगिपच्चक्खा। साहाविय
अत्तसुक्खा। सिद्धा सरणं परममुक्खा॥२६॥ पडिपिल्लियपडिणीया। समग्गझाणग्गिदड्ढभवबीया।
जोईसरसरणीया। सिद्धा सरणं सरणीया॥२७॥ पाविअपरमाणंदा। गुणनीसंदा विदिन्न

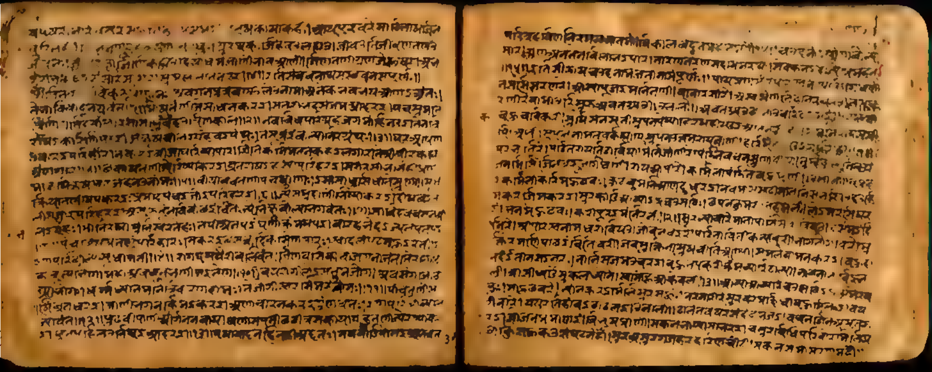

स्थिपाल समुद्रजाम सारसतवा श्रीव्यचरावु समल सहस्र मी नपर भ्रमी आका सनाकिवनी

ढाल ॥ जिनवर वीर सार सौम्य जिन परमसी सालस सहस्र सम ब्रा [illegible] सुख मूल बस्त्रि

दी जिनवर दिन श्रावक सहस्र समता मती श्रावक सुदत्ता जो गी परम तिलक लच्छ

ग सर्व सकस नाहन जिन पाय ॥ २ ॥ मनावी सह संप्रति नाम त्रिय सम तन रूप वा मानंदा श्री वि

बीज त्र चली पा ॥ ४ ॥ त्रिय सम तन रूप वा म च नहरूप रूप धारीय वार सर श्रुत नरवा मीय ॥ ५ ॥

हव मर महा शरत तिर ना मयग सुंदरि सती रूप कला जीवन वती जसवती अस विस्नेर

न श्राम तस्न नयना ॥ १ ॥ बलिरूप जस नाम दिय वरसि रह मुद्रा जे रहन रहनी सुप्रसदा पकरान

तिलक पर सिंगनर धनंद ॥ ४ ॥ धन रूपक ॥ सोरो ही श्रावीक रा सिंल लाल जी पा सिंजन भवरा

रूप कवी धर्म कुल सिंधु सेवा धाम ॥ ५ ॥ धन रूपढाल दिवटा ॥ पंच महाव्रत ॥ श्री श्री ॥ [illegible]

श्री आनमी स्वरनर सिरभाम ॥ [illegible] कर सुख सादनपाम ॥ १ ॥ नयर राय पुर अतिह जमावः । श्रम

करन कधिस मिद्ध ॥ २ ॥ समद विजय राजा तिहां तो ता हय गय सेना सहित बमोराउ । नस पदराणी

श्री सिवादेवी सुंदर जी प्रभ विक्रीकाद देवी ॥ ३ ॥ तो मन नीस्वर कोठे उपनो । मनोहर लावा बरदसुर

नीपर रूप तिरु धन्य रूप न विचार । प्रकृ सीनी पंक समार । आवण सुदि अष्टमी दिन सारः । नवन

कुअ नश्रीन मन सार । इंद्र महोत्सव कृत सारः । जन मन मोहि हर अपार ॥ ४ ॥ श्रन्य क

सिजीव बसोर तिर श्री आधु निर्ना विदिव वधामा । क ठिक नगरी की धुंजी साठ । गट मढ मंदिर प

लिपकाद ॥ ५ ॥ यगाय सबदजन मंजन मोहरा जगाम दिनगर सुंदर जी सो हरा नगरी करी नरदी थी

नी रणकी आद ववासी आहर सबरंगरा ॥ ६ ॥ [illegible] जिनवर सो बाने श्री आ जा रव मन मोदि

हर पज श्री ॥ [illegible] धार गीत गीत राज मनो न मवट विसो गी । मा सवने मक मामन

जो ॥ जन अनोपकाधी जीवंगा जन जीजा नी रसयंद मार । रूपजीव लिन रूजा निषेसार ॥ [illegible]

जीव लिन तनु सुसुजाण । अन अनोप मसुखेना जाता त्रि णिमड तुं क्रात्तेरा नमः आपह वा श्री के

सवृजन नेत्री श्री आ ॥ ८ ॥ विमल दिव पर मुखवर वीरतो जाने सोढी जी त्रिण को इकु परवंधा ॥

[illegible] हतन धीर रकवी मस महसमर हन उनीर ॥ १० ॥ वली वर्ण राजे नीयजो ग न । सुरय

सिरिनेमि जिणेसर नमिय सरेस्सरबार । सु निगाइ

सुयकरुआ सीलरयणनेय तरा । नयरीसू विनीता राजा

सिरहरिसीह राणी पउ मवई सती ससे हावइ दीह

॥ १ ॥ तूरे देहजिसौंद णीय रदीपती । ठ पंवेड कुमार ।

जाय वज गिजयवंत विसेषि वड भागी वे उदार । बाल

पणै बक्क बुधि मदो दवि । बमेत गे सिरातुं न सोल स

वारसमा दे ऊ लै योबनवय दीपंतौ ॥ २ ॥ एक दिवसि मुनि

सरपेषे संयम पुबंता । पूरुवतव्य पेषे तदनाणे गण समरंत ।

तब रमै नरा मतिः दमै नदरि माना गा । जिणवर पायप जे

तो लागौ उपसमरंगा ॥ ३ ॥ तूरे रे गेउपसम आदर । जो

णीस बरा णी मति चिते । कुमरनरा चैनोग तणै र सिः

यौबनबयद संतै। वर्म ध्यान जिमश्रु निवरलीणारय
ली दिन मरस्स पद। पु। णियहण करा ध्यायावैः पासि
न पद मा पद ॥४॥ रणस्अ... रियो णीप पिवी चंद्रकु
मारः। रायर्ड गिको ला व...बः राकि सिउ विचारः। तइ
जोग लण रहु रिः योगत...आचारः। इम किमआदर
ा। परिडो म प...ाम॥५॥ तूं रे बार विरि लिइं करी पा
लीय हण म नैय हउदनु सा। कुमरजण इह नंवुष ना
रीः नारीदि पुंपासः। आगै नन मअनेक विगुते जूतो जन्ने
नारिः। वरिवा चलि मुरनै वलगाडउः पणि मलगाडउ
नारिः॥ द्यो चविर हूं नागो रणपर वासिः वडगरचा च
रडै पडिउ परिने मोद नैपासिः। पणि तात वयण। किम
पालउ बोलनै आजा। जनीब धूतण पुणसरइ किं पारे

कजा॥७॥ तूं रे काज विना सीइमं विणि पडैः मनमा नि
उ। वा वाहा राजा रे गिइं आ...नो पनः नेरावइअरना दा
आतर कुमरी रूपै अमरीः कुमर सरूप काय। पालि
ग्रहण करी निषु कुतानः सन वनि उरराय ॥८॥ कोल
लगती नी॥ सिदा मानि वइदो वरबैर गी बोले बृ विनि
वानः। तुम्हे बरु उरे बाली विन पालीः मेल्ही मोद अग्नी
न॥ तूं जो रनजोइ बिचारि पथवी चंद कुमार। नव परणि
तनारी पारि उतारीः। जीतुं मारिच कारः॥१॥ एतो जीवे
आगे अमर वणी सुषः ला षा ता अनंत। पणि प...नैने दे
इआ जन कोईः देषू सुष विलसंतः॥२॥ तूं जो इन आ
पणा पिआगे बार अनंतीः किन सिउ घर संजोगः हूं नारी
रूपेः तुम्ह सरूपे पुरूष न लैस कोगिः॥३॥ तूं जो इन जोई

रमकर्मतलैआसिंनवीनवीपरिनाटककीधाजेड़ी
कोकेलई बूढे कर्मनतूठालैपुलंपारनकोइ॥४॥
तूंजोरन०॥ नरयमकार बिगूनेनारी॥ तिरीय
तणौसंवकेडिं॥ बरबोदिनमनेतोः कालअनंतो॥
मोदतणीमोहि॥५ तूंजोरनो स्वर० लोकमूरतरैं
बिंगूत३ पडउभयरमुरजबदास तणांदुमदेखूनारीहूंन
रहूघरबासि॥६ तूंजोरनः गुंणवेनीआमइकुंमरी॥ओठी
लागेबरनेपाय॥ संसारतणांदुखबेलिनमोभी॥ आपिनकि
सि३पायः॥ तूंजोरनः॥ कुंमरतणौतुंमेलसुहा ओ जोनमी
लैलिगरायः॥ नारीप्रतिबोध वचनजोणी॥ बरयागीरुउर
या॥१६॥ तूंजोरनोछाल॥ दिनजंगतेआवीरेराजमहतांकुंयारः
सायनयणेआंसूपडेरे॥ जिमनीझरणैधार॥१७॥ कुंअरजीकां

रनमनेहारा॥ राजकुंअरजीकाइंनमनेहरे आंकणी॥ बन्
परराजतुम्हारडुंरे॥ अमेहूआ घर्मेहंणि॥ अबलीतिका
आचमूरे॥ बरयौवनसंयोग॥१८॥ कुंअर०॥ द्रगमिरागा
राजीआरे॥ बाजेढोलनिसाण॥ माथेछत्र धूरीनलैरास्वरतु
म्हारीआण॥१९॥ कुंअर०॥ पडी३ आंनडी३रे॥ मुगलूंपडी३
पासि॥ पैसीपडी३ पंजरेरे॥ तिमकुंअर घरबासि॥२०॥ कुं
अर०॥ राजकरैसोरचीनरे॥ मोरथबादसुजाण॥ नासिसूध
नमुदमणूरे॥ तेहिकरइबद्धदाण॥ कुंअर०॥ रायपूठइदे
सादजोरे॥ कहेअपूरबबातः॥ करजोडीनइबीनबूरे॥ सुणि
तिकंअम बिख्यातः॥२२॥ कुंअर०॥ टालअवंतीसुकमालनः
बरगजपुरनयरमुदामगुजी॥ जिनचवलेकरीरलिआम
णुंजी॥ तिहिंसेबिरयणसंचयबसैजी॥ जसघरदिवनसोव

नमोवंनकलसेजी ॥२३॥ तमुशणीसतीसुमंगलाजी॥
मविन्नणीधर्मतणीकलाजी॥ गुणसागरमुतछइते
इतणेजी॥ सविधर्मकलाजोजेनतणैजी॥२४॥ जोबन
बयपडु तो ज्येतलेजी॥ आप कन्याजोईतेतलेजी॥ तब
तातकरेबीवादलईजी॥ वेवाहीतेघरिऋतिनलोजी॥
२५॥ एणइअवसरिनियरकुंअरसनमइजी॥ देखिसंबी
रायनेपायनमेजी॥२ तमुद्रेरसणपरसनवसेनरैजी॥
वैराग्यरंगदाखवसेजी॥२६॥ घरिआवीमातपितान
मेजी॥ संसारथकीमनउपसमेजी॥ करजोडीनैतववीनवे
जी॥ परिणीहूं संजमधादवइजी॥२७॥ संवमायसोयअ
वसवमर किसिजी॥ तुम्हनावेदीयऐंवलईवसिजी॥
हिवअमेमरकमायपरणबाजी॥ मनबोनोबोलकमानवा

ताजी पूर्वैत। न तमजेकेदेजी ।तुमवरपरली संयमलिर्जी।
३४॥ तु कुमरीनामरदूरवासिंउजी। वरअवरनलय लो ने
र धर्मजी॥ स ठिमनरं गिरं सद्धू मिल्यूजी॥ कीबाह लगनदिन
लेव लिखंजी॥३५॥ श्री ग्रंथ सागर वरचालतांजी। वरशेल
तर्णीर सझीलनाजी। परणे बातोर तिश्रा विश्राजी पतिने
रमयणकेपा विमानी ३६॥ वरवर व्याळ विदीप तूंजी
मर्वि कर्म सदा नेडजी पतुंजी। श्रावेकुमरीकरसादीउजी।
वीसा सीवररीवादेउजी ३७॥ नववार कंकुभर निदालुई
नी। सुना प्रस गरपदया पलतूजी एण अवस तिय
यषमीन तूजी वरकेवलमंगल फूलदलेजी ३८॥ सुर
नाव केरुउ मेवनमेजी। नीपाइजी मीनेन मेजी। तेकुमे
रीकाउतिगजो वनांजी। साविक मेत लं मन धांवरजी
३९॥ वरनरीके वलांस तेरे ।सुर रवरद
मीगहगदेजी। नउमतापित श्री व्या सरजी तिहे
नरमानिश्र मंद उल सेजी ३९॥ वरकन दगांक ते
लीजी समुपापपडलना ऽ ठा बढ ज तउभ अनप
मतेधरजी। अनेम तपित कवललहेज ४०। श्रीर
यान मर लोक सकुवादिवजी श्रावे संदानिकद
वाजी। सारघपातिहे तिरे श्रावेउजी ।गुण सागर तु
मारबोलवीउजी ॥४१। गुण पदम ईसपुरसूरि गुरु
हियडे कउ तिगा वासेजी। आणंद आणंदरसूजी
ए कउतिगजोबाकि देखी जी ४२॥ तप नयरिम
कुरा सुरिमयाजी रामि देय राजबदमीर हाजी ।
हदवनमलीसहो श्रावीउजी। पाले कउतिगजोम वीजी।

४३॥ ढाल अथमा॥ जे ठेर अ सिंहासण। प्रिथवी
चंद्रक मार। सोचालें पेअनोपमा। वारि वरिये मन
मार॥ जिमर तेवयणापडउरा यकेदर जो तिं॥
तिम र जेलटन रियाजा चडी उध्यानि॥४४॥ पुरे॥
ओने चडीउ राजा रमजेपर लघुरे वरबररागः
मोहरण दल पमालेमरसी। सा धिउ सिंवडुरमाग
वनतेजणाणी धनतेरमणी। धनतेतीपतानः।
अणावको उमकरोमुणि लस मुगसस्मणतो वातः
४५॥ सगरखूव। सरिसाय सिरिः पामरकवलना
णागयणगणि आवरो सुरवरणतणां विमाणः।
सुरपति सोवन मय कमल करेसु विसाल। तिहं व
इसेइ थी चंदन रदिरूमाल॥४६॥ तूरे दपिवीचे

दकेवलि गुरुआपेसर। तेतो तेअरियंत लूते
वरिया विरमा सराही अउरदर सघणेज वरंगा
णणपेउमे पसमर सिली ण आगइ वरइ ध्यान
राज करंतां राजा पामर पहिलूं केवलज्ञान॥४७॥
केवली बमाणं सुलेनी तेवरना। सिंसभावि। स
रूपअ विरःधररही अ आमस्यारी गुणरा। सिवउ
रतेरूपकंभेणि नु ध्यान। साधी सर्वे पामर गरुते
केवलज्ञान॥४८॥ तूरे०। केवलज्ञान सरीसी नारी
आवर कररकलोला मायताय आणंदि आवधाने
दिधी रंगरोला जावतं जावलां वेसासिरः रूआते केव
लीन्नी मरकोडि आणंदि र आवरजा वराण वांदर

वली॥५०॥सांत्वपर्ट[illegible]स्मूदेषमेदाधर्म
वंसांत्रवभ्रम सागरं के वलीएकहंतोंतो।नेव
रुणःवेवेक श्रकार।सन्गुरुग्यान।प्रभुंवालत
पूठतरा।वकीग्रुणपसमान॥५१॥तूरें॰ पुणपस
मानकरीःहं पूरांव ति तु त्र गुण मारो।रामं
श्रागह एहत हूतं पितापुत्र सत मधरे।श्रीठ?
नरीमुप ली। जेपर बत विस धर्मी सवी रंघ मेंधि
श्रिद्व पुदत चूरं श्रमुनोकमी।५२। तिदांप लीमु
रव मय सागरः तेती सन्नाय मवसार। बंहुं उगुण
सागर रिष्यिरायः।न।विय बयजो गिद्ंः पंहर मुण
संजोगः। पुण।बिहुं नांव बिन सिउं। विरुं उप विष

वोगा॥५३॥तूरे वोगनदः सुणव मंनगोधिकाला
धवकेवलनाणः।संरम [illegible]पताग संजोगि:
होमें इमिवकुरवं।पणजीव संजम सेलं
गोश्रावक सधन मुजाणः।प्रर्थिवी चेंद्र मारः।
केवलीसदीश्रालिउदयुन ताः॥५४॥गुरु श्रागु
णसागरःपृथ्वी चंद्र मारः।न विश्रणस ति
बोधम।दिन२ करत।विहारः।श्राते सत समद
तैंगु रुश्रा ग्यान तें उरः।जसपाय सेवंतोंलायहन
वनू पारः॥५५॥तूरे पारलहं नहुहताभ्रगति
नगातितेश्रारा धू।पामीनाणू संत्र वदश्र मूलक
श्राजश्रम्हेंफललाधू।माधूं काज दांवमुगमारुतार

अथ आजा अण भूज घवीचंदमुनीसरः
गुणसागर विराजा ॥५॥ इतिश्री इथी
चंद्रराजर्षि रास ॥

॥श्रीनेमनाथनोबीवाहलो॥ रा० छत्रासी॥
सारद सारः दयाकरि देव ॥ हि उगीत ग्रिशेली
जी नेमनाथनृ धवल रोच सुदउ अरस सकोम
लवाणीजी ॥ जंबूदीपनरथ खेत्र मंझारोनगरद्व
वलड्रसोहेजी थनिलक भरूपालतसुरोलीः
धारणीजन मनमे देखी ॥१॥ तीसुत्र धननाम
कलानिधिः धनवतीनउ रसनारजी ॥ वनमाहि
रमतो रेमणीसंः सुमगवेउदो गोजी ॥ सा भूप
कभूरञ्जोतरोणी ॥ तदुवर कोदः देसइजी ॥ श्री
छमर ति मारगश्रमथोगेः पामउरे घा विरोध्य

२॥ त्रिपदरागीविस्हालेः श्रीवर॥ सीतलकरे
उपचारोजी चेतवल्लउम्भ निवरनर तिण:
बिण॥ पूछर धर्म विचारोजी॥ सचलीसमकि
तमूल वरर॥ व्रतबार श्रावकधार जी॥ नग
रमांहि मुनिचंद्रयती नर॥ माधरतेहीजाउजी
३॥॥१॥ दाल दूसरीगीतोढदानी॥ कररव
याव॥ वधामु गतेकरी॥ साधुतणा मुगति
खलमनि धरी॥ उलालो॥ मुंदिक॥ सांभली सा
धुश्रीचार तिरतउम्मुदावे विचरे सुणीवनुकि
तलरकाले धनवनवती॥ लियर सयमसुद

रक मासश्रणसण॥ मुः पाली सापर
लीनवतणो॥ बीजर नविकुर सुरसामानि
क:॥ ऋघमकल्पाधिपतणो॥१॥ मरलवता
इ:परवतजाणीए॥ उनरसेणि र॥ खेचरव
शेणीय॥ उलोलो श्रीटिका॥ श्राणीरमनिसुर
तेजनपमुत:॥ नामिचित्रगतिश्रतिलउार
नवतीराणी:॥ तासुजाणो: धनवनोजीवमुं
णनिलउादमधरावाएरजः पामि वि॥ ण:लि
यरचारव्रमनरसरः॥ पदीपगाभए॥ कारिय
यणासणो: कल्पवुधरमुरिव्वसरः॥२॥

सी स्रुतिकः मुनस्हेव एांग्रहे। वउधा मेवनीगंह
वीग्रबुनसी छिलालो जोलिका। ग तिलहीपढिमम
महू बिदेहहू। इद म विजय सीदङ्गुमइ। हरिमंरी
नप श्री मः दर्शनी उपरि वचमइ जविग्रवतरइ
मो मिग्रपरा जतमइ पति: श्री तिमलिरा णीवरा:
वो रित्र आदरिग्रारणकल्यइ। जविढवसुस्तुं
दसी॥३॥ इमभेदतणं मुलिवा णीरि:। पहला ला
जंबूदीप भरत मसा विरे:। अदखिणउ रिनपर
विचाररि: ग्रो बेलंन पश्री मतिरा णीरि: तसस्तअप
राजितगणरि: रे: सेखरायनेमतसुघरणीरे:।
यसोमती। ३ मइ परणीरि:३॥ संयम लइ श्री वेरि

नूपरे। गिरि विषमसस्करुपरे:॥४॥ लिथेउग्रय
केवलपामइरे। अआवस्तहधिणाउ रिवोमइरे
परिवार सहित ग्रोखराइरे: मुनिवरनइ मनिवीजे
इरे:॥५॥३॥ रागदेसाषाढ लचौघ॥४॥
गरिगमसाचवी। नरपति बहुवग। सेनलिदसमाव
मनीय। गुरु कलि पूठ इयराणी यसोमती:। अपरिवा
तन्नति प्रेमनीया।१। कालजर्तिन। अतिप्रमनवति
यह:। मेसामती सूकरउ तेहः। गुरुत्यांन तेणइ परमो
लि:। नवसीत कदि मुजाली: सेनलिइस्कम निश्चं
ली:। कदिजूजूउने अवधंली:॥१६॥ जाणि नवन
वनगेइ धहसू: कसइ प्रेम अपार:। कुम्पउ बावीसमा

जिनवरः नेमगुणभंडार ॥२॥ विमलकेवलीक
काल ॥ नमिराजीमतीएः अतिगुणवंतीएः प्रेमतुम
अपरिआणीतीयेः नमनणेतरपई । चारित्रआद
रोः मुगतिसुखपामस्सेजतीएः ॥३॥ ढालनादिनी ॥
मतिरलीचारित्रलेई । बकुतपईकमेंघपेईः आवश्यप
करप्रसाधिः जिनराजपदनीजाथी । साचवीपानिक
वीसः समतारुणगस्तजईनिरा ॥४ दूहाः ॥ जगदीमति
घंकरपणूः अपारजसगुणसारः । अनुत्तरविमान
इवेलहइः । अपराजितअवतारः ॥५॥ विमलकेवल
क.ठावा । सोरीयपुरनपसमुद्रः । विजयसुतघरिः ।
घरणीयशिवादेवीगुणवंतीएः ।

विपकुक्षरतनीइः चउदसुपनलहइ । कं पिसुतीक
ईजागतीएः ॥१॥ ढालतिन ॥ चौदकः । जानतनी
विचारः गज१ सिंह२ वृषभ३ अहारः४ इंद्रीस्त्री अमत
लमंदार५ चंपकअसोक विचारः । ज्ञा [illegible]
२७ वजउँ घटजाणः सरपदम१० समुद्र विमाण
१२ सुत्रमातिरतनहम सिदवी१३ धूमअगानिदेव
इ पती । अवतरया जिणवर जोलि अवसरि सुपनंत
वपामइसती ॥१२॥ गंधगजनीपरिइइ तिसाविमल
स्पइ । सीहजेमनिरमलयः२ वृषभधीरइ लक्ष्मीयप
नस्पइ । लोढिदसमणपकी ।४ मालधीआणसीसह
रस्पइ तिमः ॥५ः जालि चुरकः ॥३॥ सिमोमनसूरिजिन

जा॥ बजिंवत्रिरीपव देजाट नलकुं त्रिमग:
लवंण:१०२ मलहारिसुर सुत्र माग:१० गंनी
र मसुरसमाग११ सुरसेवम्मरकदर विमाग:
१२ माग श्रावरणजेमधवसमरा कहिरतनस्य
मेपापदं धलंना त्र करस्य [illegible] गतिकदरवल
सि:१२।ढाल।जलसिंतुप कातिगबदि तिमिवा
रसि चंड मा चित्रानक्त्रदं। योगलद्दसुअपरा जि
न:ता मविमानथीपचिवइं। त्रिणि मिलि त्रिनुक्म
मादइ: कुरुअजृश्रालूंअपार। नोरके आदिकमु
खलहइ मपलाजी। वृतिवत:१३॥ मिवादे विजाम
समुद्र विजय: नरपतिपासरंश्रावरा। चनदसुपनजे

दीगा। विग तिरंते मंनम्र नोमा खमतंरा यसुपन
सुडांसोगी। नरंवरवाणइ। जाण्ड्या सुपनन जाण।
चनुरतिहांनरआवश्रीगार१४। परियचश्रातरद
राणी: बरमरपूछ रसुपालापउतकदर विमासी
केकलक सूंतकाल। सुपनत [illegible] ग्र दूमारइ: हो
संदवक चररायः अणवती रंपनु घायः कादस
सुतेउपाय॥१५। माइ चतु [illegible] ढाल॥५:। पई
ततकचतदि रंथ [illegible] णीमायरा [illegible] ततर आपुउ धन
श्रीकाउपायें:। त्रिवादे। विकै [illegible] :[illegible] नतर
आसा। दिनं दिन मुरंधरसारइ श्री [illegible] कतन [illegible]
१६। दिदीक्रमरें आवड अंधलाकने आवरा उनज

गतीकारमनीपैतकथंचोषंवजीवर:१७ जीअखेंदूईमू
बीकरअक्षमुत्रिसांवरालइ।ऊरथलोक नीआवसी
वरूपत्रीवित्रालइ।फूलफ गरनरस।तिहा:।मांतु
अमांणीसूच:।रूपामुरुवूपरनेमउदार:।।१८।।वर
यगसेनरायरघ्रतलपूरदाल।।द।।रूचक।चिङूं दिक्षि
क्रि वा।सेवीय।आवती।वली समुद्रा।सिणीय।आवदयंल
धरि३:ढूं।सिय।आवकलश।चरीदयउदसीय।२०
वायवीजइ आगवीजणइय।।आवचमरढलइय।जिन
गुणइय।विदिसि वूरवक वासीअपवरा।।जिन
ननिइय।सदी वाधराय:२१।।आरमुभमरू चवकत
णीनाललइय।दाटइरतनअयोगतिहां।मुलइय।।वर

रियालतूं।तिहरचइय।त्रिणिके।लिहरांकरइतउपवइय।
२२।।दक्षणघर्चिपइरतेलमूय।पूरवनवरावइयउक
मूय:अलंकारकरइसविउनरइय।शिवादेवीनइअपक्ष्य
वरूपरइय।२३।।होमकरीदा थिअतिनलीय।वांधइचंदन
नामनीपोटलीय।तिहांठांचिका।निवजावतीय।२४।।सू
गदरे।सिवादे।बिनवइय।आणीमेली।कारइजनीपुनीय।।श्री स्वे
नगाइरहो।चिहूंदिशिय।वपनदिसिक्र मरीमनरसइंय:।
२५।।ढालजेमावसी:।।७।।तिहां आसणकपइसक्रइंद्र:वे
दइ जिननीमति वरीआणंद:पायकपातिहरिणिगमेखितेइं:
वेघतिकरइमनकवउजेहिं:।२६।।सो धर्मनामसभामको
हिं।सुरतेरउघंटानीटंकारि:।ते सिभकरइ श्रीवइअमरको
डिं:।इजनइंनमरवेकरकमलजोडिं:।।२७।।करिपालक

मनविभ... श्रावक इ जिहांने ति जिणिंद चैत्य । कल्याणि
...लाभ जनइ पाउ । ...तू जिणवर तणी मारइः ।
...रतन तणा मारः । तइ की धउ दू खजन
...करस्यउ किं पि आज । ...करस्य
उ जिम हू जनम काजः २९॥ अवस्था । पिनि ... जिन नइ यह स्य
...कपास इ व हइ । पंच रूप करी श्री ... स्थंभः
...सुरपति करइ ... वण ... ॥३०॥ इमा णिंद श्रेकइ जि
नतइ ... इः मरू ... मलकर इः । तमु स्थंगि
इ अंत ... धारः । जिनव ... नकर इ ने वारः ॥३१॥
...वरी वीसू ... मातपा तिः ... युगल ... सिः
...दीसरि यात्रा करंति । मनहरप इ ति य नि य गा तिजेति
३२॥ सुत्र ... नातइ स ... विजय नरिंद ...

समस ... देवः । बार मइ दिन ... रि ... वि ... ति ... कामः
सुपन समन श्रारि ... ने ति ३३॥ सांमनंद वी ... मा ... गिति
ले समर सुंदर वा धइ ... जलइ पा । वि जिम ... सुर
णत पं रिमल । कमल जिम मह महइः । सोगर ... ति
नउंप । श्रेष्ठ मंडा हिम मतिन वदि सीदपः । ... रूप व ... ३
हरइ य । कोमल करचरण श्रेरू णा जिम ... नेज ...
तिम श्रणु सरंइ य । त्रुटक: त निवरइ ल ... खि व ... स
कमेदमसो । हा मणा गय ... अंग सुरंग सोहरा । सिंदर हित
निसवा पणां । प ... श्रुव सरि के सइ णिय ग । मादव ... घराउ
...रीः । बीद तायाद व जरा सि धन यइ जी कल्या वलम जनक
री ॥३४॥ ... वियाणंद व परूवत पा मइ णा सेम स वि ... तरइ
य । ... पो मह वरी श्रेष्ठ म: तप करीः । पुस्यिनंद वन इंसे
नर इप । दिवसत्री जइ सुरवत खितवपयुः पूठ इप कामः

केकार्के सगोउ मञ्झुपिट्ठि उणकव सिंबा दियमे याइव
सोम्मिन इंद मपसूंण। कुंटिका॥ तिरसूं साहमइ इंडन इक
इइ। गिमवंतु लभाणण। वेश्चमणनइ पइयडआसर
पुम्पतेहि मणिगय। वेश्चमण मरइगइ अनोपम: बार
हीयणनवलगइ। मणिरतेनारण मणि कोसीमे पत्र
मंतेकोधावगइ॥३५॥ जो९२ अइनुतबात विचारी।प
डाला॥२॥ जीउर पुण्पतेनो वीरिमाण। नगरकसूं जि
णइइ विमाण:। यइवस विकरइ निहकणि वास:।
हणपूरइस...जनमीत्रास:इह॥ समुइ विजय पुवि
देवीराणी: जाघइ कं मरइम लिपरण३: अइ साविइ:
कइइने मिक्कनकमा लिहि म्रजिवारइं अ वसरतहन
इद्वेक हिसं तिवारइ॥३७॥ माइ तणं मनइ मकह वा
मूं। परणमउं नई मनि तिसइ धासूं।७। स्यानविकंकहि:

जो लय मर्म:। श्रीसिसमानीन ... ।
रंगिमउ लिमनु:। श्रुवा। लिर ... तनगी ... नवु
मवालके अरत्र तिबोलइ।पञ्चा। वसरहू ... जेकुइ:इ रित
लइ॥३६॥ पतमणी जिनक तिगजगीय३। पंचवर्ण नपह
कमय लिवरी३। मुखवायपूरी नइ मस्ववजावइ। तणइन
दइ गगन गजावइ॥ किलब्राढाला। घरणि धउडडडइ:णि
रिखउडडइ।५। ऊलकइ सायरनीर: मविचंद दिवाकरके
पइ: कायर मूंकइ सन्नमरीर:। गजबंधन त्रोडइ स्तीला:
मेउइ: चासितरलतुरंग। वनमांहइ बीहइ सरग। इदिमू
अरसिद करंग:॥८॥ रमणी नयडर ती: अतिघणं मरती:
हरवि विजोडवा: टलती अत्रेव जिन लइ: त्रेव डि: नविसेन
रइ घाट: कोलाहल कीउइं: अनतीजाउइ: नविसेनारइ लीउ
माइ: मनि मकइ मारइ वइन वमानव बादी ओड इवाद॥४८॥

[illegible] तिमा [illegible] मेरः थूउ त्रतिमलग्रवता
[illegible] लेह [illegible] वेमनरुावरः एघ्रीनेमंकमा
[illegible] कावरः ग्रावववजोवरः तृनय मकारिमे
[illegible] रिय विरामी लोमीलामीः लेमीनदीतुझरांजः
[illegible] अगर वमिए टलां ॥२॥ नेमिवरराजीप मो
[illegible] मतिजागीए [illegible] गीए मुगतिपतिमनिएरमरं
ए। [illegible] नारीए। विसयतली मतिवारीएः मारीए
[illegible] ममतो ग्रजेर जेहतरुए। त्रुटकः। जेहनेमनसम
ताः नकरर मनताः ने थातूंकावीसएः एमसु [illegible] नारामणः
[illegible] नरसायस्तः अनुवलनोवारहरः नेमिक्रमर केरा
तेडा [illegible] मिलिया मोलकेर खाडरः हरिहायलावमतिव
[illegible] वरः ग्रेलवरः नेमिमिमाडरा केरनेतिए मास्ः [illegible]
हकास्ः उ। वालरवल [illegible] वनेरः जोलेतम

व्रत्र
[illegible] लेउः त्रा रवामग जिन [illegible] नेम [illegible]
वमवल्ः कांयनपर लरनारीः कांड [illegible] विनामडः [illegible]
मानरः परणावउं एक मारीः ॥४६॥ त्रुटक ॥ द रि मनकी
रोगीपीएः म विम्रावरवनग्रारोपीयः लोपीय लाजेरमेडरवि
ग्राकुलीयः तृ कीलरखडोकलीया। नीररपुरी माकलोम
वचीवलीत्री वरग्रतेउर मिलीयः। त्रुटक। मा [illegible]
[illegible] नीला [illegible] मा [illegible] सत्यसामाः जंवूवतीय
पदमावतीगोरीः मिलीरसालीतमा [illegible] कमुरीः
केसरचंपकेवंदनवांसरः तिहवामीनेमर्र मावनमयः
[illegible] गीरमरु [illegible] सरः एकबंटपांणीः पुविऊ जोणीः राजीरा
[illegible] वाई एकमार्ह [illegible] अम्रहिनाष [illegible] देवरसुंनू जाइः
फिरिफिम्रलिटोलीः [illegible] नोलीः हावंतावदे [illegible] मेरत
लपरिशी [illegible] विचलमन [illegible] पाउरा ॥४५॥ ढालफागनी ॥

[illegible] कगईगीतउदारःगककबोलाबे
[illegible]ः [illegible] मुकुट [illegible] इणक कुसुमनुःदमपुजू
[illegible] लिपहिसवीपः तौ वीयविव छिउपाइ होपिप
[illegible] केरमुः [illegible] बवबे घवके लिःने मतणइ मतिनेगनजागइ
[illegible] बेलिःह रतिणीपतु लोजसनी मनि वीमा मरवातः।
[illegible] चितन विवलरः नमिलिश्रमरीघातः॥१४७॥ नवली
[illegible] बोलेइः इ सघलीबेगउ बोलः मकुलिइ सिश्रम सूहे
उइ मीतरपणीडोलः नविवि [illegible] जिणवर तवकहा इश्रव
लाइंदः। मा म्उ इमकही वातइः हरष्या बालगोबंद॥१४८॥
वर्धमान जिनस्वामीपडोला॥१४९॥ मादव श्रा [illegible] मोदी मंडइः जो
एकमानयर [illegible] रिःस्वामि मरिषी मिलइ जकोइः सौ हिसरि
वीजो उसेसारि॥१५॥ उयसे [illegible] परिमा मतिरमतीः हीराजले
राजकुमारःहूं पिरंना कौमलसंयोगइः कलाकु मलसरमालि

श्रुहारः॥१६॥ हरष्युउ वितइ मन [illegible]
जोडिः मा घवतु मनजा लीबोलइः जयसमणश्र लीश्राति को [illegible]
१७॥ राजमती नेमनइ परपर लावउ। कहूं [illegible]
श्रीमः। बचन विणाणइ इस्याउ केसवःदी घउवेवी माला [illegible]
सः॥१८॥ उडी पीलइ डीली करतांः घसमसगो [illegible] विगातं [illegible]
तो सीतेडी लगन जुआ विउं। की बीसघली कलनी रीतः॥१९॥ [illegible]
कोतरी पवावीसघनइः माजनतेडाव्या मनरंगः मोउवमो [illegible]
मोउचाचरिः कुरा ताडश्राति घणचंगः॥२०॥ चोउरचान विवाः
विवाह माजण विमइगाई गायः। जोजने श्रवसर सकल
विवेकी। जिमावाना विधि तिहां सच वायः॥२१॥ पंचव घावीन
लेला। भोजनकी बांत बोलती यांः कोमलफोफल पानःचोपा
चंदणने देनी ठंदणः वस्त्र करिव रू मानः। श्रावणमास सुदि

[illegible]
पुमत्त्विमइ: कुरूमा स्मार: तेलसेवा रिनू वूणकरावइ:
पिहिरावी मूलगार:। चूडक:। सिणगार मस्त किंपूर्णनरी
३। कनकमा णिकरतनजडी ३। मूरव्रा शिनोजिम्या मंडल:
तेमां दीसइ का तिकुंडल। टीलउ तंपिलनाट मोहि: व दिर
मो देपिलवा हीनवयहीमो वनकडउ सोहि:। मुद्रडी श्रीगुली
वीनामो हि: मो हिएहारम हीयनेलउये।।५२॥ हीरेजडीउ:
कटिकंदोरू: सोहि तेजऊ मोल: चंदनपोलि: मुखितंबोल
इ: दीसइस्य लिहीरसोल: कोमलची रि:। मन सरीरइ: सूप
अनोपम सोभी: जिनमुखमुं दर: पूनमि मसि दिर: सकल
गुणेअर्लिशाम:। चूडक:। गुणग्राम कदली पारनो विः। दंतहा
शासमसो हावी: कीरचंचसमाणनासा: स्वीतीअसर तकंद
वासा:। [illegible] वसरेहीसइ: सरलसुजजो ३ जगीसइ:
कहिसो हाव रलेकरु रूए ३: ३ दरहिसिइतिनही पाणउ:। नी

ण३ जिनगुणजगसहूप।।५७॥ हालउ लालीनी:।।१ [illegible]
वामरया म: छत्र धरइ हरिश्चंलिराम: गंध ग धर्व [illegible]
यादवदरस्मइय विकसेइ:।५८॥ पानि कि रइ हिसा: यादव को
धनदेतो: पंचमहा मंचउ म्या: जीवा बहुजनग्रामां:।५९॥
फूलइ वासिय वाउ: श्रृंगाम्रां सविहार:। नीलियामानवपी
३:। विरह नणसलना ट: ६०॥ वाजित्रगुहीराय वाजइ: श्री
दइ श्रीवरगाजइ। श्रागलिमेलइय मेला जाणइय धनवेला:
६१॥ श्रागलिहयवर नाथ: पाइ मइगयवरसाथ: पूठिइय
लपीरथवर: ब इवूहर्निनूश्रं तेतर: ६२॥ गाइगीत सुचंग:
नेसंजी अपरिरंग: यादवपारनसं हीण। लोकइ धनरकहीय
इ॥६३॥ पहुतोसूपरिवार: उग्रसेन तोरण वार: राजमतीते
णीबेला। परीवरी बहु मदेला॥६४॥ पदहि अरास विमलणगार

[illegible] आप्रिंस्यहे थे विवालइ: । निनंनु रूपनि
[illegible]लइ: [illegible]रागमा मेरी । रिषनं दिहिलस जवलगिइ परुलः ।
[illegible] दिपेउ रहरे थ [illegible] चलूं: पूत्य: अगघ्नूं पूरवंनवतणूं
[illegible] विचातान इं किंसूए: । सुंदर रूपसो हामलु
नविदीसइ कोई मापलूं: जिनतणूंजे लिजे हलि नि मीलाकंठि
[illegible] अमूचीतिइजामद हिलो: अंगफूक
[illegible]विलीविलिइ: । मूखिकरइ सूपूकार: आतिघलः काइ
कारंग नर्निमलाइं: कंटउ कवणजाणइ करमं नीगति:
[illegible] मलहलमणा निगमो: नलराय केवजम्मू आरहृ आ
प्रदिविविलु पेउव घम: द्रौपदीसुखी मली हरणपामउ:
वीरसदेइ परी सहघणो: दक्षिण सरिमो रोलव्या: स्वय:
धयाक्रुरु सेन तिनणो: । मुंजरावण केसकालउ: प्रमुख
नरकरमइं नड्या: राजलिविमासइ: किं [illegible]

लकीपइं चड्या: ह्या नेम [illegible]
ल्या त्राउइम । माहइ यकरुणा [illegible] रिया कार ताम । बुज्झ [illegible]
नयेकरी । अरहा पय दान सक इफली । तुम [illegible]
इउरता पा बुद्धकः । कोरताच छिवी हलाइ मघ: [illegible]
लावकुंडरइ: पंप पंपालीकरइ पेमला: लेह [illegible]
नतनरइ फाली: हरिणकाली: नयण मीलाजलरमा [illegible]
नामेश्री ली: गलइगाली: सुकरश्री लीदुरवकरइ: । [illegible]
वरवानान्हो: मायवापविठो दियां अतिसार: सुयरघयाको
यर: तेसनेदारुहिस्रो: मुलं वाजिनाद कोमल: नेमिनजु
हीनवइ: तूं त्रिजगनायक: परकइं अपनइं: लोकइ मकोपु
नवइं: । ह्या । कुंडीली । पमृतणी मृणिवाणीपूब्बउ मा
रधी: जीवकेणइं [illegible] लीमाय । मिरपर धमविजाणी: रांति
रहइ हु मइं: जीवतणउ घाणीयाय । मारयिक हइ सुणउ देवि:

[illegible] थादव मेइ नेजनकु स्यरप: प्रभु चितइ
ते लिंबंक विग्रखि प्रभुमर एवउ जीवत लौ हिंसा वसस्यरा॥६९
श्रीमस वनमा सौ: जीवदया करी: पासय सूनी जो डियाय मे
मिवइ संग अमाली: पंजर मेडीय। पंखी गयण उडी डीयाय ए
प्रबोलई यंगनाप: करि पिरलो वानीय: आपए माम। नसूआव
अं। मिली यायादव माय संवेग्याउ किरी: समक्ष विव हवइ
वेठीयां॥६९॥ हृअउ आसण कंप: रवाल॥१६॥ समुद्रवि
जयहरि डोमने: माणी शिवादेवी इमकहइ माए। कोइ तजस्य
नारि: मूकार लि नेम निरह इस्य। नेमक हइ जिमए हावंध
नजी बंधोड कीयाए। तिम पामी नरदेह: पाप हरी सुं जेम वि
ए॥७०॥ यसंसार असार: गार जिसु डाल ई अलीए। थिरती
नेसी लगार: जेहवी चंचल वीज लीए। जेहे रूपा कुं यौन: अ
मती नइ जेमनेह लउअ। चंचल गयवरकांन: अथिर तिसउ न
रदेह लउ ए:॥७१॥ [illegible]
इए। जिम आयम नू सूर: संध्या राग जिस्यउ केय अभ्रा जेहे
आवइ ठी ०ह: ॥ अति जिसी खु इजो जयी ए जी [illegible]
लइ मीनीय परिमन वरीए॥७२॥ लेसुं सं [illegible] यादव
विसनलीए। आण इमेद अपार: समस्या वरइहेव [illegible]
आदि अजित जिणराय: आ दिकुंथु नर वर पयाए चो नम
नो गउ पायं: संयम आदरी सिधिगाम॥७३॥ तृंप लिंकइ
असे तेम: पूर बरीतीन आ डिइए। इमपर हरी इस नं मां आसत
केह नी खंडी इए। नेमक हइ सुण उवात: तेम करइ मय पान
न हाए। परीरुआ मोई तात: घरि आवइ अवसर लही ए॥७४
नेमजी मना वअ ढाल॥२०॥ नेम उपर कहनवली। संनली
राजकुंआ लिके सूरधाया पाड़ ने णि धिए इ: हियडूं ति आवइ

वारिरे॥७५॥रोजी॰ कंदर्पै मेर्मैमे॰ सूर्णितं
रुणामद्यालरेः जीवद्माजिम मनधरी। तिमकार
मार॰ मंचालरेःराजी॰॥आकुणीःमरवी मेलीनिति
करलर।मीवनीकालरचेतःटलवलरःजुलं।वंणमा
लीःववनवतणूमकतरेः७६॥यरदवनरउमे
नउमेः।मादरूस्प्रपराधः।माधुवीत्रिरिदूवणं
व्यां।दूदमाकरमरमधरेः७७॥राज॰॥सरवरन
लीमरसरेपालिफोदीः मोड मोदानरुउ।लिः।बालि
कविकोदाकरकयमा दीवलांकृउआलविः॥७८॥
राज॰॥मां।अंकुरचिकनरीः कदकरीपरनीता।ल
रोडीहंकां।धा।मित्रस्पृःकदकस्पूर्णानरा।तिरिडाः

७९॥राज॰॥धवनीधव॰।रहंमरतणं।जोगनीक
रपरना।विरिः।चोपाअकराऊगता।वावस्पूं॰ लगल
वारिरे॥८०॥राज॰॥मालातनेज्यीपमुल॰ णा।फउीयां
तमुरंउालंरे।कूअलफलनाधीमणा।जलमाद्दिधाला
जालंर॥८१॥राज॰॥झीललापकस्पूं।कस्पूंः।पंजरर
राष्य।वर्मिरेः।श्रीपदधावऊपरदःपररतणीवर्ंय
श्रणाबिरा॥८२॥राज॰॥कर्हांऊमधगरचना।करजो
डियोमरूश्रालंरेः।यादनुऊवरतउपकोःमिमप
मूलणूदेषालिरे॥८३॥राज॰॥श्रुउ नउरचउनीऊवरर.
लउघउरवृजरदेदःश्रीमउरपगलोमूकती।पीउरकरनी
पहरेः॥८४॥राज॰॥पमत्र्णयादवमटाल॥२१॥अलिघाट

रषिमणिजीभणइ। विनितमा हिवाटइ लोटइरे। वि
लिनील सिंणगार हो। विलवइ। रुउ व गीने मिथ्या
डइरे॥८५॥ इम कांमूंकइरे। निलवचनपंकी कांइ
बूकइ इम कांमूंकइरे। तूंदी नदयालक छवइ। ति
बुवनती रे। गुणगावइ। नाहरूं मदडमरू नइंचाव
इ। मुरु मरि मुकांईरी मावइ। इम कांमूंकइरे।
भाउ बली। मिणबाजइ। मिणसहीअ रमेलइ। विण
नीमासा मूकइरे। नेम विना राजीमती जल विणु वे
लितलीप रिमूकइरे॥८६॥ इम०॥ हारचारजाणी
अइ। डाबीरचारक रिनाथइरे। कंकणमाणिकमो
ती बूइ। विलवइ रवदनइं जोमइरे॥८७॥ इम०॥

बोलं नवा टड्योयइ अंखडीयो। राजलजी अंडकीरे।
प्रिय विलखू यन नीद न आवइ। अवगुणि नडकीरे।
८७॥ इम०॥ अंसूजरतां योयां अंजन। सीच्यउ हिउं तूंनी
रइरे। प्रियडा लखड विद्योगइ राजलि ले: हाथइ मवसा
रईरे॥८८॥ इम०॥ सभीतलीजे कोमलब्रतली। निकमा
इ चंदन चंदनरे। कर्पतलीगति विरह पावक मांमारे: कू
तेही मुरि हारे॥८९॥ इम०॥ सखी रूली सम वइ। कोइ।
प्रवडूंदूषन कीजइरे। नेम पम इंजगनक्तावइ सूंतः मन
गमेवं पइणी जइरे॥९१॥ इम०॥ ढाल घोडी नूं। एवचन
सूणीनइं कहइ राजेमतीराणी। इम तकइ उअ मतीनारि:
नलीम सखीवाणी। पंडितजनबोलइ एक जवचनापाल्यारे:

सूप तिसूला वालर । कौ॰ ए कसंकारि ॥ ८२ ॥ तिमें
कुल वंतर भर्ग ॥ करइ एक नर बारा नेम करी थो॰
मानवा । अंतरिम गलउ मेसारि ॥ किदो ठीलर माय
रंकिको । कावररा । कि हासुरः । किदोलारा चंदउ । कि॰
दो । मभूछ किद सूरा ॥ ८३ ॥ किदो दूं भनिबका । कि॰
दो । किदो कमल किदो कागा । किदो सौवनपति
लौ । किदो । किदो कूं नड घागा । कोजलक सूरी ॥
श्रंतरलवणकपूरः । के मरिकु सूच स्त्रंतरका
हालीसूरः ॥ ८४ ॥ गजफ करद श्रंतरः श्रंतर परक र
कोण । कलपतरुकर स्त्रंतरः सूरपजाण ॥ दिन
सतिश्रीरः श्रंतर सीह नीयालः पडुलो सामरश्रंत

रगोल विसाल ॥ ८५ ॥ सुर लोक इंद्र स्त्रु तलि श्रंतर
मार गडोउ इला समरकड श्रंतर श्रंतरगो । सर पोडरा ।
मालि काच इंद्र तरः श्रंतर रालीदासइ । घृततेलइं
श्रंतर श्रंतरदू धइ कासइ ॥ ८६ ॥ सरलइ नडं वेकर
श्रंतर सा घर चोर । चंदन एरंड श्रंतरः भाग सठार
इंद्र वारण इश्री वस्त्रंतरः काया जीवइ । तेम सरसा वि
श्रंतर जि मश्रं प्यारइ दीवरा ॥ ८७ ॥ सौजण नइ दुरज
ण । श्रंतर समतासो खइं । श्र रु नपण इनइं श्रंतरः जि
मश्रलि बोचइं । तिम श्रंतर स्वे मी य बरउ कुरुसू लोका
श्रमत विभम लगुल साहिएसरि मनहोइ ॥ ८८ ॥ बबन
प्रमाणए ठाला । मानलक हदइ संखी संनलठा । सूरजन

करइघोरअंधारःचंदमासीतलगुणोनउगएवि
रसइलेयनलपताअंगारः।रजनविनोपजरअमीय
नरकुडिकोचनदीवउपरतनअणगार।।२२।।रा
जलनेविनजरनेमनुनेहः।पसवचेतनतन्हेमनिध
रूप।दसनरकुंकुंमकदउकोया।रीमनजोसीसंक
रूप।कयमतणेगतिनलदिकोया।राजलेमदीश
नेमीशवियानेमहिदानसंबवरीमार।लोकनइस्वा
मीअरणहवईया।।१००।।दोहरमलजीनूरं।।२४।।
सेवकनइनेडीकरइया।लोकप्रतिसेनलावउ।।१।।
जिणोमरआपइरो।वरमाहियमलगिदान।दालिद
केरकोपइरो।नावगिनजरदेवो।सुणीकरीयापइरः

दुपदअनंतकनकधनजे।नइरेजोरयइतेवलिआव
आर।।जिणे०।।इमघोषावइवरवरीः।वरवसइदान
णदाधिः।जिणे०।।कोडीतिणइसइमिलीरे।कोटिअर
सीसाधिउ।।जिणे०।।असीलाखवलीआगलारे।इमदइ
नेमजीणदेजिणे०।।दीक्षीनेभालेचीतवइरे।यादवकु
लनुचंदः।जिणे०।।६।।मेमूलविण्ठलना।२५।।लोकांति
कसुरआवीओःमधुरूलवम।।जयजअबुद्धधावरः
तिलकवरनइकहिएं।हृदयवेढाधुरंधरूःम०।।नूंप
नुवनवितिनावरकिजिण०वरमनेरथअतीर्लन
नूंम०।।वरनावजिनराजकेःजिण०आरंनपारेग्र
हपरहरीःम०।।पाधरपडइविसेषःजिण०।।अमेने

मंखराणीउ।म०वंलीलोको।तिकदे।खि:।किउजिण०॥
ट॥सुरप।तिचउसविते।लिम।मम०देवतणी।वार
कि।जिन०श्री।विद्यावती।पुरी।म०कल्प।णिकसे
ना।रि:।किंजिन०१०मेवकाकरिसो।हामणी।म०॥
श्री।ठप्रकारिकेलस।कि११।जिन०॥श्र।म।श्रसमाणी
ए।ल॥२६॥इंद्र।मडपकारिमोर३सुरालिहो:देव
७३७नमा।दि:मालिमय।मोउ३रे।पीवसो।हामणूं३।
हियडउदयपछ्रेपार:॥१५॥श्री।रिदंतना।विमेसम
श्री।दशा।७ठवदेवकरंति:श्र।म।कलरतनातिदंश्री
उवालीयउ।पालिकदूरहरंति॥१३॥ श्री।रिहंतमय
मना।वेश्रा।दक्षु:।पश्रीं।कणी॥विठिधप्रकारेरेमेल

३ष्मधी।नवसम्प्र।जिन।धीरा।कीमलनीरखंर:तन
नूरीकरी।पिठिराखी।साची।र॥१४॥श्री।रिहं०॥श्रीतवि
नेपीरिसा।वनचंदनई:गा।ठिमयल।मिगार:करीयप्र
दक्षिणा।खिवापालपीश्री।मरक।रिजयकार:॥१॥
श्री।रिहं०॥प्रथमनेपाडे।सिवकानरतिदं।पठक्ष
मरवदे।ति:श्री।गालिमंगलश्री।ठक।रिनला।जीव।लोक
रहंतिः॥१६॥श्री।रिहंत०॥वा।हा।णि।वडी।यारे।वली।पालउ
लइ।वंधनमा।विवसोक:।आयउगयणनलानरश्रीत
कूःदेवतणा।मिल्या।पोक॥१७॥श्री।रिहंत०॥संघसो
हावीरनूंगलनेरसूं।माजर।माहलतोल:।लिल्लदम
मारेडुंदुही।देवकं।वत्रपडहकंसाल॥१८॥श्री।रिहंत०॥
शोपनमूलीउरेनादइनूरनई:परिरदेता।दान:श्वनप

कप्रद्विं धनु ... तामनेमी श्रेवमीलकघातः ॥१९॥ नेमी श्रं०
मौः ... कृतचिह्न अणनालो ॥२०॥ पापघातीपाधीजनारिः
नेमि... सर्वालंकारः । पंचमुष्टीलोचककर्ता । जि
नीतोत्तः समतासारः २० ॥ नव्यकमनु संचलस्यान्नु
विवरेकारिविवरत्वचारः नव्य० जिणगलाहिरल्लहीन
विनुपारनवजयः श्रीकण्ठी । नमो सिधालोकश्रीरजि
नकरस्नावचनीमः राजकीयर सहमर्तुः वाळेत्रा
लिलपर्वसीमः ॥२१॥ न० मानवच्छलदिनेगवेतक
मिनगिविहारः । श्रीअड्डसंपुरविजयधामजिनपूजा
करविहारः ॥२२॥ न० ॥ जिलोलद्वयं चवतनेपारः
न० ॥ दलजलहिनु ॥२३॥ ... विरतनाप्रधारिपार
लूः कीचलूमीरः देवतिलोकाणिदेसमहः ररिमभुगां...

र्मीरश्च । भुपकनकवृष्टिकरतः दुंदुभि... जावशरीमाल
वलरः धनरदातारवाग्नणावरः ॥२५॥ रहनेमि मदननगाइः
वर्भिः मोमूकेशपायः चीरकूमभवज मोकलराशजलिने
धरीजोस । कुमरीनलहर प्रभुगधपणार रहनेमिनूकूरः नि
वरदकुमरीनरकहरः रागतणार वासमुद्रः ॥२३॥ नेमिवरो
णाद योगसंयोगनोणमुमसारः लोजननौनस्थादृष्टिनेमुक
नरजररनारः । राजमतीसमभावबोः की वपदुवंशे... व
मीपकहरररहंवभिनरः पीमअपसविचारः २४ ॥ खांभनाथ
अमूरनेहनेमिकहरजोवम्य्चाहकः राजलिकहररांकंत्र
रणदुंडजनलपंणताहकः नेमिनेमीकुंतूर्किमवेअरुगुरुमुन
णः धर्मकरउजिनपालाश्र्यविचलसूरवतणेगणारः ॥ वि
चरतश्रावररेवतपवैरानश्री जिनरायः श्रीसोमभावसिंचित्र

रागतपश्रंह घाई। दगमत। मानवरागीर मीदतागु
वर्ण्यीतार य। कमपपीकेवललद गामेह मावनश्रु
ततश्चार दा।जसघार्रिता रावदीला।२१।देवतां।
म। चेलस:सर्वग्रवाधमान लि:सुर सुरस्याव
हैवडे।वायुकुमरजीयुणलगई।सुईसा धरवाय
माणि:१२॥सुग॥मेपकुंमरतघघार सुं:सीचयात
हारजबलातिमु॰ श्रगरउमवर समकुं दिसि:सुरश्र
ातकुमार मिलेता॥१८ वलिभणमयूरपा तकरर
मलं विलरसंश्रीवाजाग:सुरसकुंमु सपगसुदरर
वंस:पंचवर्णजानुप्रमाण:॥१६॥सुग॥सुवनपती
सुर गढ करराकपान्कनककोसीसाई सु०सीना

रउगढ ज्योतिषी।करइरतनकोसीसजगीमइ।२०॥
सु०॥ मणिकोसीसदीपत।माहइरतनतागॅ।कार:
सु०वेमानिक सुरवरकरइ।मतिश्रीणदिर मञ्चपार२१
सु०चैदलानुकूल॥२०॥ मीतिकेचीगठत्रकुललीवणम
यपंचजगासा।विमलदि धनुषनेत्रीसंतागुलप्रथिवि
वतीसा॥२२ गढगढउतरजिवं धनु पपयावल
ते:पोलिद्रवोसिपंदीसय।धनुषइदानदीसर।२३।
पांवडियासंदमसहिमा।पदिलइगाकुइजोइ।बीजइग
ढिपंचइसहिस:त्रीजइपणइसहसा॥२४॥यकरइयाघनं
कोसबोपावडीयारीप्रमाणा।नूंमेषके।गा।आठी।त्रीकुंग
ढमानिजाणी॥२५॥चउकुंदशिपोलिच्यारइदसत्ती लि.२

तोरणाउलिमंडऽमणिमयपीठिका।चिंकादिविंश्री
मणमलि॥२६॥तेवाचवर्द्धिश्रमोकडऽ:मूरिजअ
गनऽस्वामि:देमकमलनवसुरकरऽ।चरणवव
ऽतेणिकामि:२७॥तीरथप्रणमीजगगुरु:पूरव
दिसेवऽमइदेवा।जातरूपथापऽत्रिकुंभदिविंऽ।सु
रवरमाऽऽसेवरऽ॥ऽकादिंतिपुगलीयोबोलेऽरे:
पठाल॥३१॥माधमाधवी।सुरदेवीरे।पूरवदिस्पि
ऽसेवीरे।नेरतिवऽसरिमकरीरि॥३॥जिनराजरायवं
देवी:भगतिकूणवऽसेवीरि:॥२९॥ऽपीतिबीनवन
स्वामीरे।विलरना।रिसरमामीरि।श्रीविचरदाहिणवदिरे।
नेरतिवऽसेविचारिरि॥३०॥अंतरचुवणवऽजोन

रोपथिमपालिऽप्रवेशरि।वं।यमनअन्या।मडंरंवा
ऽवतुलिऽतेवऽसऽरे॥३१॥वेमानिव।सुररयांर।नर
नारीनमापांयां।७तरपालऽतेश्रीनऽरे।ऽमनिवऽसमंत
नावऽरे॥३२॥वीरदेपरमदेव।दरे।मननादरऽमंदेदर
मोनतिवाश्रावऽधर्मरि।पाऽसमाकिवमनरो॥३३॥
पला।च्यारिगतिमऽश्रनुचवीरि।३३जिनवीमसिवीका
रणऽदेवठेदउमंडऽया।ठऽऽपश्रीलं[illegible]व्यतरमु
रमहो।संजामराणिपीवादिरिऽश्रतिमणमयमोटऽरे:
मोटथअनमनजानोअमहीप:॥३४॥रधमीन।रिणदिन
ऽगठऽऽदऽचुपदवीजरय:नीजऽपदु:मुदवसऽमु
गतिमूप।वार.जं.मणलगऽमर।जिनवं।वीरवयां।न
वऽपश्रतिश्रयमंदेविगतिमूरी॥३५॥कुंदप्रांच्या

रइ। कुंरइ अलि [illegible]: पूरिय। पुरी नेरपंखि
ल कमल तणा चलीय। समो सरणि सुर नर आव
इ [illegible]। लहरि ढालर नइ श्री साननो जिनरा
जनीय ॥३०॥ [illegible] ॥३३॥ रतनतणइ
गढि पोल [illegible]। धर रहा सुरवर प्रतिहार।
सोभा नंदस लोक सुर नामी। अनंत नंदनपति
नइ श्री जो [illegible]। सोजन मयवाडि का रि। जयो
[illegible] जिन [illegible] री। अपरा जिता सुरी प
तिहार: भूकुं बारलेर दीपस्थार: ॥३२॥ रूपानं
[illegible] सि जोई। नवरश्रनइ मरगवनी हे
ई। गुरु धना [illegible] मोली। सेवा करइ विघ

नम विरोली ॥४०॥ ढाल जो ३२ गदनूतवान विचारी।
॥३४॥ अहे रे अदनूत [illegible] मोलः सेवक करइ महूमा
नरए। श्री [illegible] रिद्धि अनेनी ए। पाखन जीला: [illegible]
तुमा रिब घालं ॥४१॥ गोत्र तीर्थंकर नू जव बांधू: तेहत
णू फल [illegible] धं। रोग रहित जिन देमन लागइ। श्राद्ध
कुं अरकरइ प्रत्यनीक आगइ ॥४२॥ अभय [illegible] वीस
मइ श्री [illegible] बीजइ। सूक्ष्म [illegible] जो हृदमन कीजइ। तेत्रीस
इ श्री माताः म अधिकारी। अरिहंतना कद [illegible] विचारी।
॥४३॥ [illegible] तिहं दो मदे माडइ। तेव [illegible] संवमा
हि श्रीपन मारइ। त्रीजइ [illegible] पंचम गणइ। जिनवरना
श्रपवाद नघालइ ॥४४॥ तेकुं [illegible] नवबकुं लस मारी:।

मूरश्चरयजोऽपाप श्रो विकारी। कृपमेनागअनंतव
लमोदश। करश्वपाणन विकमनमोहश॥४५॥
प्रतुबाधस्यसुरनकस रिमा॥२४॥ प्रतुश्च तिराय
बउत्रीसधीरामनशेतारहितन्नारीर॥१॥ मंसंसो लि
नधवलगोमोर।२सुरवगंधकमनसुश्रवीरः।
व॥३लाल॥ श्रीहरनइनिहारकरती। कोइनदेम
रमानवा॥४॥ पश्रातिशयमहजनापरिकनापरि
अनमहिनघोमानवी। स्वकेमरोमनच्छ कुपामरः।
रिवसकेवलनामकी॥५॥ त्रितिठ कंडारवरः
दःबमरविकुपरविः७तुणपनापरिश्रोपीघीक॥
४६॥तलः धर्मचकेश्रीगलिश्रतिदीपंरी ÷ श्रीऊं

हिसिजमगतिश्रा रःजीपहसिरामलिविशाम्बोक
नरःक्रतुनरमरसुरवजेन्मअरं॥१०॥ ३लाल॥
घउमहमनइपारिवारिमोहरारंदधअश्रालिर
म३॥११॥ वलिचघदर्पणमंडल। समनूंमनमेम
मनघय३॥१२॥ फलफूलपत्रियमदिलपंटा॥ध्वनइ
धजरंसुरामणउ। बांयाकरतउमीर्णबालइ॥ श्रीमे
कतरूरलियामणउ॥१३॥ ४७ढाल॥ श्रथोभुस्वक
टकपाई॥१४॥ पंचविमयग्रभुनतेमाई॥१५॥ भुनावि
मय३दयपंसंपामंडो॥१६॥ परवादीमस्तकनामइ॥१७॥
३लालू॥ ननामइपंरवादीमस्तकतेमवादइहारइ॥१८
देवलोमाहेमिठरः तणउनावानिवारइ॥१९॥

वेरमाणमालिहोकतिः मीरनागजामलिरमंरी
मजाफिः मृसगः लिद्मुरानिः तेरह करकनरगमाः
ह॥२०॥मनोहल॥ कयरयोजन मंडलबद्धा॥२१॥
आलिमी वप्रमुरातलिबाउ॥२२॥ कलिकु मणगारजा
मुमान॥ह३गणीसप्रमतर बिमान॥२३॥ तुरक॥मान
योजन पंचवीस जोयणा मूलकपुकनहाईति॥२४॥
नहीमाईपैरेहला॥२५॥ आवरलेर२ तेहो मा॥ खेह्रव
जेतिघरणा॥ आतिव छिरे मतीघ छिरुं नह वरदर
लिकहा भ्रणपपरिठ देवी तिलरा॥ नृ भागवीसतुवा
णीबेलउ॥३२ एक जोयणा संबलउ॥३३ ४२ गंडालउ
मोलामी॥३५॥ जाणउ जिन वरवाणीः तेलेनंदेर

वेमाणीः लागउ आमिय सभाणी॥ समसउ समवर संआ
णी॥३४॥५०॥ आतेशयघट अम्पार॥ कर्मक्षयअपजउ
मार: घडउ समवायांग अंगहः जोजोमनतणाहरगहः॥
५१॥ मीबा जितवणी बोलीः तेहेवूं माकरवाणीः मीरस
मुद्रजमूंपीणीः जासमीमुवमाणी॥५२॥ जिमरसमूल
उनावसआलमनीजनमावउ॥ भूपत्रिपीसवैवाजउ॥
मेघलतोपरिगाजउ॥५३॥ अतिशयतेहना जाणउ॥ प्रा
तीमयमअबाणउ॥ नीमहंटीकाघीकहियउ॥ सूचासूत्रह
ठलहीयहः॥५४॥ ढालनउमउ नबो॥ ३ हा॥ बोणीनाकर
तः गुणअलंकरी॥ १अंच सरहेसखीनाहियगमारि३
मे घगंमीर जिमगाजती॥ ४ पउ सदाए खिके दिसिसंवेसाः

सवेसरलपत्तार पति कीवतीय।६ धारतीएमाल
यकेअकआदिराजगणु महिमोहामलीय।७ मवन
...लिनमप्रह।अरथनादामस्तुदिवनलीय।
पुष्टकः अतिपलीमोटीमअरथकेरी।८ नहीवचन
विरोवयः९॥नवनवअरपविचारकहितो।उपज
सुपतिवोधय१०॥मोदहनरादिवालिमुलतो।११को
नदृमलदेसक१२॥मनहरसोभलनारनोदे
सोवमरिसवचयकऽ।१४॥५४।ढाल।वचनमिल
तोपकअरवसूप।मिलमलोमकहरऽसर्वअधिकार
१६॥सुरसुनदीमसंबंधको।१७॥मीठूपवलीअति
समसीरःघृतगुलजेमसुरककाईयूप।वयलहूपा।१८॥

परमर्मनकहेऽ।२०॥अर्थघमेसंदिलसंत्रा।रिपुया।विरि
पूर्ण्युपविचारिः।२१॥त्रुटकः।धारिये अर्थपविचारः अकु
लउ२२पनतली।लिंदानंदी।आपणोगुणनाविकहराजेन
वरः२३गुणारप्रसंसावकुलहो।२४॥वचनलिगविकास
कारकः।लणोदोमनउचरऽ२५मननलिकउलिंगआएन
विपलाः पूंकिवानविकोकरऽ।२६॥५५॥ढाला।अदत्तु
नवातउिमनउचरऽय।२७॥नविकरऽयतिहविल
वलगार२८ब्रमनविउपजरवचनमर्मऽ२९॥वलेकाय
करऽयरिऽअनेकः एकपदारथजउनणऽय।३०॥संत
३ऽयसाधिवमैप्रस्ताव॥३१॥अदरपदनलाउचरऽय
३२॥मतिनदीएसंगासोचलगार।३३।रविदप्यासनअ

मिकरस्यणो॥ ८ ॥ क्षुल्लक। करइ अरष। विचारसूरइ। ॥२५
बारपरमदसेनमलइ:प्रभ्यालहरतबविचार निरता:
कुमतिवासमबद्धलइ। श्रावग्य: लोकाविवकपूररता:
सेवसायर जिनमतो। वंदना विनयरंमीसंमीमइ: स
यदापामररचली:॥ ६॥ गीमयगणहरपद्यनमीयलल:
ततणापालयकतिह मिलइय:जेविहरनरवधानु
इकि:नेमीश्वरकेवलल इ३थ। नमो पुराणरंजपएइ
ततकालि:किवमतणोपालकतिह मिलइयाक्षुल्लक॥
अतिनलइ श्राणंदि को डिवासइ: मादकमा ईकानलो
श्रोनेरणमयरमणो। सेधानइ। पूरिमइं पवलनवाधीए
लो: कोपमहीनेरवणग्रलिंगादइं: मोलिमकृविपारिबार

पा। बदुरंगासेनापरिवरणग। हरिमीमरइं नलियारयसाको
बाजित्रर वाजइश्रतिघणाय। बोलइयर मंगलनाटकि
घाट लिल्या। जनजोइवाम। नलदइ उलवबादकि:थाजि
त्रबाजइश्रतिघणाय। क्षुल्लक। जिननणाश्रतिसंयदेषु
माधवं:गधगजधी७। लरइ। ॥ वरीचमरर मुक्ताहरु
पाणा८ पगधीपावडी। पुणपरहर इ। इमसचितमलइ
१ अचित्तराम्हइर उत्तरीइकसाडीयु२ मनवातिराधी४:
नयणदेमीप। विनयसीस्नमाउ सूं: ५॥ श्रीसांतिजिणो
मरपठल॥ सू॥ करिप्रदक्षिणापदाहिणा: बइवाजोपानाय
कोइपारनपामइ। मिलपामुरनरमाय: हर्षमणइयक्रय
मायकरकरउभुरुदेव। माहरा मननीमनवीमरइया
एकरहेवं:क्षुल्लक:सेवकरेबादवतणी। तिणिश्रावइरजलि

वाली: लिहि धर्म कहइ जिनराज सहूनइ: वालीअ
मी बारली । दान सील तप भाव बखाणइ । चिहुं मुखि
चिहुं परि धर्मः अनंत अनंतकाय वरजीवइ: समज
वइ मा विरम मःपरे: कालजे जीव विणासइ: वालीअ
मंस्य वरजनइ चोरी करइ: पर नारि न मणी सूंमुं सपाल
इ गालो जइ धन मेलइ: राग द्वेष बहु आणइ । वाडी
निंदा करइ: परअपवाद बखाणइं । आणइ बलकरि
अभरम नि दिइ: कूड कपट बहु मंडइ: क्रोध वाभि इ खंड
इ मणउ दीडइ: मन मिथ्यात्व मंडइ: दंडइ तिहन इंप
रमाधा मी नरक तणा अवतार: विभडरेड दइ रदूष
दे ताउपरि मीत्यसार: इ ॥ ६० ॥ अर्ति भार इण री या मडे
मार मड ताउ रमंडा मइः धग धगती वेनूउ परिः मेकर

रे मरइ: कस्सर लूपामरं गालीजा सदक चीर ॥ दादा धूरे
माम इ: धूजइ मरव मरीर: नीरउ तावर इ चेतर ली नृं पा
ली पाली पील मूलो दूरन ली धग धगती सूं दिप्रा लिग
नडी लइ: दुःप अनंता पाप तणा फल: जाणी नर विकी जइ
केवल नाणित धर्म करी नइ: नरग बला दउ नीजइ ॥ ६१ ॥
आ पउ आ आउर: जलनइ रषदाल ॥ ३१ ॥ इम मंन तेरे वार
द्र कसी दिवल धरइ: लइ त्रिपदरि पूरव चउदम बीकर
इ: संघ तणइ इरराज मती बहु नारि स: पाल इ सू धूरि निरती
चार कहुउं जिमूं: इसू दे मी अमेना दिक धरइ: तेच तल
रमा केहि ली रूप लिए देवकी: श्री विकनापुण धार ॥ चतुरवि
धि श्री मंत पाप इ: पडर पक संदेस ण करइ ॥ वर दत्तन ओदे
सी: दि जिन देव वंदणु मरइ ॥ ६२ ॥ जिन बंधव वीर: रह नेमि

सेयमजम्रारहरा तपिकरतउरे जिनसाघरसंघ
लाडं किरयाम्मावतीरे नगरीसो मिसमोसउमा
रहनेमेरे विसरीपाठोसंचयमा पवरम्व वंउमातेत
म।लिजयणवादे लः बीजुलीजमरे मेवड्।गउग
उरगोजारलप श्राजरा मोरकीगारमेवड्।दाद् रो
उकस्उउरमादमरलरः पोजपीउ चौतकेचवरःज
दिमरिवरमर लोकररमर मेघविडं दिमिअन
वड्॥८२॥मरवीकोरमेलवरनेमकुमारपरदोल
रहनेमीरणिश्रवसररे श्रावरगुफामजारिः जोउ
व्रतमोरतलीमतिनारीः रहनेमिचालिउ देखिनारीः
कुपदराजमतीनेमिवंदिवरि।चालीबकुवारि जोउ

२०॥८४॥अलधरनीपरीजनीरे।जोम्जूजुवाना सिजी
३०राजलिगाईगफामनोरे जेदररहनेमिनाम जो३०८५
वस्त्रसमूहानिहुगव्यारेः दीठीजीमनाररजासा जो३०३वीश्रा
वरदकउअरेः रहनेमिबोलरबालः जो३०८६।।आगार
मरतुजनरकलउरेः रवडोश्रवसररहः जो३०नरनव
नामुरवजोगवीरोकीजरमुनिउदेहः जो३०॥८७॥समारइ
रहनेमकउलप्यउरेः वस्त्र मेलोलरश्रापः जो३०॥ समकी
वरराजमतीरेः व्रतलोप्यां बकुलोपापः जो३०॥८८॥राइ
कानादोला॥४१॥बंधवरेतूं बरनेमि जीणंदतुनेरपरहु
लिकुजश्रावीकोररे।उत्तमेरेशीलनलोपरश्रापणूं बारि
विषनेहलादलमारेः॥८९॥प्रतिबोधरेरहनेमिः

प सतत पनर२ । मनी इगी तरे ७० माय इहरे नरय तिम आतिकूड२ वज्ज

[illegible] जे बलीहैं नदि [illegible] निज कुलह मज्जा रिःरे ।
गंध नरे कुला [illegible] पतलीपर इरेः विमवमुउते
बलीमस्मद रिरे ॥ आकणी ॥ आगलि इरे घइसइ म
[illegible] नारेः गुणवम्पउन विलेवा बेठइ रचि
लियः झीवारे थाहि इं चउवनरा मइरेः जिमकमल
कुले सरे वर मारुरेः सोनइ रेने सप तले अति कुडउ अज
[illegible] जिम कमल स्ले मेरु पंडित नरि जेह वीसनारे ः जि
[illegible] रतेनजउ आलेकाररेः ॥ ७१ ॥ प्रति० जिम तनुब
इरेः कायाकुल इंमुह मणउरेः जिम मानवे करी प्रमी
इरेः नयण इरेः वरनउअसूरलीया मणूंरेः जिम ध्याक
रण इं वचन विवादरेः ॥ ७२ ॥ प्रति० ॥ लवणइं रे नाग
इ मीठीर सवती रेः जिम आचार इं करी अणगाररेः

वंदइं रे ग्रह गण सोनइ तिम मनइ रुरेश जिम चंद्र सुचि
संचाररेः ॥ ७३ ॥ प्रति० ॥ वीवाह लाउ लो ॥ ४२ ॥ मेरु महि
धर सारए । जिमतेज इंसूरउदारए । ज्ञानइं केवलज्ञा
नए । जिम ध्यानइं सुकल ध्यानए ॥ ७४ ॥ जिमलेस्या सुक
ल जिमी वडीए नदी सीतोदाउ स्त किंचडीए गुणि वइर इ
तीर्थंकर रूपए चक्कवइ तइं जिम नर तेम रूपए ॥ ७५ ॥ मनी
मुख मोरुराजि मीए देवमांहि इंदकी रतिवसीए कल
पमांला जिमतेन रूवसीए मम किंत करीया धुरि अणु
मरइं ए ॥ ७६ ॥ इम धर्म मांहि इंसील ए जेह पालनहीय इ
सुरव लीलए इम सेनालि [illegible] णए मनं [illegible] करइ ध
रिलीआए ॥ ७७ ॥ अंक [illegible] गडालि [illegible] अरइ ए जेत पासेज
इंबुतउ चरइए केवल पामइ सोविय नेमी सर नापयसे

तीर्थंकर ॥ ढाल साहेलडीनी ॥ ७३ ॥ विचरइं देसि वि
देसइ । प्रतिबोधइ सगुण सेमइं बहु ना विकक मलंड
पदम सू देः ७२ ॥ साहेलडीने जिनराज गुणगाउं मनिश्र
विहड्यां तगइ भाउरेः साहेलडी जिनअष्टमहाति
हारजेः सा० ॥ अरा मरगलि सिधाउरेः सा० ॥ ति
समनुश्चीनने स्फटेरे ० सा० ॥ श्रीकणी ॥ गणगणे
सरश्चकारः सा पुष्पदार इजारः मद मनरा लीलम
रुहा मारदे ॥ ८० ॥ श्रावक बलिइ कलास मद सगुण
वारिजापः जिनप मउप इमज्ञानज्ञा धरे ८१ ॥ सा० ।
त्रिणि लाख बत्री ससद ससालः श्रावी बनतरं गिरमा
नो सय पनर केवल धरति पालतरे ॥ ८२ ॥ सा० ॥ पनेर
सय वैक्रिय कारः चउद पूरव धर सय च्यारः सय
रे

पनरकेवलस संभालरे ॥ पेनरसंख्यानउर मानवरसे
सा० ॥ विपुलमति इक सहसः सय प्रासर वादीइस सस
सिघसा धुय घा जुड मद मरे ८४ ॥ सा० ॥ मदस त्रिणि सा
कुली सधि सयसो नअनुतर नेहः प्रभुपप वारे स
धरी ॥ ८५ ॥ सा० ॥ कूंअर पणइ विणसय वरस सयसीत
केवलपद सर सः प वेश्राउ वरिसद क मद मेरा ८६ सा० ॥
श्री रा हिना विपट उरा श्रावण सुद आठमि दिहउरा मासन
ण मण चितन्य माउ हरे ॥ ८७ ॥ सा० ॥ श्रु निवर सय पनर
बत्री सः चश्राया गिजगी सघ्या सिद्धि सइ चिश्रा मा मरे ।
साहेलडी ॥ ढाल घोडीनी ॥ ६४ चउ मुनिसुव्रत स्वामीः श्री
वराजिनन इद पासइः देइ रालीउदा कुलाः प कमनरइ वि
पासइः त्रिणि चितारचीनरः श्रीदिका त्रीणि करंती स्वीसादव

सू कुंयर वंतर पूजीतीन ८९ ॥ आचरणसयलसुर
वरकीलिआंगभरं तिःपालघीवरमारी चितिका
नाहिवंतीतिः अ मुक्के मि जिनगणधरः सुनिलि
वेरमयदेरंदहतिः जिनरु८अ सुर सुर सामी
मरूलिमीती ॥९०॥ सुरवरनूकरलीः सुरवरनु
अधिकारः सुर भुक्तानंदीः सर वर दीपमज्ञा
तिःहिनंआ७७७वक तिःत्रीकतजसविदेवः
पठरदाउनेरायर सुर वर देवः ॥९१॥ प धवल
रत्त७ मरं आणी मनिश्रीणदः गब्रलचौरिनिरूप
मगाम७नेमि जिगंदः कदश्वलसदा जीवदरव
करजो हिःतेअ विचलवर ४ पा मरः सुरेवमेपति

नीकोहिः ॥९२॥ पदग्रहनः मी त्राह्मण कालनकु ज्जोहः
पंडितजनतो हूनेरतेन्कर ज्योत ह मसूत्र ज्ञानचहिते
तअनुसारहं ः जालीसारः लवल सरंनाण्यह मयन
अधिकारः ॥९३॥ इतिश्रीनेमिनाथवीवाहलउसंपू०
संवत १७०८ वर्षे नाइपद मासे सुक्लपक्षे दशम्यातिः
थौ आनेवासरेः ॥ मा ह श्री जसराजकी पर तिआपनिते
नेमी सुरकौ व्याकुलो लिख्योः न लेसुर वी द रमें ०॥
लिखतेरबीकेसः सुमंगेवतुः कल्याणमस्तु ॥

॥ सिद्धश्री चौबीस तिर्थंकरां की चौबीसगीत २४
बूदसमानआनंदकुजी रा छंद की ठोल ॥
सुनमधुकरमोहरहयो : रिषभचरणआरीवि
दरे : आज मन मेरौ आनंद भयो : लीणउगुणमकर
दरी ॥१॥ म० ॥ रूपसरूपफूलरहे : ग्रेल विनउओ
आभरे : नीमाह केतक कोतणो : कंटक आवर
हायरे ॥२॥ म० ॥ जेसनउरेगनपालरै : तिह
सूं मिलिए धायरे : संगनकोउपतेहनउ जे को
मपउआकुमिलायरे : ॥३॥ म० ॥ जेपरवसबैय
नपउयो लोकोहाथिबिकोयरे : जेघरघरनापडु
लो तिणसूं मिलनैवलामरे ॥४॥ म० ॥ पूंचउद्धि

हसुरमधुकरसदा : ओणि नेसकहीरे : चरणकम
लजिणराजना ॥ मेवरबेकरजोडिमै ॥५॥ म० ॥ इतिश्री
रिषभदेवगीतं ॥१॥ राग मेलार ॥ तारकतेताउसे सार
सागर थकी ॥ जगतजनदीनवेसालिंद वीरमें अवेर घोर
तरैजो उआनारह्यो तो हरउएणचलननीहोद मेरा ॥ श्री
पणइकोडिकरजोडिजोउलगो दासअरदासतेकोन्हो
पावउ ॥ पिणधणीजउ कृपाकरइजोणमेवातणउ ॥ तउकि
सूंजगतपासइकहावइ ॥२॥ माहरउकपटमनमांहि
जउ आणि स्पउ तजसद पूरसपरे येहओसाकडलागो नि
केकेउ किंगप्रभूकसएरा नेहकदपककहिस्यो दिनामा
३॥ मूं नलीतारि बाकेनवोअ विसएइ अजितजिणमतल
उजोब्विकासइ अकलजिणराजनैभाजनकु णलेइ ॥ स

३. ही वेनवे पासहु ।। भ्रा ।। लश्रीअजितनाथगीतं ।
२।। राग मारु ।। विणजारारे लाई नायक सम
जनाम संघजी नउ सीतरउ । विणजारारे । वि
णजारारे लाई महू को । विणजणजारी पेघरब
स्वामी संघ उर विणजारारे ।।१।। विणजारारे ला
ई मानुजोर स्थाप बीच दलालनको फिरउं वि
० । विणजारारे । विणजारारे लाई लाभी लालव
कोडि रतन न नाविक लेले घिरम । विणजारारे ।।२
विणजारारे लाई लाहेरा दिने म्यार वालेखवारस
ला विस्यउ । विणजारारे विणजारारे लाई घासी
लाचग्रनेवाज भ्रमके महा घहला विस्यउ । विणजा
रारे ।।३।। विणजारारे लाई माल कोसाप ।स

पचलाभ सउअ उर । विणजारारे विणजारारे लाई
गुणलोकानी बात पठताव रपाडिम्पटघ उर । विणजा
रारे ।।४।। विणजारारे लाई पडु चीसा दिवसी मावणिन
करउ मनि मीकलर । विणजारारे विणजारारे लाई
पूविनु बर जिणराज अरिश्ण मूल मूलनको कलह
वणजारारे ।।५।। इति श्रीसंभवनाथगीतं ।।३।। चाद
लीय उअगो हिरणी आपवीर एहकी ढाल ।।
बेकरजोडी बीनउं रे अभिनंदण अवधार हो दयाल
राय अंतर जामी माहरा रे आवागवण निवार हो द
याल राय बेकर जोडी बीनउं रे ।।१।। आगम वचने
आक रूरे मोन लिक रम विपाक हो दयाराय रूसर

[illegible]सरूपउरे [illegible]रतो आयो ताकै हो दया
[illegible]॥२॥ बेकर जोडी बीनती करे॥ मीटी अमी
नी[illegible]करे रे: नउ नो जेतं त्रनीठ हो दयाल राय
[illegible]रूप पेखे रे: कुण जो तौ पर पीड हो:
[illegible] बेकर जोडी बीनती करे॥३॥ उपगा
री[illegible] मेहरी रे: नयनें जगजगवंत हो दयाल
[illegible]: अरिहंत दिन अहटै रे: ज[illegible]
करे बालिवलहो दयाल राय: बेकर जोडी बीन
ती करे॥४॥ हूं अपराधी सउ परे रे: महिर करउ
महाराज हो दयाल राय। मेघन जो वै बरसता
रे। सम विषमी जिणराज हो: दयाल राय: बेकर

जोडी बीनती करे॥५॥ इति श्री[illegible] स्वामि गीतं
राग मलार॥ करता सूं तउ प्रीति सहू ही मीकरइ रे।
सहू ही मीकरइ। परमेसर सूं प्रीति करतूं ह्यसी परइ रे:
करतूं ह्यसी परइ। आपणपै नीराग नरागी सूं अउडइ रे अन
रागी सूं अउडइ। तालीइ एक हाथ कहौ किण विधि आ
उडरे: कहो किण विधि पडै॥१॥ सेवी जोय सामि
आगलि आ तार ही रे: आगलि आ तार ही। पडि पाडि मर
ते गहीप वाचे मनि नहीं रे: वाचे मन नहीं। नगति
कहूं सउ जोति: न सो मनंज रे करे रे। न सो मनज रिक
रो। ना णइ मनिश्र सवारु घोड उदउडी मरे रे: घोड उदउडी
मरे रे॥२॥ सुमति नी प जगनाथ: पछे मन मा हरे रे।

रे:पयमनमादरे।देवबबरनीसिवः नब्रावेकार
रेरे।नब्रावेकारेरे।बाबीद७।जिमचुंवनबडेजलन
बेरे।नबडेजेमनवे।जलधरसेदकतारः करीत्रा
वधे।वलवेरे:करीत्रीवजीवलवे॥३॥नीरजनच७
विदलधीनविकोसकेरे:लघीनविकोसके:।क
रियबीजोजेमचिरूं मारेबकेरे।चिरूं मारेबके:
आपेश्रवलराज:नागीजनकोरहेरे:॥जगतव
ठल जिणराज:।बिरदसाचोवदेरे।बिरदसाचो
वदे॥४॥इतिश्रीसुमतिनाथगीत॥५॥रागधन्या
सी॥जातिवनकी॥कागली योकरतारमली
सीपारीलिषुरे:होकवपरहूंकरजोडि:निमतिमली
बतारापेवदेनेहीरे:होलीविबोनोपेणकोड:॥१

का०॥मेरूमालसमसिवधुरिचालनोरे:।होनामलोरु
एकलीकाला।प्रनूलगसेरूषडू चिसकेनदीरे।होरु
पगेनोजेलीलागोर॥का०॥हायीनजालेकागलकेदन
रे।होनोबाचेकिमनेद।।अलषनपाबोपि.....रलिष
रे।होसादबियोनिमनेद:॥३॥का०॥नीरंजनत
कमहीबर जिणरे:।जोलिखूबीनतीनोषद्र्रिय
पणनगतिहूहूंरहोरोलेसकुकोनीसाय॥४॥का०॥
एकपखीज७जाणपालिमारे:।पदमप्रनूसूत्रीत:।को
कागलजिनराजमहूंकिस्योरोइणपरिठरयारीत॥
५॥का०॥इतिश्रीपद्मप्रनूगीत॥६॥रागमारू:॥
आजहोपरमारथपाय७पानीगुरत्रसिदनबनाय७।
रागनजेयनणोबंसिनायो:परमपुरिखमेसोहाजन्याये॥

॥१॥श्री॥गोतम आदि अनेक मुनि गावो। कहु एव वचनके
इमसक दिः तूं सुं उनजलावरासमतासा
गरसोयकरहावे॥२॥श्री०॥साचवसेवकजा। एनवि
लियेउदुरिउनदोषिनअलगोट लियो। अलउरि
वजिण विधेउलाबयो। सद जमरूपी जिणबिंवफ
लो॥३॥श्री०॥ऊलीसोचनकोतवारे:फेरकोरनत
संसारे। तू किमनावकुनाववीवारे। फलेमसाकते
सारामारे॥४॥श्री०॥एकमजारिमडुकोपविराबे:वी
ओकुणपरमेसरपावे। श्री जिणराज डोलागमसाबे
सुजससुपासलत हमश्रावे॥५॥श्री०॥इतिश्री सु
पासगीत॥७॥रमोरेसुरगाय्रहरारि:पहकोदो
लारागकाफी॥ श्रीचंद्रप्रभूपाकुणउरे:किमश्री

वेचरवारसे। स्नेहने प्रभुकी पैतहीसे।पापमलिनेपरवा
रसे॥१॥श्री॥पालीबलपिक वगलोते। नंस्हेकोमम्बले
परे:।मायामाडालिकोविवारे:मस्त्रणकीयो।श्राविपसेभ
॥२॥श्री॥लोनअनीतोवागरारे।नासैपणीप।गुजाल रे
श्रावपीसेरउओकरेरे।चोकीकोचचेमोलरे॥३॥:श्री॥
विसनवनेचरवारतोरे:अनाकरेप्रकारेरे।मानीगम
अतिमानचउरे।नटलेपगपेसारैरे॥४॥श्री॥सुमेरागी
श्रीजिणराजनउरे। श्रावेआगेवाणारे। तौपापापासौल
येरे।वीठितचढेप्रमाणारे॥५॥श्री॥०॥इतिश्रीचंद्रप्र
भुगीत॥८॥रागसोरठि:कउषाकीजा ते॥ सेवाबाहि
रोकदियेकोसेवकः।ताउपाकुवैनोतवियो।कीधेकोम
नसाकतुंदोधौ:।तेहनतारनचाविये॥१॥से०॥बेडीजि
मतारेबूडतां।तौतारकस्यदहीये।आपणपैतरतानेतारे

सोमसूरीरक कांई मीठा॥ से०॥ आवयो दोरस ओ नांडेल
गायो॥ मो नाक कहै वीजे ठीकुं सदगरी व नि वात लो भ
कुभाव लग आप सेन वदे जी॥३॥ से०॥ ते पिण पात्र कुपात्र
विचारे अपगारी होवे॥ समभाव विष मी धारा वरस तो
जल धरक से न जोवे॥४॥ से०॥ पडियो सुजस लेप
र मेरू पूज्य सोठ मपवाडे॥ श्री जिणराज सूबधि सा हि
ब सेवक किम पडकुं वीजे आडे॥५॥ से०॥ इति श्री सुविध
नाथ गीत॥९॥ राग सारंग॥ मल्हार॥ आज लगे धर स्य
धिवक जगीसः सेवक सीतल बीस वावीसः जो का की धे
कुवे ठग सीसः तो मन लेज्यो जगदीस॥१॥ अवसर दिक
रिअड्ड सैअरदासः तैतो काई न पूरी आस। तो पिण कुरक
अपार विसासा। सेवक न आपे सावासा॥२॥ जो तें की का
छाड्ड वैकांमः तो ने दाम लेई नाम॥ हुं ते सेवक रूंतेस

मा॥ कि लतो इक दिन चलसेअ॥ मालो॥ नेन मलभीन धम
वअ वेदना॥ गातां वीलरमुक दिन रा तः तूं किम नेस्अक से सी
ल माता॥ तत बेतो बातानी बात॥४॥ बोलत नाई पिणजीहर
जः तैमे मूंन करी महाराज जो जा णो पोतानी लाज तो सो वि सि
न अयो। अविचल राज॥५॥ इति श्री सीतलनाथ गीत॥१०॥
राग मल्हारः पावस॥ एककनेक बीजीका मिसीरि देन
र धारा दिसः मारगड चालतो चातनओ र ... जेठेलाधि
क अलेषः॥१॥ उलगडी सुद्देली श्री श्री हंसनी रेः जोकडिजा
नौ कोइः उलगतो उलगतो उलगा ... पेड्क चेचावकरी रे अ
पसमोव हि लिखा॥२॥ उ०॥ आवयो दरहाजरि ओरहेवे
नि गि ले सांस बारः सरभुषसरभुषनरपर पूवस्माम
वारेः का इन लो पै कारा॥३॥ उ०॥ आव अठरुअ रि सूणा सु
कि देतना रेः नकरे तो सप्रसंगः साजण गो साजणीयो सादि

वधू कामनी करो लिखिसूरावि रंगा॥४॥उ०॥नाथ
ग्रवर माथ स्खवन तां कु मस्यो। बिंकु मोमेनां ले ला
श्री॥जिनश्री जिणराज: बिंकु घोडि चडउ रा इ रे। साच
उजलू सू रे आ॥५॥उ०॥इति श्रेयांसगीतं॥११॥
रा को रे नणराज: दे इ एह नी जा ति॥ नायक मोहि
नकालि कउ॥ स्मा यो हित राति रे। चेउ रा सील चो
लणो अस्यो नवनव नांतिरे॥१॥ना०॥ काजल
पहिमद घूघरा: केउ बिछ य बर मालीरे। नेरनव
लो सिर सेहरउ। लीन तिलक दे नालीरे॥२॥ना०॥
नरमें नुव णमद मा रला कुम तिंकदाय हिंतालीरे
कौ चकणउ कटिताटि बल्पउ। नव मेंऽ पत्र उ सालो
रे॥३॥ना०॥ मदन सबद बिंछि आगही उं दी माय

ची री री नवनव चाल हिंसा वल उ कोन कटी नवकसी
रीरे॥४॥ना०॥ घ्या कउ हू हिव नाथ तला मद रिकरउम
हारा जोरि। बारम जिणवर आगलइ। इम जंपइ जिनराज
ओरे॥५॥ना०॥ इति श्री वासपूज्य गीतं॥१२॥ राग धन्या
श्री॥ रह उ रहो चतुर च उ मासा एह की जाति॥ घर श्रृंग
ण सुरतर फल्यो जी॥ कवण कनक फल घोह लायव उ
बाथ उ बार लै जी॥ घर कि म आव इ दाइ॥ पुरा विमल जि
ण मारह उ अनुमस्यू रे मा। सुरसम कले कितसू मिल्यां जी॥
हीय ड उ हीस र के मा॥२॥ बिं०॥ मनग मतो मे बालंदाजी॥
कुण बल मा वा जा म आदर माहेबनउलदांजी॥ कुंणले
रोके मनाई॥३॥ बिं०॥ पाचव ब नइ कुंण कांचन इ जी॥ अ
लाविप सारे हाप: कुंणसुरतर पीउ मिलइ जी॥ बावल पा

लइ बाप॥४॥ त्रि०॥ देव अवर जउ इक सूं जी न
अस्न तु म चीत्राण॥ श्री जिणराज नउ एन वीजी हु
दो अदेव नमाण॥५॥ त्रि०॥ इति श्री विमलनाथ गी
त॥१३॥ राग केदारउ गोडी॥ सूजान उ तूं बे परवाह
तइ समसतांणा बेकरि साहीरा हीडि मनु रुआण न
साही॥ सूरे तो सूराप तिसाही॥१॥ ऐसा ची सेवा विष
ओली सूलो जाउ वरसावि सोली॥ मनसु खओरा
धरस्तु उ वोली॥ तउ सेती बीजइ आफाली॥२॥ देन
इ हेक वचनउ यापइ। तेतउ रहै नरी जइ पापे॥
नो भज पेपरमेसर जापै। तूं किमतेरनउ पातिकको
पइ॥३॥ नग तिमु गति नउ परिहिलउ पार॥ मइ लाधो
जिणवर तिरवार॥ जिण तुरु का इन लोपी कार॥

तिण तउ जग ति करी संभारो॥४॥ नाथ अनंतण
उ जिणराजा॥ लाधउ माज सही मैं आजा॥ आगम वूंच
पिण मुनिराजा। बोलउ तउ बो अबिचल राज॥५॥
इति श्री अनंतनाथ गीत॥१४॥ नमणी खमणी वीट
ला॥ नव सायर हूंती अवहेलइ॥ नारि मरू पोतानइ
मेलइ॥ आगालि पाछलि इम जाणी मोनी एवड़ो सो
नेता णोठै॥१॥ करम विवर देखे जिण दीसइ॥ सुंजम
पालिस्ये बिसवा बीसे तइ एफलि स्ये वांछित मारन
नउ स्यूं तु म्हेचउ नाहनिहोरउ॥२॥ तारउ मुझ निय
घउ मइ वासी॥ तारक बिरुद मइ परउ तउ भासी॥
जे जाया ठइ आस नीरातइ॥ तेनउ जस स्ये तिण ति
ण बाते॥३॥ पहिलीतउ सउ मीनति कीजइ रामडो से

रषपिता भामीजस रागि रुद्र ।किमहीठेह न रोष रा
जीमीति म सहु कोना मनरायै ॥४॥ नवि नवि देवल
देवल नित्य ॥ सिव सुष दायक को इनाम लिय
॥ चर म ना म जिनाय ॥ असमपाई ॥ करती चढती दोन
तिपाई ॥ ५ ॥ इति श्री धर्म्मना थगीत ॥ १५ ॥ राग दो
लहजर की ॥ कालअनतानंतः नवमादेन मतोः दो
जे वेदन सही ॥ सूं कहिये लेनाम्निः वोनगापी गत
हो तोघि वाचेनहीः ॥ १ ॥ पारदै स्पूत्री तितो जनमकी
धीसेः तिमनुं हीजकरैः सांभलीअवदातः सहु कोः
सेवकड मनव्यास्या चरस ॥ २ ॥ हुं पायो तुम्हतीरः
हरिपरिमुरूप रिसेः सो मन जरकरो । नलहै अ

तरथीढः अतरजा मीहोः तूं । किम मादस ॥ ३ ॥ सू
न दीन दयाला । दुषीया देषीदेः जो नकरे दया ल
कुण कारिम इतुरूसेव ः वस्ते बारे दो नौ नकरै ध
या ॥ ४ ॥ लाध त्रिभुवन राजः अब माचा है तुम सेवा
सचौ ऊ वरासम बढि जिणराजः मुझ मायाइ को
जिमबेला वधरा ॥ ५ ॥ इतिश्री सो तिनाथगीत ॥
१६ ॥ जिमति महूआवी वढोः जिणजी मीठनु म्है ली
मोहीः ॥ मतकरि म्हे बीजोवसः जिनजी लअपोतड
निरवाहिः ॥ १ ॥ दीवरे जगत गुरु मूं धो सम कितनी मी
आः पिये । करणी करणी करकु थु कि सेवक थिर
थापीयो आकणी ॥ परव घणी ठेपानसो ः जिनजीः

अउजो मउ वसूत। पिण जनू नर पूरी हरिजी
मनमानर है पर सूत॥ हिं०॥२॥ मैं माती मां मेरउ
नउजन॥ तिण वर पगपग धीजा। दीवउ अण दाव
[illegible] रैजी। लाज रदे तो दीजा॥३॥ हिं०॥ ऊंची नी
ची बात मैजी। हूं मूं घालूं जीवा। मो तव जग से मो
गु [illegible]जी। मा॥ च कदह मदा व॥४॥ हिं०॥ चर
णन [illegible] मूं ता द राजी। र णन वंपके ता र: राजस्र
ठर विवद हरिमउ जी। क रिचल तो विवदर:॥
५॥ हिं०॥ इति श्री कुंतुना पदगीत॥१७॥ राग वेला
वल॥ श्री रा घौ श्री रि ना प अ हो निस: मन मा द रा
म लाम उ मेद: मांगी मुरति जिनजी मादर[illegible]॥ अउ

ला धउ कु वर सुर मुनि नेर॥ श्री[illegible] कपी:॥ आ
इ ने हन जे गुण गावता: कहु र [illegible] नै मो डे मस।
ता रो क हू तो हीन दी ना रे। मा र दं यनो दी जा प:॥२॥
श्री०॥ किण दी धि ध कर ता र न नू स र: मैं [illegible]
करी वग मी स:। सेव क दीन स्नेव मिन ध र। [illegible]
न वे ते ही जग दी स॥३॥ श्री०॥ पाल र [illegible] तन जे क सू
ही सू:। मउ अपराधे नाण रहे स। आप स भाव उनि
रे उलगनी: प्रभु पोत म न उपद विसे स॥४॥ श्री०॥
क हि क हिन इ अे नग। तिं क र व रो। ति जि ण रा जन जा
णउ देवा। र दे वा मो दि अठ र दे वा चौ। न उ कोइ गा ने क
रि मर मेव॥५॥ इति श्री अरिना पदगीत॥१८॥ श्री
रव मो णी रो ली चे ल णो पद मीजा ति:॥

दासअरसकामसमापविकरजी। मूलनदीसैनंदाकी
दाकोनदेवंाजनमोनलेजी। तउ। निवाजसोकिसीदो
सी।१॥ मलिमनमाहिरायेनेदीजी। जगतजनेबीन
बैजेद। कोडिपरमाणजोकोकरेजी। तूंकिमकर
सनेहे। दो०। आदरमानमकोदीयरजी। गुनदको
सरनेदायकोआपणजाणनकरउपछउजी। देस
चूरअवकीदेका॥३॥ दो०॥ जोलडोजगतिकिरिव
नणीजी। आवसउरकणवारःवारबीजीसदीना
विमरजी। ताहरउजगतनुरुबारः॥४॥ दो०॥ तउ
पिणदुवारजिनराजनरजी। उलगीबकबकानूप
अलमअगोचरतूंसदाजी। सकलतूंअकलसरू
प॥५॥ दो०॥ इतिश्रीमलिनाथगीतं॥१९॥ अवि

कासाँईराहूता। अपराधी। नेपालमरहिजेनाहमा
अमम रियासेवकअलवेमम। वेगुनसंबीसाअमी
१॥ दो०। आपदीयेबापोतारियेको। अमनगुरमदेयको।
मुझबेलामुहउमचकोको। तारकबडवलेका॥२॥ दो०॥
मझकोनइरा। बीजइसिरमां। पडउनकोपकडतावड
जगगुरुदीजोवश। विडुनजरे। तउवलिकर्तुमआदे
॥३॥ दो०॥ ताम्। किता। कितातूंतारिस। तारहरवे
लितदीमा। रणबेलोजउतूंअलसाणउ। वेसिरहूलेउ
हूहिअग॥४॥ दो०॥ नोलानगदियेउलेना। सामिवसद
ताआया। मुनसुव्रतजिनराजमनाद्वारा। मिलियेइन्द
डाया॥५ दो०॥ इतिश्रीमुनिसुव्रतस्वामीगीतं॥२०॥
रागधन्यासीरी॥ मरमुमिरहूंसुमननरनमिलीसकउ

सउसी मेवा पायो दूराम की धी नवर रपडरा सव
हिमंद काम्रासा ॥३॥ सं० ॥ अब चन बचन सु धारस
वरस तन ॥ श्रम लिपर मद वार ः। स भव सरणन
ष्रते लिरष्या नहीं ः मजल जलद श्रगु हार ॥२॥
सं० ॥ जिन जि मगुरु मू पिय तूं गुण सो चलूं ः। ती
मां ते मसन तेरू मंत ः पर में सर पीहर आपा ते
मेंवे ः। पर नारि के म मिलंत ॥३॥ सं० ॥ सुमदुपनी
पिण बातन को कही। बिघरी बे मीपा मी चोटक
माई जउ पो तात लगी ः नवांके म पूजे श्रामः ॥४॥ सं०
स मति स मरि रि स नार सब समकरसा न सिंगणगां
नर मोला श्री जिणराज जन ममफल ज कीयउ जी ः।
दूणपरि दूण केली काल ॥५॥ इति श्री न मिनाथगी

तं ः॥२१॥ राग रामगरी ॥ सो० ॥ लि रे सो मलि यमा मी।
मो चक हूं सिर नो भीरे। बातन हूं डेरे तूं मब सर पावे ः
नउ स्या नउ अंतर जो भीरे ॥१॥ सो० ॥ श्री [illegible] ता
कीजइ ः पिण तूं कि मही नवी उरे। निसं नलू [illegible]
गाई जइ। पिणतूं कि मही नरीऊ रेगांरे ॥ सो० ॥ जब [illegible]
नइ नव सायर तारो। तउ सूं जाइ तू मारो रे ॥ सो पोता न
उ विधु दम लालउ। तउ कां नवि वार उरे ॥३॥ सो० ॥ इस सूं
ता के तार क स्यउ इम कूं ः पडीन म केम्य उरे ः। जब श्रम
नई सेवक के वड भगत अ बात दयो माहि पकिस्यउरे
॥४॥ सो० ॥ उ ठी आप की बातन लाई। का हिता पो ड़िन का
हिं। जगत बछल जिणराज सदाई। कि म बिरचै नय दा
इरे ॥५॥ इति श्री नेमिनाथ गीत ॥२२॥ राग लहसला वि

मनगमलनमो हिव मिल्हउ । उरिमारा णीपामनरे
परलाधिसस्नाप्रवउ। सफल करइः अरदासनरे
॥१॥ल तियरानाइनेलियइ। नेसाघेपरवारनरेः
अजलभमयचमग्ररइः। सुरतरुनउअवलारन
रे॥२॥ नेणा॥ जेमुकुसरिषामानवीः। ओलइम नि
संदेहनरे। बिदनस्सैवक मूंकि नइ। समभावस्सु
मनेहनरे॥३॥ नेण॥ जेसमरणसा। चरमनइ। करि
स्मरवारविचारनरे। जेहनरजनुपूगीरुमउ। घा
सीसानिधिकरनरे॥४॥ नेण॥ कोडचौलतणीपर
इः। परमेसरसूंप्रीतनरेः। श्री जिणराज मिल्हापढी
इ चडइनबीजउचीतनरे॥५॥ नेण॥ इतिश्री पार्श्वना
थगीतं॥२३॥ रागगउडी मल्हारः॥ सुणिसुणिबी

लहाएहनीजाति॥ नाविकाकमेलथतिबो घसो। प्र
भुतणीपरिवारीयो। गामागरथुंवि चरसेना। गि
लितसवयौ तिणवासेरे:॥१॥ चे रणी जीणेसरः
लीणउ शिवपुरवासेरो सबल बिमसलोकेमक
रूअरदा सेसारि॥२॥ चं॥ हिवमूलगउजीरिह
उ॥ तिहां किण किम अवसायेग चलतउ साधनको
मिल्यरि॥ किमकागलादेवरायेरे॥३॥ चं॥ बात
करूं तेसांचलइः। दूरथकी पिणबीरो। पिणपाउउ
अतरनचइ। तिणमोमनदलगीरोरे॥ चं॥४॥ इमः
जिनराज विचारतां। आयउ नावथ धानोरो॥ तिणत
परतखिमेलव्यउरे। हिवकरिआपसमानोरो॥५॥
चं॥ इतिश्री महावीरगीतः॥२४॥ सुणरखेहनीच

सभापरदेसीसहनी ढाल॥ इण परि नाखत गति
मति आणी॥ सुध मा॥ समदेना णीजी॥ वर्तमान च
उवीसीजाणी॥ श्री जिनराज बखाणीजी॥१॥इ०॥
ऋषभ सुरतिनय पुणे निरखी अजराजउ हाथे पूजीजर
जी॥ अवर मना सरगुण गाईजइ नरजनबलाहउली
जइजी॥२॥इ०॥ युगवर जिन सिंहसूरि सवाईम
नमरगुरु बरदाई रजी॥ पामर जिनवरना गुणगा
ई॥ अविचलराजसदाईजी॥३॥ई०॥ पहिली परत
पिलिखाई॥ साची॥ बारू मुषप्यरखांचीजी॥४॥ केइ
गुरुमुख बडलक है॥ केई तावन नावेजी॥ के जिनरा
जनणां गुणगावे॥ चूढती दौलती पावेजी॥५॥इ०॥
इति श्री चतुर विंसतिजिनगीतानि समाप्तः॥

॥ श्री सारदाय नमः॥ साधरदणा॥ ऋषि ऐंद्र॥ निसुंवणां
दिं तिलक जिणंदा॥ मीधाम स्यलबलीप्रु णिस कालअनाद
अनंताजाया॥ नितप्रणमूं करजोडी दोय॥१॥ जंबूदीपवरनी
रदमऊा रे॥ चउवीसीसंपेअवधार॥ चउवीसे जिनधर
नवकहीः पायप्रणमूं दुरबीगदगदी॥२॥ वयरनारिः
चक्रिय धुरि नाभि॥ ऋषभ जिणेसरक रुप्रणाम॥ विम ल
नायमु निजी वउदारः॥ अजित जिणेसर प्रणमूं सारभार॥
विमल बादनल विनेरपती॥ श्री संभव प्रणमूं जिनपती॥
धम्म मीरहू बनवदा॥ अभिनंदन प्रणमूं गुणना॥
४॥ एरवत विभु मिनन दंदः॥ बाहुय नित जिन सुमतिज
णंदः॥ धम्म मंतपद लेन विजोयः॥ पउमप्पद जिनबांदूय
सोयः॥५॥ सुंदर बाकि सुप्रतिमील निवासा॥ प्रणमूं मदरसा

श्री संपुपोस ॥ दोहूवी कुंनामिमु निराय। चंदुप्रभु जि
नप्रणमूं पाय। ६॥ जगवा कुहुरवन विपदा मुवि
धि जिणेसर वांदूं तेह। लठवाड नेरेसर न। मि श्री
सीतलप्रणमूं अलिराम। ७॥ दीनुरायमुनिकरू
यंप्रसंम। वांदूं यनेत जिनवर सिंनम ॥ ८ दूसद त
नुनिवर मनि धेनी। वासपूज्य प्रणमूं अवधार ः
ना॥ पूर। जविमुंदरन रिदं ॥ पायप्रणमूं विमल जिन
दः॥ रायम हिदय मुनी नए ॥ अनंतनाथ जिनवर ... पार्श्व ॥ ८॥
पदि लिङन विश्री मोदन पराय ॥ धर्म जिन सुर ... पार्श्व समंब
रपनरप तिमु नियम मः ॥ सांतिनाथ वरको निजन ... ॥ १०॥ कु
पारायप दिलिङन वजनी ॥ कुंथनाथ वांदं आपनि ॥ यम ... सागर
पिपुपार ॥ वांदु यमर जिन मङ ... प्रकार ... मल्लि जिनंदन
निजोय नलि लिसर वांद माय ॥ ११॥ मीडजा नरपनी ...

प्रणमूं मुनिसुव्रत जिन ... नमिमु निवर्ता ॥ नेमि जि
नप्रणमूं निदकेवली ... पाप ... जिन
कुंनम निजाम ॥ १२॥ ... पार्श्व ...
... जिन ... ॥ १४॥
पति ... वि ... मुनि ...
... जिनवर ... पार्श्व ... संपद
... जिनप्रणमूं ... महावीर जिन मोदत
दारा ... ॥ १५॥ ... जिनवर ...
... जिनवर ...
... ॥ १६॥ ... जिन ... नंतनाथ
नियम ... जिन ... श्रीधर्म ...
जिनवर ... ॥ ... पार्श्व जि
... श्री ... श्री ...
... जिनवर ...

मैं...गवं ...ग्गद्ध... ॥१०॥ वायउ सदा...मा हिमगारि। वंदु मुनि
...तमति ...वंदामि ...मनरंग। ...पंचम
...॥१९॥ वद्धमान जिनवर केवली। मुनि ... विवली प्र
... सफल मनोरथ ...
... नाम ...संगत वंदन ...
...सुमन ...॥२३॥ श्री ...
... ॥ ...
... ॥२४॥ ... वन मजनन ...
...॥ ... श्री ...
... केवली ...
... ॥ ...
... ॥२॥ श्री जिन ... मुनि ...
मुनि वंदिय केवली ॥ ...
... केवली ॥ वंद ...

करीय विनयावली ॥३॥ ...
वल केवली ...
... ॥४॥ ...
जंबूद्दीप ...
... ॥५॥ ...
... केवली ॥६॥ ...
... तेज वीरीय ...
...
दिन दिन ... ॥७॥ ...
... केवल ...
... ॥८॥ ...
... ॥९॥ ...
...
... ॥१०॥ ... मुनि वंदीए ...

णे किया। सागर लाख दस कोड तेने अंतर ए॥ पा मीयुम वस्
मनमूं न अंतर ए॥२॥ श्री अभिनंदन देव सुजान प्रभुः। वंदिये त्रि
भुवनी आजय पारण बिनुः। सायर नु प्रनव कोड अंतर बहुः। केवले
नीयूय वंदे नेसह:॥२॥ सुमति जिणंद सुवर चूमर चूर तेन
मूं:। मतेय मीर का पर्व: पाय गेन ए:। नव सायर हिसय कोड साय
रव कोड नमुं तितके वली जेह वा अंतरे॥३॥ श्री पद्मप्रभ हित सुख
उ: वंदे पवनेम्मून लिराय मा कुर्ण:। सायर सहिस
व कोड अंतर कहुः। नमु मानेत जेह वा केवली तेसह:॥१४॥ नीर
घनामु सुपास जिनपाय मली। नमु विहरू मू निसम ने गसाम वली
सायरसई तव कोड किय जवनी। वंदी प्रेमनरि ते हन रवन वली
॥५॥ श्री चंद्रप्रभु दिन गण हर मद। ... येसम् समणस
हो। नव सायर कोडि तार पवरी: चरण चनी वंदे सुदेव अंतर
॥६॥ सुविधजिणंद सिवरदि मुनि वंदिए। वारणी वंदी लडूरन
कंदीए। अंतर कोडि तव सायर सव मली: पलीय चउ नागर
लीर ए वंदे वली॥७॥ श्री सीतल जिन पाय सेउ सदा। नमु मु

सरसुथ

वयनु

णवारि सुणंद नाम मुदा। सत्ती सलिस सदा सत्र बड़ कोजी
ए। वंदि निरस बसु अवेगा करीलीजीए॥८॥ एक सु सागर अधिक
ए जाणीए। सहिस बावीस लाख छास ठि आणीए। अणार अंतर के
उ सायर कहुः। पली। पचन गार तिण छेदी वली॥१२॥ ढालती
जी॥३॥ राग देसाख॥ श्री मलनाथ नो स्तवन। ढाल॥ जिन नायक
रे श्री श्री अंस जुदा रीए। मुनि गोपत रे तण नाय पाप निवारीए:
वली वारणारे: पद पंकज मन निवारए। नव पहिल हरे संजुलयु
रुणु एगा रए। उलालो॥ गाइए मुनि विमल नंदः। नामिद्ध रिवानी
कं दिए। तिवह के सद वंध पूर्हल घरे: अे चलराय रिसी वंदीए
चउ पन सायर म अंतरे:। अंग भव यण ब याणीए। पलीयं
सत्र णि ति घव रहः। अंत अंतर जाणीए॥११॥ बार समरे: बो
सपूज्य जिनपाय नमु:। धुरि सुण वरये: सुह मचरण हूं न मु
नाम चारणी रे अमणी वंदन की जीए: गुरु सुन छद्दे सुण नि

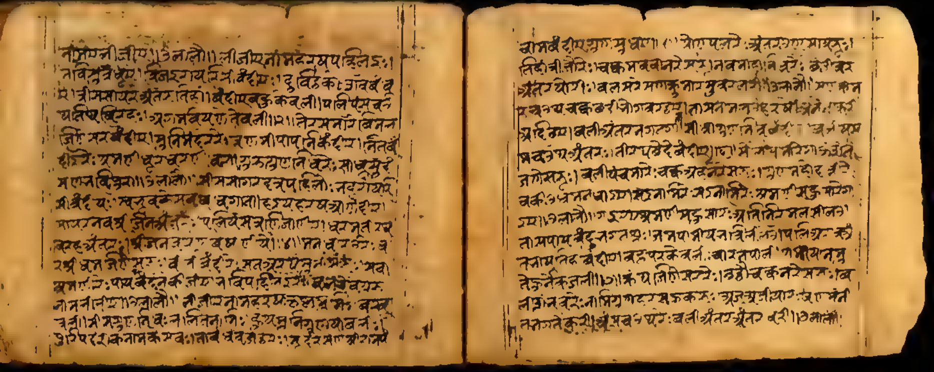

अ मचनीयकोहू सहिसवरस:अंतमऊएगाइस।चक
अरजनकुनगीहरखीय चूर वाइएागंगरद्दना।निजुय
मनवि:।गुरुअवसहमू निकरमनधरू:।परअपकेरिक
नामकेमव:।उं अनुगामी वश्रएासरू:।।५।।वलीछगेरे
कलधमना।मिश्राएाँदिसप्रीउ वरिश्रीएांदनायर।सिबंरी
पी।बली अंतरसाघडकेसनवुयाएीर।नाणसानमीरे:यो
दितात्रासवजालीयाउलालो।।जीएीरसअघुमनविगस
सागरना।मिमू लिवरू:।अ मसेएासीसयएानिबं:।वली
अंतरनरवरू:।दन्नकेसवजेहबेधव:।नदनरायरसी
वंदीय।केउसहिसवरस:।श्रीगुरुवचनवंदीय।।६।।ढाल
चउथी४।।रागदेसाख।।सारसीयामनएानारसनी।।ढाल:।।
मल्लजिणेसरसामय।सहिसचालीसदी:व:।न सयंमु तिवर
वंदीय:मु छमु:।निवरजव।।१।।सहियंचावनसाकुएीए:थुं
अ जिमजोय।बेधूमतीपायबंदनाय।सुसंयलिबोदाय
य।।२।।नरपतीवलमूनिबंदीइय।महीवलसतेजेह:बलि

नवत्री।मलनाथ:अं गिछगेलेह।।३।।अचलजीवपउबेविन
मिलिहा।इरवागराछ।यो।धरएाजीवआगदेसनाद:ना।मिश्री चु
दषाय।।४।।पूरएाजीवपसमना।मि:।कासीपतिनरवइ।वसु
वजीवश्रीरूपीरायकुएाालादवइ।।५।।समजीवअदीएासर्व:
कूरुनायकदीइ।अलिबंदूकुउ जियसत्रयपेचालरलूदी:।सो
मल्लिजिणेसरवऊवाय।मादबलनवमन्नू एाउगायसिसि
मल्लिजिणेसरपेघीयाय:।अहन्न
बंदीय।लकुनोगनीलत्र:।।७।।मल्लिजिणेसरपेघीयाय:।अहन्न
चक्कमार:।नंदमूतिसयनेदमनमूमन्नवचार:।।८।।वलमंत्रन
वचैनाएागमित्र:।अमरपतीकहीं:।अमरसएामदसिएाम्रनिचै
मवबलदीय।।९।।श्रीजिनसीसयसहिसत्रिएि:।अधिकासईद
एामीवाकेवलीयवादूध:।बंदुनिनसेइ।।१०।।श्रीजिनअंतूरिव
रसेलाय:।चउपनलकहीं:।सीवाकेवलीनसतसनाम:लीधर
सुयलदीय।।११।।मुनिसुव्रतजिनसीसरंगइदूएगहरनमीइ:।

२॥मद॥पद्मनाभ चक्रवर्ति नवमह [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥३
सतीयसंयोम [illegible] वरणोरंगरमें ॥ [illegible]
[illegible] नयन ॥ [illegible] ॥ निर्मल
[illegible] ॥१४॥ [illegible] सहितन [illegible]
[illegible] ॥ पद्म [illegible]
[illegible] ॥ जिनसीस [illegible]
[illegible] ॥१६॥ श्रीजिन [illegible]
[illegible] नामः ॥ [illegible] नामः ॥ [illegible]
[illegible] ॥१७॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१८॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥१९॥ नमि जिन [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥२०॥ [illegible]
[illegible] नामः ॥ [illegible] ॥२१॥
राग मेवाडी [illegible] ॥ श्रीजिननायक नेमि जिन वंदे

[illegible] मुनिवर [illegible] ॥
[illegible] ॥१॥ जगति [illegible]
[illegible] श्रीजिन [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] सागर [illegible]
[illegible] कपिल [illegible]
२॥ जगति [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] केवल
नामः ॥३॥ जगति [illegible] ॥ नंदन [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥४
जगति ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥५॥ जगति ॥ [illegible]
[illegible] ॥ जिन [illegible]
[illegible] ॥६॥ जगति ॥ [illegible]

भवउदारं ।बीत्रीसरिक न्यापरहरी ।नपवबर अप
रा।ण।।नगति०।पुरवब भेदरे स्वमनअनासी ।सयभव
सवरस।।मासमंयारे सवपरपामी ।ग।अमद मनीसः
८।।नगति०।।वसुदेवदेवदेवकीनंदनश्रावसु।गयसु
कमालकुमारः।मेयमलेरत्र तिब।निरहा।।तिपद
कधारः।।९।।नगति०।।मुनिवरदे घरे।कोपअलिन
की।सोमलसंधाकालः।घरस्त्रंगारोः मस्त।गतिदेव
र मादीदवे वीपालि।।१०।।नगति०।।गरवर नीपद रि
तेपअगनवसल्या।मा मं सिवडर वामा।सुरवरदे घरे
उवति।करड।गाय मतिमणगामः।।११।।नगति०।।मु
पुहनामीरि मुरतालीइ कवयना।सक्रमारः।चरमस
रीरिबलदेवनंदनः।धारणी क्रयमल्लारः।।१२।।नगति०।।
सारण दारुणमु निवरमाइय।ना।मिश्रणादिवजालि
चरदसपूर्वीरिः।बीसवरीसतूः।संयमगणामणपालि।। १३।।

करति०भजाली मयाली अवयाली पूरबली।पिसूसमेनकुम
र।वचारवारमेणआइदरबारणी।अरिवयावसुदेवनंद
नधारः।।१४।।नगति०।।वस्त्रावनूपणपूपणि।वसुदेः।कृष्ण
रयद्युनजाय।जंबूवतीसूनुसवसदानमु।कसवनेदारा
।।१५।।नगति०क्रमयरयनुन पूनमुद मरणा।कृपरवरनवम
निंवा।मरयबेदनी अयारि सिदसलू।।सुंस्रसनेगपलू
की।।१६।।नगति०।।समुद्रविजय।सिवादेवीनंदनः।सवने
मिकुमारः।दठने मिना।मरेनुण ने। ग।इम।अजनबाघु
सा मारः।।१७।।नगति०।।थ वरपंचासनद गीपरदरी।परदर
सोवनकोडिः।विखुपर्व भरिनुणरयणतपकरी।उला नव
नरिसी।डि।।१८।।किति०।।बारसअंगरे मुनि विरजा णी।स
यमकोलबरीसः।मासमं थारे सेत्रुंजि सिंविगयो।श्रीआन्पाश्री
गामनीसः।।१९।।नगति०।।राजिमती वयगारे सं यम।पिरस्वी
।रहनेरपयरोरेमु निम्रुणतो मोया। बंदमुणामा।सिवः।।२०।।

ढा भेककामिनी। रागवसंत। केदारो ॥ ढाल छठी कलना
अमणीय हिसोब लोपियदा सु सु लच्छु लग्यालेः। नी
समिरीमणमहासती गुणवंतिहेलीलीण ॥ ३ ॥ पीमाधव
र भूरिदीवाय सेवय सारिससरूपः । गोत्रकोरीगंधारीय
नाविदरयसरूप ॥ २ ॥ बिंदु सीलेसुलखण । लखण केदे
वाय भारः । वलीय सुसीमादपती । प्रीपतीमेह अपारः
॥ ३ ॥ जब वलीमतसरसती । वरसती अमनंतकालिः ।
ना माखेन वेनय नंजनी । रंजनी विकियालिनीलः ॥ ४ ॥ र
पणिसूपेमोदती । मोदती रागमणयाण । अहरिऋते
उ रिअवयरा दिही स्वागमवाण ॥ ५ ॥ पूनलिरिहुमनूय
णा । कंपणानेहीलूगारः । प्रूलदेनोव लिमारीनारीसुस
वक्र भारः ॥ ६ ॥ गुणि अप्रियाजयसीः सिषलङ्किरयस्वे
संयनवीसवरसरः । रीसेतेनदीयतंत्रीगः ॥ ७ ॥ अंगन्ध
गारे अनामीय । मामीयाआत्रणसणसारः । श्रीवभेअगेनु

णघणा । तेहलणांनंलंकपारः ॥ ८ ॥ राजमतीसतीमहसती
मोह तिलिङ्कयणरंगारहेने । मिराबूलीलिख औलकेग्रामचं
गा ॥ ९ ॥ उ मराअ रसाखीया । नामीयअ णमभरीः । मानवल
वफललीजीयेः । कीजीयइ मनु णअंगः ॥ १० ॥ इत्यादि सीधी
जेवली तिवलीसी । लिभालेः । त्रूणि साहिस तनवीदीपः । वै
डीयनवदुमजालः ॥ ११ ॥ करजोडी उतनमरसः । रंगइ सवि
हूं पायः । हम सावि दुमचूरियेः परामंपर ध्याय ॥ १२ ॥ ढा
लसातमी ॥ ७ ॥ रागकेदारो ॥ विमलजिणेसरजोय ॥ तीर
थश्रीतरहोयः । मद्वलनरपतीयः देवीपोभावतीः ॥ १ ॥
वीमागयनामिङ्कभारः । तासउयरेअवतारः । गुणनिवक्र
यसूसः । सुमिमतोसूरः ॥ २ ॥ सिधघारकसारः । गौरकर
णजंडारः । गुणरयणसारूपः । आवाम्र लवरूप ॥ ३ ॥ बत
सरसारः । कनकाको उभिहारः । वेगीपरदेशीरः सेयमश्रीव

वसीप॥४॥ब्रह्मलोकसुरसारः।बलदेवकुलअवत
रः।मातारेवतीः।सीयलदापुती॥५॥नवउयनंदनत
मः।हरूगीबरपंचासः।तेसविपरदशाए।जिनसानिव
करूय।६॥चारितपालीसारः।सवह सुरत्रेवतारः।
तासतेनीजाणय।कीरतकीजीय्य॥७॥मवलीअनि
वंसवेदः।पगतीजुगतीएहः।दसरथकुमनूरादवर
दसुदरूय।७॥माहाधणुवलीयक्रमारः।सुवबणुस
कुसुमकारः।दसधणूपां।ययसयच धणुधा।ययः
१॥वैदूरसउवंगः।गातीमुणमुनिरंगः।हयकउल
सरय।निनग्रमनवसरयः॥१०॥ढाल्आबनी।राम
श्रीसाक्षी॥ढालः॥थावचाकूत्रयसहिमसाचः।त्रतलेइ
यश्री।जिनतेनिदाघः।श्रुकमहिसुत्रीठवाचरणदीवः
द्ववाहूमुनिवरजगत्रसिध॥१०॥सेलगनरपचंघसत्रुध

घारः।सत्रादियंचसइमेत्रीसारः।श्रुकमुनीसुसचरणलीधः
लितवैदूयसेलगआदिसिव॥२॥तुहिहिलचरणमुनिनी
सेना।वनरिश्रजननकुलतेसुएवरणं।मेदवंवावेवंपू
वनामः।गुणगा।वयसेयमसीलगेमः॥३॥मासषमणंतर
पारणुकरइचदः।नेमसीवासेनलीतजीअंअंन।मासदाय
सेः चारिलदीएसीवः।दुवैदूयजिमलक्रुमयलरीवः।४॥
धमघोषमुनीसरसूत्रवारः।धमरूचमुनीसीसलपिदारः
मासघमणनइपारणूसवकालेगजसजगश्रणमहिमेओति
विसालः॥५॥नागसिरीदवषमयलुमदीघः।किरूणीपरिन
निवरआहारकिधः।पंचमयअनूनरलदीसुघः।निनूबं
दसीधामघवीयदुघः॥६॥गोवालीयाअजीयासुणनिधान
तिनुमायसीलइअलिवधानः।श्रीवर्माजिणेसरलियः
जालिमःसुकमीलीयादिवियतीणिठीणि॥७॥कणायसे
अनवलीलयलः।तीसमयाणीरूपदसुणविसालः॥आरं

वीयप्रुसोती छुलसलोकः॥ ऐगभव ईगाउयुण विलोकः॥ज
डूसवतबिथ्रकप्रु मिदुनसेणः॥सुणगाउयल लितप्रुणवू
केणा॥लाभवो धवमोघजीवघीयरामः॥ब्रह्मलोके कृपासुर
सुगमः॥८॥ बलीअनरिच किंयवंसदनः॥नो गीप्रुतञसा
लमीनरगपतिः॥पूरवत्ने विबेचव चित्रजाणिः॥ नितबादू
यउत्र भूयंणगलिः॥१०॥ जिनअंतरू त्रीसीसहिसबासः॥
बलीसाठी सातसइअधिक तीसः॥ नीहींसी बोअंतर सायु
नेहः॥ कनजोडीयवेदूचरणतेहः॥११॥ श्रीयपासजिणेसर
सीसजोयः सोलसहिसप्रुनिधूरिसाधुहोय॥ संतसरघोय
नो मिमुनीवसिहः॥ ब्रह्मचारीयसोमप्रुनीसुदीवः॥१२॥ प्रुनीअ
वरसातभावीस्तनडः॥ जसना मिआवमाप्रुणसुमडः॥ वरगण
हरःअधिसीदयजोयः॥ प्रुनिसी वारंगइनदू सोयः॥१३॥ अव
त्रीसरसहिसमादिवडीजोय॥ प्रुष्कचुलाप्रुमणीनमयसोय
पदअदिसी वीएसहिसदयः॥ नित बेकुय जेम हि वेसि वदे
यः॥१४॥ प्रुपासगाउयलइअंगः बाउजमतेनोयसिनावि

यरंस॥ वरसअडीयसरअ तरूप्र वजाणि॥ हासी बीसणमू
मनिआणि॥१५॥ ढालनवमी॥९॥ रागकेदारा॥ ढाल॥ चा
रजिणेसरसीसरॅ चउदसमहिसजमाणु॥ सालसइकेवल
गाइवर॥ गणधरप्रुरिइंदूभूतीपा॥ प्र तिअग्रभूतीजाणीयः
त्रीजावायभूतीए॥ २ वंदूय०॥ गणहरवायअवधपाणीरामु
निवरसोहमसा नामा मडीयमोरापूढ्ए॥ अकं त्रत्र सवगामी
यः॥३॥ वंदू०॥ अचलवायप्रुणगारमा प्रुनिवरमयजनाम
रावलीयजनासजाणीयः॥ पामासिवप्रुरवामूए॥४॥ वंदूः॥ प्रु
त्रदवामअनीसीय॥ प्रुणहरवरअप्पारूपः॥ नाणियतेऊण
हिणयमः॥ पामात्रवतणोपारूस॥५॥ वंदू०॥ चवनाएदेपीय
वूकाउः॥ नरपालिवरकरकमूयः॥ दुमददेपीइंदूपतनूक
उसीलइःअप्रमूयः॥६॥ वंदू०॥ मधिलानरपलिकंकणीः
जागानमीनेरादूय॥ अंबलदेपीवियसागीउ॥ नयरइसायप्रुणदू

×श्रीरजन ... गोयं ... पंचवयपालनश्रादरी:

७॥वंदूयं०॥कपिलपुरवरनयरनी॥नामिसंजयराजूए

मू धीयकरूणा श्रादरी:।सी चास घलडीकाजूए:॥५॥वंदू०

वीर जिणेसरवंदनो दसनन दुनरिदूए॥तनमिणसंजम

श्रादरी:।जीनलउमोह महंदूए॥६॥वंदू:।पालीयपूतएम

मुनिवरू:सम्मुरपालकु मासूए:।निम्मलकेवलरामीयुम

उल्लरकयणवचासूए:॥१४॥वंदू:।सेसिनदसरजाणी

ए:त्रिभुवनजेरूजगीस्मूसूए।अक्षियकीयापूजीयाः:कालो

दसमुणीसूए॥१३॥वंदू:॥विमलजिणेसरतीरथे:।मुनि

धमघोसमुनीसूए।महबलमुनीरूप्पपंचमे:कुओतेहमु

रद्समूए॥१४॥वंदू०॥महबलजीवएअवरू:सेवमुरम

णनामीए:।संयमलरयासिधिगया॥सुरनरकरउजण

मूए॥१५॥वंदू:।दे थीय मातरसायरू:।सिवैरायं सिरसीक

नाण।वीरजणेसरसेवतो।पामूकेवलनिरूए॥१६॥वंदू:

पंचमीकलयएएपमोगाता।सपूजलनामूए॥श्रीजिनसानि

घासिचलही॥नागवेसुमरके का मूए॥०७॥वंदू०॥सेलद

सनूस।जीए:।उदयणनामिनरिदुए।पंचमश्रंगिरनामीयः

मेवरसुरनरइंदूय:॥१७॥वंदू०॥मकाइयकंकंमजाण॥

दारायणिदपूरवरवामीए।ढडीयपतियरहजनलीउकुप

लिधिनरवामीए॥१८॥वंदू०॥वासव यनजेमुनिवरू:।

त्रिभुवनेतिलकसमाणूए।संयमसीलवरिसनू:।धिनंदर

मुनिगुणगणूए॥२०॥वंदू०॥केलासमुनीदरिचंदणो॥श्री

लिलगारनरसूए।वारनूमुनिवरगुणघुणा॥संयमन्ना

रवरीसुए॥२१॥वंदू०॥वलीयसुदसणेरिधिनजी॥मुनिव

रपूरणनरूये॥:संयमपंचपवर सनू:।सेवइसुरनरवंदूए:

२२॥समणनंदमुनिगुणबरू:।संपदहनामिवल्लीसूए॥म

दमुनीसरजगिजयू:।गाछकुनिसरीसुए॥२३॥वंदूयं०॥

वीरजिणेसरदीवखा। अंग०। उपरि जस्सा संघ गुणरय
यणसेवकरतपक अ:। धृति माबारसत्र कासीय॥२४॥
वंदू०॥ अर्जुनमालीमुनीरली। उपसम अंगेय धारूय:।
अलिखतूक्कटरतपकरी छमास रनवपारूय॥२५॥ वं
दू०॥ विजयरायसूतूजा। लीय। श्रीदेवी अंगजातूय अं
मेत्तउ मुनी गुणनिलु गाऊ गुण विख्यातय॥२६॥ वंदू०॥
ढडीरायजअं तेउरी। गुणनिविवरायअलेकमा। क
मरीद्रस विजापवा। संयमसील धकय॥२७॥ वंदू०॥
आवमेचं गिरमुनी नगा। पाम्यां सीवसुख सारूय। अरिह
समरउ बीघुणां: पामे ते नव पारूय॥२८॥ वंदू०॥ नंदी
अनुत्रएजाणीए। नंदीसेण मुणी सूय। श्रेणीक सु नरपति
कुलनेलू:। संयम धरक उम सासूय॥२९॥ वंदू०॥ ढाल
दसमी॥१०॥ राग आसावरी। ढाल॥ ढचौसर सरिहसमा:

हासलीय जठ:। गुण…
नानमूरंग। जस निमलस… रंग॥५। जय… अजय।
गुण विमाल। नयणीय संन… रमपाल:। गुणवंत विज्ञि
दमाय। वलीदेवानंदानमूंपाय…य०॥२॥ हविरणक नस्य तित
णीयनारि:। अंगिआवन रकूहर चरण धारी धुरि नादादेवीय
अनयमाय। नंदवतीयस वंदू गुण निकाय॥३॥ नंदूतरादेवीय
० हतयजाणा। नंदसेणा यानी मिचीतिश्रेण। गुणगाउयस्मेन
मनहरंग। सुमरुतानी मलसी लअंग॥४॥ मारुमरुनादेवीयल
चिसिध:। मरुवादेवी नामि मयल रिधि सिधि सकुनी नदाचरण
पोल:। सुनंदीसवील हाय कमदाल:॥५॥ सुजआवली सुमणा:
मनश्रीणि: तुयदेनादवा सीमि पाणा: वीस वरि सवनु संजमसय
लमाय। मेघास्तरमा सनराम बिहाणा॥६॥ वलश्रेणकदेवीसुभवत
रहा। जिणंद कारतपकरउ क मछेहा। कालावली सरे वी गुण निधान:
रयणवलीत पक संस्त्र तिमान॥७॥ सुकाली इकण…वलीय

[illegible] ॥ [illegible] श्रीकृष्ण

[illegible] दास ॥ दा [illegible] की कुहान

[illegible] करे वा सु कि [illegible] वंदली

मि [illegible] दव [illegible] मोहन की [illegible] [illegible] दुंघका मिस वनमयाप

नीरव [illegible] तब [illegible] सेय [illegible] पसन्व रइप हिमस

हि मजा लि ॥ [illegible] मधु वन इन वद स ना मि श्री [illegible] प्रभय

ललकि ध ॥ सुक वीरपवी वक स मी ध ॥ १० ॥ मदा कि दुदिव

[illegible] विहाला ॥ लघु मंडन दूपत ब उराल ॥ वीरके [illegible]

पलजसि ध ॥ वेली मोहमवे तानद की ध ॥ ११ ॥ रामा कन्हदेवी

य नमूपरंग ॥ वेदूतरय उमा करीय चंग ॥ पिसेगाय किन्हानम

गलीन ॥ मुत्ता वलीतप करील हिमुहि ॥ १२ ॥ वलीन हैं [illegible] कन्ह

श्रविमुनाल ॥ तपकी वन श्री विलवध माल ॥ श्रावव वसा वदय

नी [illegible] श्री हिमाल ॥ अनुकु मेद मदे वीचर [illegible] ॥ १३ ॥ श्यामा [illegible]

[illegible] अपार सारा सेपार दमास बदलदा पार ॥ नील वंसी नमल

[illegible] साग [illegible] चाय पानी सि चलाल ॥ १४ ॥ यहश्री [illegible]

(९) [illegible] मत [illegible]